

18/6/1991
18/6/1991



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

तं० 26]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 29, 1991/आषाढ़ 8, 1913

No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 29, 1991/ASADHA 8, 1913

इस भाग में विशेष पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह भाग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खंड 3—उपखंड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य सेवा प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा
विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किये गये साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण,
प्रकार के आदेश, उप नियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other
than the Administration of Union Territories)

गृह मंत्रालय
नई दिल्ली, 6 जून, 1991

सा. का. नि. 378—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अधिनियम, 1949 (1949 का 86) की धारा 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए भारत तिब्बत सीमा पुलिस (कम्यनी कमांडर) (ईजीनियर) भर्ती नियम, 1984 का संशोधन करने के लिए सम्मिलित नियम बनाती है, मर्यादा:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत तिब्बत सीमा पुलिस कम्यनी कमांडर (ईजीनियर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1991 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारत तिब्बत सीमा पुलिस (कम्यनी कमांडर) (ईजीनियर) भर्ती नियम, 1984 में, मनुसूची के स्थान पर, निम्नलिखित मनुसूची रखी जाएगी,
मर्यादा:—

प्रान्तसंची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनभाल	चयन पद	सेवा में जोड़े गए चर्चों का समय	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा
				प्रबल पद	फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा प्रबल पद (पैशान) नियम, 1972 के नियम 30 के अन्वेषण अनुसूची है या नहीं	

1	2	3	4	5	6	7
कौन्सी कंपानी (इंडीनियर)	24* (1991)	साधारण केन्द्रीय सेवा, *कार्यभार के पाछार समूह "क" राजपत्रित पर परिवर्तन किया (प्रान्तसंचीय) जा सकता है।	2200-75-2800- 100-4000 रु.	चयन	महीने	30 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुबेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच बर्ष तक शिखिल की जा सकती है।)

टिप्पणि : आयु सीमा प्रबलारित करने के लिए नियमिक तारीख भारत में व्यक्तियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी (न कि वह अंतिम तारीख जो प्रसम, भेषाजय, अल्लानाचल प्रदेश मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, लिपुरा, तिकिकम, जम्मू काशीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्त्रीति जिने तथा उम्मा जिसे के पांची उपखंड, अंकोराम और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के व्यक्तियों के लिए विहित की गई है)।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अद्वृताएं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अद्वृताएं प्रोत्त्वत व्यक्तियों की वशा में लागू होंगी या नहीं	परिवेशका की प्रत्रधि यदि कोई हो
--	---	---------------------------------

8	9	10
केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त संस्था से सिविल इंडीनियरी भूमि पर्सी उसे नियन्त्रित व्युत्पत्ति शारीरिक माम पूरा करना होगा :-	आगू मही होता	दो वर्ष
कव	-165 सेंटीमीटर	
सीना	-81 सेंटीमीटर (विना फुलाए) 86 सेंटीमीटर (फुलाए पर)	
भार	-50 किलोग्राम	
दृष्टि शक्ति (वर्षमें सहित या रहित)		
दूर की दृष्टि - एक चांच में 6/8 और दूसरी चांच में 6/9 मनवीकी की दृष्टि - एक चांच में 0.6 और दूसरी चांच में 0.8 अन्यथियों के संघटूतानु या सपाट पांच नहीं होने चाहिए।		

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोलति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दस्ता में बे श्रेणियों की प्रतिशतता

प्रोलति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दस्ता में बे श्रेणियों की प्रतिशतता

11

50 प्रतिशत प्रोलति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।
50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।

12

प्रोलति द्वारा : भारत तिब्बत सीमा पुलिस के ऐसे सुबेदार* जिन्होंने उस श्रेणी में तीन वर्ष नियमित सेवा की है और जिनके पास केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा माम्यता प्राप्त संस्था से सिविल/पिष्ट इंजीनियरी में डिप्लोमा या डिप्ली है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

ऐसे अधिकारी जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण किए हुए हैं और जिनके पास सिविल इंजीनियरी में डिप्लोमा या डिप्ली है या केन्द्रीय/राज्य सरकार के विभागों से ऐसे कनिष्ठ इंजीनियरी जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर वह वर्ष सेवा की है और जिनके पास सिविल इंजीनियरी में डिप्लोमा या डिप्ली है।

(प्रतिनियुक्ति की प्रवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियमित से ठीक पहले आरित किसी अन्य काडर आहु पद पर प्रतिनियुक्ति की प्रवधि है, साधारण-तथा तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

*टिप्पण : जब ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों के संबंध में प्रोलति के लिए विचार किया जा रहा हो जिन्होंने प्रभेक्षित सेवा पूरी कर ली है, तब ऐसे ज्येष्ठ व्यक्तियों के संबंध में भी विचार किया जाएगा जिन्होंने परिवीक्षा की अवधि पूरी पूरी कर ली है किन्तु अर्हक सेवा पूरी नहीं की है।

यदि विभागीय प्रोलति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

- समूह "क" विभागीय प्रोलति समिति जो निम्नलिखित से भिन्नकर बनेगी
- (1) महानिवेशक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस - प्रध्याय
 - (2) महानिरीक्षक भारत तिब्बत सीमा पुलिस - हवस्य
 - (3) निवेशक या उपसचिव, गृह-मंत्रालय - सप्तस्य
 - (4) उपमहानिवेशक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस - सप्तस्य

14

संघ लोक सेवा आयोग के कार्यसेवा से छोड़ प्राप्त है।

[सं. 1-12011/4/90-ओ. भार. जी. (मार्ई. टी. गी. पी.) कार्मिक-1]

टिप्पण : मूल नियम, सा. का. नि. स. 289 तारीख 15-4-88 द्वारा प्रधिसूचित किए गए थे और उनमें उसके पश्चात् सा. का. नि. स. 502 तारीख 25-6-88 द्वारा संशोधन किया गया।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 6th June, 1991

G.S.R. 378.—In exercise of the powers conferred by Section 18 of the Central Reserve Police Force Act, 1949 (66 of 1949), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Indo-Tibetan Border Police Company Commander (Engineer) Recruitment Rules, 1984, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indo-Tibetan Border Police Company Commander (Engineer) Recruitment (Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indo-Tibetan Border Police Company Commander (Engineer) Recruitment Rules, 1984, for the Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:—

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Company Commander (Engineer)	24* (1991) *Subject to variation on work-load.	General Central Service-Group 'A' Gazetted (Non-dependent Ministerial).	Rs. 2200-75-2800-100-4000	Selection	No	30 years (Relaxable upto 5 years for Government servants in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). NOTE : The crucial date for determining the age limit in each case shall be the closing date for receipt of applications from the candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti districts and Pangi Sub-division of Chamba districts of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).
Educational and other qualifications required for direct recruits		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotees		Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	
Degree in Civil Engineering from an Institution recognised by the Central State Government. Must satisfy the minimum physical standards : Height : 165 Centimetres Chest : 81 Centimetres (unexpanded) 86 Centimetres (expanded) Weight : 50 Kilograms Eyesight (with or without glasses) Distant Vision : 6/6 in one eye and 6/9 in the other eye Near Vision 0.6 in one eye and 0.8 in other eye. Candidates should not have knock-knees and flat foot.		Not applicable		Two years	50% by promotion failing which by transfer on deputation. 50% by direct recruitment.	
8	9	10	11			

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grade from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances under which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
12	13	14
By promotion : *Subedars of Indo-Tibetan Border Police having 3 years regular service in the grade and having Degree or Diploma in Civil/Electrical Engineering from an Institution recognised by the Central/State Government.	Group 'A' Departmental Promotion Committee shall consist of : (i) Director General, Indo-Tibetan Border Police — Chairman (ii) Inspector General, Indo-Tibetan Border Police — Member (iii) Director or Deputy Secretary, Ministry of Home Affairs — Member (iv) Deputy Inspector General Indo-Tibetan Border Police — Member	Exempted from the purview of Union Public Service Commission.
By transfer on deputation : Officers holding analogous posts on regular basis and having Diploma or Degree in Civil Engineering or Junior Engineers with 10 years service on regular basis in the grade having Diploma or Degree in Civil Engineering from Central/State Government departments.		
(Period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation or departments of the Central Government shall ordinarily not exceed three years).		
*Note :— The Seniors who have completed the probation period but who do not have the qualifying service shall also be considered for promotion where the juniors who have completed the requisite service are being considered.		

[No. I-12011/4/90-ORG (ITBP)-Pers.-I].

Note : The Principal Rules were notified vide GSR No. 289 dated 16-4-88 and subsequently amended vide GSR No. 502 dated 25-6-88.

मही दिल्ली, 7 जून, 1991

सा. ना. नि. 379—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय पुलिस बल प्रधनियम, 1949 (1949 का 66) की आरा 18 द्वारा प्रदत्त कानूनों का प्रयोग करते हुए भारत तिथ्वत सीमा पुलिस समावेष्टा (ईजीनियर) और सहायक समावेष्टा (ईजीनियर) भर्ती नियम, 1982 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम जनाती है, अधार्ता :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत तिथ्वत सीमा पुलिस समावेष्टा (ईजीनियर) और सहायक समावेष्टा (ईजीनियर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1991 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की सारीब को प्रवृत्त होंगे।

2. भारत तिथ्वत सीमा पुलिस समावेष्टा (ईजीनियर) और सहायक समावेष्टा (ईजीनियर) भर्ती नियम, 1982 में अनुसूची के स्वाम पर, निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी अधार्ता :—

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	वेतन पद	सेवा में जोड़े गए धर्षों का	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु
समावेष्टा (ईजीनियर)	1* (1991)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह	4100-125-	अधिकारी	फायदा केन्द्रीय सिविल	व्यक्तियों के लिए आयु

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	वेतन पद	सेवा में जोड़े गए धर्षों का	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु	परिवीक्षा की प्रवधि, पदि
समावेष्टा (ईजीनियर)	1* (1991)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह	4100-125-	अधिकारी	फायदा केन्द्रीय सिविल	व्यक्तियों के लिए आयु	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	वेतन पद	सेवा में जोड़े गए धर्षों का	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु	परिवीक्षा की प्रवधि, पदि
समावेष्टा (ईजीनियर)	1* (1991)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह	4100-125-	अधिकारी	फायदा केन्द्रीय सिविल	व्यक्तियों के लिए आयु	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु

भर्ती की पढ़ति : भर्ती सीधे होती या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पढ़तियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिष्ठता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

11

प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा

12

प्रोन्नति द्वारा : भारत तिब्बत सीमा पुलिस का ऐसा सहायक समारेष्टा जिसमें समूह "क" में 14 वर्ष सेवा की है, जिसमें से सहायक समारेष्टा (इंजीनियर) के रूप में चार वर्ष की सेवा होनी चाहिए।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा :

सेना के इंजीनियर कोर के लेफ्टीनेंट कर्नल या सैनिक अधियक्ष सेवा या कैप्टेन/राज्य सेक्यूरिटी विभाग या साधारण रिजर्व इंजीनियरी बल के सदृश पद द्वारण करने वाले आकिसर।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके असर्वत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से लीक पहले छाति किसी अन्य काउर वाहन पर प्रतिनियुक्ति की अवधि भी है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होती)।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरक्षणा

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा यात्रा से परामर्श किया जाएगा।

13

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति जो विभिन्निकात से मिलकर बनेगी :

लागू नहीं होता

- (1) महानिवेशक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस - सद्यक्ष
- (2) संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय - सद्यक्ष
- (3) महानिवीक्षक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस - सद्यक्ष
- (4) निवेशक या उप सचिव, गृह मंत्रालय - सद्यक्ष
- (5) उप महानिवीक्षक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस - सद्यक्ष

टिप्पणी : मूल नियम सा.का.नि. संख्या 304 तारीख 23-4-88 द्वारा अधिसूचित किए गए हैं।

14

1	2	3	4	5	6	7
सहायक समारेष्टा (इंजीनियर)	3* (1991) *कार्यभार के माध्यम पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपत्रित (भन्नुसंचयीय)	3000-100- 3500-125- 4500 र.	चयन	मही	लागू नहीं होता

8

लागू नहीं होता

9

लागू नहीं होता

10

लागू नहीं होता

प्रोत्साहित द्वारा जिसके न हो सकते पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा

प्रोत्साहित द्वारा*

ऐसे कम्पनी कमांडर, जिन्होंने समूह "क" में छह वर्ष सेवा की है।
प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।

केन्द्रीय / राज्य लोक निर्माण विभाग या साधारण रिजर्व इंजीनियरी
बल के अधीन ऐसे अधिकारी जो सबुआ समतुल्य पद धारण किए
हुए हैं।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके प्रारंभात केन्द्रीय सरकार के उसी या
किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी
अन्य काढ़र बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि भी है, साधारणतया
तीन वर्ष से अधिक नहीं होती।

*टिप्पण : जब ऐसे कमिष्ट व्यक्तियों के संबंध में प्रोत्साहित के लिए विचार किया
जा रहा हो जिन्होंने अपेक्षित सेवा पूरी कर ली है, तब ऐसे
अपेक्षित व्यक्तियों के संबंध में भी विचार किया जाएगा जिन्होंने
परिवीक्षा अवधि पूरी कर ली है किन्तु अर्हक सेवा पूरी नहीं
की है।

समूह "क" विभागीय प्रोत्साहित समिति जो निम्नलिखित से भिन्नकर बनेगी :

- (1) महानिदेशक भारत तिब्बत सीमा पुलिस—प्रश्नपत्र
- (2) महानिरीक्षण भारत तिब्बत सीमा पुलिस—सदस्य
- (3) निवेशक या उप सचिव गृह मंत्रालय —सदस्य
- (4) उपमहानिरीक्षक भारत तिब्बत सीमा पुलिस—सदस्य

लागू नहीं होता

[सं. I-12011/4/90—प्रो. भार. जी. (धार्म. दी.बी. पी.) कामक-1]
भार. शंकरनारायणन, प्रवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम, सा.का.नि. सं. 304 तारीख 23-4-88 द्वारा अधिसूचित किए गए थे।

New Delhi, the 7th June, 1991

G.S.R. 379.—In exercise of the powers conferred by section 18 of the Central Reserve Police Force Act, 1949 (66 of 1949), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Indo-Tibetan Border Police Commandant (Engineer) and Assistant Commandant (Engineer) Recruitment Rules, 1982, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indo-Tibetan Border

Police Commandant (Engineer) and Assistant Commandant (Engineer) Recruitment (Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indo-Tibetan Border Police Commandant (Engineer) and Assistant Commandant (Engineer) Recruitment Rules, 1982, for the Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:—

SCHEDULE

Name of post	No. of Posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Commandant (Engineer)	1* (1991) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service Group 'A' Gazetted, (Non-Ministerial)	Rs. 4100-125-4850-150-5300	Selection	No	Not applicable

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.
---	--	------------------------------	--

8	9	10	11
Not applicable	Not applicable	Not applicable	By promotion failing which by transfer on deputation.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grade from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition ?	Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
---	--	--

12	13	14
By promotion : Assistant Commandant (Engineer) of Indo-Tibetan Border Police with 14 years' Group 'A' service of which 4 years' should be as Assistant Commandant (Engineer).	Group 'A' Departmental Promotion Committee shall consist of :— (i) Director General, Indo-Tibetan Border Police —Chairman (ii) Joint Secretary, Ministry of Home Affairs —Member (iii) Inspector General, Indo-Tibetan Border Police —Member (iv) Director or Deputy Secretary, Ministry of Home Affairs —Member (v) Deputy Inspector General Indo-Tibetan Border Police —Member	Not applicable
By transfer on deputation : Lieutenant Colonel of the Corps of Engineers from the Army or officer holding analogous posts on a regular basis from the Military Engineering Service or Central/State Public Works Department or General Reserve Engineering Force.		
(The period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in same or some other organisation or department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years).		

1	2	3	4	5	6	7
Assistant Commandant (Engineer)	3* (1991)	General Central Service	Rs. 3000-100-3500-125-4500	Selection	No	Not applicable
	*Subject to variation dependent on work-load.	Group A Gazetted Non-Ministerial				

8	9	10	11
Not applicable	Not applicable	Not applicable	By promotion failing which by transfer on deputation.

12	13	14
By Promotion : *Company Commanders (Engineer) with six years Group 'A' service.	Group 'A' Departmental Promotion Committee shall consist of— 1. Director General Indo-Tibetan Border Police —Chairman 2. Inspector General, Indo-Tibetan Border Police —Member 3. Director of Deputy Secretary, Ministry of Home Affairs —Member 4. Deputy Inspector General: Indo-Tibetan Border Police — Member	Not applicable

By transfer on deputation : Officers holding analogous/equivalent posts under the Central/State Public Works Department or General Reserve Engineering Force. (The period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation or department of the Central Govt. shall ordinarily not exceed three years). *Note : The Seniors who have completed the probation period but do not have the qualifying service shall also be considered for promotion where the juniors who have completed the requisite service are being considered.	
---	--

Note.—Principal Rules were notified vide G.S.R. No. 304 dated 23-4-1988.

[No. I-1-2011/4/90-ORG (ITBP-PersJ).
R. SANKARANARAYANAN, Under Secy.]

खाली एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय
(नागरिक पूर्ति विभाग)

मई दिल्ली, 30 मई, 1991

सा.का.नि., 380.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुका द्वारा प्रदत्त योग्यताओं का प्रयोग करते हुए, नागरिक पूर्ति विभाग (माप विभाग सहायक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1990 का संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाये हैं, घर्यात्:—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नागरिक पूर्ति विभाग (माप विभाग सहायक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1991 है।
(ii) वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदत्त होंगी।
2. नागरिक पूर्ति विभाग (माप विभाग सहायक) भर्ती नियम, 1988 की अनुसूची में, इसमें 11 में, "टिप्पणी" के उच्च (क) में उपर्युक्त (ii) और उससे संबंधित प्रविधि के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, घर्यात्:—

"(ii) जिन्होंने 1400-2300 रु. या 1400-2600 रु. या समतुल्य बेतनमात्र वाले पद पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है, और".

[एफ.सं.ए-12011/16/81-स्पा-II]

ओ. पी. खेत्रपाल, अपर सचिव

टिप्पणी:—मूल नियम सा.का.नि. 555 नियमक 22 जून 1988 द्वारा अधिसूचित किए गए थे। तद्पश्चात् सा.का.नि. 656 नियमक 20 अक्टूबर, 1990 द्वारा संशोधित किए गए।

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

New Delhi, the 30th May, 1991

G.S.R. 380.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Civil Supplies (Metrological Assistant) Recruitment (Amendment) Rules, 1990, namely:—

1. (1) These rules may be called the Department of Civil Supplies (Metrological Assistants) Recruitment (Amendment) Rules, 1991.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Civil Supplies (Metrological Assistant) Recruitment Rules, 1988 in column 11, in clause (a) of the "Note", for sub-clause (ii) and entry relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

"(ii) with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 1400-2300 or Rs. 1400-2600 or equivalent; and".

[F. No. A-12011/16/81-Estt. II]
O. P. KHETRAPAL, Under Secy.

NOTE:—The principal rules were notified vide G.S.R. No. 555 dated the 22nd June, 1988 and subsequent amendment vide G.S.R. No. 656 dated 20-10-1990.

(खाली विभाग)

मई दिल्ली, 11 जून, 1991

सा.का.नि., 381.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुका द्वारा प्रदत्त योग्यताओं का प्रयोग करते हुए खाली और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाली विभाग) में प्रबोधकाला परिषद, के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाये हैं, घर्यात्:—

(1) संक्षिप्त नाम और प्रत्यंतः:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाली एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाली विभाग) प्रबोधकाला परिषद भर्ती नियम

1991 है।

2. वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदत्त होंगे।

2. पद संक्षा, वर्षीकरण और बेतनमात्र:—उक्त पद की संक्षा, उसका वर्षीकरण और उसका बेतनमात्र वह होगा जो इससे उपायक अनुसूची के स्तर 2 से स्तर 4 में विविधि है।

3. भर्ती की पद्धति, आयुसीमा, अवृत्तांत आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयुसीमा, अवृत्तांत और "उससे संबंधित ग्रन्थ वार्ता" में होगी जो प्रबोधक अनुसूची के स्तर 5 से स्तर 14 में विविधि है।

4. निरहंता:—वह अविद्या:—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित हुते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पाल नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह उपायान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के प्राप्त उपकार को लागू स्वीकृति के प्राप्तीय परिवर्तन के लिए यथा आवाहक है तो वह यिसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबोधन से छूट दे सकेगी।

5. विविध करने की जांचता:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवाहक या समीक्षा है, वहाँ वह इसके लिए जो कारण है उक्त लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपर्युक्त को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की वालत, प्रायेश द्वारा विविध कर सकेगी।

6. आवृत्ति :—इन नियमों की कोई बात ऐसे भारकरणों, आयु-सीमा में छूट और प्रब्ल्यू विधायियों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रबंग के व्यक्तियों के लिए उपलब्ध करना प्रयोगित है।

प्राप्ति

खाता विभाग प्रयोगशाला परिचर भर्ती नियम

पद का नाम	पद की वर्गीकरण	बेतनमान	अयन पद प्रथा	सेवा में जोड़े गए वयों का सीधे जर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	6	7
1.	2	3	4	5	6	7
प्रयोगशाला परिचर	*2 साधारण केन्द्रीय (1991) सेवा समूह "घ"	775-12-871- व. रो.-14-	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
*कार्यभार प्रारंभित के भाषार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	*कार्यभार प्रारंभित	1025 घ.				

सीधे जर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लाए भीकिं और प्रब्ल्यू प्रहृताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित परिवेश की प्रबंधियवि कोई हो आयु और भीकिं प्रहृताएं प्रोत्तिव्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

परिवेश की प्रबंधियवि कोई हो

8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोत्तिव्यक्ति/स्थानान्तरण तथा विभिन्न प्रोत्तिव्यक्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोत्तिव्यक्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11	12
प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण	खाता विभाग प्रथा केन्द्रीय सरकार में रु. 750-940 के बीच में 3 वर्ष की नियमित सेवा सहित तथा 8वीं पास समूह "घ" कम्बचारी (प्रतिनियुक्ति की प्रबंधियवि केन्द्रीय सरकार के इसी प्रथा किसी ग्राम संगठन विभाग में इस नियुक्ति से तत्काल पूर्व धारण किए हुए किसी भाष्य संबंग पद पर प्रतिनियुक्ति की प्रबंधियवि सहित समाप्तः 3 वर्ष से प्रबंधिक नहीं होगी)।

यदि विभागीय प्रोत्तिव्यक्ति समिति है तो उसकी संरक्षा (सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की भर्ती करने में किंवितियों में संयोग सेवा आयोग से परामर्श पूछिए के लिए)

भर्ती करने में किंवितियों में संयोग सेवा आयोग से परामर्श पूछिए के लिए

13	14
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

(Department of Food)

New Delhi, the 11th June, 1991

G.S.R. 381.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President, by makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Laboratory Attendant in the Department of Food, namely :

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called Ministry of Food & Civil Supplies (Deptt. of Food) Laboratory Attendant Recruitment Rules, 1991.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, its classification & Scale of pay.—The number of the said posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in Columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of Recruitment, age limit, Qualifications etc.—The Method of recruitment, age limit, qualifications & other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of schedule aforesaid.

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruitment may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

4. Disqualifications :—No person, —

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under Personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the Provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other Special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the Post of Laboratory Attendant in the Department of Food

Name of Post	No. of Post(s)	Classification	Scale of Pay	Whether selection Post or Non-selection post	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Laboratory Attendant (1991)	Two*	General Central Services Group 'D' Non-Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 775-12-871-EB-14-1025.	Not applicable.	Not applicable.	Not Applicable.

*(subject to variation dependant on work load.)

Educational & other qualifications required for Direct recruits	Whether age & educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of Probation, if any	Method of recruitment whether by Direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of vacancies to be filled by various methods
8 Not Applicable.	9 Not Applicable.	10 Not Applicable.	11 Transfer on deputation/Transfer.

In case of recruitment by Promotion/Deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
12 Group 'D' officials in the Deptt. of Food or Central Government with 3 years regular service in the Grade of Rs. 750-12-870-EB-14-940 and possessing 8th class pass. (The period of deputation including the period of deputation in another cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/Department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years.)	13 Not applicable.	14 Not Applicable.

हृषि संवालय

(हृषि और सहकारिता विभाग)

नईदिल्ली, 12 चूत, 1991

सा. का. नि. 382.—राष्ट्रपति, भविष्यान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए और लभाईप मछली उद्योग (निवेशक) भर्ती नियम, 1972 को, उन बातों के सिवाए अधिकांश करते हुए जिन्हें ऐसे व्यक्तिमण से गहरे किया गया है या करने का खोप किया गया है, लभाईप संघ राष्ट्र में मछली उद्योग निवेशक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम अन्तर्गत है, व्यक्ति—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लभाईप संघ राष्ट्र लेब मछली उद्योग (निवेशक) भर्ती नियम, 1991 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रदूष्ट होंगे।

2. पद: संक्षण, वर्गीकरण और वेतनमान :-—उक्त पद की संक्षण, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों से उपावद्ध प्रनुसूची के स्तरम् 2 से 4 में विनियिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, घर्हताएं प्राविदः—उक्त पद पर भर्ती की आयु-सीमा, घर्हताएं और उससे संबंधित अध्य बातें वे होंगी जो पूर्णस्त प्रनुसूची के स्तरम् 5 से स्तरम् 14 में विनियिष्ट हैं।

4. निरर्देशता—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्त का पाव नहीं होगा।

परन्तु यदि कोई व्यक्ति सरकार का यह समावन हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य व्यक्ताओं की लागू स्वीकृति के अवधीन अनुबोध है और ऐसा करने के लिए प्राप्त आवाह है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रयोग से छूट दे सकेगी।

5. विधिल करने की प्रक्रिया—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या सकीदार है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ सोक सेवा आयोग से परामर्श करक, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की वावत, प्रावेश द्वारा विधिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अध्य दिवायतों पर प्रभाव नहीं आसेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आवेदनों के प्रनुसार प्रनुसूचित आतिर्यों, प्रनुसूचित अनजातियों, भूतपूर्व सीमिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अनिवार्य है।

प्रनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	पद्धति पद	सीधे भर्ती किए जाने सेवा में जोड़े गए बच्चों का काशयदा प्रबन्ध	वाले व्यक्तियों के लिए केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंजन)	प्रबन्ध पद	आयु-सीमा	नियम, 1972 के नियम 30 के अवधीन अनुबोध है या नहीं
-----------	----------------	----------	---------	-----------	--	---	------------	----------	--

1	2	3	4	5	6	7
मछली उद्योग निवेशक	*1 (1991) कार्यालय के आधार राज्यवित, परिवर्तन किया जा प्रनुसूचिय सकता है।	साधारण सेवा, समूह "क" कार्यालय के आधार राज्यवित, परिवर्तन किया जा प्रनुसूचिय सकता है।	3700-125- 4700-150- 5000 रु.	लागू नहीं होता	50 वर्ष से व्यक्ति नहीं नहीं।	(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आवेदनों या आवेदनों के प्रनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक विधिल की जा सकती है) टिप्पणी : आयु-सीमा अवधीन व्यक्ति करने के लिए विधिल वाले व्यक्तियों से आवेदन आवश्यक होते हैं जिनका विधिल की गई व्यक्ति वाले व्यक्तियों से आवेदन आवश्यक होता है।

विधिल वाले व्यक्तियों के लिए विधिल वाले व्यक्तियों से आवेदन आवश्यक होता है। जिनका विधिल की गई व्यक्ति वाले व्यक्तियों से आवेदन आवश्यक होता है।

विजोरम, भजिपुर, नागर्लंड
विपुरा, सिक्किम, अस्मी-
काशीर राज्य के लद्दाख
बंड, हिमाचल प्रदेश के
लाहौल और स्पीति जिले
तथा चट्टांग जिले के
पांगी उपखंड, पश्चिम और
निकोबार झील या लद्दाख
के घट्टियों के लिए
विहृत की गई है।

सीधे भर्ती किए जाने वाले घट्टियों के लिए शैक्षिक और
भौत्य घर्षणात्मक

सीधे भर्ती किए जाने वाले घट्टियों के लिए
विहृत आम् और शैक्षिक घर्षणात्मक प्रोफेशन
घट्टियों की दस्ता में आगूँगी या नहीं

परिवेश की प्रश्न, यदि कोई ही

8

9

10

आवश्यक :

(1) किसी माध्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मरम्य विज्ञान/समुद्रा
जीव-विज्ञान/प्राणि विज्ञान में मास्टर डिप्लोमा या समतुल्य या
केन्द्रीय मरम्य विज्ञान मस्थान, मुख्य का मरम्य-विज्ञान
में एसेसिएट डिप्लोमा।

(2) मध्यस्ती उच्चों घनुसंवान विकास में वसं वर्ष का घनुभव
जिसमें से कम से कम पांच वर्ष का घनुभव समूही मरम्य
प्रकाशन के लेख में किसी पर्यावरण हैसियत में हो।

टिप्पण 1 -- घर्षणात्मक घट्टियों का दस्ता में संच
लोक सेवा प्रायोग/कर्मजारी चयन प्रायोग के विवेका-
नुसार शिविल की जा सकती है।

टिप्पण 2 -- घनुभव संबंधी घर्षणात्मक संच लोक सेवा प्रायोग के
विवेकानुसार (घनुसूचित जातियों और घनुसूचित जन-
जातियों के घट्टियों की दस्ता में लिंगिल की जा सकती
है जब चयन के लिए किसी प्रक्रम पर संच लोक सेवा
प्रायोग का यह राय है कि उनके लिए भारतीय रिट्रिट्यों
को भरने के लिए घर्षणित घनुभव रखने वाले
उन समुदायों के घट्टियों के पर्याप्त संचय में उप-
लब्ध होने का संभावना नहीं है।

बालनीय : (1) किसी माध्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मरम्य-
विज्ञान/समुद्रा जीव विज्ञान में डाक्टरेट डिप्लोमा।

(2) समुद्रा मरम्यन तकनीक, मरम्य प्रसंस्करण, विपणन
का ज्ञान और मरम्यन संभार, तथा नीयान प्रीकोगिक/
मरम्य नोकारों की घन्ती जानकारी

(2) भलयालय का कार्यसाधक ज्ञान।

घर्षणी की पद्धति : घर्षणी सीधे होनी या प्रोफेशन द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण
द्वारा तदा विभिन्न पद्धतियों द्वारा घर्षणी जाने वाली रिट्रिट्यों की प्रतिक्रिया

प्रोफेशन / प्रतिनियुक्ति / स्थानान्तरण द्वारा घर्षणी की दस्ता में वे व्यंगियों
जिनसे प्रोफेशन / प्रतिनियुक्ति / स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अंतर्गत घट्टियों के विविध विविध विविध विविध हैं) जिसके अंतर्गत संकेतन पर सीधे घर्षणी

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अंतर्गत घट्टियों के विविध विविध विविध हैं)
(क) केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार/संच राज्य लोकों/विश्वविद्यालयों/
माध्यता-प्राय घनुसंवान संचायों लोक उपकरणों/स्थानीय आ
कानूनी संगठनों के ऐसे घट्टियों
(1) जो नियमित यात्रा पर सदूच-पर जारी किए गए हैं ; या
(2) जिन्हें 3000-5000 या समतुल्य वेतनमान वाले घर्षणी
पर वार वर्ष नियमित सेवा की है ; या
(3) जिन्हें 3000-4500 या समतुल्य वेतनमान वाले घर्षणी
पर वार वर्ष नियमित सेवा की है और

12

(क) जिनके पास स्तम्भ 8 के प्रधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक धर्ता और अनुभव हैं।

(प्रतिनियुक्ति / संविदा की प्रवधि जिसके प्रस्ताव केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन / विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले भारित किसी अन्य काड़र बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की प्रवधि भी है ताकि वर्च में अधिक नहीं होगी।

विभिन्न विभागीय प्रोफेशन समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में जनसंघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

समूह "क" विभागीय प्रोफेशन समिति (पुष्टि के लिए)

1. संयुक्त संचिव, जो प्रशासन का भारतीय धर्ता - प्रधान
2. संयुक्त संचिव, जो मछली उद्योग प्रभाग का भारतीय धर्ता - संवर्धन
3. मछली उद्योग विकास आयोगत - संवर्धन

टिप्पणी: सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोफेशन समिति की कार्यवाहियां, संधि लोक सेवा आयोग के मनूसोदनर्थ भेजी जाएंगी।
किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोफेशन समिति की बैठक संधि लोक सेवा आयोग के प्रधान या किसी संवर्धन की प्रधानता में फिर से होगी।

सीधी भर्ती और प्रतिनियुक्ति संविदा पर नियमित करने के लिए किसी घटिकारी का जनसंघ संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करता आवश्यक है।

[सं. 22017 / 6 / 86 एस एल एफ यू. टो.]
आर. एस. हसरा अवार संचिव.

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 12th June, 1991

G.S.R. 382.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Union Territory of Lakshadweep (Director of Fisheries) Recruitment Rules, 1972 except as respects things done, or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Director of Fisheries in the Union Territory of Lakshadweep, namely :

1. (1) Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Union Territory of Lakshadweep (Director of Fisheries) Recruitment Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of Posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule, annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age, limit, qualification, etc.—The method of recruitment to the said post; age limit, qualification and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,--

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Savings:—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, the ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
Director of Fisheries	*1 (1991) *Subject to the variation depending upon the work load.	General Service, Group 'A' Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 3700-125-4700-150-5000

Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972
Not applicable	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note :—The Crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State Lahaul & Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).	No
Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promoted.	
8	9	
ESSENTIAL :		Not applicable
(i) Master's degree in Fisheries Science/Marine Biology/Zoology from a recognised university or equivalent or Associate Diploma in Fisheries Science of Central Institute of Fisheries Education, Bombay.		
(ii) 10 years' experience in research/development of fisheries with at least 5 year's experience in the field Marine Fisheries Administration in a supervisory capacity.		
Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.		
Note 2 : The qualification(s) regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.		
DESIRABLE:		
(i) Doctorate degree in Fisheries Science/Marine Biology from a recognised University or equivalent.		
(ii) Knowledge of sea fishing techniques, fish processing, marketing and familiarity with fishing gear and craft technology/fishing boats.		
(iii) Working knowledge of Malayalam.		
Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.
10	11	12
1 year (for direct recruits only)	Transfer on deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation ; (including short-term contract); (a) Officers of the Central/State Governments/Union Territories/Universities/Recognised Research Institutions/Public Undertakings/Autonomous or Statutory Organisations: (i) holding analogous posts on a regular basis; or (ii) with 4 years' regular service in posts in the scale of Rs. 3000-5000 or equivalent; or

- (iii) with 5 years' regular service in post id the scale of Rs. 3000-4500 or equivalent; and
 (b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruit under column 8.

(Period of deputation/contract including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organization/department of the Central Government shall not exceed 4 years).

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition ?

Group 'A' Departmental Promotion Committee (for confirmation)

1. Joint Secretary-in-charge of Administration—Chairman.
2. Joint Secretary incharge of Fisheries Division—Member.
3. Fisheries Development Commissioner—Member

Note: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a member of the Union Public Service Commission shall be held.

Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.

Consultation with Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and selecting an officer for appointment on deputation/contract

[No. 22017/6/86—SL & UT]
 K.S. HANSRA, Under Secy.

शहरी विकास मंत्रालय

(भूमि प्रभाग)

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1991

सा.का.नि. 383.—राष्ट्रपति, संविधान ने भगुच्छेद 309 के परामुक द्वारा प्रवत्त कक्षियों का प्रयोग करते हुए और 1. भूमि और विकास कार्यालय [समूह (ग) और समूह "ब" पद] भर्ती नियम, 1970

2. भूमि और विकास कार्यालय (समूह "ब" पद) भर्ती नियम, 1981

3. भूमि और विकास कार्यालय, लेकाकार (समूह "ग" पद) भर्ती नियम, 1988 को जहां तक उनका संबंध कलिपव समूह "ब" पदों से है, उन बातों के सिवाए प्रविकास करते हुए जिन्हें ऐसे प्रविकासण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है शहरी विकास मंत्रालय नई दिल्ली में भूमि और विकास कार्यालय में समूह (ग) पदों पर भर्ती की पढ़ति का विनियमन न करने के लिए निम्नलिखित नियम बताते हैं, प्रचारित:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भूमि और विकास कार्यालय (समूह "ब" भाग्यविभाग पद) भर्ती नियम, 1991 है।

(2) ये राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख को प्रदृश होंगे।

2. पद संघर्ष, वर्गीकरण और बेतनमान: उक्त पदों की संघर्ष, उनका वर्गीकरण और उनके बेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपायक समूही के सम्म 3 से सम्म 5 में विनिविष्ट हैं।

3. भर्ती की पढ़ति, आयु-सीमा और प्राप्य अर्हताएं प्रदिः उक्त पदों पर भर्ती की पढ़ति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित प्राप्य वाले वे होंगी जो उक्त प्राप्ति के सम्म 6 से सम्म 14 में विनिविष्ट हैं।

4. निर्धन्ता : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विसर्ग पति या विसर्गी पती जीवित है, जिवाह किया है, या

(ब) जिसने अपने पति या अपनी पती के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियमित का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पश्चाकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञा हो और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिखिल करने की शर्तिः जहाँ केंद्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वही वह इसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखवद्ध करके इन नियमों के किमी उपबंध को किसी घर्ग या प्रवर्ते के व्यक्तियों की बाबत, आवेद द्वारा शिखिल कर सकेगी।

6. लागू होना : ये नियम इससे उपरान्त अनुसूची के स्तरम् 2 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

7. व्यावृत्ति : इन नियमों की कोई आत, ऐसे आरक्षणीय, आयु सीमा में छूट और अन्य विधियों पर प्रभाव नहीं आयेगी, जिनका केंद्रीय सरकार द्वारा इन संबंध में समय-समय पर जारी लिए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना आवश्यक है।

अनुसूची

क्रम सं.	पद का नाम पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद प्रथमा अन्यतम पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केंद्रीय मिशन सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के मध्यन्त अनुज्ञा है या नहीं।	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्राप्यनीता
1	2	3	4	5	6	7
1. निम्न श्रेणी लिपिक	45* *कार्यभार सिविल सेवा समूह (ग) भराजपत्रित आधार अनुपचारीय पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केंद्रीय कार्यभार सिविल सेवा समूह के आधार अनुपचारित परिवर्तन किया जा सकता है।	950-20-1150- द.रो.-25-1500	चयन	लागू नहीं होता	(क) सीधी भर्ती के लिए 18 से 25 वर्ष (ब) माधारण अध्यक्षियों के लिए 40 वर्ष (ग) समूह "ब" पदों से प्रोफ्रेशन की दशा में अनुपचारित जाति अनुसूचित जनजाति के लिए 45 वर्ष विभागीय अध्यक्षियों की प्रोफ्रेशन के लिए आयु सीमा अवधारित करने के लिए नियन्यक तारीख विस वर्ष में प्रोफ्रेशन की जाती है उसकी पहली जनवरी होगी।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य महत्वांक

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु परिवर्ती की प्रवधि यदि कोई हो और शैक्षिक प्रहृताएं प्रोफ्रेशन व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं।

8	9	10
मैट्रिक्युलेशन या समतुल्य साथ ही कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से टंकण में प्रति भिन्न न्यूनतम 30 वर्ष की वर्ति	लागू नहीं होता	सीधी भर्ती और प्रोफ्रेशन दोनों के लिए 2 वर्ष

भर्ती की पद्धति भर्ती सीधे होगी या प्रोफ्रेशन द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वर्ति प्रिय पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे विभिन्न जिनसे प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

- (i) कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से 90 प्रतिशत रिक्तियों सीधी भर्ती आरा
(ii) प्रोफ्रेशन द्वारा 10 प्रतिशत समूह "ब" कर्मचारियों में से

- प्रोफ्रेशन : (क) ऐसा समूह "ब" कर्मचारी जिसने उस श्रेणी में कम से कम 5 वर्ष नियमित सेवा की है।
(ब) आयु भृता, सेवाकाल की सम्बाइ आदि की बाबत पाक्षता के नियांरण के लिए नियन्यक तारीख उस वर्ष की पहली जनवरी होगी जिस वर्ष प्रोफ्रेशन की जाती है।

यदि विभागीय प्रोजेक्ट समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

सीधे भर्ती करने का री ज्यन भायोग के माध्यम से और विभागीय परीक्षण के माध्यम से समूह “ग” के लिए विभागीय प्रोफ्रेशनलिटी समिति

लागू नहीं होता

- भूमि और विकास प्रधिकारी -- प्रध्यक्ष
 - उप भूमि और विकास प्रधिकारी/सहायक बन्दोबस्तु प्राप्तकर्ता -- सदस्य
 - प्रशासनिक प्रधिकारी (प्रशासन) -- सदस्य
 - ध्वनि संचिव (भूमि) शाही विकास मंत्रालय -- सदस्य
 - ध्वनि संचिव (धारकित प्रवर्ग से) शाही विकास मंत्रालय या किसी अन्य मंत्रालय/विभाग में सदस्य

1	2	3	4	5	6	6क
7	8	9	10			
2. उच्च श्रेणी लिपिक *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	63*	साधारण केन्द्रीय मिलिल सेवा समूह "ग" मननुसंचितीय	1200-30-1560- इ. रो.-40-2040	अख्यन	लागू नहीं होता	
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	2 वर्ष			

(i) श्रोतुं पाणि 75 प्रतिशत

लाग तळीं शोला

लाग नहीं होता

२ वर्षी

(ii) जिभागीय श्रतियोगी परीक्षा

(ii) विद्यार्थी व्रतवाणि पराक्रम - २३ व्रतवाणि

प्रचयन : -- (क) प्रोलति द्वारा-- 75 प्रतिशत ऐसे निम्न श्रेणी लिंगिक ग्रैड "ग" के लिए जिन्होंने उस श्रेणी में 9 बर्ष नियमित सेवा की है।

(ज) विभागीय परीक्षण द्वारा प्रोत्तरि

(i) ऐसे प्रबन्ध श्रेणी लिपिकों के लिए 25 प्रतिशत जिम्मोंने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

(ii) पालता प्रबोधारित करने के लिए नियन्यिक तारीख जिस वर्ष में प्रोलंति की जाएगी उसकी पहली जनवरी होगी।

13

14

सीधे भर्ती कर्मचारी बयन आयोग के माध्यम से और विभागीय परीक्षण के माध्यम से समझ “ग” के लिए विभागीय प्रोनेन्टि समिति

लाग नहीं होता ।

- भूमि और विकास प्रविधिकारी - प्रध्यक्ष
 - उप भूमि और विकास प्रविधिकारी/साहायक अन्दोबास्त आयुष्मत - सदस्य
 - प्रशासनिक प्रविधिकारी (प्रशासन) -- सदस्य
 - प्रबल सचिव (भूमि) शाहरी विकास मंत्रालय - सदस्य
 - प्रबल सचिव (आरजित प्रबल से) शाहरी विकास मंत्रालय या किसी प्रत्यं नंत्रालय विभाग से - सदस्य

1	2	3	4	5	6	6क्र.
1. सहायक		3*	साधारण केम्ब्रिय	1400-40-1800-	प्रबन्धन	लागू नहीं होता
*कायमार से आवार पर परिवर्तन किया जा सकता है।			विविल सेवा समूह "ग" प्रराजपत्रित प्रबन्धनविदीय	द.रो.- 50- 2300		

7	8	9	10	11	12
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोन्टने द्वारा	ऐसे उच्च श्रेणों लिपिक को प्रोन्टनि द्वारा जिसने उस श्रेणी में कम से कम 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

13

14

सीधी भर्ती कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से और विभागीय परीक्षण के माध्यम से

लागू नहीं होता

समूह "ग" के लिए विभागीय प्रोन्टनि समिति

1. भूमि और विकास अधिकारी —प्रध्यक्ष
2. उप भूमि और विकास अधिकारी/सहायक बन्दोबस्तु आयुक्त —सदस्य
3. प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन) —सदस्य
4. घबर मन्त्रिव (भूमि) शहरी विकास मंत्रालय —सदस्य
5. घबर सचिव (आरक्षित प्रवर्ग से) शहरी विकास मंत्रालय या किसी प्राप्त मंत्रालय/विभाग से —सदस्य

1	2	3	4	5	6	6क
4. आशुलिपिक श्रेणी III	7*	माध्याटण केन्द्रीय	1200-30-1560-	चयन द्वारा	लागू नहीं होता	

*कार्यभार के आधार सिक्किल सेवा समूह "ग"
पर परिवर्तन किया अराजपत्रित अननुसचिवीय
जा सकता है।

7	8	9	10
18 से 25 वर्ष	1. मीटिङ्कुलेशन/उच्चतर माध्यमिक/सीनियर कैम्बर्ज/कर्मचारी चयन आयोग	हाँ	दो वर्ष

2. टंकण में प्रति मिनट 40 शब्द और आशुलिपि में प्रति मिनट 80 शब्द की याति।

11	12
सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता

13

14

सीधी भर्ती द्वारा

लागू नहीं होता।

1	2	3	4	5	6	6क
5.	नेष्टाकार	2*	साधारण केन्द्रीय सिविल सेवा	1400-40-1600-50-2300-	चयन	लागू नहीं होता

*कार्यभार के आधार
पर परिवर्तन किया
जा सकता है।

7	8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

11	12	13	14
स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (क) केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी (i) जो नियमित आधार पर सदृश पव धारण किए हुए हैं या (ii) जिन्होंने 1200-2040 रु. के बेततमान में 5 वर्ष नियमित सेवा की है। (ख) जिनके पास पट्टा प्रबंध/लेखा मामलों का अनुभव है। प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होती।	लागू नहीं होता	सीधे भर्ती कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से और विभागीय परीक्षण के माध्यम से समूह "ग" के लिए विभागीय प्रोफ्रेशन समिति 1. भूमि और विकास अधिकारी —प्रध्यक्ष 2. उप भूमि और विकास अधिकारी/ सहायक अन्योदय समूक—सदस्य 3. प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन) -- सदस्य 4. अवर सचिव (भूमि) शहरी विकास मंत्रालय—सदस्य 5. अवर सचिव (आरक्षित प्रबंग से) शहरी विकास मंत्रालय या किसी अन्य मंत्रालय/विभाग से— सदस्य	लागू नहीं होता।

1	2	3	4	5	6	6क
6.	अधीक्षक	15*	साधारण केन्द्रीय सिविल सेवा समूह "ग" आरक्षित प्रनुभवीय जा सकता है।	1600-50-2300- रु. रो.-60-2660 रु.	चयन	लागू नहीं होता

7	8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	2 वर्ष

11

12

प्रोन्ति द्वारा :

- (क) 90 प्रतिशत रिक्तियां समूह "ग" कर्मचारियों में से प्रोन्ति द्वारा
भरी जाएंगी (सहायक/लेखाकार/उच्च श्रेणी लिपिक)
(ख) 10 प्रतिशत रिक्तियां आशुलिपिक श्रेणी II में से प्रोन्ति द्वारा भरी
जाएंगी।

प्रोन्ति :

- (क) 90 प्रतिशत रिक्तियां प्रोन्ति द्वारा ऐसे सहायक श्रेणी से
भरी जाएंगी, जिसने उन श्रेणी में 4 वर्ष नियमित सेवा की है
या जिसने सहायक और लेखाकार दंतों श्रेणी को मिलाकर⁹ कुल 4 वर्ष नियमित सेवा की है। इसके लिए सहायक के
रूप में प्रोन्ति को तारोंव के साथ एक समिक्षित उपेंष्टना
मूल्य संगणित की जाएगी।
- (ख) यदि कोई कर्मचारी या पर्याप्त कर्मचारी (क) के अनुमान
पाल नहीं हैं तो ऐसे कर्मचारी जिन्होंने उन श्रेणी लिपिक
और सहायक/लेखाकार की श्रेणी को मिलाकर 9 वर्ष सेवा की
है पर विचार किया जाएगा। इसके लिए या उच्च श्रेणी
लिपिक की श्रेणी में प्रोन्ति की नारीश्वरी को निर्णयिक तारीख
के रूप में ध्यान में रखते हुए उपेंष्टना मूल्य संयार की जाएगी।
- (ग) 10 प्रतिशत रिक्तियां ऐसे आशुलिपिक श्रेणी II में से जिसने
इस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है,
प्रोन्ति द्वारा भरी जाएगी।

सीधी भूमि कर्मचारी व्यवन आयोग के माध्यम से और विभागीय परीक्षण के माध्यम से

लाग नहीं होता

समूह "ग" के लिए विभागीय प्रोत्तरि समिति

1. भूमि और विकास अधिकारी—माध्यक
2. उप भूमि और विकास अधिकारी/महायक अन्दोबत्त आयुक्त— सदस्य
3. प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन) — सदस्य
4. अवर सचिव (भूमि), शहरी विकास मंत्रालय— सदस्य
5. अवर सचिव (आरक्षित प्रवर्ग से) शहरी विकास मंत्रालय या किसी भूमि मंत्रालय/विभाग से— सदस्य

[फा. सं. ए- 12018/1/90-एम डी]

राकेण मेहता, निवेशक (भूमि)

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

(Lands Division)

New Delhi, the 17th May, 1991

G.S.R. 383.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of:—

1. The Land and Development Office (Group 'C' and Group 'D' posts) Recruitment Rule, 1970;
2. The Land and Development Office (Group 'C' posts) Recruitment Rules, 1981;
3. The Land and Development Office, Accountants (Group 'C') Recruitment Rules, 1986;

in so far as they relate to certain Group 'C' posts, except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules, regulating the method of recruitment to Group 'C' posts in the Land and Development Office in the Ministry of Urban Development, New Delhi, namely :—

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Land & Development Office (Group 'C' Ministerial posts) Recruitment Rules, 1991.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 3 to 5 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment, age limits, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 6 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient, so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Application.—These rules shall apply to the posts as specified in column 2 of the Schedule annexed to these rules.

7. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservation relaxation of age limit and other concessions required to be provided to the Scheduled Caste, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection or non-selection
1	2	3	4	5	6
1.	Lower Division Clerk	45*	General Central Civil Services Group 'C' Non-Gazetted Ministerial *Subject to variation dependent on workload.	Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.	Non-selection

Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.

Age limit for direct recruits.

Educational & other qualifications required for direct recruits.

Whether age & educational qualifications prescribed for the direct recruitment will apply in the case of promotees or transferees.

6A	7	8	9
Not applicable.	(a) 18-25 years for direct recruitment. (b) 40 years for General candidate 45 years for Schedule Castes/Schedule Tribe in case of promotion. from Group 'D' posts, crucial date for determining age limit for Departmental candidates for promotion would be 1st January of the year in which promotion is to be made.	Matriculation or equivalent with a minimum speed of 30 words per minutes in typewriting through Staff Selection Commission.	Not applicable.

Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/transfer grades from which promotion/transfer to be made.
------------------------------	--	---

10	11	12
2 years for both the direct recruitment and promotion.	(i) By direct recruitment 90% of the vacancies through Staff Selection Commission. (ii) By promotion 10% from Group 'D' employees.	PROMOTION : (a) Group 'D' employees with at least 5 years regular service in the grade. (b) The crucial date for determining eligibility, as regards age, qualification, length of service etc. would be 1st January of the year in which promotion is to be made.

If a Departmental promotion Committee exists what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
---	--

13	14
Direct recruitment through Staff Selection Commission and departmental through test.	Not applicable.
Departmental Promotion Committee for Group 'C'	
1. Land & Development Officer	— Chairman
2. Deputy Land & Development Officer/Assistant Settlement Commissioner	— Member
3. Administrative Officer (Admn.)	— Member
4. Under Secretary (Lands), Ministry of Urban Development	— Member
5. Under Secretary (from reserved category) Ministry of Urban Development or any other Ministry/Department.	— Member

1	2	3	4	5	6
2. Upper Division Clerk	63* *Subject to variation dependent on work load.	General Central Civil Services Group 'C' Non-Ministerial.	Rs. 1200-30-1560- EB-40-2040.	Non selection	

6A	7	8	9
Not applicable.	Not applicable	Not applicable	Not applicable

10	11	12
2 years.	(i) By promotion — 75% (ii) Departmental Competitive Examination — 25%	NON-SELECTION: (a) By promotion—75% for Lower Division Clerk Grade 'C' with 8 years regular service in the grade. (b) Promotion by departmental test. (i) 25% for Lower Division Clerk with five years regular service in the grade. (ii) The crucial date for determining eligibility would be 1st January of the year in which promotion is to be made.

13	14
Departmental Promotion Committee for Group 'C'.	Not applicable.
1. Land & Development Officer	Chairman
2. Deputy Land & Development Officer/Assistant Settlement Commissioner.	Member
3. Under Secretary (Land) Ministry of Urban Development	Member
4. Administrative Officer (Admn.)	Member
5. Under Secretary (from the reserved category), Ministry of Urban Development or any other Ministry/Department.	Member

1	2	3	4	5	6
3. Assistant	13*	General Central Civil Services Group 'C' Non-Gazetted Ministerial.	Rs. 1400-40-1800-EB- 50-2300.	Non-Selection	

*Subject to variation dependent on workload.

4. Stenographer Grade III.	7	General Central Civil Services Group 'C' Non-Gazetted Ministerial.	Rs. 1200-30-1560-EB- 40-2040.	By selection.
----------------------------	---	---	----------------------------------	---------------

6-A	7	8	9
Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	18—25 years.	(i) Matriculation/Higher Secondary/Senior Cambridge/Staff Selection Commission. (ii) A speed of 40 words per minutes in typewriting & 80 words per minutes in shorthand.	Yes

10	11	12
2 years	By promotion	By promotion of Upper Division Clerk who have rendered at least 5 years regular service in the grade.
2 years	By direct recruitment	Not applicable.

13	14
Departmental Promotion Committee for Group 'C'	
1. Land & Development Officer	Chairman Not applicable.
2. Deputy Land & Development Officer/Assistant Settlement Commissioner.	Member
3. Under Secretary (Lands), Ministry of Urban Development.	Member
4. Administrative Officer (Admn.)	Member
5. Under Secretary (from the reserved category), Ministry of Urban Development or any other Department/Ministry.	Member

Not applicable.

1	2	3	4	5	6
5. Accountant	2*	General Central Civil Services Group 'C' Non-Gazetted Ministerial.	Rs. 1400-40-1600-50- 2300-EB-60-2600.	By selection.	

*Subject to variation dependent on workload.

6. Superintendent	15*	General Central Civil Services Group 'C' Non-Gazetted Ministerial.	Rs. 1600-50-2300-EB- 60-2660.	Non-selection
-------------------	-----	---	----------------------------------	---------------

*Subject to variation dependent on workload.

6A	7	8	9
Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
10	11		12

Not applicable.	By Transfer/Transfer on Deputation (a) Officials of the Central Government. (i) holding analogous post on regular basis or (ii) having 5 years regular service in the scale of Rs. 1200-2040. (b) Possessing experience in lease management/Accounts matters. The period of deputation shall not ordinarily exceed 3 years.	Not applicable.
-----------------	---	-----------------

2 years

By promotion :
(a) 90% of vacancies to be filled in by promotion from Group 'C' employees (Assistant/Accountant/Upper Division Clerk.)
(b) 10% of vacancies to be filled in by promotion from Stenographer Grade II.

PROMOTION :

- (a) 90% vacancies by promotion from the grade of Assistant or Accountant with 4 years' regular service in the grade or 4 years total regular service as Assistant & Accountant put together. For this a combined seniority list with date of promotion as Assistant would be reckoned.
- (b) If no employee or sufficient employees are eligible as per (a), employees having 9 years' regular service in the grade of Upper Division Clerk & Assistant/Accountant put together shall be considered. For this also, the seniority list will be prepared by taking into account the date of promotion in the grade of Upper Division Clerk as crucial date.
- (c) 10% vacancies by promotion from Stenographer Grade II with 5 years' regular service in the grade.

13	14
----	----

Departmental promotion Committee for Group 'C'.	Not applicable.
1. Land & Development Officer	— Chairman
2. Deputy Land and Development Officer/Assistant Settlement Commissioner	— Member
3. Under Secretary (Lands), Ministry of Urban Development.	— Member
3. Under Secretary (Lands), Ministry of Urban Development.	— Member
4. Administrative Officer (Admn.)	— Member
5. Under Secretary (from reserve category), Ministry of Urban Development or any other Ministry/Department.	— Member

Departmental Promotion Committee for Group 'C'.	Not applicable.
1. Land & Development Officer	— Chairman
2. Deputy Land & Development Officer/Assistant Settlement Commissioner.	— Member
3. Under Secretary (Lands), Ministry of Urban Development.	— Member
4. Administrative Officer (Admn.)	— Member
5. Under Secretary (from reserve category) Ministry of Urban Development or any other Ministry/Department.	— Member

पदविवरण और बन मंत्रालय

(पर्यावरण, बन और बन्य जीव विभाग)

नई दिल्ली, 14 मई, 1991

सा.का.नि 384 :—गान्धीपति, मंविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बन शिक्षा निदेशक, देहरादून के कार्यालय में प्रशिक्षण प्रधिकारी (हिन्दी) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए विमललिखित नियम बनाते हैं, प्रयोगः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम बन शिक्षा निदेशक, देहरादून (प्रशिक्षण प्रधिकारी) (हिन्दी) भर्ती नियम, 1991 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदून होंगी।

2. पद संबंधी, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संबंधी, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपर्युक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विविधित है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और बन्य अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 13 में विविधित हैं।

4. नियमिति : वह अप्रिक्ति—

- (क) जिसने ऐसे अप्रिक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(छ) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी अप्रिक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियमिति का पालन नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाचार हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे अप्रिक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को स्वीकृति के अधीन अनुशेय है और ऐसा करने के लिए अन्य प्राधार है तो वह किसी अप्रिक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से ट छुड़े सकेगी।

5. शिथिल करने की याकित :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें सेवाबद्ध करके तथा संघ नोक सेवा प्रयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रबंग के अप्रिक्तियों की बाबत, आवेद द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. आवृत्ति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छट प्रारंभ अन्य रियायतों पर प्रवाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आवेदों के अनुसार अनुचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सेविकों और अन्य विशेष प्रबंग के अप्रिक्तियों के लिए उपबंध करना अनिवार्य है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	बन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले अप्रिक्तियों के लिए	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिथिल सेवा (प्रैसेंट) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुशेय है या नहीं।
प्रशिक्षण प्रधिकारी (हिन्दी) *(1991)	* 4 *(1991)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ब", कार्यभार के राजपत्र, प्राधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	2000-60- 2300-व. रो- 75-3205- 100-3500 रु.	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आवेदों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।	नहीं

1	2	3	4	5	6	7
प्रशिक्षण प्रधिकारी (हिन्दी) *(1991)	* 4 *(1991)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ब", कार्यभार के राजपत्र, प्राधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	2000-60- 2300-व. रो- 75-3205- 100-3500 रु.	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आवेदों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।	नहीं

टिप्पणी :—आयु सीमा प्रवावारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अप्रिक्तियों से आवेद आप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अस्सी-चल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, लिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लक्ष्मण लंड, हिमाचल प्रदेश के लक्ष्मण और सीति जिले तथा अस्सा जिले के पांची उपबंध, अंवमान और निकोबार द्वीप या लक्ष्मीप के अप्रिक्तियों के लिए विहित की गई है)।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य प्रहृताएं।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक प्रहृताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं।

परिशेषा की अवधि यदि कोई हो।

8

9

10

आवश्यक :

(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर अंग्रेजी विषय के साथ हिन्दी में मास्टर डिग्री या समतुल्य।

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर हिन्दी विषय के साथ अंग्रेजी में मास्टर डिग्री या समतुल्य।

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर शैक्षिक और हिन्दी विषयों के साथ किसी भी विषय में मास्टर डिग्री या समतुल्य।

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से हिन्दी भाष्यम से शैक्षिक और डिग्री स्तर पर अंग्रेजी विषय के साथ किसी भी विषय में मास्टर डिग्री या समतुल्य।

या

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्तर पर हिन्दी माध्यम से शैक्षिक माध्यम से शैक्षिक और डिग्री स्तर पर हिन्दी विषय के साथ किसी भी विषय में मास्टर डिग्री या समतुल्य।

(2) हिन्दी में मण्डाबली कार्य का और या अंग्रेजी से हिन्दी में अथवा हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कार्य का पाठ वर्ष का अनुभव जिसमें सफलीय या वैशाखिक साहित्य संबंधी कार्य को प्रधिष्ठानित की जाएगी।

हिन्दी में प्रठायापन, अनुसंदेश, सेखन या पत्रकारिता का पाठ वर्ष का अनुभव।

दो वर्ष

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जाएगा।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जाएगा।

11

12

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण

केंद्रीय सरकार/राज्य सरकारों के ऐसे अधिकारी :

(क) (1) जो नियमित आधार पर सदूच पद धारण किए हुए हैं; या

(2) जिन्होंने 1640-2400 रु. या समतुल्य बेतनमान वाले पदों पर तीन वर्ष नियमित सेवा की है; या

(3) जिन्होंने 1400-2300 रु. या समतुल्य बेतनमान वाले पदों पर, भाठ वर्ष नियमित सेवा की है, और

(क) जिनके पास स्तम्भ 7 के अधीन सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अधिकारित शैक्षिक प्रहृताएं शैक्षिक अनुभव हैं।

2. बाह्य व्यक्तियों के साथ 1400-2300 रु. के बेतनमान वाले ऐसे विभागीय हिन्दी अनुवादकों के संबंध में भी विचार किया जाएगा जिन्होंने उस श्रेणी में शायद वर्ष नियमित सेवा की है और यदि उस पद पर नियुक्ति के लिए उसका चयन कर लिया जाता है तो वह प्रोन्नति द्वारा भरा गया गया समझा जाएगा।

(पेषक प्रबर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी परिवर्त में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पाल नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्त व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पाल नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्त व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केंद्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले हारित किमी अन्य काउंसिल/बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है,

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरक्षणा

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए समूह “क” विभागीय प्रोन्नति समिति

जयन, प्रस्तेक भवसर पर आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

1. बन शिक्षा निदेशक, देहरादून—प्रधान

2. राज्य बन सेवा महाविद्यालयों में किसी एक महाविद्यालय का प्रधाना-
चार्व, जो अध्यक्ष द्वारा नामनिर्विष्ट किया जाएगा—सदस्य

3. उपेत्तम प्राध्यापक, संबंधित राज्य बन सेवा महाविद्यालय—सदस्य

4. संबुक्त निदेशक (प्रणालन), भाई जी इस्यू एस ए—सदस्य

5. पर्यावरण और बन मंत्रालय का समुचित प्राप्तिक्रिया का एक प्रतिनिधि जो
मंत्रालय द्वारा नामनिर्विष्ट किया जाएगा—सदस्य

टिप्पण : — सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति की पुष्टि से संबंधित विभा-
गीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियाँ, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोद-
नार्य सेवी जाएंगी। किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है
तो विभागीय प्रोन्नति समिति को बैठक संघ लोक सेवा आयोग के प्रधानका-
या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होती।

[सं. 9-5/90-एफ ई/प्रक टी-बी]

एम.एन. कालरा, अवार सचिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS

(Department of Environment, Forests & Wildlife)

New Delhi, the 14th May, 1991

G.S.R. 384.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Training Officer (Hindi) in the Office of the Director of Forest Education, Dehra Dun, namely :

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Director of Forest Education, Dehra Dun Training Officer (Hindi) Recruitment Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age-limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the said schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect representation relaxation of the age limit and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of Post.	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or Non-Selection post.	Age limit for direct recruits.
1	2	3	4	5	6
Training Officer *4 (1991) *Subject to variation dependent on workload. (Hindi)		General Central Service Group 'B' Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/-	Not applicable	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).

Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date of receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Island or Lakshadweep).

Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date of receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh Andaman and Nicobar Island or Lakshadweep).

Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any
7	8	9	10

三

8

9

10

2 years
both for
promotees and
direct recruits

Essential :

(i) Master's degree of a recognised University or equivalent in Hindi with English as a subject at the degree level.

OR

Master's degree of a recognised University or equivalent in English with Hindi as a subject at the degree level,

OR

Master's degree of a recognised University or equivalent in any subject with Hindi and English as a subject at the degree level,

OR

Master's degree of a recognised University or equivalent in any subject with Hindi medium and English as a subject at the degree level,

-
OR

7

8

9

10

Masters degree of a recognised University or equivalent in any subject with English medium and Hindi as a subject at the degree level.

(ii) 5 years' experience of terminological work in Hindi and/or translation work from English to Hindi or vice-versa, preferably of technical or scientific literature.

OR

5 years' experience of teaching, Research writing or Journalism in Hindi.

Note: 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of the candidates otherwise well qualified.

Note: 2. The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection, the the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable:

- (i) Knowledge of Sanskrit and/or of a modern Indian Language at Higher Secondary/Senior Secondary Level.
- (ii) Experience of organising Hindi classes or workshops for noting drafting.

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.

Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.

11

12

13

14

By promotion/transfer or deputation failing which by direct recruitment.

Promotion/transfer on Deputation : Officers of the Central/State Governments holding :
 (a)(i) analogous posts on a regular basis; or
 (ii) with 3 years regular service in posts in the scale of Rs. 1640-2900 or equivalent or

Group 'B' Departmental Promotion Committee for confirmation :
 1. Director of Forest Education Dhera Dun —Chairman
 2. Principal, One of the State Forest Service Colleges to be nominated by the Chairman —Member
 3. Seniormost Lecturer, State Forest Service College concerned—Member

Selection on each occasion shall be made in consultation with the Commission.

11

12

13

14

- (iii) with 8 years regular service in posts in the scale of Rs. 1400-2300 or equivalent; and
- (b) Possessing educational qualifications and experience laid down for direct recruits under column 8.
2. The Departmental Hindi Translator in the scale of Rs. 1400-2300 with 8 years regular service in the grade shall also be considered alongwith outsiders and in case he is selected for appointment to the post the post shall be deemed to have been filled by promotion.
- (The Departmental Officers in the feeder grade who are in direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion).

Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall not exceed 3 years.

4. A representative of appropriate status of the Ministry of Environment and Forest (to be nominated by the Ministry) —Member

5. Joint Director (Administration) Indira Gandhi National Forest Academy, Dehra Dun —Member

Note :—The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of direct recruitment shall be sent to the Commission for approval, if however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or Member of the Union Public Service Commission shall be held.

[No. 9-5/90-FE/HTO]

M. N. KALRA, Under Secy.

MINISTRY OF LABOUR

CORRIGENDUM

New Delhi, the 14th June, 1991

G.S.R. 385.—In the English Version of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. G.S.R. 500, dated 3rd day of June, 1988 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i), dated the 18th June, 1988:—

In the schedule appended to the notification, at page 1834, in column 7, against No. 21, for '4395' read '4385'.

[No. S. 42012|1|91-SS.II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
CORRIGENDUM

New Delhi, the 3rd June, 1991

G.S.R. 386.—In the notification No. G.S.R. 229 dated the 13th March, 1991 of the Ministry of Information and Broadcasting regarding amendment to the All India Radio (Allotment of Residential Quarters), Rules, 1983 published in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 6th April, 1991 at pages 908-910,—

In para 2(2) (ii) at page No. 909, in the English version of the notification, for the words "the house rent allowance shall be admissible to him for the period he remains debarred from further allotment of accommodation" read as "the house rent allowance shall not be admissible to him for the period he remains debarred from further allotment of accommodation".

[No. 16|7|89-A&G|B(D)]

J. K. SHARMA, Director.

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय
(पोत परिवहन पक्ष)
नई दिल्ली, 7 जून, 1991
(वाणिज्य पोत परिवहन)

सा. का. नि 387.—कठिपय नियमों का निम्न-
लिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार वाणिज्य पोत परिवहन
श्रधनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 288 की
उपधारा (2) के खंड (क), (ख), (ग), (घ), (ड), (च),
(छ), (ज), (झ), (ञ) (ट), (ठ), (ड) और (ढ) के
साथ पठित उपधारा (1) और धारा 435 की उपधारा (2)
के खंड (ट) के साथ पढ़ित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा वाणिज्य पोत परिवहन
(मास्टर) नियम, 1968 की अधिकांत करते हुए, बनाना
चाहती है, ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित
किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना
है। इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप
पर ऐसी तारीख में, जिसको ऐसे राजपत्र की प्रतियां, जिसमें
यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध
कराई जाती है, तीस दिन की प्रवधि की समाप्ति पर या
उसके पश्चात् विचार किया जायेगा।

ऐसे आधेप या सुझाव पर, जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट
अवधि की समाप्ति से पहले उक्त प्रारूप की बाबत किसी
व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

अनुभाग—I

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और लागू होना :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (प्राण रक्षक साधित) नियम, 1991 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- (3) इन नियमों के उपबंधों के अधीन, —

(क) ऐसे प्रत्येक समुद्र गामी भारतीय पोत तथा
प्रत्येक समुद्रगामी चलत जलयान को लागू
होंगे जिसका नौतल 1 जुलाई, 1986 को
या उसके बाद रखा गया हो।

(ख) ऐसे किसी भी पोत या चलत जलयान को
लागू नहीं होंगे जिसका नौतल 1 जुलाई, 1986
से पहले रखा गया हो और वाणिज्य पोत परि-
वहन (प्राण रक्षक साधित) नियम, 1982
ऐसे पोतों या चलत जलयानों को लागू हो:

परन्तु पोत परिवहन महानिदेशक इन नियमों के प्रारंभ
के बाद, ऐसे प्रत्येक पोत या चलत जलयान में हुए संरचनीय

परिवर्तनों को देखते हुए लिखित श्रादेश द्वारा ऐसे प्रत्येक पोत
के स्वामी से, इन नियमों में विनिर्दिष्ट किसी या सभी
अपेक्षाओं के अनुपालन का लिखित श्रादेश दे सकेगा।

. 2 परिभाषाएं—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा
अपेक्षित न हो,

(क) “अधिनियम” से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम
1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है,

(ख) “अनुमोदित” से नौ-मलाहकार भारत सरकार द्वारा
अनुमोदित अभिप्रत है,

(ग) “प्रमाणपत्र व्यक्ति” से वह व्यक्ति अभिप्रत है जिसके पास उत्तरजीवी यान की प्रवीणता का प्रमाणपत्र है जो महानिदेशक के प्राधिकरण के अधीन या उनके द्वारा किसी वैध मान्यता प्राप्त प्राधिकरण द्वारा जारी किया गया हो। इसके अंतर्गत प्रवीणता प्रमाण-पत्र धारी, डैक अधिकारी तथा रक्षा बोर्ड मैन के रूप प्रवीणता प्रमाण पत्र धारी कोई भी व्यक्ति सम्मिलित है। ये सभी प्रमाण पत्र, वाणिज्य पोत परिवहन (रक्षा बोर्डमैन अर्हता तथा प्रमाण पत्र) नियम, 1963 के अधीन जारी किए जाते हैं,

(घ) “पोतारोहण नसेनी” से उत्तरजीवी यान पोतारोहण केन्द्र पर उपलब्ध अभिप्रेत, नसेनी है जो प्रथम अनुसूची के भाग VI में विनिर्दिष्ट उपेक्षाओं का अनुपालन करती है,

(ङ) “पोतारोहण केन्द्र” से पोत के बोर्ड पर इस नाम में निर्दिष्ट वह क्षेत्र अभिप्रेत है जहां से कर्मीदंत तथा यात्री, उस केन्द्र से उत्तरजीवी यान पर सीधे पोतारोहण कर सकते हैं,

(च) “रेडियो वेकन सूचक आपात स्थिति” से चल सेवा का वह केन्द्र अभिप्रेत है जिससे प्राप्त उत्सर्जनों का प्रयोग, खोज तथा बचाव कार्यों में किया जाता है,

(छ) “साफ भौसम अवधि” से अभिप्रेत :—

(i) अरब सागर में सिंतम्बर तथा बाद से प्रारंभ होने वाली तथा 31 मई को समाप्त होने वाली अवधि है, तथा

(ii) बंगाल की खाड़ी में 1 दिसम्बर तथा बाद से प्रारंभ होने वाली तथा 30 अप्रैल को समाप्त होने वाली अवधि है,

(ज) “गंदा मौसम अवधि” से अभिप्रेत :—

(1) अरब सागर में 1 जून तथा बाद से प्रारंभ होने वाली तथा 31 अगस्त, को समाप्त होने वाली अवधि है, तथा

(2) बंगाल की खाड़ी में 1 मई तथा बाद से प्रारंभ होने वाली तथा 30 नवम्बर को समाप्त होने वाली अवधि है,

(झ) “प्लव सुकृत प्रमोचन” से उत्तरजीवी यान की वह प्रमोचन विधि अभिप्रेत है जिसके द्वारा यान, डूबते हुए पोत से स्वतः अलग होकर प्रयोग के लिए तत्पर हो जाता है,

(अ) "निवधियात प्रमोक्षन" से उत्तरजीवी यान की वह प्रभोचन विधि अभिप्रेत है जिसके द्वारा यान, बोर्ड पर स्थित पूरक व्यक्तियों तथा उपस्कर सहित अलग होकर, बिना किसी प्रतिबंध उपकरण के, समुद्र में गिरने विधा जाता है,

(ट) "निमज्जन-परिधान" से वह संभवी परिधान अभिप्रेत है जिसके किसी व्यक्ति द्वारा पहनने पर, शीतल जल में शरीर-उष्मान्हस में कमी हो जाती है। यह परिधान दूसरी अनुसूची के भाग में IV विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करता है,

(ठ) "आइ एम ओ-संहिना" से आदि प्ररूप प्राण रक्षक साधितों तथा व्यवस्थाओं के मूलांक, परीक्षण तथा स्वीकृत हेतु वह व्यवहार-संहिना अभिप्रेत है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय अनुसमूद्री संगठन की सभा ने प्रयोग तेरहवें सद्व में अंगीकार किया था और जिसमें अंतर्राष्ट्रीय अनुसमूद्री संगठन द्वारा समय-समय पर संशोधन किए गए हैं,

(ड) "आइएम ओ संसुति" से प्राण रक्षक साधितों के संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय अनुसमूद्री संगठन के तेरहवें सद्व में अंगीकृत तथा उसी संगठन द्वारा समय-समय पर संशोधित अभिप्रेत संसुति है,

(ढ) "अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री यात्रा" से वह समुद्री यात्रा अभिप्रेत है जो भारत के किसी स्थान या पत्तन से श्रव्य पत्तन तक या भारत से बाहर के किसी स्थान या पत्तन तक की जाती है,

(ण) "प्रमोक्षन साधित तथा व्यवस्थाओं" से उत्तरजीवी यान या बचाव नौका को उम्मी भरण-स्थिति से सुरक्षित रूप से जल तक अंतरण की विधि अभिप्रेत है जो प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करती है,

(ङ) "लम्बाई" से नौतल के शीर्ष से मापित, न्यूनतम संचित गंभीरता के 85 प्रतिशत पर कुल लम्बाई का 96 प्रतिशत अथवा पोत स्थन के अग्रभाग से उस जलरेखा तक रडरस्टॉक तक लम्बाई यदि यह अधिक है अभिप्रेत है। धोतल रेक के साथ अभिकल्पित पोतों में, जिन जलरेखा के अनुदिश यह लंबाई मापी जाती है वह, अभिकल्पित जलरेखा के समांतर होती है,

(ङ) "रक्षा नौका" से वह नौका अभिप्रेत है जो तीसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करती है,

(त) "रक्षा बेड़ा" से अभिप्रेत वह रक्षा बेड़ा है जो चौथी अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करता है,

"संचित गंभीरता" से अभिप्रेत है:-

(i) नौतल-शीर्ष से फी-बोर्ड डैक के पाश्वधरण के शीर्ष तक मापित ऊर्ध्वाधर दूरी है। काष्ट तथा संयुक्त पोतों में यह दूरी नौतल-रेवेट के निचले किनारे से मापी जाती है। जहां मध्यपोत परिच्छेद के निचला सिरे का अभिरूप खोखला होता है या जहां मोटे गारबोर्ड लगे होते हैं तो वहां यह दूरी उस बिंदु से मापी जाती है जहां अंवर की ओर जाती हुई सपाट पैदे की रेखा, नौतल के पार्श्व को काटती है,

(ii) गोल गनवैल वाले पोतों में यह दूरी, डैक की संचित रेखा और पार्श्व-कवच-प्लेटिंग रेखा के

प्रतिच्छेद-बिंदु तक मापी जाती है जबकि इन रेखाओं को यह मानते हुए बढ़ाया गया है कि गनवैल के अभिकल्प कोषीय है,

(३) जहां फी बोर्ड-डैक सोपानित है तथा डैक का उठा हुआ भाग उस बिंदु तक विस्तारित है, जिस पर संचित लम्बाई निर्धारित की जानी है तो वहां संचित गंभीरता, उठे भाग के समानान्तर रेखा के अनुदिश, डैक के निचले उठे हुए भाग से विस्तारित संदर्भ रेखा तक मापी जाएगी,

(४) "मास्टर सूची" से कर्मीदल तथा यात्रियों की वह सूची अभिप्रेत है जिन्हें किसी मस्टर केन्द्र पर एकत्र होना है,

(घ) "मस्टर केन्द्र" से पोत के बोर्ड पर निर्दिष्ट वह क्षेत्र अभिप्रेत है, जहां कर्मीदल तथा यात्री एकत्र होते हैं,

(न) "व्यक्ति" से एक वर्ष से अधिक आयु का व्यक्ति अभिप्रेत है, जिसमें पोत के कर्मीदल व अधिकारी भी भम्मिलित हैं,

(प) "रक्षा नौका" से वह नौका अभिप्रेत है जिसका प्रयोग संकट के समय व्यक्तियों तथा मार्शल उत्तरजीवी यान को बचाने में किया जाता है तथा यह पांचवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करती है,

(फ) "पश्च परावर्ती सामग्री" से अभिप्रेत वह सामग्री है जो उस पर दिल्ल प्रकाश-पुंज को विपरीत दिशा में परावर्तित करती है तथा वह छठी अनुसूची की में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करती है,

(ब्र) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूचियां अभिप्रेत हैं,

(भ) "लघु अंतर्राष्ट्रीय समुद्रीयात्रा" से ऐसी अंतर्राष्ट्रीय समुद्रीयात्रा अभिप्रेत है जिसके दौरान किसी भी समय पोत, किसी पत्तन या किसी ऐसे स्थान, जहां यात्री तथा कर्मीदल संरक्षण प्राप्त कर सके, से 200 समुद्री मील से अधिक दूर नहीं होगा। साथ ही, देश के अंतिम आहुवान पत्तन, जहां से समुद्री यात्रा प्रारंभ होती है और अंतिम गंतव्य पत्तन के मध्य दूरी और न वापसी समुद्रीयात्रा की दूरी 600 समुद्रीमील से अधिक होती है। अंतिम गंतव्य पत्तन, अनुसूचित समुद्रीयात्रा का वह अंतिम पत्तन है, जहां से पोत उस देश के लिए वापसी यात्रा प्रारंभ करता है, जहां से उसने समुद्रीयात्रा प्रारंभ की थी,

(भक) "उत्तरजीवी यान" से वह यान अभिप्रेत है जो पोत के परित्याग के समय से संकट पूर्ण स्थिति में व्यक्तियों को जीवित रखने में समर्थ होता है और इसमें एक रक्षा नौका तथा एक रक्षा बेड़ा होता है,

(भख) "तापीय संरक्षणयुक्ति" से अल्प तापीय चालकता वाली जल सह सामग्री से निर्मित, वैग या परिधान अभिप्रेत है जो दूसरी अनुसूची के भाग में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करती है,

3. पोतों का वर्गीकरण :—इन नियमों के प्रयोजनों के लिए, समुद्र में जाने वाले भारतीय पोत तथा समुद्र गामी चलता जलयान निम्ननिखित वर्गों में व्यवस्थित किए जाएंगे यथा :—
“क” यात्री पोत

- वर्ग I वर्ग III के पोतों के अतिरिक्त, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री यात्रा पर जाने वाले यात्री पोत
- वर्ग II वर्ग के पोतों के अतिरिक्त, लघु अंतर्राष्ट्रीय समुद्रीयता पर जाने वाले यात्री पोत।
- वर्ग III अंतर्राष्ट्रीय समुद्री यात्रा पर जाने वाले विशेष व्यापार यात्रीपोत।
- वर्ग IV लघु अंतर्राष्ट्रीय समुद्री यात्रा पर जाने वाले विशेष व्यापार यात्री पोत।
- वर्ग V अंतर्राष्ट्रीय समुद्री यात्रा के अतिरिक्त, समुद्री यात्रा पर जाने वाले विशेष व्यापार यात्रीपोत (वर्ग VI तथा VII के पोतों को छोड़कर)
- वर्ग VI भारतीय टट व्यापार में रत, विशेष व्यापार यात्री पोत, जो अपने यात्रा पथ में, मुख्य भूमि से 20 समुद्रीमील से अधिक दूर नहीं जाते। यदि ऐसे पोत अपनी समुद्री यात्रा के दौरान, कच्छ, खम्बात या मन्दार की खाड़ी से गुजरते हैं, तो भी इन्हें वर्ग VI के पोतों की संज्ञा दी जाएगी।
- वर्ग VII भारतीय पत्तनों के बीच साफ मौसम अवधि में, समुद्री यात्रा पर जाने वाले विशेष व्यापार यात्री पोत, जो अपने याकापथ में निकटतम भूमि से 5 समुद्री मील से अधिक दूर नहीं जाते।
“ब”—यात्रीपोतों के अतिरिक्त अन्य पोत
- वर्ग VIII अंतर्राष्ट्रीय समुद्री यात्रा पर जाने वाले स्थोरा पोत।
- वर्ग IX ऐसी समुद्री यात्रा पर जाने वाले स्थोरा पोत जो अंतर्राष्ट्रीय नहीं है (वर्ग 10 के पोतों को छोड़कर)
- वर्ग X भारतीय टट व्यापार में रत स्थोरा पोत (वर्ग 9 के पोतों का छोड़कर), जो अपने यात्रा पथ में निकटतम भूमि 20 से समुद्रीमील से अधिक दूर नहीं जाते। यदि ऐसे पोत अपनी समुद्री यात्रा के दौरान कच्छ, खम्बात या मन्दार की खाड़ी से गुजरते हैं, तो भी इन्हें वर्ग 10 के पोतों की संज्ञा दी जाएगी।
- वर्ग XI भारतीय पत्तनों के बीच साफ मौसम अवधि में, समुद्री यात्रा पर जाने वाले स्थोरा पोत, जो अपने याकापथ में निकटतम भूमि से 5 समुद्रीमील से अधिक दूर नहीं जाते।
- वर्ग XII समुद्र में जाने वाले टग, टंडर, साँच, लाइटर, ड्रेजर, बंजरे तथा हॉपर।
- वर्ग XIII वर्ग XIV विनिर्दिष्ट मत्स्य यानों को छोड़कर अन्य मत्स्य यान।

वर्ग XIV मात्र लाभ की दृष्टि से मत्स्यन में रत, चलत नौकाओं या जलयानों सहित चलत जलयान।

वर्ग XV नौड़ा-नौका

अनुभाग II

पोत अपेक्षाएः—यात्री तथा स्थोरा पोत

4. अनुप्रयोग : इस अनुभाग के उपबन्ध, वर्ग I से वर्ग XII तक के (दोनों सहित) पोतों पर लागू होंगे, जब तक कि अन्यथा स्पष्टतः उपबन्धित न हो।

5. प्राण रक्षक साधित्रों का मूल्यांकन, परीक्षण तथा अनुमोदन तथा उनकी व्यवस्थाएः—

(1) जब तक कि इन नियमों स्पष्टतः अन्यथा उपबन्धित न हो, पोत में वहन किए जा रहे प्राण रक्षक साधित्र तथा व्यवस्थाएः तब तक अनुमोदित नहीं की जाएगी, जब तक कि वे इन नियमों की अपेक्षाओं का अनुपालन न करें तथा आइएम ओ की सिफारिशों के अनुसार उनका परीक्षण न किया गया हो।

(2) उपनियम (1) के उपबन्ध की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, पोत वहन किए जा रहे प्राण रक्षक साधित्रों की गुणता और उनका कर्मकौशल निम्नलिखित प्रकार का होगा :

(क) 30°C से $+65^{\circ}\text{C}$ तक की संपूर्ण वायु तापपरात में भरण के समय उनके क्षतिग्रस्त होने की संभावना न हो,

(ख) -1°सी से $+30^{\circ}\text{सी}$ तक की संपूर्ण समुद्र जल ताप-परगम में प्रचालन कर सके यदि उन्हें प्रयोग के दौरान समुद्र जल में डुबोया जाना है,

(ग) ये विगलन सह, संक्षारण रोधी होंगे तथा समुद्र जन, तेल या कवक-आक्रमण से अप्रभावित रहेंगे,

(घ) सूर्य के प्रकाश में उद्भासित रहने पर इनका असर नहीं होगा,

(ङ) इनके सभी भागों पर अत्यंत दृश्य रंग होगा ताकि उत्तरजीवीयों को पहचानने में सहायता मिले,

(च) ये पश्च परावर्ती सामग्री द्वारा सञ्जित होंगे, तथा

(छ) यदि इनका समुद्र में प्रयोग किया जाना है तो ऐसे पर्यावरण में भी ये संतोषी अनक प्रचालन करने में समर्थ होंगी,

(3) किसी प्राण रक्षक साधित्र को प्रदत्त अनुमोदन, नौसलाहकार, भारत सरकार द्वारा वापस लिया जा सकता है, यदि ऐसी साधित्र का निष्पादन तथा उसकी व्यवस्था, अनुमोदन के प्रतिबंधों का अनुपालन न करें।

(4) भारत के बाहर निर्मित पोत तथा भारतीय स्वामियों द्वारा अधिगृहीत पुराने पोतों, जिनमें उपलब्ध प्राण रक्षक साधित्र या उनकी व्यवस्था अनुमोदित नहीं की गई हैं

तो सर्वेक्षक, नौसलाहकार भारत सरकार को सूचित करते हुए यह प्रमाणित करेगा कि ऐसे प्राण रक्षक साधित तथा उनकी व्यवस्थाएं, इन नियमों में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करती हैं।

6. सुरक्षा-संचार के लिए उपस्कर—प्रत्येक पोत निम्नलिखित बहन करेगा:—

(क) एक बहनीय रेडियो टेलीग्राफ उपस्कर, या सातवीं अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं का अनुपालन करने वाला उपस्कर जिसका रक्षित तथा सुगम्य स्थिति में भरण किया जाएगा। आपात स्थिति में ऐसे उपस्कर को उत्तरजीवी यान तक आसानी से ले जाया जा सकेगा और जहां इस उपस्कर के आगे पीछे, पर्याप्त दूर-दूर स्थितियों से रक्षा नौकाओं का भरण किया जाएगा। तत्पश्चात् इस उपस्कर का भरण रक्षक नौकाओं के समीप किया जाएगा जो पोत के मुख्य रेडियो संप्रेषित से अधिकतम दूरी पर होती है,

बशर्ते कि ऐसे उपकरण का बहन नहीं किया जाएगा यदि सातवीं अनुसूची के भाग I में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करने वाला रेडियो टेलीग्राफ उपस्कर, पोत के दोनों ओर एक-एक रक्षा नौका में ले जाया गया है अथवा वह ऐसी रक्षक नौका में ले जाया गया है तो पोत स्तभ के ऊपर निर्वाध पात विसोचन में समर्थ है अथवा पोत, इनी अवधि की समुद्री यात्रा में रह है जिसमें महानिदेशक की राय में ऐसे बहनीय रेडियो उपस्कर की आवश्यकता नहीं है,

(ख) सातवीं अनुसूची के भाग III में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, रेडियो-बैकन दर्शने वाली आपात स्थिति का, प्लॉमुक्त व्यवस्था द्वारा इस प्रकार भरण किया जाएगा कि रेडियो बैकन यथासंभव निर्वाध रूप से तैरें और पोत के डूबने पर सिगनलों का संप्रेषण स्वतः संचालित करें,

(ग) सातवीं अनुसूची के भाग IV में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, उत्तरजीवी यान के लिए रेडियो बैकन दर्शने वाली आपात स्थिति का भरण ऐसे पोत की सुगम्य और रक्षित स्थिति में किया जाना चाहिए जो आपात स्थिति में उत्तरजीवी यान तक जाने के लिए तत्पर हो,

(घ) सातवीं अनुसूची के भाग V विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप प्रत्येक और एक हस्तचालित अवस्थान निर्धारण युक्ति का इस प्रकार भरण किया जाना चाहिए, कि नियम 36, के उपनियम (6) द्वारा अपेक्षित, रक्षक बैड़ा या रक्षा बैड़े को छोड़कर इसे किसी भी उत्तरजीवी यान में आसानी से रखा जा सके।

(ङ) सातवीं अनुसूची के भाग VI में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, बोर्ड पर कम से कम तीन द्वि-पथ रेडियो टेलीफोन

उपस्कर होने चाहिए, जो उत्तरजीवी यान, पोत तथा बचाव नौका के बीच संचार स्थापित करें,

(च) सातवीं अनुसूची के भाग VII में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, एक आपात द्वि-पथ संचार उपस्कर संजित होगा जो बोर्ड पर आपात नियंत्रण केन्द्र, मस्टर तथा पोतारोहण केन्द्रों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थितियों के बीच संचार स्थापित करेगा यह उपस्कर स्थायी या बहनीय अथवा दोनों प्रकार का हो सकता है,

(छ) सातवीं अनुसूची के भाग VIII में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, मस्टर सूची में निहित कार्य प्रारंभ करने हेतु मस्टर केन्द्र पर कर्मिदल तथा यात्रियों का आदूवान करने के लिए एक आयात ग्राहार्म-तंत्र का प्रावधान होगा। साथ ही, पूरक के रूप में संचार के लिए सार्वजनिक घोषणा-तंत्र या अन्य किसी उपयुक्त साधन भी उपलब्ध होगा,

(ज) सातवीं अनुसूची के भाग X में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, कम से कम 12 रॉफेट पैराशूट ब्लैंडरों का भी नोचालन सेतु पर वा उसके समीप भरण किया जाएगा।

7. अविक्तिगत प्राण रक्षक साधित :-

(1) प्रत्येक पोत रक्षा बोयों का भी बहन करेगा जो सातवीं अनुसूची के भाग I में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप होगा और इसमें निम्नलिखित व्यवस्था होगी :—

(i) ये इस प्रकार वितरित होंगी कि पोत के दोनों ओर तथा पोत के एक और से विस्थापित यथा संभव सभी खुले डैकों पर उपलब्ध रहें। कम से कम एक रक्षा बोया पोत स्तंभ के समीप रहे,

(ii) इनका इस प्रकार भरण किया जाए कि इन्हें शीघ्रता से खोला जा सके और ये किसी भी प्रकार स्थायी रूप से कसी न रहे,

(iii) इसका इस प्रकार भरण किया जाए कि कम से कम एक रक्षा बोया, उर्ध्युक्त भाग I में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, तरलशील रक्षा रस्सी के साथ संजित की जाए, और इसकी लम्बाई, सुगमतम समुद्रामी व्यवस्था, में जल रेखा के ऊपर भरित रक्षा बोर्ड की उचाई की, कम से कम दुगनी या 30 मीटर, इनमें जो भी अधिक हों, हीगी,

(ii) जिस पोत पर इसका बहन किया जा रहा है उस पर बड़े रोमन वर्ण अक्षरों में पोत तथा पंजीकरण पतन का नाम अंकित होगा,

(2) सातवीं अनुसूची के भाग XIII में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, प्रत्येक पोत में उपलब्ध रक्षा बोयों का कुल संख्या की आधी रक्षा बोयाएं, स्वप्रज्वलित लाइटों से संजित होंगी। इनमें से दो रक्षा बोयों में, उपर्युक्त अनुसूची के भाग XII में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, स्वसंक्षिप्त धूम सिगनल उपलब्ध होंगे। इन धूम सिगनलों को नौचालन सेतु से शीघ्रता से मोचित किया जा सकेगा।

(3) प्रत्येक पोत में उपलब्ध, प्रकाश युक्त रक्षा बोया तथा प्रकाश और धूम सिगनल युक्त रक्षा बोया, पोत के दोनों ओर समान रूप से वितरित रहेंग और इन रक्षा बोयों में रक्षा रेखाएं नहीं होंगी।

(4) प्रत्येक पोत निम्नलिखित का बहन करेगा :—

(क) दूसरी अनुसूची के भाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, बोई पर प्रत्येक व्यक्ति के लिये अवश्यक पोत जितने व्यक्तियों को ले जाने के लिये प्रमाणित है उन सभी के लिये, जैसी भी स्थिति हो, रक्षा जैकिट,

(ख) उपर्युक्त अनुसूची के भाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, निम्नलिखित बोले व्यक्तियों के लिये तथा सुदूर अवस्थित केन्द्रों पर प्रयोग के लिये पर्याप्त संख्या में रक्षा जैकिट,

(ग) उपर्युक्त अनुसूची के भाग III में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप, बोई पर प्रत्येक बच्चे के लिये अवश्यक पोत जितने व्यक्तियों को ले जाने के लिये प्रमाणित है उसके 10 प्रतिशत, जैसी भी स्थिति हो, के लिये उचित रक्षा जैकिट,

(5) सभी रक्षा जैकिट इस प्रकार रखी जाएं कि उन तक आसानी से पहुंचा जा सके और उनकी स्थिति स्पष्टतः निर्दिष्ट होनी चाहिये और जहाँ पोत की किसी विशेष अवस्था के कारण, उप नियम (4) के खंड (क) के अधीन उपलब्ध रक्षा जैकिटों तक पहुंचाना संभव न हो सके तो वैकल्पिक प्रावधान किया जाना चाहिये और जहाँ अवश्यक हो वहाँ वहनीय रक्षा जैकिटों की संख्या में वृद्धि की जानी चाहिये।

(6) कर्मीदल तथा बच्चाव नौका के लिए नियम प्रत्येक व्यक्ति के लिये पोत में उपर्युक्त आपात का निष्पत्ति परिधान ले जाया जायेगा।

8. मस्टर सूची तथा आपात निर्देश :

(1) प्रत्येक पोत का मस्टर आपात स्थिति में बोई पर प्रत्येक व्यक्ति के लिये स्पष्ट निर्देश देगा जिनके अनुसरण किया जाना चाहिये।

(2) प्रत्येक पोत का मस्टर, आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार, नौचालन सेतु, इंजन-कक्ष, कर्मीदल आवास और जहाँ लागू हो वहाँ यात्री-आवास सहित, संगृहीत पोत में ध्यानाकर्षी स्थानों पर मस्टर सूची प्रदर्शित करेगा।

9. प्रचलन निर्देश :

प्रत्येक पोत पर उत्तरजीवी यान पर या उसके समीप तथा उनके प्रमोन्चन केन्द्रों पर पोस्टर या चिन्ह उपलब्ध होंगे और जो,

(क) नियंत्रणों के प्रयोजन से संबद्ध निर्देश या जहाँ आवश्यक हो वहाँ चेतावनी सहित इन साधितों की प्रचालन प्रक्रिया प्रदर्शित करेंगे,

(ख) इन्हें आपात प्रकाश व्यवस्था में आसानी से देखा जा सकेगा,

(ग) अनुमोदित प्रतीकों का प्रयोग करेंगे।

10. उत्तरजीवी यान का मानव चालन तथा पर्यावरण :

(1) प्रत्येक पोत निम्नलिखित द्वारा मानव चालित होगा :—

(क) अप्रशिक्षित व्यक्तियों को जुटाने तथा उनकी सहायता के लिये पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित व्यक्ति,

(ख) परिस्थाग की स्थिति में, बोई पर कुल व्यक्तियों के लिये आवश्यक उत्तरजीवी यान तथा प्रमोन्चन व्यवस्थाओं के प्रचालन के लिये पर्याप्त संख्या में प्रमाणीकृत व्यक्ति,

(ग) प्रत्येक उत्तरजीवी यान का प्रभारी, एक प्रमाणीकृत व्यक्ति होगा और रक्षा नौका के लिये एक अन्य प्रमाणीकृत व्यक्ति, दूसरे प्रभारी अधिकारी के रूप में भी नामित किया जायेगा,

(2) उप नियम (1) के संदर्भ में प्रमाणीकृत व्यक्तियों की संख्या, निम्नलिखित सारणी में विनिर्दिष्ट संख्या से किसी भी हालत में कम नहीं होगी,

सारणी

उत्तरजीवी यान का कर्मीदल-मंडल

प्रमाणीकृत
व्यक्तियों
की
न्यूनतम
संख्या,

—40 से कम व्यक्ति	2
—40 व्यक्ति या अधिक परन्तु 60 व्यक्तियों से कम	3
—60 व्यक्ति या अधिक परन्तु 80 व्यक्तियों से कम	4
—80 व्यक्ति या अधिक	5

बशर्ते कि नौ सलाहकार, भारत सरकार, उप नियम (1) के खंड (ख) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के स्थान पर, रक्षा बेड़ों के प्रहस्तन एवं प्रचालन में सक्षम व्यक्तियों को, रक्षा बेड़े के प्रभारी के रूप में, रखे जाने की अनुमति दे दें।

(3) प्रत्येक पोत पर निम्नलिखित प्रावधान होगा:—

- (क) उत्तरजीवी यान के प्रभारी व्यक्ति के पास, उत्तरजीवी यान कर्मदिल की सूची उपलब्ध होगी और उत्तरजीवी यान के प्रभारी व्यक्ति का यह दायित्व होगा कि उसके अधीन कर्मदिल अपने-अपने कार्य से अवगत हों,
- (ख) जब रक्षा नौका को रेडियो टेलीग्राफ अधिष्ठापनों का बहन करना होता है तो ऐसे अधिष्ठापन को प्रचालन करने वाला व्यक्ति ही वैसी रक्षा नौका पर नियत किया जाना चाहिए,
- (ग) जो व्यक्ति रक्षा नौका इंजन का प्रचालन तथा छोटे मोटे समंजन करना जानता हो उसके लिए प्रत्येक रक्षा नौका नियत की जा सकती है;

(4) मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि उपनियम (1) में उल्लिखित व्यक्ति, पोत के उत्तरजीवी यान में समान रूप से वितरित हैं।

(5) पोत के कर्मदिल के प्रत्येक व्यक्ति के पास एक प्रमाणपत्र होगा जो यह प्रदर्शित करेगा कि उसने “समुद्र उत्तरजीविता” पर अनुमोदित पाठ्यक्रम में भाग लिया है।

11. उत्तरजीवी यान मस्टर तथा पोतारोहण व्यवस्थाएँ:

(1) प्रत्येक पोत पर मस्टर केन्द्र, पोतारोहण केन्द्रों के समीप व्यवस्थित किए जाएंगे तथा उस केन्द्र पर उपस्थित सभी व्यक्तियों को आवास प्रदान करने के लिए पर्याप्त स्थान नियत रहेगा।

(2) इसके अतिरिक्त मस्टर केन्द्र तथा पोतारोहण केन्द्र,

- (क) आवास स्थानों तथा कार्य क्षेत्रों से सुगम्य होंगे,
- (ख) प्रथम अनुसूची के भाग VII के अनुसार प्रकाशित रहेंगे, तथा
- (ग) जहां उत्तरजीवी यानों में प्रमोचन डेविट उपलब्ध हों वहां ये इस प्रकार व्यवस्थित रहेंगे कि स्ट्रेचर पर लेटा व्यक्ति भी उत्तरजीवी यान में रखा जा सके।

(3) प्रत्येक पोत में कम से कम दो निकटवर्ती प्रमोचन केन्द्रों के बीच एक पोतारोहण नसेनी इस प्रकार उपलब्ध हों ताकि पोत के प्रत्येक ओर कम से कम एक पोतारोहण नसेनी रहे।

(4) डेविट द्वारा प्रमोचित उत्तरजीवी यान को पोत के पार्श्व तक लाने और उसे उसी स्थिति में रखने के लिए

प्रत्येक पोत पर पैटर उपलब्ध होने चाहिए ताकि व्यक्ति सुरक्षित रूप से पोतारोहण कर सके।

12. प्रमोचन केन्द्र:—प्रत्येक पोत पर उत्तरजीवी यान के लिए, प्रमोचन केन्द्र ऐसी स्थितियों में व्यवस्थित किए जाएं कि:—

- (क) नौदक के अवकाश तथा पोत खोल के अतिप्रबल अतिलंबित भागों का ध्यान रखते हुए, उत्तरजीवी यान सुरक्षा पूर्वक प्रमोचित किया जा सके, तथा
- (ख) निवाधि पोत-प्रमोचन के लिए विशेष रूप से निर्मित उत्तरजीवी यान को छोड़कर अन्य उत्तरजीवी यान, यथा संभव पोत के अधीनसुची पाश्व के अनुदिश प्रमोचित किए जा सकें और यदि ये अग्रिम अवस्थित हों तो वे आश्रित स्थिति में संघट दीवाल के पीछे होंगे।

13. उत्तरजीवी यान का भरण :—(1) नियम 15 के अधीन रक्षा नौकाओं तथा रक्षा बेड़ों के लिए अपेक्षित प्रमोचन साधितों का भरण, यथा संभव आवास स्थानों तथा कार्य क्षेत्रों के निकटस्थ होगा।

(2) प्रत्येक उत्तरजीवी यान का भरण इस प्रकार किया जाएगा कि:—

- (क) न तो उत्तर जीवी यान और न ही उसकी भरण व्यवस्था किसी अन्य प्रमोचन केन्द्र के अन्य उत्तर जीवी यान का बचाव नौका के प्रचालन में बाधा डाले,
- (ख) क्षेत्रण अधिकोर्ड प्रमोचन के लिए आशयित रक्षा बेड़े के अतिरिक्त, अन्य उत्तरजीवी यान ऐसी स्थिति में होना चाहिए जो जितनी यथा संभव सुरक्षित तथा व्यावहारिक हो सके उतनी जल पृष्ठ के समीप हो, तथा पोतारोहण स्थिति में उत्तरजीवी यान जल रेखा से 2 मीटर से कम न हो, जब कि पूर्णतः भारित पोत दोनों ओर द्विम की प्रतिकूल अवस्था में 20° कोण तक अथवा ऐसे कोण तक जल का हुआ हो जिस पर पोत का मौसम डेक किनारा जलमन्त्र हो जाए, इनमें जो भी कम हो,
- (ग) लगातार तत्पर अवस्था में हो ताकि कर्म दल के दो सदस्य पोतारोहण तथा प्रमोचन की तैयारी 5 मिनट से भी कम समय में पूरी कर लें,
- (घ) रक्षा नौकाओं के संदर्भ में तीसरों अनुसूची के भाग I के पैरा 8 के विनिर्दिष्टों के अनुसार तथा रक्षा बेड़ों के संदर्भ में जीथों अनुसूची के भाग I के पैरा 5 के अनुसार संजित हों,
- (ङ) यथा व्यावहारिक सुरक्षित तथा आश्रित स्थिति में हों तथा अग्नि और विस्फोट से क्षतिप्रस्त रहने से बचे रहें।

(3) पीत के पार्श्व के अवनमन के लिए रक्षा नौकाओं का भरण, नोदक से जितना आगे संभव हो सके, किया जाना चाहिए ताकि :—

(क) 80 मीटर या इससे अधिक लम्बाई के परन्तु 120 मीटर से कम लम्बाई के स्थोरा पोतों पर, प्रत्येक रक्षा नौका का भरण इस प्रकार किया जाएगा कि रक्षा नौका का पिछला सिरा नोदक के आगे रक्षा नौका की लम्बाई से कम न हो,

(ब्र) 120 मीटर या इससे अधिक लम्बाई के स्थोरा पोतों पर तथा 80 मीटर या इससे अधिक लम्बाई के याती पोतों पर, प्रत्येक रक्षा नौका का भरण इस प्रकार किया जाएगा कि रक्षा नौका का पिछला सिरा, नोदक के आगे रक्षा नौका की लम्बाई के 1.5 गुने से कम न हो,

(4) पीत इस प्रकार व्यवस्थित किया जाएगा कि भरित व्यवस्था में रक्षा नौकाएं भारी समुद्र से क्षतिग्रस्त होने से बची रहें।

(5) उन सभी रक्षा नौकाओं का भरण किया जाएगा जो प्रमोचन-साधितों से संलग्न हों।

(6) डेविट प्रमोचित रक्षा बेड़ों को भरण तब ही किया जाएगा जब वे उत्थापन हुकों की पहुंच में हों, जब तक कि उप नियम (2) के खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट द्रिम तथा झुकाव की सीमाओं में, अंतर के किसी ऐसे साधन का प्रावधान हो जो पोत की गति या शक्ति से भंग होने की स्थिति में अप्रचालनीय न हो जाए।

(7) प्रत्येक रक्षा बेड़ा पोत के साथ स्थायी रूप से संलग्न अपने पेन्टर के साथ भरित किया जाएगा और उसके साथ प्लव मुक्त व्यवस्था भी होगी। जैसा कि नवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट है। ऐसा इस कारण किया जाता है कि जहाँ तक व्यावहारिक हो रक्षा बेड़ा निर्धारित रूप से तैर और यदि यह अस्फुलनीय है तो पोत के डूबने पर यह स्वयं फूल जाए। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक रक्षा बेड़े का भरण किया जाएगा ताकि उसका अपनी जकड़ी व्यवस्थाओं से मानव चालन द्वारा मोवन हो जाए :

वगतें कि नियम 36 के उपनियम (6) के अधीन स्थोरा पोतों के लिए अंगेक्षित उपलब्ध रक्षा बेड़ा का अपनी स्थिति से मोवन, केवल मानव-चालन द्वारा ही हो।

(8) क्षेण अधिकोई प्रमोचन के लिए आशयित रक्षा बेड़े का इस प्रकार भरण किया जाएगा ताकि उसका पोत के किसी भी और प्रमोचन के लिए आसानी से अंतर्गत किया जा सके, जब तक कि कुल अंगेक्षित क्षमता के रक्षा बेड़ों का पोत के प्रत्येक और वहन नहीं किया जाता।

14. बचाव नौकाओं का भरण :—(1) नियम 26 तथा नियम 36 के उपनियम (3) के अधीन उपलब्ध कराई

जाने वाली अंगेक्षित बचाव नौकाओं का निम्नलिखित प्रकार से भरण किया जाएगा,

(क) लगातार तैयार व्यवस्था में उद्दना ताकि अधिक से अधिक 5 मिनट में उनका प्रमोचन किया जा सके,

(ख) प्रमोचन तथा पुनः प्राप्ति के लिए उचित स्थिति में रखना,

(ग) कि न तो बचाव नौका और न उसकी भरण व्यवस्थाएं किसी भी उत्तरजीवी यान के प्रचालन में बाधा न डालें,

(2) जहाँ बचाव नौका, रक्षक बेड़ा भी हो तो इसका भरण, नियम 13 में विनिर्दिष्ट अंगेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

15. उत्तरजीवी यान प्रमोचन तथा पुनः प्राप्ति व्यवस्थाएं :

(1) प्रमोचन तथा पोतारोहण साधित तथा व्यवस्थाएं प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट अंगेक्षाओं के अनुसार होंगी और ये सभी उत्तरजीवी यानों के लिए उपलब्ध होंगी, बश्ते कि,

(क) ऐसे उत्तरजीवी यानों पर इक पर किसी ऐसी स्थिति से आरोहण किया जाता है जो सुगमतम समुद्रगामी परिस्थिति में तथा उत्तरजीवी यानों की जल रेखा से 4.5 मीटर से कम पर हो—

(i) अथवा उनका द्रव्यमान अधिक से अधिक 185 किलो ग्राम हो, या

(ii) 10° तक "लिस्ट" की प्रतिकूल परिस्थितियों में और जब पोत का झुकाव किसी भी तरफ 20° से कम न हो तब इनका प्रयोग सीधी भरित व्यवस्था से प्रमोचन में किया जा सकता है,

(ख) अधिक से अधिक 185 किलोग्राम भार वाले उत्तरजीवी यान, अवितर्यों को ले जाने की प्रमाणित मंदिर से 200 प्रतिशत तक अधिक अवितर्यों का वहन कर सकते हैं।

(2) प्रमोचन तथा पोतारोहण साधित तथा व्यवस्थाएं, इस प्राप्त अधिकलिये की जाएँगी कि पोत का प्रचालक, उत्तर जीवी यान की अवधि में हर समय उत्तर जीवी यान को देख सके और यदि रक्षा नौकाओं का प्रयोग किया जा रहा हो तो पुनः प्राप्ति की अवधि में उन्हें भी देख सके।

(3) बोई पर ले जाए जा रहे समान उत्तरजीवी यानों के लिए केवल एक ही प्रकार की मोवन यंत्रावली का प्रयोग किया जाएगा।

(4) किसी भी प्रमोचन केन्द्र पर उत्तरजीवी यान के संचरण और प्रहृस्तन में किसी अन्य केन्द्र पर अन्य उत्तर जीवी यान या बचाव नौका की तुलना तैयारी तथा प्रहृस्तन में कोई बाधा नहीं पड़ेगी।

(5) प्रथम अनुसूची के भाग VII की विनिर्दिष्टयों के अनुसार प्रकाश का प्रावधान किया जाएगा।

(6) परित्याग की स्थिति में, अधिबोर्ड निस्सारण पाइपों से जल के निस्सारण को उत्तरजीवी यान पर आते से रोकने के साधन उपलब्ध कराएं जाएंगे।

(7) यदि पोत के स्थायीकारी पत्नीों से उत्तरजीवी यान के अतिग्रस्त होने की आशंका हो तो ऊर्जा के आपात स्रोत से चालित उपलब्ध साधनों से, स्थायीकारी पत्नीों को बोर्ड के अंदर लाया जाएगा। ऊर्जा के आपात स्रोत द्वारा प्रचालित सूचक नौचालन सेतु पर स्थायी कारी पत्नीों की स्थिति दर्शाएंगे।

(8) यदि तीसरी अनुसूची के भाग II तथा भाग III की अपेक्षाओं का अनुपालन करने वाली रक्षा नौकाओं का बहन किया जा रहा हो तो एक डेविट स्थान भी उपलब्ध कराया जाएगा। यह डेविट स्थान पर्याप्त लम्बाई की ऐसी दो रक्ष रस्सों से सजित होगा, जो पोत की सुगमतम समझ गामी परिस्थिति और ट्रिम की प्रतिकूल परिस्थिति में जल तक पहुंच सकें, जब कि पोत किसी भी तरफ से कम से कम 20° घुटा हो।

16. बचाव नौका पोता रोहण, प्रमोचन तथा पुनःप्राप्ति व्यवस्थाएँ :

(1) बचाव नौकाओं की पोतारोहण तथा प्रमोचन व्यवस्थाएँ इस प्रकार की होंगी कि बचाव नौकाओं पर आरोहण तथा उनका प्रमोचन यथासंभव न्यूनतम समय में हो जाए।

(2) प्रत्येक बचाव नौका में द्रुत पुनःप्राप्ति व्यवस्था होगी जब कि ऐसे नौकाओं में पूर्व पूरक व्यक्तियों तथा उपस्कर का भरण किया जा रहा हो।

(3) जब पोत शांत जल में 5 नॉट की चाल से गमन कर रहा हो तो सभी बचाव नौकाओं का पेन्टरों की सहायता से या उनके द्विना, प्रमोचन किया जा सकेगा।

(4) जहां बचाव नौका, रक्षा नौका भी हो तो,

(i) पोतारोहण केन्द्र तथा प्रमोचन केन्द्र नियम 11 या नियम 12, इनमें जो भी लागू हो, की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगे और प्रमोचन व्यवस्थाएँ नियम 15 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी,

(ii) जब रक्षा नौका, उपस्कर तथा न्यूनतम 6 व्यक्तियों के कर्मीदल से भरित हो तो द्रुत पुनःप्राप्ति व्यवस्थाओं का प्रावधान होगा।

17. लाइन क्षेपण साधित :

इसीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार प्रत्येक पोत में लाइन क्षेपण साधित का प्रावधान होगा।

18. परित्याग पोत प्रशिक्षण तथा अध्यास :

(1) ग्यारहवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुपालन स्वरूप प्रत्येक पोत में एक प्रशिक्षण पुस्तिका उपलब्ध होगी जो प्रत्येक कर्मीदल भोजनकक्ष तथा मनोरंजन कक्ष में रखी जाएगी। उत्तर जीवी यान के प्रभारी कार्मिकों के प्रयोग के लिए पोत पर इस प्रशिक्षण पुस्तिका की पर्याप्त प्रतियां उपलब्ध कराई जाएंगी।

(2) वर्ग I तथा वर्ग III के प्रत्येक पोत पर यात्रियों के पोतारोहण के 24 घंटे के अंदर उनकी मस्टर सूची तैयार की जाएगी और प्रत्येक ऐसी सूची में प्रत्येक यात्री को रक्षा जैकिंट के उपयोग तथा आपात स्थिति में की जाने वाली कार्यवाही के बारे में निर्देश दिया जाएगा,

यदि मस्टर सूची तैयार किए जाने के बाद, किसी पत्तन पर केवल कुछ ही यात्री चढ़े हों, तो ऐसी सभी यात्रियों का, नियम 22 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट आपात-निर्देशों की ओर ध्यान आकर्षित कराया जाना चाहिए।

(3) प्रत्येक यात्री-पोत, सात दिन में कम से कम एक बार इस प्रकार के परित्याग पोत अध्यास तथा अग्नि-अध्यास का संचालन करेगा जो बारहवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगे।

(4) वर्ग I तथा वर्ग III के पोतों के अनिवार्य यात्री पोतों पर पोतारोहण-पत्तन से प्रस्थान करने पर यात्रियों की मस्टर सूची बनाई जाएंगी। जहां, अपरिहार्य कारण वश ऐसी मस्टर सूची तैयार करना संभव न हो तो वहां यात्रियों का ध्यान नियम 22 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट आपात निर्देशों की ओर आकर्षित किया जाएगा।

(5) प्रत्येक पोत केवल पोत के कर्मीदल के लिए, पोत के प्रस्थान करने के 24 घंटे के अंदर एक अध्यास मस्टर सूची, परित्याग पोत अध्यास तथा अग्नि अध्यास का संचालन करेगा, यदि 25 प्रतिशत से अधिक कर्मीदल ने उस पोत विशेष पर, यिन्हें मास संचालित, परित्याग पोत-अध्यास और अग्नि अध्यास में भाग न लिया हो। कर्मीदल का प्रत्येक सदस्य, मास में कम से कम एक बार ऐसे अध्यास में भाग लेगा ऐसे पोतों के लिए ये अध्यास, पत्तन पर ही किए जा सकते हैं जिनकी समुद्री यात्रा की अवधि 48 घंटे से कम हो।

(6) कर्मीदल का प्रत्येक सदस्य, पोत पर कार्यभार संभालने के यथा शीघ्र परंतु अधिक से अधिक दो सव्वाह के अंदर, उत्तरजीवी यान उपस्कर सहित, प्राण रक्षक साधितों के उपयोग का बोर्ड पर प्रशिक्षण प्राप्त करेगा जिसका विवरण, उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट प्रशिक्षण पुस्तिका में दिया गया होगा।

(7) प्रत्येक पोत का मस्टर नियंत्रित किया जाना चाहिए रखेगा :—

(क) मस्टर सूची तैयार की जाने की तिथियां,

- (ख) परित्याग पोत अभ्यास और अनिश्चित अभ्यास का विवरण,
- (ग) परित्याग पोत अभ्यासों के अतिरिक्त, प्राण रक्षक साधिकों के उपयोग संबंधी अभ्यास, तथा
- (घ) कर्मदिल को दिए गए बोर्ड-प्रशिक्षण का विवरण, यदि जहाँ नियुक्त समय पर पूर्ण मस्टर सूची अभ्यास या प्रशिक्षण-सत्र संभव न हो तो अभियेक ऐसी परिस्थितियों को भी दर्शाएंगे और बाद में सम्पन्न मस्टर सूची अभ्यास की मात्रा या प्रशिक्षण-सत्र का भी उल्लेख होगा। अधिनियम की धारा 212 के अधीन रखी गई प्रत्येक शासकीय लॉग बुक में ऐसी प्रत्येक प्रविष्टि दर्ज की जाएगी।

19. प्रभालनीय तैयारी, अनुरक्षण तथा निरीक्षण:

(1) पोत के प्रस्थान करने के बाद से तथा उसकी सम्पूर्ण मात्रा के दौरान सभी प्राण रक्षक साधिक कार्यक्रम स्थिति में रहेंगे और तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रहेंगे।

(2) प्रत्येक पोत पर एक निर्देश पुस्तिका उपलब्ध रहेगी जिसमें, तेरहवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट सामान्य प्रतिस्थित रहेगा और इन प्राण रक्षक साधिकों के बोर्ड पर अनुरक्षण संबंधी निर्देश होंगे।

(3) प्रत्येक पोत में उत्तरजीवी यान के प्रमोचन में प्रयुक्त रज्जुनारों के सिरे, अधिक से अधिक 30 मास के अंतराल पर पलट दिए जाने चाहिए तथा अधिक से अधिक 5 वर्ष के बाद, या जब भी ये अन्त प्रस्त दिखें, इन्हें बदल दिया जाना चाहिए। उप नियम (10) के अधीन विनिर्दिष्ट, बोर्ड पर रखी अनुरक्षण लॉग बुक में रज्जुनारों के ऐसे प्रत्येक परिवर्तन या नवीकरण की प्रविष्टि की जानी चाहिए।

(4) प्रत्येक पोत पर प्राण रक्षक साधिकों और उनके घटकों के लिए अतिरिक्त पुरजे तथा मरम्मत उपस्कर, विनिर्माण द्वारा दी गई संस्तुतियों के अनुसार उपलब्ध होने चाहिए। जहाँ इस प्रकार की संस्तुतियां उपलब्ध न हों वहाँ ये केन्द्रीय सरकार के संतुष्टि के अनुसार होनी चाहिए।

(5) प्रत्येक पोत पर तेरहवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट, बोर्ड पर अनुरक्षण संबंधी निर्देशों के अनुसार साप्ताहिक तथा मासिक परीक्षण तथा निरीक्षण किए जाएंगे।

(6) प्रत्येक पोत पर सभी फुल्लनीय रक्षा बैड़ों तथा फुल्लनीय रक्षा जैकेटों की सेवा चौथो अनुसूची के भाग 4 में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार की जाएगी।

(7) प्रत्येक पोत पर फुल्लित बचाव नौकाओं की मरम्मत व उनका अनुरक्षण, विनिर्माण के निर्देशों के अनुसार किया जाएगा और आवश्यकतानुसार स्थायी मरम्मत अनुमोदित सेवा-केन्द्रों में की जाएगी, बास्ते कि,

(क) आपात मरम्मत पोत के बोर्ड पर की जा सकती है, तथा

(ख) ऐसी प्रत्येक मरम्मत की प्रविष्टि की जाएगी जैसा कि उप नियम (10) में विनिर्दिष्ट है,

(8) प्रत्येक पोत पर द्व्युचित मोबाइल एक्सेसों की सेवा, नवीं अनुसूची के पैग 4 में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार की जाएगी।

(9) किसी भी सुरक्षा उपस्कर का सावधिक अनुरक्षण पोत के ममुद्र में रहते किया जा सकेगा यदि उपस्कर की कार्यक्रम स्थिति पर्याप्त अवधि तक प्रभावित न हो।

(10) प्रत्येक पोत पर बोर्ड अनुरक्षण लॉग बूक उपलब्ध रहेगी जिसमें मास्टर, प्राण रक्षक साधिकों के सावधिक अनुरक्षण तथा आपात-मरम्मत का विवरण तथा प्राप्त परिणाम दर्ज किए जाएंगे। अगली स्थायी मरम्मत की जाने की तिथि भी दर्ज की जाएगी।

अनुभाग III - यात्रीपोत

20. अनुप्रयोग :

वर्ग I से वर्ग VII तक का प्रत्येक पोत, अनुभाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त, नियम 21 से 29 में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगे।

21. उत्तरजीवी यान-भरण तथा पोतारोहण-व्यवस्थाएं :

प्रत्येक यात्री पोत पर, उत्तरजीवी यान की पोतारोहण-व्यवस्थाओं में निम्नलिखित के लिए प्रावधान होगा :

(1) सीधी भरित स्थिति से अथवा पोतारोहण डैक से परन्तु दोनों से नहीं, रक्षा नौकाओं का आरोहण तथा प्रमोचन, तथा

(2) भरित स्थिति से बिल्कुल आराश स्थिति से अथवा नियम 13 के उप नियम (6) के अनुसार प्रमोचन से पहले रक्षा बैड़ों की अंतरित स्थिति से रक्षा बैड़ों का आरोहण तथा प्रमोचन।

(2) प्रत्येक यात्री पोत पर बचाव नौकाओं के लिए पोतारोहण व्यवस्थाएं इस प्रकार की होंगी कि बचाव नौका के कर्मदिल के रूप में नियत व्यक्तियों के साथ, बचाव नौका भरित स्थिति से सीधी आरोहित तथा प्रमोचित की जा सके।

(3) उप नियम (1) में जो कुछ निहित है उसके होते हुए भी यदि बचाव नौका, रक्षा बैड़ों भी है तथा अन्य रक्षा नौकाएं, किसी पोतारोहण डैक से आरोहित तथा प्रमोचित की जाती है तो व्यवस्थाएं इस प्रकार की होंगी कि बचाव नौका भी पोतारोहण डैक से आरोहित तथा प्रमोचित की जा सके।

(4) पोत जितने व्यक्तियों को ले जाने के लिए प्रमाणित है, उन सभी के लिए ऐसे प्रत्येक पोत पर परित्याग की स्थिति में अपेक्षित सभी उत्तर जीवी यानों का परित्याग सिंगल शिए जाने के समय से 30 मिनट के अन्दर प्रपने

पूरक व्यक्तियों तथा उपस्कर सहित, प्रमोचन हो सकेगा।

22. यात्री मस्टर केन्द्र :

(1) प्रत्येक यात्री पोत में यात्रियों के लिए यात्री मस्टर केन्द्र होंगे,

(क) ये पोतारोहण केन्द्र के समीप होंगे जब तक कि पोतारोहण तथा मस्टर केन्द्र एक ही न हो, तथा ऐसे मस्टर केन्द्र,

(ख) यहां यात्रियों के क्रमबंधन तथा निर्देशन के लिए पर्याप्त स्थान होगा,

(2) ऐसे प्रत्येक मस्टर केन्द्र तथा अन्य यात्री स्थानों तथा केबिनों में कम से कम हिन्दी तथा अंग्रेजी तथा अन्य उपयुक्त भाषा में चिन्ह तथा निर्देश स्पष्ट रूप से लिखे रहेंगे ताकि यात्रियों को निम्नलिखित के बारे में सूचित किया जा सके :—

(i) उनके मस्टर केन्द्र,

(ii) आपात स्थिति में उनके डारा की जाने वाली कार्यवाही, सथा

(iii) रक्षा जैकेट को धारण करने की विधि,

23. रक्षा बोया :—

प्रत्येक यात्री पोत निम्नलिखित सारणी के अनुसार रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या का वहन करेगा :—

सारणी

मीटरों में यात्री पोत की लम्बाई	सजित रक्षा बोयों की अपेक्षित न्यूनतम संख्या
60 मीटर से कम	8
60 मीटर या इससे अधिक परन्तु 120 मीटर से कम	12
120 मीटर या इससे अधिक परन्तु 180 मीटर से कम	18
180 मीटर या इससे अधिक परन्तु 240 मीटर से कम	24
240 मीटर या इससे अधिक	30

बशर्ते कि 60 मीटर या इससे कम लम्बाई वाले पोत में अपेक्षित न्यूनतम रक्षा बोयों में से 6 रक्षा बोयों में स्वतः प्रज्वलन प्रकाश का प्रावधान होगा।

24. रक्षा जैकिट

नियम 7 के उप नियम (4) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त प्रत्येक यात्री पोत बोर्ड पर कुल व्यक्तियों की संख्या का 5 प्रतिशत अधिक रक्षा जैकिटों का वहन करेगा जो डैक पर किसी सुप्रकट स्थान या मस्टर केन्द्रों पर रखी जाएंगी।

25. रक्षा नौका :

तीसरी अनुसूची के भाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए प्रत्येक यात्री पोत रक्षा नौकाओं का वहन करेगा। इसके अनिरिक्त वह पोत निम्नलिखित का भी अनुपालन करेगा :—

(क) वर्ग I तथा II के पोतों पर प्रत्येक रक्षा नौका, तीसरी अनुसूची के भाग II, भाग III या भाग IV में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी, तथा

(ख) वर्ग III से VII तक के पोतों पर प्रत्येक रक्षा नौका, कम से कम तीसरी अनुसूची के भाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी।

26. बचाव नौका

प्रत्येक यात्री पोत, कम से कम एक ऐसी बचाव नौका या रक्षा नौका का वहन करेगा जो पोत के प्रत्येक और बचाव नौका की अपेक्षाओं का अनुपालन करें।

बशर्ते कि 500 टन सकल टन भार से कम तथा 30 व्यक्तियों से कम को वहन करने वाले पोत में एक बचाव नौका हो सकती है जो इस प्रकार स्थित हों कि उसका किसी भी प्रकार से प्रयोजन किया जा सके।

27. रक्षा बेड़ा :

यात्री पोतों पर प्रत्येक रक्षा बेड़े का, पोत के साथ स्थायी रूप से संलग्न पेन्टर के साथ और प्लवमुक्त व्यवस्था के साथ, नवीं सूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए भरण किया जाएगा। व्यवस्था इस प्रकार की होगी कि रक्षा बेड़ा निर्वाध रूप से तैरेगा और यदि यह फुलनीय है तो पोत के इूबने पर यह स्वतः फूल जाएगा।

28. रक्षा नौकाओं तथा रक्षा बेड़ों के लिए विशेष अपेक्षाएँ :—जब III, IV, V तथा VI वर्ग का यात्री पोत, वाणिज्य पोत परिवहन (यात्री पोतों का संनिर्माण तथा सर्वेक्षण) नियम, 1981 की प्रथम अनुसूची के भाग IV में विनिर्दिष्ट उपविभाजन के विशेष मानकों का अनुपालन नहीं करता तो वह इन नियमों के नियम 32, 34, 35 तथा 36 में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के स्थान पर नियम 30 के उप नियम (2), (3) तथा (5) की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए रक्षा नौकाओं तथा रक्षा बेड़ों का वहन करता है।

29. निमज्जन परिधान व्यवहार :—प्रत्येक यात्री पोत, रक्षा नौका में वहनीय प्रत्येक प्रमाणित व्यक्ति के लिए तापीय संरक्षी साधन के अतिरिक्त प्रत्येक रक्षा नौका के ऐसे व्यक्तियों के लिए कम से कम 3 निमज्जन परिधानों का वहन करेगा जिन्हें निमज्जन-परिधान उपलब्ध न हुआ हो। बशर्ते कि इस प्रकार के निमज्जन परिधान या तापीय संरक्षी साधनों के वहन की आवश्यकता नहीं है यदि

(क) रक्षा नौकाएं तीसरी अनुसूची के भाग II, भाग III या भाग IV को अपेक्षाओं का अनुपालन करती हों, या

(ख) महानिदेशक संतुष्ट हों कि निम्नजन परिधान या तापीय संरक्षी साधनों की रक्षा नौका या याकृपोत में आवश्यकता नहीं है।

30. वर्ग I के पोत :—(1) वर्ग I का प्रत्येक पोत अनुभाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त उपनियम (2), (3), (5) तथा (6) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

(2) ऐसा प्रत्येक पोत निम्नलिखित का वहन करेगा।

(क) पोत के प्रत्येक और इसनी संख्या में रक्षा नौकाओं की संख्या जिनकी क्षमता पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के आधे व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त हो, या

(ख) रक्षा नौकाओं या रक्षा बेड़ों की इसनी संख्या जो पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या की एक साथ स्थान देने के लिए पर्याप्त हो; बशर्ते कि पोत के प्रत्येक और पर्याप्त संख्या में रक्षा नौकाएं उपलब्ध हों जो पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के 37.5 प्रतिशत व्यक्तियों को स्थान दें सकें। रक्षा बेड़ों की सेवा प्रमोत्तन-साधिकों द्वारा की जाएगी जो पोत के प्रत्येक और समान रूप से वितरित होंगे।

(ग) ऐसे रक्षा बेड़े जिनकी कुल क्षमता बोर्ड पर कुल व्यक्तियों का कम से कम 25 प्रतिशत हो तथा जिसके प्रत्येक और कम से कम एक प्रमोत्तन-साधिक उपलब्ध हो।

बशर्ते कि इस खंड के अधीन उपलब्ध रक्षा बेड़ों का भरण नियम 13 के उपनियम (6) के उपबंधों का अनुपालन आवश्यक नहीं है,

(घ) रक्षा नौकाओं तथा बचाव नौकाओं की पर्याप्ति संख्या ताकि पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या द्वारा पोत के परिवार की स्थिति में उपलब्ध प्रत्येक रक्षा नौका या बचाव नौका द्वारा अधिक से अधिक 6 रक्षा बेड़ों का कम बंधन हो,

(ङ) पोत के प्रत्येक और रक्षा नौका में एक रेडियो टेलीफोन उपस्कर होगा जो सामर्थी अनुसूची के भाग I में निर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा जबकि यान 1500 या अधिक व्यक्तियों का वहन करने के लिए प्रमाणित है। परन्तु जब पोत 199 व्यक्तियों या अधिक वौर 1500 व्यक्तियों से कम व्यक्तियों के वहन करने के लिए

प्रमाणित हो तो कम से कम एक रक्षा नौका में रेडियो टेलीफोन उपस्कर पर्याप्त होगा।

(2) ऐसे प्रत्येक पोत पर ले जाई गई रक्षा जैकेट सातवीं अनुसूची के भाग XIII में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार प्रकाश से संजित की जाएगी।

(3) 500 दन से कम सकल दन भार के ऐसे प्रत्येक पोत में जो अधिक से अधिक 200 व्यक्तियों के वहन के लिए प्रमाणित हो खंड (क) तथा (ख) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के स्थान पर पोत के प्रत्येक और रक्षा बेड़ों का वहन करेगा जिनमें पोत में वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या को स्थान मिल सकेगा बशर्ते कि :

(i) जहाँ रक्षा बेड़े पोत के प्रत्येक और प्रमोत्तन के लिए सुगमता से अतिरिक्त न किए जा सके वहाँ प्रत्येक और अतिरिक्त रक्षा बेड़ों का प्रावधान होगा जिनमें वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के 150 व्यक्तियों को आवासित किया जा सके;

(ii) यदि नियम 26 की अपेक्षाओं के अनुपालन में उपलब्ध बचाव नौकाएं रक्षा नौका भी हो तो इसे भी कुल क्षमता में सम्मिलित किया जा सकता है;

(iii) पोत के प्रत्येक और पर्याप्त संख्या में उत्तरजीवी यान उपलब्ध हों ताकि किसी भी एक उत्तर जीवी यान के खो जाने या बेकार हो जाने पर प्रत्येक और पर्याप्त संख्या में उत्तरजीवी यान उपलब्ध रहें ताकि पोत पर वहनीय प्रमाणित सभी व्यक्तियों को आवासित किया जा सके।

31. वर्ग II के पोत :—(1) वर्ग II का प्रत्येक पोत अनुभाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त निम्नलिखित का वहन करेगा :—

(क) ऐसी कुल क्षमता की रक्षा नौकाएं जो पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के कम से कम 30% की आवासित कर सकें। ये रक्षा नौकाएं पोत में प्रत्येक और समान रूप से वितरित रहेगी,

(ख) ऐसी कुल क्षमता के रक्षा बेड़े जो खंड (क) के अनुसार उपलब्ध रक्षा नौकाओं के साथ पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति-संख्या को आवासित कर सकें जबकि प्रमोत्तन साधित पोत के दोनों और समान रूप में वितरित हों, तथा

(ग) ऐसी कुल क्षमता के रक्षा बेड़े जो पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के कम से कम 25% को आवासित कर सकें। ऐसे रक्षा बेड़ों में प्रत्येक और एक प्रमोत्तन साधित

होगा जो खंड (ख) की अपेक्षाओं के अनुपालनार्थ उपलब्ध प्रमोर्चन साधितों के अनुरूप होगा। प्रभोचन साधित के स्थान पर पोत के शोलों और अथवा तुल्य अनुमोदित साधित प्रयोग किये जा सकते हैं जिनसे जल में स्थित उत्तरजीवी यान में द्रुत पोतारोहण सुकर हो सके,

बशर्ते कि जब वर्ग II का कोई यात्री पोत, जो लघु अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री यात्रा पर हो और जो बाणिज्य पोत-परिवहन (यात्री पोतों के संनिमाण तथा सर्वेक्षण) नियम 1981 की प्रथम अनुसूची के भाग IV में विनिर्दिष्ट उपविभाजन के विशेष मानकों का अनुपालन न करे तो ऐसे पोत, जिन उत्तरजीवी यानों का वहन करेंगे वे नियम 30 के उपनियम (i) के खंडों (क), (ख) तथा (छ) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगे।

(2) 500 टन से कम सकल टन भार का ऐसा प्रत्येक पोत, जो अधिक से अधिक 200 व्यक्तियों के वहन के लिए प्रमाणित हो वह उपनियम (1) के खंडों (क) तथा (ख) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के स्थान पर नियम 30 के उपनियम (3) में विनिर्दिष्ट रक्षा वेडे तथा बचाव नौकाओं का वहन करेगा।

(3) ऐसा प्रत्येक पोत जो बाणिज्य पोत परिवहन (यात्री पोतों के संनिमाण तथा सर्वेक्षण) नियम 1981 की प्रथम अनुसूची के भाग 3 में विनिर्दिष्ट उपविभाजन के मानकों का अनुपालन करता है वह पर्याप्त संख्या में रक्षा नौकाओं तथा बचाव नौकाओं का वहन करेगा ताकि पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के लिए पोत के परिवाग की स्थिति में उपलब्ध प्रत्येक रक्षा नौका या बचाव नौका द्वारा अधिक से अधिक 9 रक्षा वेडों का क्रमबंधन करे।

(4) ऐसे प्रत्येक पोत के प्रत्येक और रक्षा नौका में एक रेडियो टेलीफ़ोन उपस्कर भी से जापा जाएगा जो सातवीं सूची के भाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा जब कि यात्रा 1500 या अधिक व्यक्तियों का वहन करने के लिए प्रमाणित है। परन्तु जब पोत 199 व्यक्तियों या अधिक और 1500 व्यक्तियों से कम व्यक्तियों के वहन करने के लिए प्रमाणित हो तो कम से कम एक रक्षा नौका में रेडियो टेलीफ़ोन उपस्कर पर्याप्त होगा।

32. वर्ग III के पोत :

(i) वर्ग III का ऐसा प्रत्येक पोत अनुभाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त (क) निम्नलिखित का वहन करेगा

- (i) पोत के प्रत्येक और इतनी संख्या में कुण अनुपालन वाली रक्षा नौकाएं जो पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति-संख्या के आधे व्यक्तियों को आवासित करने के लिए पर्याप्त हों, अथवा
- (ii) पोत के प्रत्येक और पर्याप्त अनुपालन वाली रक्षा नौकाएं जो पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित

व्यक्ति संख्या के 35 प्रतिशत की आवासित करने के लिए पर्याप्त हों, तथा

- (iii) पर्याप्त अनुपालन व्यक्तियों को आवासित कर सके। पोत के प्रत्येक और प्रमोर्चन-साधित समान रूप से वितरित होंगे, तथा
- (iv) पर्याप्त अनुपालन व्यक्ति संख्या के 25 प्रतिशत की आवासित कर सके।

(2) प्रत्येक ऐसे पोत पर जे जाई जाने वाली सभी रक्षा वेडिंगों में सजित प्रकाश सानवीं अनुसूची के भाग XIII में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुमार होगा।

33. वर्ग IV तथा V के पोत :- वर्ग IV तथा V का प्रत्येक पोत अनुभाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त, (2) निम्नलिखित का वहन करेगा :-

- (i) नियम 31 के उत्तिरप (2) के खंडों (क) तथा (ख) में विनिर्दिष्ट अथवा उत्तर्वक्त नियम के उपनियम (3) में विनिर्दिष्ट इतनी जो भी लागू हो, अपेक्षाओं के अनुमार रक्षा नौका तथा रक्षा वेड़ा,
- (ii) ऐसी कुन अनुपालन के रक्षा वेडे को कम से कम, पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के 10 प्रतिशत को आवासित कर सके, तथा
- (iii) पर्याप्त संख्या में रक्षा नौका में तथा बचाव नौकाओं का वहन, ताकि पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के लिए पोत के परिवाग की स्थिति में उपलब्ध प्रत्येक रक्षा नौका या बचाव नौका द्वारा अधिक से अधिक 9 रक्षा वेडों का क्रमबंधन हो,

34. वर्ग VI के पोत : वर्ग VI का प्रत्येक पोत, अनुभाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त पोत के प्रत्येक और इतनी संख्या में रक्षा वेडों का वहन करेगा जो पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या को आवासित कर सके।

35. वर्ग VII के पोत : वर्ग VII का प्रत्येक पोत अनुभाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त पोत के प्रत्येक और इतनी संख्या में रक्षा वेडों का वहन करेगा जो पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के 50 प्रतिशत को आवासित कर सके।

अनुभाग IV

स्थोरा पोत

36. सामान्य अपेक्षाएं :

(i) वर्ग VIII से वर्ग XII तक का प्रत्येक पोत अनुभाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त उपनियम (2) से (10) तक की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

- (2) प्रत्येक ऐसे पोत पर ले जाई गए रक्षा नौकाएं तीसरी अनुसूची के भाग I में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी, यथा
- (क) तेल टैंकरों रसायन टैंकरों तथा गैसबाहकों के अतिरिक्त अन्य पोतों पर रक्षा नौकाएं, तीसरी अनुसूची के भाग IV में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी।
- (ख) तेल टैंकरों रसायन-टैंकरों तथा गैस बाहक स्थोराश्रों जिनका संवृत अधिक परीक्षण द्वारा निर्धारित स्फुरांक 80° से अधिक नहीं है, की रक्षा नौकाएं तीसरी अनुसूची के भाग VI में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी।
- (ग) आविधालू वाष्णों या गैसों का उत्सर्जन करने वाले रसायन टैंकरों तथा गैस बाहकों की रक्षा नौकाएं तीसरी अनुसूची के भाग V में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी।
- (घ) टैंकरों गैसबाहकों तथा रसायन बाहकों के अतिरिक्त अन्य पोतों की रक्षा नौकाएं तीसरी अनुसूची के भाग III में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी, बशर्ते कि,
- (i) यदि ऐसा पोत लाल सागर, परिचम एशिया खाड़ी, प्रश्व सागर, बंगाल की खाड़ी तथा इस संदर्भ में महानिवेश द्वारा विनिर्दिष्ट घोटों में अनुकूल जलशाय परिस्थितियों में आवागमन करता है, तथा
- (ii) ऐसे पोत को जारी किए गए स्थोरा पोत सुरक्षा उपकरण प्रमाण पत्र में उसका आवागमन घोष निर्दिष्ट होता है।
- (3) ऐसा प्रत्येक पोत से कम से कम एक बचाव नौका का भी बहन करेगा। बचाव नौका जहां रक्षा नौका भी हो वहां इसे अपेक्षित रक्षा नौका की कुल भवता यदि हो, में सम्मिलित किया जा सकता है।
- (4) (क) ऐसे प्रत्येक पोत पर उत्तरजीवी यान पोतारोहण अवस्था में निम्नलिखित का प्रावधान होगा—
- (i) रक्षा नौकाओं का भरित अवस्था से सीधा आरोहण तथा प्रमोचन
- (ii) उस भरित अवस्था के बिल्कुल निकटवर्ती स्थिति से डेविट प्रमोचित रक्षा बेड़े का आरोहण तथा प्रमोचन, जिस पर नियम 13 के उपनियम (6) के अनुपालन में प्रमोचन से पहले रक्षाबेड़ा अंतरित किया गया हो,
- (ख) 20,000 टन या इससे अधिक सकल टन भार के प्रत्येक पोत पर, जहां आधारक ही वहां पेन्टरों का प्रयोग करते हुए, शांत भौमिक में 5 नॉट तक की चाल पर रामन करने वाले पोत के साथ रक्षा नौकाओं के प्रमोचन की अनुमति दी जा सकती है।
- (5) उपनियम (6) के अधीन अपेक्षित रक्षा बेड़ों को छोड़कर, प्रत्येक ऐसे रक्षा बेड़े का, पोत के साथ स्थायी रूप से संलग्न पेन्टरों के साथ तथा नवी अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुपालन हेतु प्लब मुक्त व्यवस्था के साथ भरण किया जाएगा। व्यवस्था इस प्रकार की होगी कि यदि रक्षा बेड़ा फूलनीय नहीं है तो वह निर्धारित रूप से तैरेगा और यदि पोत झूलता है तो यह जबतः फूल जाएगी।
- (6) यदि उत्तरजीवी यानों का भरण किसी ऐसी स्थिति से होता है जो पोत स्तंभ (स्टेम या पोत पश्चात् भाग (स्टने) को 100 मीटर से अधिक बूर नहीं है तो ऐसा प्रत्येक पोत, अपने घर्ग के लिए विनिर्दिष्ट अपेक्षित रक्षा बेड़ों के अतिरिक्त एक ऐसे रक्षा बेड़े का बहन करेगा जिसका भरण अधिक से अधिक अग्नि या पीछे अथवा एक रक्षा बेड़े का यथा संभव अग्नि और दूसरे रक्षा बेड़े का यथा संभव पीछे भरण किया जाएगा। इन रक्षा बेड़ों को बांध कर रखा जाएगा और इनका केवल हृत विमोचन ही ही सकेगा। ऐसे रक्षा बेड़ों के लिए पोतारोहण के अनुमोदित साधन भी उपलब्ध कराए जाएंगे।
- (7) नियम 15 के उपनियम (1) के खंड (क) में उल्लेखित उत्तरजीवी यान को छोड़कर, पोत के परित्याग की स्थिति में पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के लिए उपलब्ध अपेक्षित उत्तरजीवी यान, परित्याग सिंगलन विए जाने के 10 मिनट के अंदर पूर्ण पूरक व्यक्तियों तथा उपस्कर के साथ प्रमोचित किए।
- (8) (क) ऐसा प्रत्येक यान निम्नलिखित सारणी के अनुसार, रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या का बहन करेगा—
- | पोत की मीटरों में अम्बाई | रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या |
|------------------------------|-------------------------------|
| 100 से कम | 8 |
| 100 से अधिक परन्तु 150 से कम | 10 |
| 150 से अधिक परन्तु 200 से कम | 12 |
| 200 से अधिक | 14 |
- (ख) टैंकरों पर उपलब्ध रक्षा बोयों के लिए आत्म प्रज्ञलित प्रकाश नैसर्त: सुरक्षित विद्युत बैटरी प्रशीली होगा।
- (ग) घर्ग VIII से घर्ग XI (दोनों घर्गों सहित) के पोतों पर वहनीय रक्षा जैकिट सातवीं अनुसूची के भाग XIII में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार प्रकाश से संजित रहेंगी।

(10) रक्षा नौकाओं, रक्षा बेड़ों तथा बधाव नौकाओं में उपस्कर के रूप में विनिर्दिष्ट निमज्जन परिधान के अतिरिक्त ऐसे प्रत्येक पोत की प्रत्येक रक्षा नौका में कम से कम तीन निमज्जन परिधानों का बहन किया जाएगा। उत्तर या दक्षिण अक्षांश के 40° क्रमशः उत्तर या दक्षिण लोक में गमन करने वाला प्रत्येक पोत ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक सापीय संरक्षी साधन का भी बहन करेगा जिन्हें निमज्जन परिधान उपलब्ध नहीं कराए गए हैं: निमज्जन परिधान या तापीय संरक्षी साधनों के बहन करने की आवश्यकता नहीं है बताते कि,

- (i) पोत के दोनों ओर पूर्णतः परिबद्ध रक्षा नौका उपलब्ध हो जिसकी कुल क्षमता इतनी हो कि बोर्ड पर उपस्थित सभी व्यक्तियों को आवासित किया जा सके, अथवा
- (ii) पोत में पूर्णतः परिबद्ध रक्षा नौकाएं उपलब्ध हों जो पोत पश्चात् भाग के ऊपर से निवाधि पोत द्वारा विमोचित किए जाने में समर्थ हों। इन रक्षा नौकाओं की कुल क्षमता इतनी हो कि बोर्ड पर उपस्थित सभी व्यक्तियों को आवासित किया जा सके और जिन्हें अरित निर्माण में सीधा या विमोचित किया जा सके। साथ ही पोत में दोनों ओर कुल इतनी क्षमता के रक्षा बेड़े भी हों जो बोर्ड पर उपस्थित सभी व्यक्तियों को आवासित कर सकें। अथवा,
- (iii) पोत वर्ग IX से XII (दोनों वर्गों सहित) का हो और सणातार ऐसी समुद्री यात्राएं कर रहा हो, जो अंतर्राष्ट्रीय नहीं हैं।

(ii) प्रत्येक ऐसा पोत जो केवल रक्षा बेड़ों या बधाव नौकाओं के द्वारा उत्तरजीवी यानों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है, बोर्ड पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति के लिए निमज्जन परिधानों का बहन करेगा जो रक्षा बेड़ों या बधाव नौकाओं के लिए उपस्कर के रूप में विनिर्दिष्ट निमिज्जन परिधानों के अतिरिक्त होंगे, बताते कि,

- (i) पोत डेविट प्रमोचित रक्षा बेड़ों से संजित हो,
- (ii) पोत के रक्षा बेड़ों की सेवा ऐसे कुल्य अनुमोदित साधिकारों द्वारा की जा रही हो जिनका प्रयोग, पोत के दोनों ओर किया जा सकता हो और जिन्हें रक्षा बेड़ों पर आरोहण के लिए जल में प्रयोग की आवश्यकता न हो, अथवा
- (iii) पोत वर्ग IX से XII का हो और सणातार ऐसी समुद्री यात्राएं कर रहा हो जो अंतर्राष्ट्रीय नहीं हैं।

वर्ग VIII तथा IX के पोत:—वर्ग VIII तथा IX का प्रत्येक पोत, नियम 36 के अनुभाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के प्रतिरिक्षत, निम्नलिखित का बहन करेगा।

(i) पोत के प्रत्येक ओर एक या अधिक रक्षा नौकाएं जिसकी कुल क्षमता, पोत द्वारा बहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या को आवासित करने के लिए पर्याप्त होगी,

(ii) पोत के प्रत्येक ओर प्रमोचन में समर्थ रक्षा बेड़ा या रक्षा बेड़े जिनकी कुल क्षमता, पोत द्वारा बहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या को आवासित करने के लिए पर्याप्त होगी। जहां रक्षा बेड़े या रक्षा बेड़ा को पोत के प्रत्येक ओर प्रमोचित करने के लिए आसानी से अंतरित न किया जा सकता हो जहां पोत के प्रत्येक ओर पर्याप्त संख्या में रक्षा बेड़े उपलब्ध किए जाएंगे जो पोत द्वारा बहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या को आवासित करने के लिए पर्याप्त होंगे, अथवा

(i) एक या अधिक रक्षा नौकाएं जो पोत पश्चात् भाग से निवाधि पात्-प्रमोचन में समर्थ हों और जिनकी कुल क्षमता पोत द्वारा कुल बहनीय प्रमाणित व्यक्ति संख्या को आवासित करने के लिए पर्याप्त हो,

(ii) पोत के प्रत्येक ओर रक्षा बेड़ा या रक्षा बेड़े जिनकी कुल क्षमता पोत द्वारा बहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या को आवासित करने के लिए पर्याप्त हो। कम से कम पोत के एक ओर का रक्षा बेड़ा प्रमोचन साधिकारों द्वारा संजित होना चाहिए।

(2) टैकरों रसायन वाहकों तथा गैस वाहकों के प्रतिरिक्षत 85 मीटर से कम लम्बा प्रत्येक पोत निम्नलिखित का बहन करेगा—

(i) पोत के प्रत्येक ओर एक या अधिक रक्षा बेड़ा जिसकी कुल क्षमता पोत द्वारा बहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या को आवासित करने के लिए पर्याप्त हो। ऐसे रक्षा बेड़ों का इस प्रकार भरण किया जाएगा कि उन्हें प्रमोचन के लिए पोत के प्रत्येक ओर आसानी से अंतरित किया जा सके। जहां रक्षा बेड़ों को इस प्रकार अंतरित रक्षा बेड़ों का प्रावधान होगा ताकि प्रत्येक ओर उपलब्ध क्षमता पोत द्वारा बहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के 150 प्रतिशत को आवासित कर सके।

(ii) पोत के प्रत्येक ओर पर्याप्त संख्या में उत्तरजीवी यान होंगे ताकि किसी भी उत्तर जीवी यान के लिए जाने या बेकार हो जाने की स्थिति में पोत के प्रत्येक ओर पर्याप्त उत्तरजीवी यान उपलब्ध हों जो पोत द्वारा बहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या को आवासित करने के लिए पर्याप्त हो

वर्ग X, XI तथा XII के पोतः

वर्ग X, XI तथा XII का प्रत्येक पोत, नियम 36 के अनुभाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त रक्षा बेड़ों का वहन करेंगे, जिनकी कुल अमता पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या को आवासित करने के लिए पर्याप्त हों ऐसे रक्षा बेड़ों का वहन इस प्रकार किया जाएगा कि उन्हें प्रमोशन के लिए पोत के प्रत्येक और आसानी से अंतरित किया जा सके।

(2) जहाँ रक्षा बेड़ों को इस प्रकार अंतरित न किया जा सके वहाँ अतिरिक्त रक्षा बेड़ों का प्रावधान होगा ताकि प्रत्येक और उपलब्ध अमता पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या के शत प्रतिशत को आवासित कर सके।

अमातों कि यदा-क्या समुद्री यात्रा पर जाने वाले वर्ग XII के पोत उन्हें रक्षा बेड़े से ले जा सकते हैं जिनकी कुल अमता पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति संख्या को आवासित कर सके।

अनुभाग V

वर्ग XIII, XIV तथा XV के पोत

39. सामान्य

वर्ग XIII, XIV तथा XV का प्रत्येक पोत नियम 5 के उपबंधों, नियम 8 के उपनियमों (1) तथा (2), अनुभाग I के नियमों 9, 14, 16 और इस अनुभाग के नियमों 40 तथा 41 का अनुपालन करेगा।

40. व्यक्तिगत प्राण रक्षक साधित्र

(1) प्रत्येक ऐसा पोत, दूसरी अनुसूची के भाग 1 में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए रक्षा बोयों का वहन करेगा और उन पर रोमन वर्गमाला के बड़े अक्षरों में उन्हें वहन करने वाले पोत का नाम उसकी शासकीय संख्या तथा उसके पंजीकरण पत्तन का नाम अंकित होगा।

(2) प्रत्येक ऐसे पोत के साथ वहनीय रक्षा बोयों की संख्या निम्नलिखित सारणी के अनुसार होगी:

सारणी

मीटरों में पोत की लम्बाई	रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या
24 मीटर से कम	2
24 मीटर से अधिक परन्तु	
60 मीटर से कम	4
60 मीटर तथा अधिक	6

(3) ये रक्षा बोया—

(क) इस प्रकार वितरित होंगे कि पोत के दोनों ओर आसानी से उपलब्ध रहें और इनका इस प्रकार भरण किया जाएगा कि इन्हें सुगमता पूर्वक खोला जा सके,

(ख) एक उक्तलाभक रक्षा रस्ती से संजित होंगे जो दूसरी अनुसूची के भाग 1 में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी,

(4) कम से कम ग्राधे रक्षा बोयों में ऐसे स्वप्रज्ञतन प्रकाश को व्यवस्था होंगी जो सातवीं अनुसूची के भाग XIII में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

(5) 60 मीटर या इससे अधिक लम्बा प्रत्येक पोत नीचालन सेतु पर एक ऐसे रक्षा बोया का वहन करेगा जो, सातवीं अनुसूची के भाग XII में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए स्वसंक्रियाकारी धूम सिगनल के द्वारा मोहित किया जा सकेगा।

(6) प्रत्येक ऐसा पोत दूसरी अनुसूची के भाग II में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए, उन्हीं रक्षा जैकिटों का वहन करेगा जो पोत द्वारा वहनीय कम प्रधासित व्यक्ति संख्या के बराबर होंगी। ये रक्षा जैकिट इस प्रकार रक्षा जाएंगी कि इन तक आसानी से पहुंचा जा सके और उनकी स्थिति स्पष्टतः अंकित होंगी।

41. उपस्कर तथा कर्मीदल तस्परता :

प्रत्येक ऐसे पोत में,

(क) बोर्ड पर प्रत्येक व्यक्ति को मास्टर वे निर्देश देंगा जिनका आपात स्थिति में अनुसूचण किया जाना चाहिए,

(ख) कम से कम दो प्रमाणीकृत व्यक्ति जाएंगे जो उत्तरीयी यात्रों का कार्यभार संभालेंगे तथा अन्य अप्रधासित व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने में सहायता देंगे,

(ग) कर्मीदल के प्रत्येक सदस्य के पास एक प्रमाण पत्र होगा जो यह दर्शाएगा कि उसने “समुद्र पर उत्तरीयी” पर अनुसोदित पाठ्यक्रम में भाग लिया है,

(घ) कर्मीदल कम से कम 15 दिन में एक बार पोत गतिशील करने के प्रक्रम तथा प्राणी रक्षक साधित्रों के प्रयोग का अध्यास करेगा,

(ङ) मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि सभी प्राण रक्षक साधित्र कार्यक्रम स्थिति में हैं और पोत के पत्तन से प्रस्थान करने के बाद और उसके समुद्री यात्रा के दौरान इनका तत्काल प्रयोग किया जा सकता है।

42. 60 मीटर से अधिक लम्बाई के पोतः

60 मीटर से अधिक लम्बाई और वर्ग XIII, XIV तथा XV का प्रत्येक पोत निम्नलिखित का वहन करेगा,

(क) सातवीं अनुसूची के भाग IV की अपेक्षाओं के अनुपालन में रेडियो बैकन वर्षनि वाली उत्तरीयी

- (मान आपात स्थिति, जिसका संरक्षित और सुगम्य स्थिति, में भरण किया जा सके और आपात स्थिति में जिसे, उत्तरजीवी यान तक ले जाया जा सके,
- (ख) एक हस्तचालित अवस्थिति निर्धारण युक्ति, जो सातवीं अनुसूची के भाग V की अपेक्षाओं का अनुपालन करे और जिसका इस प्रकार भरण किया जा सके कि इसे किसी भी उत्तरजीवी यान पर आसानी से रखा जा सके,
- (2) ऐसा प्रत्येक पोत निम्नलिखित का वहन करेगा :
- (क) कोई बचाव नीका अथवा कोई ऐसी नीका जो चौदहवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करे,
- (ख) रक्षा बेड़े जिनकी कुल क्षमता यान द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्तियों को आवासित करने के लिये पर्याप्त हो।
43. 60 मीटर से कम लम्बाई के पोत :
- 60 मीटर से कम लम्बाई का कर्ण XIII, XIV तथा XV का प्रत्येक पोत निम्नलिखित का वहन करेगा:-
- (क) सातवीं अनुसूची के भाग IV की अपेक्षाओं के अनुपालन में रेडियो बेकम दशानि वाली उत्तरजीवी यान आपात स्थिति, जिसका संरक्षित और सुगम्य स्थिति, में भरण किया जा सके और आपात स्थिति में जिसे उत्तरजीवी यान तक ले जाया जा सके,
- (ख) एक हस्तचालित अवस्थिति निर्धारण युक्ति, जो सातवीं अनुसूची के भाग V की अपेक्षाओं का अनुपालन करे और जिसका इस प्रकार भरण किया जा सके कि इसे किसी भी उत्तरजीवी यान पर आसानी से रखा जा सके,
- (ग) रक्षा बेड़े जिनकी कुल क्षमता, पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्तियों को आवासित करने के लिये पर्याप्त हो।

बारते कि,

(i) प्रत्येक ऐसा पोत जिसकी लम्बाई 24 मीटर से कम हो और जो भारत के व्यापारिक तट पर यात्रा रह हो तो उसमें रक्षा बेड़ों के स्थान पर एक ऐसी नीका हो सकती है जो चौदहवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करे।

(ii) प्रत्येक ऐसा पोत जिसकी लम्बाई 12 मीटर से कम हो और जो तट से 12 मील से अधिक दूर न जाना हो तो उसके लिये खंडों (क) तथा (ख) की अपेक्षाओं का अनुपालन आवश्यक नहीं है।

अनुभाग V

44. तुल्यता तथा छूट:

(क) जहाँ इन नियमों के अन्तर्गत यह अपेक्षित है कि पोत पर विशेष प्रकार की फिटिंग-सामग्री साधित या उपकरण या उनके प्ररूप लगाए जायेंगे या उनका वहन किया जायेगा या उस पर किसी विशेष प्रकार का प्रावधान किया जायेगा तो महानिदेशक अन्य फिटिंग, सामग्री साधित या उपकरण या उनके प्ररूप को पोत पर लगाने की या उस पर वहन की या उस पर प्रयुक्त अन्य प्रावधान की अनुमति दे सकते हैं यदि वह इनकी जांच से संतुष्ट हैं कि इस प्रकार की फिटिंग, सामग्री साधित या उपकरण या उनके प्ररूप या अन्य प्रावधान इन नियमों के अन्तर्गत अपेक्षाओं से कम प्रभावी नहीं हैं।

(2) महानिदेशक किसी भी ऐसे पोत को इन नियमों में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं से छूट दे सकते हैं, जो सामान्यतः अन्तर्राष्ट्रीय सम्प्रदीय यात्रा पर नहीं जाता परन्तु जिसे किसी अपरिहर्य परिस्थिति में कोई एक अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा करनी पड़े जाये।

प्रथम अनुसूची

[देखिए नियम 2(घ) तथा (10), 11(2)(ख), 15(1) तथा (5)]

प्रमोत्तन तथा पोतारोहण साधित तथा व्यवस्थाएँ

भाग—I

सामान्य

(1) कार्यक्रम भार :—इस अनुसूची में सम्बन्धित “कार्यक्रम भार” से अभिप्रेत,

(क) रक्षा नीका तथा रक्षा बेड़ों के लिये प्रमोत्तन साधितों के संदर्भ में, रक्षा नीका या रक्षा बेड़े, उसके सम्पूर्ण उपस्कर, उसके खंडों तथा पोतों और रक्षा नीका द्वारा वहनीय अधिकतम व्यक्तियों के भारों का योगफल है जब कि प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 किलोग्राम माना गया हो।

(ख) जहाँ बचाव नीका, रक्षा नीका भी हो वहाँ रक्षा नीका और उसके सम्पूर्ण उपस्कर, उसके खंडों तथा पोतों और नीका द्वारा वहनीय अधिकतम व्यक्तियों के भारों का योगफल है जब कि प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 किलोग्राम माना गया हो।

भाग-II

भासन्य अपेक्षाएँ

(i) अवनमन और पुनः प्राप्ति गियर सहित, प्रत्येक प्रमोत्तन साधित, इस प्रकार व्यवस्थित किया जायेगा कि

ये जिस उत्तर जीवी यान या बचाव नौका की रोदा कर रहा है, उसे बिना किसी सारे के लिये भी और 10° डिग्री तथा 20° तक सुकाया जा सके जबकि रक्षा नौकाएं इस बेड़े या बचाव नौकाएं पूर्णतः सुसज्जित हों और उस पर उत्तरे अधिकतम व्यक्ति हों जिसने को उत्तर जीवी यान या बचाव नौका बहन करने के लिये प्रभागित है। ब्राह्मणों कि जब उत्तर जीवी यान या बचाव नौकाओं का सीधी भरित स्थिति से या आरोहण अपेक्षित न हो अथवा जल पोतारोहण केन्द्र पर उत्तर जीवी यान या बचाव नौका पूर्णतः सुसज्जित हों और उस पर केवल प्रमोचन कर्मदिल हों तो ऐसे प्रमोचन साधित उपर्युक्त अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगे।

(2) इस भाग के वैरा (4) की अपेक्षाओं के होते हुए भी ऐसे तेल टैंकरों, रसायन टैंकरों तथा गैस वाहकों, जिनका अंतिम भुकाव कोण 20° से अधिक है के लिये रक्षा नौका प्रमोचन साधित, पोत के निचली ओर उस अंतिम भुकाव कोण पर प्रचालन कर सकेंगे। यह अंतिम भुकाव कोण पोत प्रदूषण निवारण अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 1973 तथा उससे संबद्ध संशोधित 1978 प्रोटोकॉल तथा थोक में जोखिम पूर्ण रसायनों का बहन करने वाले पोत के संनिर्माण तथा उपस्कर अंतर्राष्ट्रीय संहिता की स्थानिक धर्ति अपेक्षाओं तथा थोक में द्रव गैस का बहन करने वाले पोतों के संनिर्माण और उपस्कर अंतर्राष्ट्रीय संहिता इनमें जो भी लागू हो उसके अनुसार परिकलिन किया जाता है।

(3) (क) कोई भी प्रमोचन साधित गुहत्व या भंडारित यांत्रिक शक्ति के अतिरिक्त अन्य किसी साधन पर आधिन नहीं होगा जो उस उत्तर जीवी यान या बचाव नौका के प्रमोचन के लिये पोत के संभरण से अलग है जिसकी यह साधित है पूर्ण भरित तथा व्यवस्थित अन्य में तथा हल्की ग्रविटी में सेवा कर रहा है।

(घ) सभी गुहत्वीय डेविट इस प्रकार अभिकलिप्त किए जायेंगे कि अंदर से बाहरी स्थिति तक डेविट की संपूर्ण यात्रा में घनासक वर्तन आपूर्ण प्राप्त हो, जबकि पोत पूर्णतः ऊर्ध्वाधर हो अथवा इस स्थिति से किसी भी ओर 25° तक तथा सहित भुका हुआ हो।

(ग) ऐसे गुहत्व ग्रहणी डेविटों में, जिनकी भजाएं ऐसी ट्राली पर आगेपित हों जो आवत पथों पर ऊपर नीचे गमन करती हों तो जब यान, ऊर्ध्वाधर स्थिति में हो तो ऐसे पथ क्षेत्रिज के साथ 30° से कम कोण पर आगत नहीं होंगे।

(4) प्रमोचन यंत्रावली इस प्रकार व्यवस्थित की जायेगी कि यह पोत के डैक पर किसी स्थिति से अथवा उत्तर जीवी यान में किसी स्थिति में अथवा बचाव से एक व्यक्ति द्वारा संचालित की जा सके। प्रमोचन नौका यंत्रावली का प्रचालन करने वाले उके पर स्थित व्यक्ति को

उत्तर जीवी यान दिकाई देगा। निर्बाध-पोत-प्रमोचन के लिये आशयित रक्षा नौकाओं पर प्रमोचन-यंत्रावली ऐसी रक्षा नौका में किसी स्थिति से केवल एक व्यक्ति द्वारा संचालित की जायेगी।

(5) प्रत्येक प्रमोचन-साधित इस प्रकार संनिर्मित किया जायेगा कि न्यूनतम नैमिक अनुरक्षण आवश्यक हो। पोत कर्मदिल, द्वारा नियमित अनुरक्षण चाहने वाले सभी पुरुष सुगम्य होंगे और उनका भली भाँति अनुरक्षण किया जायेगा।

(6) प्रमोचन साधित के बिच ब्रेकों की लम्बाई पर्याप्त होगी ताकि वे निम्नलिखित का अनुपालन करें,

(क) कार्यकारी भार के कम से कम 1.5 गुने प्रमाणक कुछ भार के साथ स्थैतिक परीक्षण, तथा

(ख) कार्यकारी भार के अधिकतम अवनमन चाल पर कम से कम 1.1 गुने प्रमाणक उद्भार पर रातिक परीक्षण।

(7) प्रमोचन साधित तथा ब्रेकों के अतिरिक्त अन्य संलग्नकों की पर्याप्त सामर्थ्य होगी जो स्थैतिक परीक्षण को सह सके जबकि प्रमाणक, उद्भार, कार्यकारी भार का कम से कम 2.2 गुना हो।

(8) प्रमोचन उपस्कर में प्रयुक्त अभी संरचनीय सबस्य, भी खंड प्रात पैडें कडियां संलग्नक तथा अन्य फिटिंग इस प्रकार अभिकलिप्त किये जायेंगे कि नियत अधिकतम काय-कारी भार और संनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री की चरम-सामर्थ्य के आधार पर उनका सुरक्षा कारक, न्यूनतम सुरक्षा कारण से कम न हो। हर हालत में, सभी डेविट मेथा विच संरचना वाले सदस्यों के लिये न्यूनतम सुरक्षा कारण 4.5 तथा पोतों निलंबन शुंखलाओं कडियों तथा खंडों के लिये न्यूनतम सुरक्षा कारण 6 लागू किया जाना चाहिये।

(9) प्रत्येक प्रमोचन साधित बर्फ की परिस्थितियों में यथासंभव प्रभावी रहेंगे।

(10) रक्षा नौका प्रमोचन साधित को रक्षा नौका तथा उसके कर्मदिल को पुनः प्राप्त करने में समर्थ होना चाहिये।

(11) (क) प्रत्येक प्रमोचन साधित इस प्रकार व्यवस्थित किया जायेगा ताकि पोत द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति, सुरक्षित रूप से तथा शीघ्रता से उत्तर जीवी यान पर आरोहण कर सके। रक्षा नौकाओं के संदर्भ में द्रुत अवतरण भी संभव होना चाहिये।

(ख) स्थोरा पोतों पर प्रमोचन-साधित, इस प्रकार व्यवस्थित किये जायेंगे कि उत्तर जीवी यान द्वारा वहनीय कुल प्रमाणित व्यक्ति, ऐसे उत्तर जीवी यान में अधिक से अधिक 3 मिनट में आरोहण कर सके।

भाग III

पोतों द्वारा विचरण का प्रयोग करने वाले प्रमोचन-साधित

(1) जहां पोत प्रयोग किये जाएंगे, वे घूर्णनरीधी तथा संक्षारण रीढ़ी इस्पात बार रज्जुओं से बने होंगे। ऐसे पोत पर्याप्त लम्बे होंगे ताकि उत्तरजीवी यान मा बचाव नौका को इतना नीचे किया जा सके कि वह जल तक पहुंच सके जब कि पोत सुगमतम समुद्रगामी अवस्थाओं में किसी भी और 10° ट्रिम तक 20° झुका हो।

(2) यदि बहुड्रम विच का प्रयोग किया गया हो तो जब तक कि उक्तप्रतिकारी युक्ति सञ्जित न हो तब तक पोत इस प्रकार व्यवस्थित किये जाने चाहिये जो अवनमन के समय ड्रमों के लपेटे जाने की बरतथा उच्चालन के समय ड्रमों को एक समान रूप से खोलने की दर एक ही हो।

(3) प्रत्येक बचाव नौका प्रमोचन साधित में एक शक्तिचालित विच भोटर लगे होंगे जिनकी क्षमता इतनी होगी कि बचाव नौका को अपने संपूर्ण व्यक्तियों तथा उपस्कर सहित ऊपर उठावा जा सके। ये इतने लम्बे होंगे कि पोत की सुगमतम समुद्रगामी अवस्था में बचाव नौका, जल तक पहुंच सके।

(4) प्रत्येक उत्तरजीवी यान और बचाव नौका की पुनः प्राप्ति के लिये एक दक्ष हस्तगीयर का प्रावधान होगा। जब उत्तरजीवी यान या बचाव नौका को नीचे साया जा रहा हो या जब उसका शक्ति द्वारा उच्चालन किया जा रहा हो तो विच के गतिशील भागों द्वारा हस्तगीयर की मृठ या चक्रों का घूर्णन नहीं किया जाएगा।

(5) जहां डेविट भुजाएं शक्ति द्वारा पुनः प्राप्त की जाती हैं, वहां ऐसी सुरक्षा-युक्तियां लगाई जानी चाहिए जो पोतों या डेविटों के प्रतिबलन को रोकने के लिए डेविट भुजाओं के बिरामों तक पहुंचने से पहले, शक्ति स्वतः विच्छिन्न हो जाए।

(6) भारित अवस्था में उत्तरजीवी यान या बचाव नौका जिस चाल से जल में नीचे लाई जाती है वह चाल, निम्न-लिखित सूक्ष्म से प्राप्त चाल से कम नहीं होगी:

$$\text{एस} = 0.44 \quad (0.02 \times \text{एच})$$

जब कि एस = मोटरों में प्रति सेकंड अवनमन चाल है तथा एच = सुगमतम समुद्रगामी परिस्थितियों में डेविट शीर्ष से चल रेखा तक की मीटरों में ऊचाई है। वशतें कि इस प्रकार की अवस्था की जाएंगी कि भरित अवस्था में हर हालत में, आवश्यक चाल 1 मीटर प्रति सेकंड से अधिक न हो। सुगम परिस्थिति में पूर्णतः सञ्जित रक्षा नौका केवल एक व्यक्ति द्वारा चालित की जाएंगी और इसकी चाल, भारित अवस्था में चाल का 75 प्रतिशत से कम नहीं होगी। जहां पूर्णतः सञ्जित रक्षा द्वेष्टे केवल एक व्यक्ति द्वारा चालित

रहते हैं वहां उनकी चाल भारित अवस्था में चाल का 50 प्रतिशत से कम नहीं होगी।

(7) प्रमोचन-साधित इस प्रकार अभिकल्पित किए जाएंगे कि आपात-विराम के दौरान, वे अनुभव किए जाने वाले जड़त्व बलों को सह सके इस उद्देश्य के लिए प्रमोचन साधित इस प्रकार संनिर्मित किए जाएंगे कि वे भाग 1 में परिभासित कार्यकारी भार द्वारा भारित किए जा सके।

(8) प्रमोचन साधित से संलग्न प्रत्येक विच, कार्यकारी भार के 1.5 गुने परीक्षण-भार को अवनमन तथा धारण करने में समर्थ होना चाहिए। परीक्षण-भार के अंतर्गत, अवनमन करते समय आपात विचामों के प्रयोग का परिस्थिति किया जाना चाहिए। जहां आवश्यक हों वहां ब्रेक बेडों की जल तथा तेल से बचाया जाना चाहिए।

(9) ब्रेक गियर में अवनमन चाल को स्वतः नियंत्रित करने के साधन उपलब्ध रहने चाहिए।

(10) हस्तचालित ब्रेक इस प्रकार व्यवस्थित किए जाने चाहिए कि ब्रेक सर्वै लग जाए जब तक कि प्रबलक या प्रचालक द्वारा सक्रिय पर्यावरणी, ब्रेक-नियंत्रण को “बद” स्थिति में रखती है।

(11) प्रत्येक बचाव नौका प्रमोचन साधित बचाव नौका को 0.3 मीटर प्रति सेकंड की दर से उच्चालन में समय होगा जब कि बचाव नौका संपूर्ण व्यक्ति तथा उपस्कर द्वारा भरी हुई हो।

(12) रक्षाबेंडों के लिए मोचन-यंत्रावली, तीसरी अनुसूची के भाग 1 के पैरा 7 के उपपैरा 7 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

भाग IV

अन्य प्रमोचन-साधित

(1) प्लवमुक्त प्रमोचन

जब किसी उत्तरजीवी यान को प्रमोचन साधित की आवश्यकता होती है और उसे प्लवमुक्त भी बनाना होता है ताकि भरित अवस्था से उत्तरजीवीयान का प्लवमुक्त मोचन, स्वचालित हो जाए।

(2) निर्वाध पात प्रमोचन

आनत तल का प्रयोग करने वाला प्रत्येक निर्वाध पोत प्रमोचन साधित, भाग II की अनुप्रयुक्त अपेक्षाओं के अनुपालन के अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगा:—

(क) प्रमोचन-साधित इस प्रकार व्यवस्थित किया जाएगा कि प्रमोचन की अवधि में उत्तरजीवी यान में बैठे व्यक्ति अत्यधिक बलों का अनुभव न करें।

- (ख) प्रत्येक प्रमोचन-साधित, रेम्पकोण युक्त एक बृहु संरचना होगी और उसकी लम्बाई इतनी होनी चाहिए कि उत्तरजीवी यान, पोत को प्रभावी रूप से लांब सके।
- (ग) प्रमोचन-साधित को प्रभावी रूप से संक्षारणरोधी बनाया जाएगा और उसे इस प्रकार संर्वित किया जाएगा, ताकि उत्तरजीवी यान की प्रमोचन की अवधि में अग्रिम उत्तावक घर्षण या प्रतिवात स्फूलिंग का निवारण हो सके।

(3) निष्क्रमण सर्पी प्रमोचन तथा पोतारोहण

प्रत्येक निष्क्रमण सर्पी प्रमोचन साधित, भाग II की अनुप्रयुक्त अपेक्षाओं के अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा:—

- (क) निष्क्रमण सर्पी का प्रयोग, पोतारोहण केन्द्र पर एक व्यक्ति द्वारा किया जाएगा।
- (ख) निष्क्रमण सर्पी का प्रयोग उच्च बात तथा समुद्री मार्ग पर किया जा सकेगा।
- (ग) ऐसे प्रत्येक साधित की सेवा, अधिक से अधिक 15 मास के अन्तराल पर की जाएगी।

(4) रक्षाबेङ्गा प्रमोचन साधित :

प्रत्यक रक्षा बेङ्गा प्रमोचन-साधित, भाग II तथा भाग III की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा परंतु साधित को घुमाने के लिए गुहत्व का प्रयोग, भर्ति अवस्था में पोतारोहण तथा लदे रक्षा बेङ्गे की पुनः प्राप्ति इन अपेक्षाओं के अवश्य हैं। प्रमोचन साधित इस प्रकार व्यवस्थित किया जाएगा कि अवनमन के दौरान, समय पूर्व विमोचन की रोका जा सके और इसका रक्षा बेङ्गे से विमोचन तब ही हो जब यह जलवाहित हो।

भाग V

बोर्ड पर अधिष्ठापन उपरांत परीक्षण सामान्य :

1. यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण किए जाएंगे कि प्रमोचन साधितों से संलग्न सभी उत्तरजीवी यानों का पोतारोहण स्थिति से मुरक्कित रूप से पुनः भरण किया जा सकता है और जब में भारित हों तो इनका पुनः भरण केवल अपेक्षित उपस्कर के साथ ही किया जा सकता है।

2. अवनमन परीक्षण :

प्रत्येक प्रमोचन साधित तथा उससे संबद्ध विच और उनके ब्रेक, अधिकतम अवनमन-चाल पर कार्यकारी भार के कम से कम 1.1 गुने प्रमाणक-उद्भार के साथ गतिक परीक्षण सह सकें। मौसम में उद्भासित विच-ब्रेक पूर्वगामी परीक्षण को सह सकना चाहिए जबकि ब्रेक पूष्ट नीले हो।

3. बचाव नौका प्रमोचन-साधितों के लिए उच्चालन-परीक्षण

बचाव नौका प्रमोचन साधितों का अवनमन परीक्षण के अतिरिक्त, नौकाओं का उच्चालन करके भी परीक्षण किया जाएगा जब कि ये नौकाएं अविकृतम उच्चालन चाल पर जल स्तर से पोतारोहण स्थिति तक पूर्ण बचाव नौका पूरक व्यक्तियों तथा उपस्करों द्वारा भारित हों।

4. निर्बाध पात प्रमोचन साधितों का परीक्षण, यह मुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि उत्तर जीवी यान "लिस्ट" तथा "ट्रिम" की प्रतिकूल अवस्था में भी प्रमोचित किए जा सकते हैं।

भाग VI

पोतारोहण नसेनियां

(1) जबकि पोत किसी भी ओर 20° झुका हो तो "ट्रिम" तथा "लिस्ट" की प्रतिकूल परिस्थितियों के अंतर्गत, मुगमतम समुद्रगामी अवस्था में जलरेखा में डैक तक एक संपूर्ण लंबाई की पोतारोहण नसेनियां उपलब्ध कराई जाएंगी।

(2) डैक से नसेनी के शीर्ष तक तथा नसेनी के शीर्ष से डैक तक हृथों का प्रावधान किया जाएगा।

(3) नसेनी के सोपानों में निम्नलिखित प्रावधान होगा—

(क) ये कठोर काढ से बनाए जाएंगे जो गांठों तथा अन्य अनियमित भागों से मुक्त, चिकने और मणीनित होंगे तथा इनमें तीक्ष्ण किनारे या छाँड (स्पिलटर) नहीं होंगे।

सुल्य गुणधर्म वाली अन्य उपयुक्त सामग्री से भी ये सोपान बनाए जा सकते हैं।

(ख) सोपानों में अनुधैर्य खांच बनाकर अधिवा उनका अनुभोदित असर्पी विलेपन कर उनके पृष्ठ को प्रभावी रूप से सर्पण रहित बनाया जाएगा।

(ग) इनको लम्बाई 480 मिमी, चौड़ाई 115 मिमी, तथा मोटाई 25 मिमी, होगी जिसमें असर्पी पृष्ठ की विलेपन की मोटाई सम्मिलित नहीं है,

(घ) इनका अंतराल एक समान होगा जो कम से कम 300 मिमी, या अधिक से अधिक 380 मिमी होगा और इन्हें इस प्रकार कसा जाएगा कि ये धैतिज रहें।

(4) नसेनी के पार्श्वरञ्जु अनाच्छादित मनीला रज्जुओं के रूप में होंगे जिनके प्रत्येक ओर की परिधि कम से कम 65 मिमी होगी। प्रत्येक रञ्जु सतत होगा और सबसे ऊपरी सोपान के नीचे कोई जोड़ (संधि) नहीं होगा। इस कार्य के लिए अन्य सामग्री का भी प्रयोग किया जा सकता है बशर्ते कि ऐसी सामग्री को विभाएं, भंजन-विकृति, अपव्यय, तनन तथा गहरा मुण्डर्म, कम से कम मनीला रज्जु के गुणधर्मों के सुल्य हों। सभी रञ्जु सिरे कसे रखे जाएंगे ताकि वे न खुलें।

भाग VII

प्रकाशः :

(1) प्रमोचन तथा पोतारोहण साधित, तथा व्यवस्थाओं को पोतों को मुख्य जनिक-संयंत्र के अतिरिक्त विद्युत संभरण के अनुमोदित आपातस्थोत द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।

(2) निम्नलिखित क्षमता पर्याप्त प्रकाशित किए जायेंगे:-

(क) गलियारे-सोपान, प्रत्येक मस्टरकेन्ड तक पहुंचने वाले निकास द्वारा,

(ख) मस्टर तथा पोतारोहण केन्ड,

(ग) उत्तरजीवी यान तथा उसके प्रमोचन-साधित ताकि उत्तरजीवी यान की तैयारी तथा प्रमोचन मुकर हो सके,

(घ) जल का वह क्षेत्र जिसमें उत्तरजीवी यान को प्रमोचित किया जाना है।

दूसरी अनुसूची

[देखिए नियम 2(ट) तथा (भ ख) 7,40(1), 3 तथा (6)]

वैयक्तिक प्राण रक्षक साधित

भाग I

रक्षा बोया:

(1) प्रत्येक रक्षा बोया:

(क) समान रूप से अभिरूपित तथा भली प्रकार डाट युक्त होगा तथा यह कार्क या समान रूप से प्रभावी उत्प्लावी ऐसी सामग्री से संनिर्मित होगा जिस पर तेल या तेल-उत्पादों का विपरीत प्रभाव न पड़े,

(ख) यदि यह प्लास्टिक या अन्य संश्लिष्ट योगिकों से बनाया जाता है तो वह समझ जल या तेल-उत्पादों अथवा खुली समुद्री मात्रा के दौरान पाए जाने वाले जलवायु-परिवर्तनों या तापविचरणों के प्रति अपने उत्प्लावी गुणधर्मों को बनाए रखने में सक्षम होगा,

(ग) इसका बाय्य व्यास अधिक से अधिक 800 मिमी तथा आंतरिक व्यास कम से कम 400 मिमी होगा। इसके परिलेड का दीर्घ-अक्ष कम से कम 150 मिमी तथा लघु अक्ष कम से कम 100 मिमी होगा,

(घ) नेजतः उत्प्लावी सामग्री से बनाया जाएगा यह जलवेंत, कार्क छीलन या दानेदार कार्क, अन्य ढीली दानेदार सामग्री अथवा किसी बाय्य कक्ष पर निर्भर नहीं करेगा जो उत्प्लावकता के लिए फूल्वन पर निर्भर करती है,

(ङ) उच्च दृष्टिगोवर रंग का होगा,

(च) 24 घंटे की अवधि तक ताजे जल में कम से कम 14.5 किग्रा लोह की आलम्ब प्रदान करने में समर्थ होगा,

(छ) इसका द्रव्यमान कम से कम 2.5 किग्रा तथा अधिक से अधिक 6 किग्रा होगा,

(ज) यह जलनपोषक नहीं होगा और 2 सेकंड तक आग की लपेट में आने पर भी इसका पिघलना जारी नहीं रहेगा,

(झ) इस प्रकार संनिर्मित किया जाएगा कि सुगमतम समुद्रगामी परिस्थितियों में जल रेखा के ऊपर, जिस ऊंचाई से भरण किया जा रहा है उससे या 30 मी की ऊंचाई से, इनमें जो भी अधिक हो, उसकी प्रूचालन क्षमता या उससे संलग्न घटकों को क्षति पहुंचाए बिना, रक्षा बोया का जल में पातन हो सके,

(ज) यदि स्व. सक्रियत धूम तथा स्वप्रज्वलन प्रकाशों के लिए उपलब्ध दूत विमोचन व्यवस्था का प्रचालन करने का विचार हो तो उसका द्रव्यमान द्वितीयमोचन व्यवस्था को प्रचालित करने के लिए पर्याप्त या 4 किग्रा होगा, इनमें जो भी अधिक हो,

(ट) इसमें एक ग्राही रेखा लगी होगी जिसका व्यास कम से कम 9.5 मिमी तथा उसकी लम्बाई बोया के बाह्य व्यास के 4 गुने से कम नहीं होगी यह ग्राही रेखा बोया की परिधि के चारों ओर चार समुद्ररस्थ विन्युओं पर इस प्रकार कसी जाएगी कि चार बराबर लूप बन जाएं, तथा

(ठ) जब यह कार्क के अतिरिक्त अन्य किसी सामग्री से सैनिर्मित हो तो उस उत्पाद के लिए विनिर्माता का व्यापार नाम स्थायी रूप से अंकित होना चाहिए।

(2) उत्प्लावी रक्षा रस्सी —

(क) 24 घंटे तक भीगते के बाद भी उत्प्लावी रहेगी,

(ख) न छूबने वाली होगी,

(ग) इसका व्यास कम से अम 8 मिमी होगा,

(घ) इसकी भंजन-सामर्थ्य 5 किलो न्यूटन से कम नहीं होगी,

भाग II

रक्षा जैकिटें:

(1) रक्षा जैकिटें निम्नलिखित सामान्य अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी और इस प्रकार संनिर्मित की जाएगी की—

(क) यह जलनपोषक नहीं होगी और 2 सेकंड तक आग की लपेट में आने पर भी इसका पिघलना जारी नहीं रहेगा,

- (ख) निवासिन के बाद कोई भी अवक्तु बिना किसी सहायता के इसे 1 मिनट में ठीक पहन सकेगा,
- (ग) अंदर का भाग बाहर रखते हुए इसे पहनना या केवल एक ही ओर से पहनना संभव होना चाहिए और जहाँ तक हो सके इसे गलत ढंग से नहीं पहनना चाहिए,
- (घ) इसे पहनना प्रारम्भेह होना चाहिए,
- (इ) इस पर तेल या तेल-उत्पादों का विपरीत प्रभाव नहीं पहनना चाहिए,
- (झ) इनका उच्च वृष्टिगोचर रंग होना चाहिए,
- (ঞ) इनमें बलय या लूप या वैसी ही प्रयोग सामर्थ्य की कोई युक्ति लगी होनी चाहिए ताकि बचाव सुकर हो जाए,
- (ঞ) जिम कपड़े से यह आच्छादित हों तथा इसमें प्रयुक्त टेप गतरोधी होना चाहिए,
- (ঞ) इसे बांधने वाला टेप रक्षा जैकिट के आवरण के साथ, भजबूती से लगा रहना चाहिए तथा यह 882 न्यूटन का बल सह सकने में समर्थ हो जाए,
- (ঞ) टेपों को बांधने की विधि ऐसी हो जो आसानी से समझ में आ जाए,
- (ঞ) जब धातु बंधकों का इसमें प्रयोग किया जाए तो इनका प्रारम्भ और सामर्थ्य, बंधकटेपों के साथ संगत होनी चाहिए और ये संक्षारण रोधी सामग्री से बने होने चाहिए, तथा
- (ঞ) धारणकर्ता बिना किसी चोट के जल में 4.5 मी. ऊर्ध्वाधर दूरी से फूँकने में समर्थ होना चाहिए और रक्षा जैकिट को अपने स्थान से खिसकना नहीं चाहिए।
- (২) शांत ताजे जल में रक्षा जैकिट की पर्याप्त उत्पावकता तथा स्थायित्व होना चाहिए ताकि,
- (ক) क्लात या अचेत अवक्तु का मुख जल से, स्पष्ट कम से कम 120 मि. मी उठा रहे तथा उसका शरीर पीछे की ओर कम से कम 20° के कोण पर तथा ऊर्ध्वाधर स्थिति से अधिक से अधिक 50° के कोण पर आनंद रहे, तथा
- (খ) अचेत अवक्तु का शरीर जल में किसी भी स्थिति से 5 सेकेंड के अंदर, ऐसी स्थिति में धूम सके कि उसका मुख जल से बाहर निकला रहे।
- (৩) नाजे जल में 24 घंटे तक निमज्जन के बाद भी रक्षा-जैकिट की उत्पावकता में 5% में अधिक कमी नहीं होनी चाहिए।
- (৪) रक्षा जैकिट पहनने वाला अवक्तु थोड़ी दूर तक तैरने में तथा उत्तरजीवी धान पर अछने में समर्थ होना चाहिए।

(৫) प्रत्येक रक्षा जैकिट में एक सीटी लगी होनी चाहिए जो एक डोरी द्वारा भजबूती से बंधी होनी चाहिए।

(৬) प्रत्येक रक्षा जैकिट पर दोनों ओर, कम से कम 1.27 सेमी आमाप के असिट अक्षरों में शब्द 'वयस्क' या उपयुक्त प्रतीक अंकित होना चाहिए। विनिर्माता का नाम या अन्य पहचान चिह्न केवल एक ही ओर अंकित होने चाहिए।

(৭) (ক) रक्षा जैकिट की उत्पावकता, कापोक या समान रूप से प्रभावी अन्य उत्पावी सामग्री द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी,

(খ) प्रत्येक कापोक रक्षा जैकिट इस भाग के पैरा 1 से 6 तक की अपेक्षाग्रों के अतिरिक्त निम्नलिखित का अनुपालन करेगी :

(I) इसमें कम से कम 1 किलोग्राम कापोक होगा,

(II) कापोक अच्छी प्लावी गुणता का, भली प्रकार धूना, समान रूप से संकुलित तथा बीजां या अन्य विजातीय द्रव्य से मुक्त होना चाहिए,

(III) कापोक को तेल या तेल-उत्पादों के प्रभावों से संरक्षित रखना चाहिए ताकि कम से कम 3 मिमी गहरे गैसतेल के मिश्रण की परत मुक्त विक्षुब्ध जल में, 48 घंटों तक तैरने के बाद भी उसकी उत्पावकता में कमी, मूल उत्पावकता के 2% से अधिक न हो। इस परीक्षण के प्रयोजन के लिए रक्षा जैकिट में उसकी मूल उत्पावकता के आधे के बगाबर भार रखे जाएंगे,

(IV) अवरण पूर्व संकुचित सूती सामग्री का बना होगा, जिसका 0.68 मी. चौड़ाई के लिए करण अवस्था में प्रति मीटर भार कम से कम 170 ग्रा. होगा तथा अन्य चौड़ाईयों के लिए यह भार उसी अनुपात में होगा। यह वस्त्र चिक्कण या अन्य विजातीय द्रव्य के मिश्रण से मुक्त होगा। करण अवस्था में प्रति 25 मिमी सूत का ताना 44 द्विगुणित सूत तथा बाना 34 द्विगुणित सूत होगा। सिलाई ऐसे लिनन सूत के द्वारा की जाएगी जिसकी गुणता 2500 सूक्ष्म व्हाइट मोर डोरी से कम नहीं होगी।

(গ) ऐसा प्रत्येक जैकेट, जिसमें कापोक के स्थान पर अन्य उत्पावी सामग्री प्रयुक्त की गई हो, वह इस भाग के पैरा 1 से 6 तक की अपेक्षाग्रों का अनुपालन करेगी और ऐसी उत्पावी सामग्री का भार 192.5 किग्रा प्रति धनमीटर से अधिक नहीं होगा और यह स्वच्छ तथा अच्छी गुणता की होगी। यदि सामग्री टुकड़े में है तो प्रत्येक टुकड़े का आमाप 164 घन सेमी से कम नहीं होगा, जब तक कि ऐसे टुकड़े परत-रूप में न हों और ये परस्पर अनुमोदित आसंज द्वारा परस्पर जकड़े द्वारा न हों और साथ ही सामग्री रासायनिक वृद्धि से स्थायी हो।

भाग III
बच्चों के रक्षा जैकिट

(1) बच्चों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला प्रत्येक रक्षा जैकिट, पर्याप्त अस्त्वावकता प्रदान करेगा ताकि पैरा 1.2 तथा 3 की अपेक्षाओं की संतुष्टि हो सके परंतु भाग II के पैरा (ख) का उपबंध अपवाह है।

(2) प्रत्येक ऐसे रक्षा जैकिट पर दोनों ओर कम से कम 13.0 मिमी आमाप के अग्रिम अवकरण में "बालक" या कोई उपयुक्त प्रतीक लिखा होगा। विनिर्माता का नाम या अन्य पहचान चिन्ह के बल एक ही और अकित होंगे।

(3) प्रत्येक ऐसा रक्षा जैकिट भाग II के पैरा की अपेक्षा का अनुपालन करेगा।

(4) प्रत्येक कापोक रक्षा जैकिट में कम से कम 425 ग्रा. कापोक होगा जो भाग II के पैरा की अपेक्षाओं के अनुपालन के साथ साथ इस अनुसूची के भाग II के पैरा 7 (ख) खंडों II, III तथा IV की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

(5) ऐसा प्रत्येक रक्षा जैकिट जिसमें कापोक के स्थान पर अन्य उत्त्वावी सामग्री प्रयुक्त की गई हो, वह भाग II के पैरा की अपेक्षाओं के अनुपालन के साथ साथ, इसी अनुसूची के भाग II के पैरा 7 के खंड (ग) का भी अनुपालन करेगा।

भाग 4

निमज्जन परिधान :

(1) निमज्जन-परिधान, जलरुद्ध सामग्री से इस प्रकार संरिति किए जाएंगे कि:

(क) ये बिना किसी सहायता के 2 मिनट के अंदर खोले तथा पहने जा सके और संबद्ध वस्त्रों तथा रक्षा जैकिट को भी ध्यान में रखा जाए जब कि इन्हें रक्षा जैकिट के साथ धारण किया जाना हो,

(ख) यह ज्वलनप्रोतक नहीं होगा और 2 सेकंड तक आग की लपेट में आने पर भी इसका पिघलना जारी नहीं रहेगा,

(ग) यह मुख को छोड़कर संपूर्ण शरीर को ढकेगा। यदि स्थाई रूप से संलग्न दस्तानों का प्रावधान न हो तो हाथ भी ढके रहेंगे,

(घ) इसमें ऐसी व्यवस्था रहेगी कि परिधान की टाँगों में, मुक्त वायु को न्यूनतम याकम किया जा सके, तथा

(ङ) कम से कम 4.5 मी. की ऊंचाई से जल में कूदने पर परिधान में अधिक जल प्रवेश नहीं करेगा,

(2) ऐसा निमज्जन परिधान जो इस अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं का भी अनुपालन करे, उसे रक्षा जैकिट के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

(3) निमज्जन-परिधान को धारण करने वाला व्यक्ति और जब निमज्जन परिधान को रक्षा जैकिट के साथ धारण किया जाना हो तो रक्षा जैकिट को धारण करने वाला व्यक्ति,

(क) ऊंचाईर नसेनी पर 5 मी. तक ऊपर चढ़ने यानीचे उत्तरने में समर्थ होना चाहिए,

(ख) परित्याग की अवस्था में सामान्य कार्य करने में समर्थ होना चाहिए,

(ग) निमज्जन परिधान को बिना हानि पहुंचाए या बिना के अवधारणा स्थवं को चोट पहुंचाये बिना, जल में कम से कम 4.5 की ऊंचाई से कूदने में समर्थ होना चाहिए, तथा

(घ) जल में थोड़ी दूर तक तैरने में तथा उत्तरजीवी यान के आरोहण में समर्थ होना चाहिए।

(4) ऐसा निमज्जन परिधान जिसमें उत्त्वावकता हो और जो बिना रक्षा जैकिट के धारण करने के लिए संरिति हो, उसमें प्रकाश की व्यवस्था होगी जो इस अनुसूची के भाग II के पैरा (8) या पैरा (9) की अपेक्षाओं का तथा सीटी इस अनुसूची के भाग II के पैरा (3) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी।

(5) यदि निमज्जन-परिधान को रक्षा जैकिट के साथ पहना जाना हो तो रक्षा जैकिट को निमज्जन परिधान के ऊपर पहनना चाहिए। इस प्रकार के निमज्जन परिधान को पहनने वाला व्यक्ति, बिना किसी सहायता के रक्षा जैकिट को पहनने में समर्थ होना चाहिए।

(6) निमज्जन परिधान की तापीय निष्पादन अपेक्षाएँ:—

(क) ऐसा निमज्जन परिधान जो नैंज उष्मारोधन सामग्री से नहीं बना है:—

(1) उस पर यह निवेश अंकित होंगे कि इसे ऊनी वस्त्रों के साथ पहना जाना चाहिए, तथा

(2) इस प्रकार संरिति किया जाना चाहिए कि जब इसे ऊनी वस्त्रों और रक्षा जैकिट के साथ पहना जाना हो तथा यदि इसे निमज्जन परिधान को रक्षा जैकिट के साथ पहना गया हो तो वह धारणकर्ता को 4.5 की ऊंचाई से जल में कूदने पर पर्याप्त तापीय रक्षण प्रदान करे और यह भी सुनिश्चित करे कि 5° सी ताप के शांत परिसंचारी जल में, एक घंटे तक इसे पहनने पर धारणकर्ता का शरीर कोड ताप 2° सी से अधिक कम न हो।

(7) तैज ऊष्मारोधन सामग्री से बने निम्जन परिधान को शकेला या रक्षा जैकिट के साथ पहनने पर धारणकर्ता को 4.5 मी. की ऊंचाई में जल कूदने पर पर्याप्त ऊष्मारोधन प्राप्त हो और यह भी मुनिश्चित होता चाहिए कि 0°C से 2°C ताप तक के शांत परिस्थितियाँ जल में 6 घंटे तक निम्जित रहने पर, धारणकर्ता का शरीरकोड ताप 2°C से अधिक कम न हो।

(8) निम्जन-परिधान धारणकर्ता हाथ ढके रहने पर और 5°C के जल में 1 घंटे तक निम्जित रहने पर भी ऐसिल को उठाने और लिखने में समर्थ होता चाहिए।

(9) उत्प्लावकता अपेक्षाएः:

ताजे जल में इस भाग के पैरा (2) की अपेक्षाओं के अनुपालन में निम्जन परिधान या निम्जन परिधान के साथ रक्षा जैकिट धारण करने वाला कोई भी व्यक्ति, अधिक से अधिक 5 सेकंड के अंदर अपने मुख को अधो विश्वा से ऊर्ध्वा दिशा में लाने में समर्थ होता चाहिए।

भाग 5

तापीय संरक्षी साधन

(1) तापीय संरक्षी साधन जल सह सामग्री से बनाया जाएगा जिसकी तापीय चालकता, अधिक से अधिक 0.25 बेबर/मीटर के लिए होगी और यह साधन इस प्रकार संनिश्चित किया जाएगा कि जब इसका प्रयोग किसी व्यक्ति को परिबद्ध करने में किया जाएगा तो यह धारक के शरीर से, संवाही और उद्वाष्टी दोनों प्रकार की ऊष्माओं को कम कर सके।

(2) तापीय संरक्षी साधन :

(क) रक्षा जैकिट, धारणकर्ता के मुख को छोड़कर संपूर्ण शरीर को ढकेगा। यदि स्थाई रूप से संसर्जन वस्तानों का प्रावधान न हो तो हाथ ढके रहेंगे,

(ख) उत्तर जीवीयान या बचाव नौका में बिना किसी सहायता के इन्हें आसानी से खोलकर पहना जा सकेगा,

(ग) यदि इन्हें पहनकर तैरने में बाधा पड़ती हो तो धारणकर्ता इन्हें जल में 2 मिनट में अलग कर सकेगा,

(3) तापीय संरक्षी साधन वायु ताप परास— 30°C से 20°C में समुचित ढंग से कार्य कर सकेगा।

तीसरी अनुमती

[विविध नियम 2(ङ), 13(2)(घ) 15(8), 25, 29 तथा 36]

भाग 1

रक्षा नौकाओं के लिए सामान्य अपेक्षाएः

1. रक्षा नौकाओं का संनिश्चित

(1) सभी रक्षा नौकाएँ समुचित ढंग से संनिश्चित की जाएंगी और इनका अभिस्पृश्य और अनुपालन ऐसा होगा कि समुद्री मार्ग में इनका पर्याप्त स्थायित्व रहे तथा इनमें संपूर्ण पूरक व्यक्तियों और उपस्कर भारित करने पर पर्याप्त शीष्ठिर (फी बोडे) बना रहे। सभी रक्षा नौकाओं का पोत खोल ढूँढ होगा तथा ये शांत जल में उद्धाराधार स्थिति में धनात्मक स्थायित्व बनाए रखने में समर्थ होंगे जबकि ये संपूर्ण पूरक व्यक्तियों तथा उपस्कर से भारित हैं और जललेखा के नीचे किसी एक अवस्थिति में छिपते हैं। साथ ही, यह भी कल्पना की गई है उत्प्लावकता सामग्री का कोई लास नहीं हुआ है और संपूर्ण पूरक व्यक्तियों की उत्प्लावकता अनुज्ञेय है।

(2) सभी रक्षा नौकाएँ पर्याप्त सामर्थ्य की होंगी ताकि,

(क) उनका सुरक्षापूर्वक जल में अवनमन किया जा सके जबकि वे संपूर्ण पूरक व्यक्तियों तथा उपस्कर से भारित हैं तथा

(ख) इनका प्रमोचन और अनुकरण किया जा सके जबकि पोत, शांत जल में 2 नाट की चाल से गमन कर रहा हो।

(3) पोत खोल तथा ढूँढ आवरण, अग्नि अवमंदक या अदहनशील होंगे।

(4) बैठने की व्यवस्था आड़े तस्तों, बैंचों या स्थिर कुर्सियों पर को जाएंगी जो रक्षा नौका में यथामंभव नीचे लगाई जाएंगी और इस प्रकार संनिश्चित की जाएंगी कि इस भाग के पैरा (2) के छंड (2) की अपेक्षाओं के अनुपालनार्थी व्यक्ति संख्या को आनंद देने के लिए समर्थ हों जबकि प्रत्येक व्यक्ति का भार 100 किग्रा. है।

(5) प्रत्येक रक्षा नौका की भार सहने की पर्याप्त सामर्थ्य होगी तथा उस भार के ढूँढने पर अवशिष्ट विक्षेपण नहीं होगा और इस प्रकार का भार,

(क) धातु पोत खोल वाली नौकाओं में रक्षा नौका के कुल द्रव्यमान का 1.25 गुना होगा जबकि रक्षा नौका समग्र पूरक व्यक्तियों तथा उपस्कर द्वारा भारित हो, अथवा

(ख) अन्य नौकाओं में यह भार रक्षा नौका के कुल द्रव्यमान का दुगुना होगा जबकि रक्षा नौका समग्र पूरक व्यक्तियों तथा उपस्कर द्वारा पारित हो।

(6) प्रत्येक रक्षा नौका की पर्याप्त सामर्थ्य होनी चाहिए ताकि वह समग्र पूरक व्यक्तियों तथा उपस्कर के भार और जहां लागू हों वहां स्कैटरों या स्थिति में फैडरों तथा कम से कम 3.5 मी. प्रति सेकंड के संघहन्त्रीग पर पोत के एक ओर पारवर्तक मंघहः तथा कम से कम 3 मी. की ऊंचाई से जल में पातन को सह सके।

(7) फर्श पृष्ठ तथा अहाते या कैनोपी, जिसका क्षेत्र फर्श पृष्ठ के 50% से अधिक है, के मध्य ऊर्ध्वाधर दूरी:

(क) नौ या कम व्यक्तियों को आवासित करने वाली रक्षा नौका के लिए 1.3 मी.,

(ख) 24 व्यक्तियों या अधिक को आवासित करने वाली रक्षा नौका के लिए कम से कम 1.7 मी.,

(ग) 9 व्यक्तियों से अधिक और 24 व्यक्तियों से कम की आवासित करने वाली रक्षा नौका के लिए यह दूरी 1.3 मी. और 1.7 मी. के मध्य होगी जो रैखिक अनुदृश्य द्वारा निर्धारित की जाएगी।

2. रक्षा नौकाओं की बहुत क्षमता:—

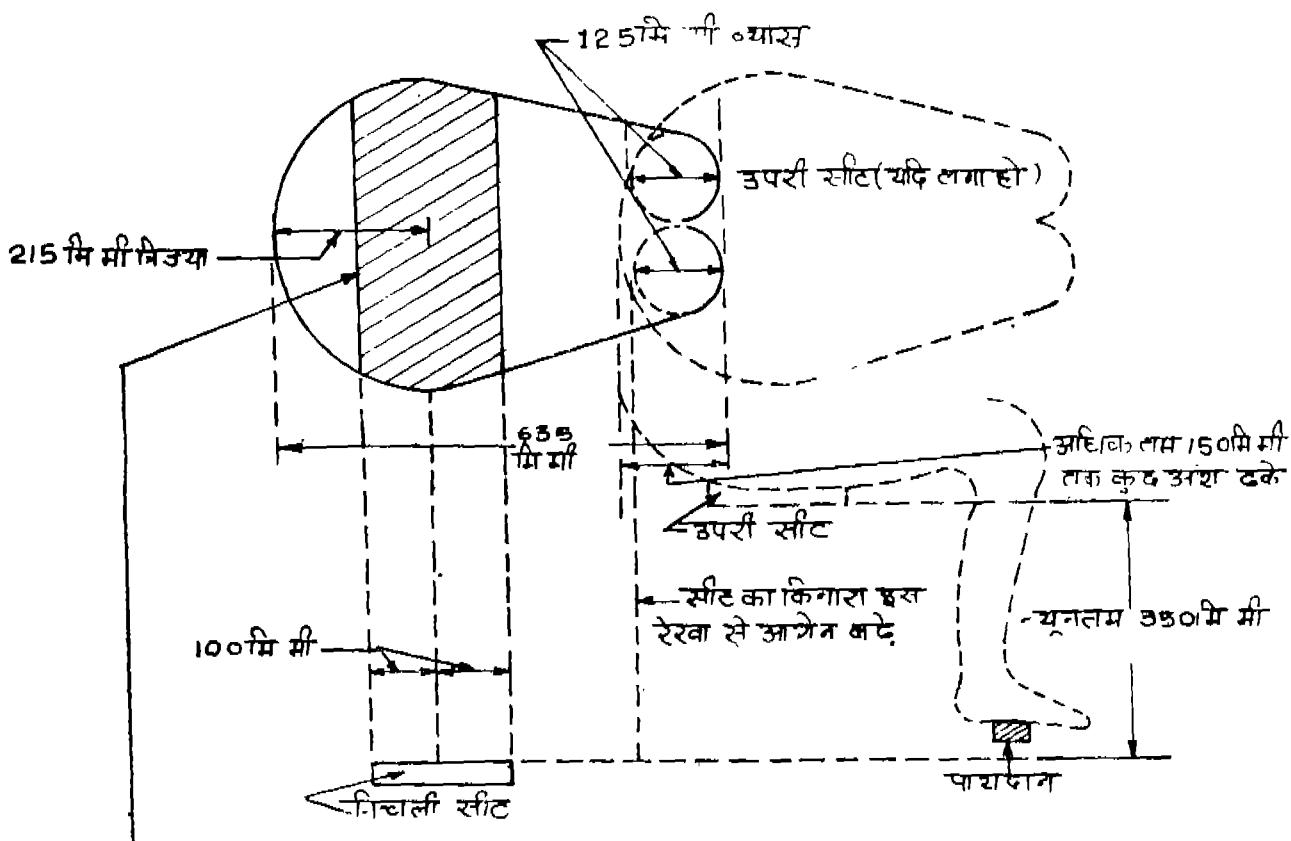
(1) कोई भी रक्षा नौका 150 व्यक्तियों से अधिक को आवासित नहीं करेगी,

(2) रक्षा नौका में आवासित करने के लिए अनुशास्त व्यक्तियों की संख्या, निम्नलिखित के बराबर या कम होगी,

(क) 95 किमी/घण्टा औसत द्रव्यमान के व्यक्तियों को वह संख्या जो अभी रक्षा जैकिट धारण किए हुए हैं और जिनके सामान्य स्थिति में बैठने की इस प्रकार अवस्था की गई है कि किसी भी रक्षा नौका उपस्कर के नोदन या प्रचालन में बाधा न पड़े अस्थवा,

(ख) आकृति 1 के अनुसार सीट-विन्यास के लिए उपलब्ध स्थानों की संख्या/प्राकारों में अतिव्यापन हो सकता है जैसाकि वर्णया गया है बगते कि पायदान लगे हों और टांगों के लिए पर्याप्त स्थान हो तथा अपरी तथा निवली सीट के बीच ऊर्ध्वाधर पृष्ठकर 350 मिमी. से कम न हो।

आकृति



सीट छा कम से कम द्वेष्ट्र ऊर्ध्वाधर दूरी के द्वारा तरफ 100 मी मी
और दिप्र की पूरी वॉल्डर भर फैले

(क) न्यूनतम सीट खेलफल, अधिवृत आधार रेखा के दोनों ओर तथा आकृति की पूरी चौड़ाई तक 10 मि. तक फैला रहता है।

सीट का किनारा इस रेखा के परे निकला नहीं होना चाहिए।

(ग) प्रत्येक सीट की स्थिति रक्षा नौका में स्पष्टतः निर्दिष्ट होनी चाहिए।

3. रक्षा नौकाओं तक पहुंच :

(1) प्रत्येक यात्री पोत रक्षा नौका इस प्रकार व्यवस्थित होनी चाहिए कि उस पर समग्र पूरक व्यक्ति शोब्बता से चढ़ सकें। द्रुत अवतरण भी संभव होना चाहिए।

(2) प्रत्येक स्पोरा पोत रक्षा नौका इस प्रकार व्यवस्थित की जाएगी कि आरोहण के निर्देश प्राप्त होने के अधिक से अधिक 3 मिनट के अंदर इस पर संपूर्ण पूरक व्यक्ति चढ़ सके। द्रुत अवतरण भी संभव होना चाहिए।

(3) रक्षा नौकाओं में आरोहण नसेनी होगी जिसका प्रयोग, रक्षा नौका पर चढ़ने के लिए किया जा सकता है। नसेनी का सबसे निचला सौपान रक्षा नौका की हूल्की जल रेखा से कम से कम 0.4 मी. नीचे होना चाहिए।

(4) रक्षा नौका इस प्रकार व्यवस्थित की जाएगी कि असहाय व्यक्ति, पोतारोहण केन्द्र पर स्ट्रेचरों पर रक्षा नौका पर आरोहण कर सकें।

(5) सभी पृष्ठ जिन पर व्यक्तियों को चढ़ना पड़ सकता है, उन पर असरी परिसज्जा होगी।

4. रक्षा नौका उत्पालकता :

सभी रक्षा नौकाओं में नैज उत्पालकता होगी अथवा उनमें ऐसी नैजतः उत्पाली सामग्री सजित की जाएगी जिस पर समुद्र जल तथा तेल या तेल उत्पादों का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह सामग्री रक्षा नौका के बोर्ड पर समस्त उपस्कर के साथ, बाढ़ की स्थिति के या खुले समुद्र के तैरने के लिए पर्याप्त होगी। रक्षा नौका पर आवासित करने के लिए जितने व्यक्तियों की अनुमत है तो प्रति व्यक्ति 280 न्यूटन उत्पाली बल के बराबर अतिरिक्त नैजतः उत्पाली-सामग्री का रक्षा नौका में प्रावधान किया जाएगा। उत्पाली-सामग्री रक्षा नौका के खोल के साथ वाहातः तब तक अधिष्ठापित नहीं की जाएगी जब तक कि वह उपर्युक्त अपेक्षित मात्रा से अधिक नहीं है।

5. रक्षानीका शीर्षकात्तर तथा स्थायित्व :

सभी रक्षा नौकाएं, रक्षानीका द्वारा आवासित अनुमत व्यक्ति संख्या के 80 प्रतिशत द्वारा, उनकी सामान्य स्थिति में केन्द्रीय रेखा के एक और भारित की जाती है तो उनमें एक शीर्षकात्तर होगा जो जलरेखा से उस निम्नतम द्वार तक मापा

जाएगा जिससे होकर रक्षा नौका आप्लावित हो सकती है यह शीर्षकात्तर कम से कम रक्षा नौका की लम्बाई का 1.5 प्रतिशत या 100 मि.मी. इनमें जो भी अधिक हो, होगा।

6. रक्षा नौका नोब्बन :

(1) प्रत्येक रक्षा नौका सोडन-प्रश्नत्रलन इंजन ड्रारा गणित चालित होगी। किसी भी रक्षा नौका के लिए ऐसा कोई भी इंजन प्रयोग नहीं किया जाएगा जिसके इंधन का स्फुरांक 43° सी या इससे कम हो (संवृत चषक परीक्षण)।

(2) इंजन या तो हस्तचालित प्रवर्तन संवृत या शक्ति प्रवर्तन तंत्र का प्रावधान होगा जिसके लिए दो स्वतंत्र पुनः आवश्यनीय ऊर्जा स्रोत उपलब्ध होंगे। प्रावश्यक प्रवर्तन माध्यमों का भी प्रावधान होगा। इंजन-प्रश्नत्रन तंत्र तथा प्रश्नत्रन माध्यमों प्रवर्तन प्रक्रिया प्रारंभ करने के दो मिनट के प्रंदर 15° सी परिवेश, ताप पर इंजन का प्रवर्तन कर देंगे; जब तक कि केन्द्रीय सरकार की राय के किसी विशेष समुद्री यात्राओं को ध्यान में रखते हुए, वहनीय रक्षा नौका के साथ पोन लगातार यात्रा कर रहा है, एक धिन ताप उपर्युक्त हो सकता है। प्रवर्तन तंत्रों में इंजन आवरक आड़े तख्तों के अन्य व्यवरोधों से कोई बाधा नहीं आएगी।

(3) ठंडी अवस्था से प्रवर्तन किए जाने पर इंजन कम से कम 5 मिनट तक प्रावधान करेगा जब कि रक्षा नौका जल से बाहर है।

(4) इंजन तब भी प्रचालन करने के समर्थ होगा जबकि रक्षा नौका, केंक शॉपट की केन्द्रीय रेखा तक आप्लावित है।

(5) नोब्बक शॉपट इस प्रकार व्यवस्थित किए जाएंगे कि नो बोट को इंजन से अलग किया जा सके। रक्षा नौका के अग्र और प्रश्व नोदन का भी प्रावधान होगा।

(6) निर्वात पाइप इस प्रकार व्यवस्थित किया जाएगा कि सामान्य प्रचालन इंजन में जल के प्रवेश को रोका जाए।

(7) सभी रक्षा नौकाएं जल में व्यक्तियों की सुरक्षा को ध्यान के रखकर अभिकल्पित की जाएंगी। साथ ही, उत्पाली कवरे से नोदन तंत्र के भत्तिग्रस्त होने की संभावना का भी ध्यान रखा जाएगा।

(8) जब रक्षा नौका शांत जल के आगे जा रही हो और संपूर्ण पूरक व्यक्तियों द्वारा भारित हो और सभी इंजन चालित सहायक उपस्कर, प्रचालन कर रहे हों तो उस रक्षा नौका की चाल कम से कम 6 नाट होगी और जब साथ वह रक्षा नौका संपूर्ण पूरक व्यक्तियों तथा उपस्कर या उसके तुल्य सहित 2.5 व्यक्तियों वाले रक्षा बोया का भी अनुकर्षण कर रही हो तो उसकी न्यूनतम चाल 2 नाट होगी। पोत के प्रचालन क्षेत्र में प्रथावशित ताप परास के प्रयोग के लिए, इनमें उपर्युक्त इंधन का प्रावधान होगा जो कि 6 नाट की चाल पर पूर्ण भारित रक्षा नौका के लिए 24 घंटे की अवधि के लिए पर्याप्त होगा।

(9) रक्षा नौका इंजन, संप्रेषण तथा इंजन उपसाधन किसी अग्नि अवमंदक आवरक या समान रक्षण प्रदान करने वाले अन्य उपयुक्त व्यवस्था द्वारा परिवद्ध किए जाएंगे। ऐसी व्यवस्थाएं तप्त या गतिशील भागों के साथ आकस्मिक संपर्क में आने वाली व्यक्तियों को भी रक्षण प्रदान करेंगी तथा मौसम और समुद्र से इंजन का रक्षण भी करेंगी इंजन शोर को कम करने के लिए पर्याप्त साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। आवरक युक्त प्रवर्तक बैटरियां भी उपलब्ध कराई जाएंगी जो बैटरियों के पैंडे या पार्सर्व से जलसूख आवरण का कार्य करेंगी। बैटरियों के आवरकों का शीर्ष, कसी फिटिंग वाला होगा जिसमें अवश्यक गैस निकास का भी प्रावधान होगा।

(10) रक्षा नौका इंजन तथा उपसाधन इस प्रकार अभिकल्पन किए जाएंगे कि विद्युत चुंबकीय उत्सर्जन सीमित रहें ताकि नौका में प्रयुक्त रेडियो प्राण रक्षक साधिकाओं के प्रचालन में, इंजन-प्रचालन बाधा न ढाले।

(11) सभी इंजन प्रवर्तन, रेडियो तथा अन्वेषी द्वीप बैटरियों को पुनः आवेशित करने के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इंजन-प्रवर्तन के लिए शक्ति उपलब्ध करने में रेडियो बैटरियों का प्रयोग नहीं किया जाएगा। पोत शक्ति संभरण से रक्षा नौका बैटरियों को पुनः आवेशित करने के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे तथा संभरण बोल्टता 55 बोल्ट से अधिक नहीं होगी। इन साधनों को रक्षा नौका पोतारोहण केन्द्र पर वियोजित किया जा सकता है।

(12) इंजन के प्रवर्तन तथा प्रचालन संबंधी जलरोधी निर्देश, इंजन प्रवर्तन नियंत्रणों के समीप किसी सुस्पष्ट स्थान पर उपलब्ध तथा आरोपित किए जाएंगे।

7. रक्षा नौका फिटिंग:—

(1) सभी रक्षा नौकाओं में कम से कम एक अपवाह वाल्व उपलब्ध होगा जो पोत खोल में निम्नतम बिन्दु के समीप लगा होगा जो रक्षा नौका के जलवाहित न होने की स्थिति में पोत से जल को अपवाहित करने के लिए स्वतः खुलेगा और जो रक्षा नौका के जलवाहित होने पर स्वतः बंद हो जाएगा ताकि जल प्रवेश न करे। प्रत्येक अपवाह-वाल्व में, वाल्व को बंद करने के लिए टोपी या डाट का प्रावधान होगा जो रक्षा नौका से किसी ओरी (लेनदारी) जंजीर, या अन्य उपयुक्त साधन द्वारा जुड़ा रहेगा। रक्षा नौका के अंदर से अपवाह-वाल्वों तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा और उनकी स्थिति स्पष्टतः दर्शाई जाएगी।

(2) सभी रक्षा नौकाओं में एक रडर तथा एक टिलर होगा। जब चक्र या अन्य किसी सुदूर स्टीरिंग—यंत्रावली का भी प्रावधान हो तो स्टीरिंग-यंत्रावली के विफल होने की स्थिति में, रडर को नियंत्रित करने में टिलर समर्थ होगा। रक्षा नौका के साथ रडर, स्थायी रूप से संलग्न रहेगा। रडर स्टाक के साथ टिलर स्थायी रूप से अधिलापित या जुड़ा रहेगा। हालांकि, यदि रक्षानौका सुदूर स्टीरिंग यंत्रावली द्वारा सजित है तो टिलर को अलग किया जा सकेगा और उसका रडर स्टाक के समीप सुरक्षित रूप से भरण किया जा सकेगा रडर और टिलर इस प्रकार व्यवस्थित रहेंगे कि वे

विमोचन-यंत्रावली या नोटक के प्रचालन द्वारा क्षतिग्रस्त न हो।

(3) रडर और नोटक के समीपस्थ स्थान को छोड़कर, रक्षानौका के बाहरी चारों ओर एक उत्पादी रक्षारेखा बांधी जाएगी।

(4) ऐसी रक्षा नौकाएं जो उलट जाने पर स्वतः सीधी न हो सकें, उनमें खोल के नीचे की ओर उपयुक्त हथेले लगे होंगे ताकि व्यक्ति रक्षानौका के साथ सटे रहें। ये हथ्ये रक्षानौका के साथ इस प्रकार जुड़े रहेंगे कि पर्याप्त प्रतिष्ठात पड़ने पर जब वे रक्षा नौका से अलग हो जाएं तो रक्षानौका की क्षति न पहुंचे।

(5) सभी रक्षा नौकाओं में पर्याप्त जलसूख पाशक (लॉकर) या कक्ष लगे होंगे ताकि उनमें पैरा 8 में अनेकित छोटे उपस्कर जल तथा अन्य सामान भंडारित कि जा सकें। संग्रहित व्याजिल के भडारण के साधन भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

(6) पाते या पातों द्वारा प्रमोचित प्रत्येक रक्षानौका में एक ऐसी विमोचन यंत्रावली लगाई जाएगी जो निम्नलिखित अपेक्षाओं का अनुपालन करे:—

(क) यह यंत्रावली इस प्रकार व्यवस्थित की जाएगी कि सभी हुक एक साथ स्वतः विमोचित हो जाएं,

(ख) यंत्रावली में निम्नलिखित दो विमोचन समताएं होंगी:—

(1) सामान्य विमोचन क्षमता, जो रक्षानौका के जलवाहित होने की स्थिति में या जब हुकों पर कोई भार न हो, रक्षानौका को विमोचित करे,

(2) भार सहित विमोचन क्षमता, जो हुकों पर भार होने की स्थिति में रक्षानौका को विमोचित करे। यह विमोचन इस प्रकार व्यवस्थित किया जाएगा कि रक्षानौका के जलवाहित अवस्था में शून्य भार से पूर्ण-सजित रक्षा नौका के कुल व्रद्धमान जबकि वह संपूर्ण पूरक व्यक्ति तथा उपस्कर द्वारा भारित हो, कि 1.1 गुने भार तक भारण की किसी भी दशा में रक्षा नौका को विमोचित करे। इस विमोचन क्षमता के आकस्मिक या समयपूर्ण प्रयोग के प्रति पर्याप्त सावधानी रखी जाएगी।

(3) विमोचन नियंत्रण ऐसे रंग द्वारा स्पष्टतः अंकित होंगा जो प्रतिवेशी के विपर्याप्त होंगा।

(4) यंत्रावली, प्रयुक्त सामग्री के चरम सामर्थ्य पर आधारित 6 सुरक्षाकारक के द्वारा यह मानते हुए अधिकलिपि की जाएगी कि रक्षा नौका का व्रद्धमान, पातों के भव्य समान रूप से वितरित है।

(7) निर्बाध पात्र प्रमोचन रक्षा नौकाओं के अतिरिक्त, प्रत्येक रक्षा नौका में एक विमोचन युक्ति लाई जाएगी ताकि नवाय की स्थिति में अप्रोटोर विसंचित हो जाए।

(8) प्रत्येक रक्षा नौका में पर्याप्त दिग्गजोंबर होते तथा प्रचालन स्थिति में रखने की तेंटेता तथा भूमध्यनां, यदि हों के द्वारा स्थानीय व्यवस्था की जाएगी;

(क) नियम 6 के खंड (क) द्वारा अनेकित वहनीय रेडियो, उपकरण;

(ख) नियम 6 के खंड (ग) द्वारा अनेकित रेडियो वेक्टर दर्शनी वाली आपातस्थिति, तथा

(ग) नियम 6 के खंड (घ) के अंतर्गत अनेकित हस्त प्रचालित अवस्थिति-निर्धारण युक्तियां;

(9) पोत के पार्श्व से नीचे की ओर प्रमोचन के लिए आवश्यित रक्षा नौका में आवश्यकतानुसार स्केट तथा पेंटर होंगे ताकि प्रमोचन, सूकर हो सके और रक्षा नौका को क्षति-ग्रस्त होने में बचाया जा सके,

(10) परिवद्ध स्थान या आवरण के लिए पर एक हस्त नियंत्रित दीप लगाया जाएगा जो अधिकी रात और स्विचल वायुमंडल में कम से कम 12 घंटे तक कम से कम 2 मील की दूरी से लिखाई देगा। यदि यह स्फर प्रकाश हो तो यह प्रारंभ में 12 घंटे की प्रचालन-अवधि के प्रश्न 2 घंटे के प्रचालन में 50 स्फर प्रति मिनट की दर से स्फूरण करेगा।

(11) रक्षा नौका के अंदर कोई दीप या प्रकाशस्रोत लगाया जाएगा जिसमें कम से कम 12 घंटे तक प्रकाश प्राप्त होता रहेगा ताकि उत्तर जीवी उपस्कर और निर्देशों को पढ़ा जा सके। हम कार्य के लिए तेव दीपों का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

(12) जब तक कि स्पष्टतः अन्यथा, उपविधित नहीं, प्रत्येक रक्षा नौका में कृद पड़ते या स्वतः कृद पड़ते के प्रभावी साधन उपलब्ध कराए जाएँ।

(13) प्रत्येक रक्षानौका इस प्रकार व्यवस्थित की जाएगी कि सुरक्षित प्रमोचन तथा युक्ति चालन के लिए नियंत्रण तथा स्टीयरिंग स्थिति में रक्षा नौका के आगे, पीछे तथा अगल-बगल का प्रति दृश्य दिखना रहे।

(14) रक्षा नौका उपस्कर

बचाव कार्यों के लिए रखे गए नौका हुकों को छोड़कर, इन नियमों के अन्तर्गत अनेकित रक्षा नौका-उपस्कर के सभी मद, रक्षा नौका के अंदर वांछ कर सुरक्षित रहे जाएंगे। इन्हें लॉकरों या कश्तों में, ब्रैकिंगों में या समान आरोपित व्यवस्थाओं या अन्य उपकरण गार्डनों द्वारा भंडाग्नि किया जाएगा। उपस्कर, इस प्रकार गुरुकित रक्षा जाएगा कि वह किसी परिवार प्रक्रिया में बाधा न डाले। रक्षा नौका उपस्कर के सभी मद, यथा संभव लॉटे तथा उथका द्रव्यमान यथासंभव कम से कम होगा और उन्हें उपयुक्त और सुरक्षित रूप में पैक किया

जाएगा। जहां अन्यथा व्यवस्था है उसके सिवाय, प्रत्येक रक्षा नौका के सामान्य उपस्कर में निम्नलिखित होगा,

(क) पर्याप्त उत्तराधान के अनुमोदित उत्तराधी चप्पू प्रत्येक उपलब्ध चप्पू के लिए चप्पू टेक (थोल पिन), बैमाल्वी या तुल्य वावन्या का प्रावधान किया जाएगा। चप्पू टेक या बैमाल्वी, नौका के साथ डोरी या जंजीर द्वारा बाधी जाएंगे, परन्तु निर्बाध पात्र प्रमोचन रक्षा नौकाओं के लिए इस अनेकों का अनुपालन आवश्यक नहीं है,

(ख) दो बोट हुक,

(ग) एक उत्तराधी प्लूटक तथा दो बालिंग्स,

(घ) अनुमोदित उत्तराधी निर्देश पुस्तक।

(इ) ऐसे अनुमोदित रिक्युरक्यून एक विनाकेत, जो स्थिर दीजन हो या जिसमें प्रकाश का उपयुक्त साधन हो। पूर्णतः परिवद्ध रक्षानौका में रिक्युरक्यून स्थाई रूप से स्टीयरिंग स्थिति में लगा होगा और इसका विनाकेत के साथ सजित होना आवश्यक नहीं है। अन्य किसी रक्षानौका में विनाकेत के साथ उपयुक्त आगोपण व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।

(ज) प्रवानरोधी डाइर तथा विमोचन रेखा के साथ पर्याप्त आमाप का एक समुद्री लंगर भी लगा होगा जो भीगने पर भी मजबूत पकड़ बनाए रखेगा। समुद्री लंगर हाजर तथा विमोचन रेखा की सामर्थ्य, भी समुद्री अवस्थाओं में पर्याप्त होगी।

(ल) रक्षा नौका की जगह स्थिति से मुक्त नम समुद्रगामी परिस्थिति में जल रेखा तक की दूरी या 15 मीटर, इनमें जो भी अधिक हो, के बगाबर दो दक्ष पेंटर होंगे। भाग 1 के पैरा 8 के उपरी 7 के अनुसार अनेकित विमोचन युक्ति के साथ, एक पेंटर मंजरन रहेगा और यह रक्षा नौका के अग्रमि पर स्थित होगा। दूसरा पेंटर, प्रयोग के लिए तैयार रक्षा नौका के धन पर या उनके समीक्ष मजबूती में कम होगा।

(ज) दो कुल्हाड़ियां जिनमें प्रत्येक रक्षा नौका के प्रत्येक सिरे पर स्थित होंगी।

(झ) अनुमोदित जनरल पात्र जिनमें रक्षा नौका में आवासित अनुमत प्रत्येक व्यक्ति के लिए कुल 3 लिटर ताजा जल होगा। इसमें प्रति व्यक्ति एक लिटर जल के स्थान पर अनुमोदित विवरण उपकरण प्रतिस्थापित किया जाएगा जो 2 दिन में ताजे जल की समान मात्रा उत्पन्न करने में समर्थ होगा।

(ञ) डोरी महिन एक जंगरोधी डिपर,

(ट) जंगरोधी अणाकिन पेय पात्र।

(ठ) 10,000 किलो जून प्रति व्यक्ति को दर से उन्ने व्यक्तियों के लिए अनुमोदित खाद्य सामग्री जिनमें व्यक्ति को रक्षा नौका में आवासित करने की अनुमति है।

इस खाद्य सामग्री का बायरूद्ध पैकिजों में तथा जलरुद्ध पात्रों में भरण किया जाएगा।

(ड) चार राकेट पेराण्ट कोयर जो मात्राओं अनुमती के भाग X की अपेक्षाओं का अनुपालन करें।

(इ) छः हन्त पेनेयर जो मात्राओं अनुमती के भाग XI की अपेक्षाओं का अनुपालन करें।

(ए) दो उत्पादी धूम मिगन जो मात्राओं अनुमती के भाग 12 की अपेक्षाओं का अनुपालन करें।

(न) एक जल सह विशुद्ध टार्च जो मोर्स सिगनल के लिए उपयुक्त हो तथा माथ में जहू सल पात्र में बैटरीयों का एक अनिरिक्त सेट तथा एक अतिरिक्त बल्ब।

(थ) एक अनुमोदित दिन के प्रकाश का सिगनल दर्पण तथा माथ में पीतों तथा वायुग्रान को सिगनल देने के लिए निर्वेश।

(द) सात्राओं अनुमती के भाग 16 में विनिर्दिष्ट जलसह कार्ड या जल सह पात्र में प्राण रक्षक संकेतों की एक प्रति।

(घ) एक सीटी या तुल्य छवनि सिगनल।

(न) एक जल सह आवरक में अनुमोदित प्रथमोपचार सामग्री होगी जिसे प्रयोग के बाद कम कर बंद किया जा सकेगा और जिसमें रक्षा नौका में प्रमाणित वहनीय प्रत्येक, 30 व्यक्तियों या उसके भाग के लिए अनुमती के भाग VII में विनिर्दिष्ट उपस्कर हों।

(ए) प्रत्येक व्यक्ति के लिए जहाजी मतलीरीधी औषधि की छः खुराकें तथा एक जहाजी मतली बैग हो।

(फ) एक जैक चाल् जो कि डोरी द्वारा नौका में संलग्न हो।

(ग) तीन लिन ओपनर।

(भ) दो उत्पादी बचाव चक्रियां जो उत्पादी रेखा से कम से कम 30 मीटर तक संलग्न हों।

(म) एक हस्तचालिन पम्प।

(य) एक अनुमोदित भृत्यन मंभार ममुच्चव।

(कक) हजन तथा उसके उपसाधन में लघुमजनों के लिए पर्याप्त औजार।

(कख) तेज़-अग्नियों के शमन के लिए उपयुक्त अनुमोदित वहनीय अग्निशमन उपस्कर।

(कग) अनुमोदित अन्वेषी दीप, जो रात में 18 मीटर चौड़ी हल्के रंग की वस्तु को 180 मीटर की दूरी से 6 घंटे तक प्रकाशित कर सके तथा लगातार 3 घंटे तक कार्य करने में समर्थ हो।

(कघ) एक दक्ष रैडार परावर्तक।

(कड) रक्षा नौका द्वारा अनुमत आवामित 10 प्रतिशत या उसे व्यक्तियों, इनमें जो भी अधिक हो, के लिए अनुमोदित ताप मंबक्षीमधन, जो छठवों अनुमती के भाग IV का अनुपालन करें।

(कच) ऐसे पोत जिनकी समुद्री यात्रा का स्वरूप और अवधि इस प्रकार की हो कि केंद्रीय सरकार की राय में पैरा के (ठ) से(भ) तक के खंडों में विनिर्दिष्ट मद अनावश्यक हों, तो केंद्रीय सरकार इन मदों की छूट दे बनती है।

8. रक्षा नौका अंकत

(1) रक्षा नौका की विधाएं तथा उसमें आवामित अनुमत व्यक्ति संख्यां, स्पष्ट स्थायी अक्षरों में अंकित रहेगी।

(2) पोत का तथा जिस पत्तन पर वह पंजीकृत है उसका नाम रक्षा नौका धनु के दोनों ओर रोमन वर्णमाला के अड़े अक्षरों में अंकित रहेगा।

(3) रक्षा नौका जिस पोत की है उसको पहचानने के साधन तथा रक्षा नौका कैनोपी पर इस प्रकार अंकित होगी कि वह ऊपर में ही दूषिटगोचर हो जाए।

भाग II

अंशतः परिच्छद् रक्षानीकाएः

1. सामान्यः अंशतः परिच्छद् रक्षक नौकाएः, इस भाग की अपेक्षाओं के अनुपालन के माथ भाग 1 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी।

(2) प्रत्येक व्यक्ति के परिच्छद् रक्षा नौका में कूद पड़ने या स्वतः कूद पड़ने के प्रभावी माध्यन उपलब्ध कराएँगे।

(3) अंशतः परिच्छद् रक्षा नौकाओं में स्थायी रूप से संलग्न दृढ़ आवरण होंगे जो स्तंभ में रक्षानीका की लम्बाई के कम से कम 20 प्रतिशत तथा रक्षा नौका के पिछले भाग से रक्षा नौका की लम्बाई के कम से कम 20 प्रतिशत तक विस्तृत रहेंगे। रक्षा नौका में एक बलनीच कैनोपी, स्थायी रूप से संलग्न होगी जो दृढ़ आवरणों के माथ आवामित व्यक्तियों को बाहर के मौसम से बचाएँगी और मौसम सह रक्षण प्रदान करेंगी यह कैनोपी इस प्रकार व्यवस्थित की जाएगी कि,

(क) इसमें पर्याप्त दृढ़ परिच्छद् या इंडे लगे हों ताकि वह छड़ी रह सके,

(ख) इसे अधिक से अधिक दो व्यक्तियों द्वारा ताना जा सके,

(ग) यह व्यायु अंतराल या अन्य समान रूप से दक्ष सावनों द्वारा पृथक्कित, कम से कम दो परदों द्वारा उपरोधित की जाएगी ताकि आवामित व्यक्तियों को गमी तथा सर्दी से बचाया जा सके,

- (घ) इसका बाहरी भाग अत्यन्त दृश्य रंग का होगा और इसके आंतरिक भाग का रंग आवासित व्यक्तियों के लिए कष्टप्रद नहीं होगा ।
- (इ) इसके दोनों सिरों पर प्रत्येक ओर एक एक प्रवेश द्वार होता है जिसमें बंद करने वाली संमजनीय दक्ष व्यवस्थाएं होती हैं जिन्हें अंदर से तथा बाहर में आसानी से खोला और बंद किया जा सकता है ताकि संवातन तो होता रहे परन्तु समुद्र जल, पवन तथा ठंड प्रवेश न कर सके । प्रवेश द्वारों को भलीप्रकार खुली या बंद स्थित में रखने के साधन भी उपलब्ध कराए जाएं ।
- (च) प्रवेश द्वारों को बंद रखते हुए को आवासित व्यक्तियों के लिए हर समय पर्याप्त वायु प्रवेश कारणी रहेगी,
- (छ) इसमें वर्षाजल के संग्रहण के साधन होंगे, तथा
- (ज) रक्षा नौका के डूबने की स्थिति में आवासित व्यक्ति पतायन कर सके ।

4. रक्षा नौका का बाहरी भाग अत्यन्त दृश्य रंग का होगा ।

5. नियम 30 के उपनियम 7 द्वारा अधिकारी नियम 31 के उपनियम 5 द्वारा अपेक्षित उपलब्ध रेडियो टेलीग्राफ अधिष्ठापन किसी अनुमोदित आश्रित स्थान में या पर्याप्त बड़े केबिन में अधिष्ठापित किए जाएंगे जहां उपस्कर तथा प्रयोगकर्ता दोनों आवासित किए जा सके ।

भाग III

स्वतः सीधी होनेवाली अंगतः परिवद्ध रक्षान्वकाएं

सामान्य स्वतः सीधी खड़ी होने वाली अंगतः परिवद्ध रक्षा नौकाएं सामान्य भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन के साथ साथ इस भाग की अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेंगी ।

2. परिवद्ध स्थान (1) स्थायी रूप से संलग्न दृढ़ आवरण उपलब्ध कराए जाएंगे जो पौन स्लैम में रक्षा नौका की लंबाई के कम में कम 20 प्रतिशत तथा रक्षा नौका के सबसे पिछले भाग से रक्षा नौका की लम्बाई के कम में कम 20 प्रतिशत तक विस्तृत रहेंगे :

(2) दृढ़ आवरण में दो आधाय रहेंगे । यदि आधायों में दीवाले हैं तो उनमें पर्याप्त आमाप के द्वार होंगे ताकि उन तक निम्नजगत परिधान या गर्म वस्त्र या रक्षा जैकिट पहने व्यक्ति न आसानी से पहुंच सके । आधायों के आंतरिक ऊंचाई इतनी पर्याप्त होगी ताकि रक्षा नौका के धनु और पिछले भाग की सीटों तक व्यक्ति आसानी से पहुंच सके ।

(3) दृढ़ आवरण इस प्रकार व्यवस्थित किए जाएंगे कि उनमें खिड़कियां या पारभांझी पैनल रहें ताकि रक्षानौका के अंदर पर्याप्त सूर्य का प्रकाश आता रहे और द्वार या कैनोपी भी निकाटरय हों ताकि कुत्रिम प्रकाश की आवश्यकता न रहे । इस प्रकार की खिड़कियां या पैनल, दृढ़ परिवद्ध-स्थानों के ऊपर की ओर स्थित होंगे ।

(4) दृढ़ आवरणों में रेलिंग लगी होगी जो रक्षा नौका के बाहर चलने वाली व्यक्तियों के लिए मजबूत हस्थों का कार्य कर सके ।

(5) रक्षा नौके के खुले भागों में एक बलनीय कैनोपी स्थायी रूप से संलग्न रहेगी जो इस प्रकार व्यवस्थित रहेगी कि :

(क) इसे अधिक से अधिक दो व्यक्ति दो मिनट के अंदर तान सके ।

(ख) यह वायु अंतराल या समान रूप से दक्ष साधन द्वारा पूर्थिकि, कम से कम दो परनों द्वारा उच्चारीधित की जाएगी ताकि आवासित व्यक्तियों को गर्मी या सर्दी से बचाया जा सके ।

(6) दृढ़ आवरणों या कैनोपी द्वारा निर्मित परिवद्ध स्थान, इस प्रकार व्यवस्थित किया जाएगा कि,

(क) प्रमोशन तथा पुनः प्राप्ति संकायों के निष्पादन के लिए, किसी भी आवासित व्यक्ति को परिवद्ध स्थान को छोड़ने की आवश्यकता न पड़े ।

(ख) इसके दोनों सिरों पर प्रत्येक ओर एक एक प्रवेश द्वार होता है जिसमें बंद करने वाली संमजनीय दक्ष व्यवस्थाएं होती हैं जिन्हें अंदर से तथा बाहर से आसानी से खोला और बंद किया जा सकता है ताकि संवातन तो होता रहे परन्तु समुद्र जल, पवन और ठंड प्रवेश न कर सके । प्रवेश द्वारों को भली प्रकार खुली या बंद स्थित में रखने के साधन भी उपलब्ध कराए जाएं ।

(ग) कैनोपी के तनी रहते हुए और सभी प्रवेश द्वार के बंद रहते हुए भी आवासित व्यक्तियों के लिए हर समय पर्याप्त वायु प्रवेश करती रहे ।

(घ) इसमें वर्षाजल के संग्रहण के साधन हों ।

(इ) दृढ़ आवरणों तथा कैनोपी का बाहरी भाग तथा रक्षा नौका का कैनोपी द्वारा अचलादित आंतरिक भाग अत्यंत दृश्य रंग का हो । आधायों के आंतरिक भाग का रंग ऐसा हो जो आवासित व्यक्तियों के लिए कष्टप्रब न हो ।

(ज) रक्षा नौका अनुकरण संभव हो ।

3. उलटना तथा पुनः सीधा होना

(1) प्रत्येक निर्दिष्ट बैठने के स्थान पर एक मुख्य पेटी लगी होगी । यह सुरक्षा पेटी हम प्रकार अभिकल्पित की जाएगी जो रक्षा नौका के पलटा खाले पर 100 कि.ग्रा. भार के व्यक्ति को सुरक्षित अपने स्थान पर बुद्धापूर्वक स्थित रख सके ।

(2) रक्षा नौका का स्थायित्व इस प्रकार का होगा कि यह पूर्णतः या अंशतः पूरक व्यक्तियों द्वारा भरी रहने पर, नैजतः या स्वतः सीधी हो जाए तथा व्यक्ति भुक्तापेटियों द्वारा दृढ़तापूर्वक स्थित रहें ।

4. नोंदन

(1) इजन तथा संप्रेषण, कर्णधार की स्थिति से निपत्रित किया जा सके।

(2) रक्षा नौका के उलट जाने पर इंजन या इंजन अण्डापन प्रत्येक स्थिति में कार्य करते रहें और ये नौका के सीधे हो जाने तक वाले रहें अथवा नौका के उलट जाने पर स्वतः बंद हो जाएं और नौका के सीधे हो जाने तथा जल अपवाहित हो जाने पर असानी से पुनः प्रबर्तित हो जाएं और जल रक्षा नौका से अपवाहित हो जाय। ईंधन तथा स्नेहन तंत्रों का अभिकल्प इस प्रकार का हो कि नौका के पलट जाने की स्थिति में ईंधन का हास न हो तथा इंजन से स्नेहन तेल का 250 मिली में अधिक हास न हो।

(3) वायु शर्तित इंजनों में एक ऐसा वाहिनी तंत्र होगा जो रक्षा नौका के बाहर से शीतल वायु को ग्रहण कर रक्षा नौका के बाहर ही निर्वातित करेगा। रक्षा नौका के अंदर से शीतल वायु को ग्रहण कर रक्षा नौका के अंदर ही निर्वातित करने के लिए हस्तचालित अवमंदकों का भाग प्रावधान होगा।

5. संनिर्माण तथा रक्षण

भाग 1 पैरा 1.6 के उपर्यन्थ के हाते हुए भी, स्वतः सीधी होने वाली अंशतः परिवद्ध रक्षा नौका इस प्रकार संनिर्मित एवं रक्षित की जाएगी कि रक्षा नौका में समूर्ण पूरक व्यक्तियों के रहने पर, पोते के पाश्व द्वारा न्यूतम 3.5 मीटर प्रति सेकंड के प्रतिधान वेग के फलस्वरूप प्रतिघत से उत्पन्न हानिप्रद त्वरणों से व्यक्तियों की रक्षा हो सके।

(2) रक्षा नौका से स्वतः कूदा जा सके।

भाग IV

पूर्णतः परिवद्ध रक्षानौकाएँ

1. पूर्णतः परिवद्ध रक्षा नौकाएँ इस भाग की अपेक्षाओं के साथ साथ भाग 1 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी।

2. परिवद्ध स्थान प्रत्येक पूर्णतः परिवद्ध रक्षानौका में बूँद जलरुद्ध परिवद्ध स्थान होंगे जो रक्षानौका को पूर्णतः परिवद्ध कर लेंगे। ये परिवद्ध स्थान निम्न प्रकार व्यवस्थित किए जाएंगे :

(क) आवासित व्यक्तियों का गर्भी और सर्दी से रक्षण कर सके।

(ख) रक्षा नौका तक पहुंच, ईंकड़ारों के माध्यम में होंगी जिसे बंद करके रक्षा नौका को जलरुद्ध किया जा सके,

(ग) ईंक द्वारा इस प्रकार अवस्थित होंगे कि किसी भी आवासित व्यक्ति के परिवद्ध स्थान को छोड़े गिना प्रयोगन तथा पुनः प्राप्ति संकार्य निष्पादित किए जा सकें।

(घ) अभिगम-ईंक द्वारी को अवर तथा दाहर दानों और से खोला या बंद किया जा सकेगा और

उनमें ऐसे साधन लगे होंगे कि उन्हें भली प्रकार खुली स्थिति में रखा जा सके,

(ङ) निर्वाध प्रमाणित रक्षा नौका के अतिरिक्त अन्य रक्षा नौकाओं का अनुकर्यण किया जा सके,

(च) जब रक्षा नौका पलटी हुई स्थिति में हो और ईंकद्वारा बंद हों और कोई उल्लेखनीय क्षरण न होता हो तो यह रक्षा नौका, समूर्ण द्रव्यमान का वहन करने में समर्थ होगी जिसमें समूर्ण उपस्कर, मशीनरी तथा समूर्ण पूरक व्यक्तियों का द्रव्यमान भी सम्मिलित है,

(छ) इनमें दोनों और अथवा दूढ़ परिवद्ध स्थान के ऊपरी और बिड़ियों और पारभासी पैनल होंगे ताकि ईंक द्वारों के बंद होते हुए भी रक्षा नौका में पर्याप्त दिन का प्रकाश आ सके और कृतिम प्रकाश की आवश्यकता न रहे। इस प्रकार की बिड़िकियां या पैनल, दूढ़ परिवद्ध स्थान के ऊपरी भाग में स्थित हो सकते हैं,

(ज) इसका बाहरी भाग अत्यन्त दृश्य रंग का होगा और इसके आंतरिक भाग का रंग आवासित व्यक्तियों के लिए कट्टप्रद नहीं होगा,

(झ) रक्षा नौका के बाहर गमन करने वाले व्यक्तियों के लिए हस्त रेलिंग, दूढ़ हथ्यों का कार्य करेंगी और ये पांतारोहण तथा पांत भावतरण में सहायक होंगी,

(ञ) प्रवेश द्वार से अपनी सीटों तक पहुंचने वाले व्यक्तियों को आड़े तख्तों या अन्य बाधाओं का मामना नहीं करना पड़ेगा।

(ट) रक्षा नौका के इंजन से उत्पन्न हो सकने वाले खतरनाक उपत्रायुक्तियों दायों के प्रभावों से आवासित व्यक्तियों की रक्षा की जाएगी,

3. उलटना तथा पुनः सीधा होना।

(1) प्रत्येक निर्दिष्ट बैठने के स्थान पर एक सुरक्षा पेटी लगी होगी। यह सुरक्षा पेटी इस प्रकार आंभकलित की जाएगी कि रक्षा नौका के पलटा खाले पर 100 कि.ग्रा. भार के व्यक्ति को सुरक्षित अपने स्थान पर दृढ़तापूर्वक स्थित रख सके,

(2) रक्षा नौका का स्थायित्व इस प्रकार होगा कि यह उपस्कर सहित पूर्णतः या अंशतः पूरक व्यक्तियों द्वारा रहने पर नैजतः या स्वतः सीधी हो जाए तथा सभी प्रवेश द्वार दृढ़तापूर्वक स्थित रहें।

(3) भाग 1 के पैरा 4 में निर्दिष्ट नौका के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में यह नौका समूर्ण उपस्कर सथा समूर्ण पूरक व्यक्तियों को बहाने में समर्थ होनी चाहिए और उसका स्थायित्व इस प्रकार का होना चाहिए कि पलटा खाले पर वह स्थान एसी स्थिति में आ जाए कि आवासित व्यक्ति जल के ऊपर आ जाए और पलायन कर सके।

(4) सभी इंजन नियंत्रित पाइपों, वायु-वाहिनियों तथा अर्थ द्वारों का अभिकल्प इस प्रकार का होना चाहिए कि रक्षा नौका के पलटा खाने और पुनः सीधे होने पर इंजन में जल न पहुंचे।

4. नोदन : (1) इंजन तथा संप्रेषण, कर्णधार की स्थिति से नियंत्रित किया जा सके।

(2) रक्षा नौका के उलट जाने पर इंजन या इंजन अधिपालन प्रत्येक स्थिति में कार्य करते रहें और ये नौका के सीधी हो जाने तक चालू रहें और नौका के सीधे हो जाने पर आसानी से पुनः प्रबाहरत हो जाएं। इंजन तथा स्नेहन-तंत्रों का अभिकल्प इस प्रकार का हो कि नौका के पलट जाने की स्थिति में इंधन का हास न हो तथा इंजन से स्नेहन तेज का 250 मिली से अधिक हास न हो।

(3) वायुशीतित इंजनों में एक ऐसा वाहिनी तंत्र होगा जो रक्षा नौका के बाहर से शीतल वायु को ग्रहण कर रक्षा नौका के अंदर में शीतल वायु को ग्रहण कर रक्षा नौका के अन्दर ही निर्वातित करने के लिए हस्तचालित अवमदकों का भी प्रावधान होगा।

(5) संनिर्माण तथा रक्षण :

भाग 1 के पैरा 1 खंड (6) के उपर्युक्त के होने हुए भी पूर्णतः परिवर्द्ध रक्षा नौका इस प्रकार संनिर्मित तथा रक्षित की जाएगी कि रक्षा नौका में संपूर्णपूरक व्यक्तियों के रहने पर योत के पार्श्व द्वारा न्यूनतम 3.5 मीटर प्रति सेकंड के प्रतिधात बेग के फलस्वरूप प्रतिधात से उत्पन्न हानिप्रद त्वरणों से व्यक्तियों की रक्षा हो सके।

6. निर्वाधात रक्षा नौकाएँ :

निर्वाध पोत प्रमोचन के लिए उपस्कर तथा संपूर्ण पूरक व्यक्तियों से भरी व्यवस्थित रक्षा नौका इस प्रकार संनिर्मित की जाएगी कि जब वह, योत की मुगमतम समुद्रगामी परिस्थितियों में जल-रेखा के पर अभिकल्पित अधिकतम ऊंचाई से भरण पर 10° तक द्विम तथा दोनों में से किसी और 20° शुकाव की प्रतिकूल परिस्थितियों में उत्पन्न हानिप्रद त्वरणों से रक्षण प्रदान कर सके।

भाग V

स्वतः पूर्ण वायु-पोपक तंत्र युक्त रक्षा नौका

स्वतः पूर्ण वायु-पोपक तंत्र भुक्त रक्षा नौका भाग I तथा भाग IV की अपेक्षाओं के अनुपालन के साथ-साथ इस प्रकार व्यवस्थित की जाएगी कि सभी प्रवेशों तथा द्वारों को बंद रखते हुए, रक्षा नौका के अन्दर की वायु सुरक्षित तथा श्वसनीय रहे और इंजन सामान्यतः कम से कम 10 मिनट की अवधि तक प्रचालन करें। इस अवधि में रक्षा नौका के अन्दर वायुमंडलीय दाव वाह्य वायुमंडलीय दाव में कभी भी कम न हो और न ही यह 20 मिली बार में अधिक हो। तंत्र में हर समय वायु अंतर्गत के दाव को बांधने वाले दृश्य सूचक भा जाएं होने चाहिए।

भाग VI

अग्नि रक्षित रक्षा नौकाएँ

1. सामान्य

भाग I, भाग IV तथा भाग V की अवेक्षाओं के अनुपालन के साथ-साथ कोई भी अग्नि रक्षित रक्षा नौका जलवाहित होने पर अनुमत आवासित व्यक्तियों के रक्षण में समर्थ होगी जब कि रक्षा नौका कम से कम 8 मिनट तक लगातार तेल-अग्नि की लपेट में हो।

2. जल छिड़काव तंत्र

जल छिड़काव अग्नि रक्षण तंत्र मुक्त रक्षा नौका निम्न-तिवित का अनुपालन करेंगी :

(क) तंत्र के लिए जल समुद्र स्वतः द्रवास्थयन मॉटर पम्प द्वारा निकाला जाएगा। रक्षा नौका के बाहर से ही जल प्रवाह की "चालू करना" या उसे "बन्द करना" संभव हो सकेगा,

(ख) समुद्र जल का अंतर्ग्रहण इस प्रकार किया जाएगा कि समुद्र पूछ में ज्वलनशील द्रवों के अंतर्ग्रहण को रोका जा सके,

(ग) तंत्र को ताजे जल से प्रभावित किए जाने की तथा जल के पूर्ण अपवाहन की व्यवस्था होगी।

भाग VII

प्रथमोपचार किट

1. रक्षा नौका या रक्षा बोया में उपलब्ध प्रत्येक प्रथमोपचार किट में निम्नलिखित वस्तुएँ रहेंगी :—

वस्तु	मात्रा
(क) निपात पुनरु जीवक	6 कैप्सूल
(ख) पीड़ाहारी	25 टिकियाँ
(ग) मार्फन मिर्जि जिसमें या तो मार्फन लवण विलयन अथवा 0.25 ग्रा अनाद्र मार्फन के तुल्य मिल या 1 मिली में 0.5 ग्राम पेपएव्हिटम बी पी सी होंगी	6 एम्प्यूल
(घ) प्रतिरोधी दाह या घाव क्रीम भार/ 100 ग्राम भार अनुमार मेंट्रीमाइड बी पी सी 0.5 प्रतिशत।	भार
(इ) ऊर्जा टिकियाँ 10 मिट्रा	160 टिकियाँ
(ज) मानक ड्रेसिंग नं. 15 बड़ी बी पी सी 20 × 15 सेंमी	4
(झ) मानक ड्रेसिंग नं. 14 बड़ी बी पी सी 15 × 10 सेंमी	4
(ञ) पार्टिक्युलर आसोजक ड्रेसिंग 8 × 5 सेंमी	6
(ञ) निर्दिष्ट त्रिभुजाकार पदिट्याँ 125 × 95 × 95 सेंमी	4

(व) बेलन अनुनित पट्टियां, संपीडित,	10
5.6 मी मी × 3.5 मी मी	
(ट) संपीडित रुई	125 ग्राम
(ठ) पीतल लेपित 5 मी मी लम्बे सेफटी पिन	6
(ड) जंगरांधी नथा स्टेनलेस इस्पात की 10 से मी लंबी दो कैचिया जिनमें एक तीक्षणधार वाली नथा दूसरी मुथरी नोंक वाली हो।	1 कैप्सूल
(उ) मिलिका जैल	1 कैप्सूल
(ण) पक्कियां या जलसह कागज पर छवे अंग्रेजी नथा हिन्दी भाषा में विभिन्न मदों के उपयोग मंत्रांधी-निर्देश।	

2. प्रथमोपचार किट एक ऐसे पात्र में पैक किया जाएगा जो निम्नलिखित अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा :—

(क) यह टिकाऊ नभी सह, जलसह नथा प्रभावी रूप से मीलबंद रहेगा,
(ख) यह चरम तापों द्वारा प्रभावित नहीं होगा,
(ग) पात्र का प्रत्येक मद भनी प्रकार पैक रहेगा और प्रत्येक मद पर उसका नाम, मात्रा/आमाप अंकित रहेगा,
(घ) इसे ऐसे कमरे में पैक किया जाएगा जिसमें से वायुमंडलीय नभी यथा संभव निकाल दी गई हो,
(ङ) यह धातु का बता नहीं होगा,
(च) पात्र के बाहर अंतर्वस्तुओं की, मदों के अनुसार सूची दी जाएगी।

चार्यी अनुसूची

[दिविए नियम 2(न), 13(2)(व), 19(6)]

फूलनीय रक्षावेदे

भाग 1

रक्षा वेडों की सामान्य अपेक्षाएं

रक्षावेडों का सनिसारण

(1) प्रत्येक रक्षा वेडा इस प्रकार संनिर्भित किया जाएगा कि नभी ममुद्री परिस्थितियों में बाहरी मौसम को 30 दिन तक मह सकने में समर्थ हो।

(2) रक्षा वेडा इस प्रकार संनिर्भित किया जाएगा कि जब इसे जल में 18 मीटर की ऊंचाई से गिराया जाए तो रक्षा वेडा और उसका उपस्थान संतोषजनक ढंग से प्रचातन करे। यदि सुगमतम समुद्रगामी परिस्थितियों में रक्षा वेडों का जल रेखा से 18 मीटर से अधिक ऊंचाई से भरण किया जाता है तो उसका प्रस्तु ऐसा होना चाहिए कि उसका जल से कम उतनी ऊंचाई से संतोषजनक पात परीक्षण कर लिया गया हो।

(3) प्लावी रक्षा वेडा, सतह से कम से कम 4.5 मीटर की ऊंचाई से बार-बार किए गए जम्पों को सहन करने में समर्थ होगा, चाहे कैनोपी तनी हो या न तनी हो।

(4) रक्षा वेडा नथा उसकी फिटिंग इस प्रकार संनिर्भित की जाएगी कि उपस्कर और संपूर्ण पुरक व्यक्तियों द्वारा भरे रहने पर शांत जल में इसे 3 नॉट की बाल से अनुकर्पित किया जा सके जब कि उसका एक समुद्री लंगर धारावाहिन हो।

(5) आवासित व्यक्तियों को बाहरी मौसम से बचाने के लिए रक्षावेडे में एक कैनोपी इस प्रकार लगी होगी जो रक्षा वेडे के प्रमोचित एवं जलवाहिन किए जाने पर स्वतः अपने स्थान पर बेट हो जाए। वह कैनोपी निम्नलिखित का अनुपालन करेगी :—

(क) यह वायु अंतराल या समान रूप से दक्ष सोधन द्वारा पृथक्कित, कम से कम दो पर्सों द्वारा उष्मारोधित की जाएगी। वायु-अंतराल में जलसंप्रहण को रोकने के माध्यन उपलब्ध कराया जाएगा,

(ख) इसके आंतरिक भाग का रंग आवासित व्यक्तियों के लिए कपटप्रद नहीं होगा,

(ग) प्रत्येक प्रवेश द्वार स्पष्टतः अंकित होगा और उसमें प्रसी दक्ष समंजनीय व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी जिन्हें रक्षा वेडे के अंदर तथा बाहर से आसानी से और जाग्रता से खोला जा सके ताकि संवातन होता रहे परंतु समुद्र जल, पवन तथा ठंड प्रवेश न कर सके। आठ व्यक्तियों से अधिक को आवासित करने वाले रक्षा वेडों में ठीक सामने कम से कम दो प्रवेशद्वार होंगे,

(घ) प्रवेश द्वारों को ब्रंद रखने द्वारा भी आवासित व्यक्तियों के लिए हर समय वायु प्रवेश करती रहेंगी,

(ङ) इसमें कम से कम एक दृश्य द्वारक होगा,

(च) इसमें वर्षा जल के संग्रहण के साधन होंगे,

(छ) इसमें कैनोपी के नीचे सभी भागों में बैठे आवासित व्यक्तियों के लिए पर्याप्त शिर स्थान होना चाहिए,

2. न्यूनतम वहन असता तथा रक्षा वेडों का ब्रव्यमान :

(1) ऐसा कोई भी रक्षा वेडा अनुमोदित नहीं किया जाएगा जिसकी इस अनुसूची के भाग II के पैरा 3 या भाग III के पैरा 3 इनमें जो भी उपयुक्त हो, की अपेक्षाओं के अनुमार परिकलित वहन असता छः व्यक्तियों में कम हो।

(2) जब तक कि रक्षा वेडा किसी अनुमोदित प्रमोचन साधित द्वारा प्रमोचित न बिया गया हो और उसका बहरीय होना आवश्यक न हो तब तक रक्षा

वेडे, उमसः पात्र और उपस्कर वा फूल व्यवस्थाएँ
185 किलोग्राम से अधिक नहीं होगा।

3. (3) रक्षा बेड़ा फिटिंग

- (1) प्राण रक्षक रस्में रक्षा बेड़े के अदर आर वाहर चारों ओर मजबूती में बांधे जाएंगे।
- (2) रक्षा बेड़े में बैटन की पर्याप्त व्यवस्था होगी और प्रचालन स्थिति में ऐलेना तथा भूमध्यक यदि हो तो, सुरक्षित रहेगे ।—
- (क) नियम 6 के खंड (ग) द्वारा अनुसित, अहनीय रेहियो उपकरण,
- (ख) नियम 6 के खंड (ग) द्वारा अनुसित रेहियो बेकत दण्डने वाली आपात स्थिति, तथा
- (ग) नियम 6 के खंड (घ) के अर्थात् अनुसित हस्तचालित अवस्थिति निधारण युक्ति,

(3) रक्षा बेड़े में एक दक्ष पेटर लगा होगा जिसकी लम्बाई सुगमतम समुद्रगामी परिस्थिति में भर्ति स्थिति से जल रेखा तक लम्बाई के कम से कम दुगनी के बराबर या 15 मीटर होगी इनमें जो भी अधिक हो।

4. डेविट प्रमोचित रक्षा बेड़े :

- (1) अनुमोदित प्रमोचन-माधिक के साथ प्रयोग के लिए रक्षा बेड़ा आर्युक्त अपेक्षाओं के अनुसित निम्ननिवित अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा :
- (क) जब रक्षा बेड़े में उपस्कर तथा सम्पूर्ण पूरक व्यक्ति भरे हों तो यह न्यूनतम 3.5 प्रति मेंकड़ के बीच पर पोत के पार्श्व में उत्पन्न पांचिक प्रतिधात महन कर सकेगा। साथ ही यह कम से कम 3 मीटर की ऊंचाई से जल में पानन पर उसमें ऐसी क्षति नहीं होगी जिसमें उनके कार्य पर प्रभाव पड़े।
- (ख) इसमें पोतारोहण डैक के अनुदिश, रक्षा बेड़े को लाने का तथा पोतारोहण के दौरान दृढ़तापूर्वक इसी स्थिति में रखने का प्रावधान होगा,
- (ग) प्रत्येक डेविट-प्रमोचित रक्षा बेड़ा इस प्रकार व्यवस्थित किया जाएगा कि नंपूर्ण पूरक व्यक्ति इस पर आरोहण कर सकें। स्थोरा पोतों में आरोहण-निर्देश प्राप्त होने के अधिक से अधिक 3 मिनट के अंदर रक्षा बेड़े पर आरोहण संभव होना चाहिए।

5. उपस्कर

- (1) प्रत्येक रक्षा बेड़े में निम्ननिवित सामान्य उपस्कर होगा :
- (क) एक उत्प्लावी वचाव चक्रनी जो कम से कम 30 मीटर उत्प्लावी रेखा में संलग्न होगी,

(ए) आनंदित प्रहरी सुरक्षा चाकू जिसमें एक उत्प्लावी हृत्या और एक डोरी संलग्न होगी जो कैनोपी के बाहरी भाग पर उस विन्दु के समीप पाकेट में रखी जाएगी, जहाँ पेटर रक्षा बेड़े में संलग्न होता है। साथ ही, 13 में अधिक व्यक्तियों को आवासित करने वाले रक्षा बेड़े में एक दूसरा सुरक्षा चाकू भी लगा होगा जिसका अवलम्बन प्रत्येक होन आवश्यक नहीं है,

(ग) ऐसे रक्षा बेड़े में एक उत्प्लावी प्लूटक होगा जिसमें अधिक से अधिक 12 व्यक्तियों को आवासित करने की अनुमति होगी ऐसे रक्षा बेड़े दो उत्प्लावी प्लूटकों का प्रावधान होग जिसमें 13 या अधिक व्यक्तियों को आवासित करने की अनुमति हो,

(घ) दो स्पोज़,

(ङ) दो अनुमोदित समुद्री लंगर जिनमें से प्रत्येक में प्रबातरोधी हाजर और विमोचन रेखा लगी हो। इनमें एक लंगर अनिवार्य होगा दूसरा रक्षा बेड़े के साथ स्थायी रूप से इस प्रकार संलग्न होगा कि जब रक्षा बेड़ा फूल जाता है या जब वह जलयाहित होता है तो इसमें रक्षाबेड़ा, पवन की दिशा में सर्वाधिक स्थायी ढंग से अभिविल्पन हो जाए। प्रत्येक समुद्री लंगर और उसके हाजर और विमोचन रेखा की सामर्थ्य सभी समुद्रगामी परिस्थितियों में पर्याप्त होगी। पंक्ति के प्रत्येक सिरे पर समुद्री लंगर के साथ एक घूर्णी लड़ी लगाई जाएगी और इसका प्रत्येक घैमा होगा कि इसके आउंड रेखाओं के सध्य अंदर के भाग के घूमकर बाहर आने की संभावना न रहे,

(ज्ञ) दो उत्प्लावी पैंडिल,

(ज) नीन टिन ओपनर/विशेष टिन प्रचालक फलकों वाले सुरक्षा चाकू, इस अपेक्षा के लिए भंतोप जनक हैं।

(झ) एक ऐसे जलसह आवरक में अनुमोदित प्रथमोपचार सामग्री, जिसे प्रयोग के बाद कम्पकर बंद किया जा सके और इसमें ऐसा उपस्कर हो जो तीसरी अनुसूची के भाग VII में विनिर्दिष्ट है।

(ञ) एक सीटी या तुल्य छवनि सिगनल,

(।) चार राकेट पैराशूट फ्लेयर जो मात्राओं अनुसूची के भाग की अपेक्षाओं का अनुपालन करें।

(ट) छह स्तं प्लेयर जो मात्राओं अनुसूची के भाग XI की अपेक्षाओं का अनुपालन करें,

(ठ) दो उत्प्लावी सिगनल जो मात्राओं अनुसूची के भाग XIV की अपेक्षाओं का अनुपालन करें,

- (इ) मोर्स भिगनल के लिए उपयुक्त एक अनुमोदित जलसह विद्युत टार्च तथा साथ जलसह पात्र में बैटरीयों का एक अतिरिक्त भैर तथा एक अतिरिक्त बब्ब,
- (इ) एक दृश्य रेडार परावर्तक,
- (ग) एक अनुमोदित दिन के प्रकाश का मिगनल वर्पण जिसमें पोतों तथा वायुयान के मिगनल के लिए निर्देश विए हों,
- (त) किसी जलसह कार्ड पर या किसी जलसह पात्र में सामग्री अनुसूची के भाग XVI में विनिर्दिष्ट प्राण रक्षक मिगनलों की एक प्रति,
- (थ) अनुमोदित मत्स्यन संभार का एक मैट,
- (द) रक्षा बेड़े में अनुमत आवासित व्यक्तियों के लिए प्रतिव्यक्ति कम में कम 10,000 किलो जूल की दर से कुल अनुमोदित खाद्य सामग्री। यह सामग्री वायुरुद्ध वैकेजों में रखी जाएगी और इसका भरण जलरुद्ध पात्र में होगा,
- (घ) जलरुद्ध पात्र जिनमें रक्षा बेड़े में अनुमत आवासित व्यक्तियों के लिए प्रति व्यक्ति 1.5 लिटर की दर में कुल पानी हो, इनमें में 0.5 लिटर प्रति व्यक्ति जल के स्थान पर एक ऐसी अनुमोदित विलबणन उपकरण द्वारा लगाया जा सकता है जो 2 दिन में ताजे जल की समान मात्रा उत्पन्न कर सके,
- (न) एक जंगरोधी अंशाकिन पेय पात्र,
- (प) जहाजी मतली रीधी औषधि की छुट्टुराकें तथा रक्षा बेड़े में अनुमत आवासित व्यक्तियों के लिए प्रति व्यक्ति एक जहाजी मतली बैग,
- (फ) स्वयं को बचाने के लिए अनुमोदित निर्देश,
- (ब) तत्काल कार्यवाही करने के लिए अनुमोदित निर्देश,
- (भ) रक्षा बेड़े में अनुमत आवासित 10 प्रतिशत व्यक्तियों के लिए पर्याप्त सापीय संरक्षी कम से कम दो साधन, जो दूसरी अनुसूची के भाग VI की अपेक्षाओं का अनुपालन करें।
- (2) इस भाग के पैरा 5 के अनुसार भजित रक्षाबेड़ों पर रोमन वर्णमाला के बड़े अक्षरों "SOLAS" 'A' "PACK" अंकित होगा।
- (3) लघु अनराईट्रीय समुद्री यात्रा करने वाले ऐसे यात्रों-पोतों, जिनकी प्रकृति और अवधि इस प्रकार की हो और जिनके लिए केन्द्रीय सरकार की राय में पैरा 5 के उपर्योग (1) में विनिर्दिष्ट सभी मद आवश्यक न हों तो ऐसे पोतों के साथ वहन करने वाले रक्षा बेड़ों के लिए खंड (क) से (च) दोनों सहित, खंड (ज), (झ), खंड (झ) से (ड) दोनों सहित, तथा खंड (घ) से (फ) दोनों सहित, तथा खंडों (च) से

(ठ) दोनों सहित विनिर्दिष्ट आधे उपस्कर के प्रावधान की अनुमति दे सकता है। इस प्रकार के रक्षा बेड़ों पर गोपन वर्णमाला के बड़े अक्षरों में "SOLAS B PACK" अंकित होगा।

(4) यदि ऐसा उपस्कर रक्षा बेड़े का प्रामित्र भाग या उससे स्थायी रूप से संलग्न नहीं है तो जैसा उपयुक्त हो इसका ऐसे पात्र ने भरण किया जाएगा जो स्वयं रक्षा बेड़े के अंदर सुरक्षित रखा गाएगा और अंतव्यस्तुओं को बिना किसी प्रकार "को क्षात पहचान जल कम में कम 30 मिनट तक तैरने में समर्थ होगा।

भाग II

1. सामान्य

फुल्लन रक्षा बेड़े में भाग I की अपेक्षाओं के अतिरिक्त इस भाग की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगे।

2. फुल्लत रक्षा बेड़ों का संनिर्माण:

(1) मुख्य उत्पावक कोष्ठ कम से कम दो पृथक कक्षों में विभाजित रहेगा, इनमें से प्रत्येक, एक अप्रत्यागमी बाल्व के डारा फुलाया जाएगा। उत्पावक कोष्ठ इस प्रकार व्यवस्थित किए जाएंगे कि यदि इनमें से कोई भी कक्ष अतिग्रन्थ हो जाए या उसका फुलन न हो सके तो अक्षत कक्ष, रक्षा बेड़े की संपूर्ण परिधि के ऊपर ध्रनात्मक शीर्षात्मक तथा रक्षा बेड़े आवासित अनुमत व्यक्तियों को वहन करने में समर्थ होंगे जबकि प्रत्येक व्यक्ति का द्रव्यमान 75 किलो हो और वे सामान्य स्थितियों में अपनी शीटों पर बैठे हों।

(2) रक्षा बेड़े का फल जल सह होगा और निम्न लिखित में से किसी भी विधि द्वारा ठंडे के प्रति पर्याप्त रूप से उपयोगित होगा:—

(क) एक या अधिक कक्ष द्वारा जिन्हें आवासित व्यक्ति फुला सके अथवा जिनका घृतः फुलन हो सके और आवासित व्यक्तियों द्वारा जिनकी वायु निकाली जा सके और उन्हें पुतः फुलाया जा सके, अथवा

(ख) समान रूप से दध किसी ग्रन्थ साधन द्वारा जो फुलन पर आश्रित न हो

(3) रक्षा बेड़ों को अविणालु गैस द्वारा फुलाया जाएगा। फुलन का कार्य 18 से 20 के पर्याप्त ताप पर 1 मिनट में और यदि पर्याप्त ताप -30 हो तो फुलन पूर्ण होने की अवधि 3 मिनट होगी। फुलन के बाद रक्षा बेड़े को उसी रूप में बनाया जा सकेगा जब कि वह उपस्कर तथा संपूर्णपूरक व्यक्तियों द्वारा भरी हो।

(4) प्रत्येक फुलनीय कक्ष, कार्यकारी दाब में निगुने दाब को सह सकते में समर्थ होगा और उसे, कार्यकारी दाब से दुगने दाब तक पहुंचने से रोका जाएगा। ऐसा करने के लिए मोचन वार्ताओं या सीमित गैर संभरण का प्रयोग किया जाएगा।

पूर्व भारण पर्यय या धीरोकनियों की संयोजित करने के साथम भी उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि पैरा 10 द्वारा अपेक्षित कार्यकारी बदल बना रहे

3. फुल्लनीय रक्षा बेड़े की कमता :-

रक्षा बेड़ों द्वारा आवासित अनुमत व्यक्ति संख्या निम्नलिखित के बराबर या उससे कम होगी :

- (क) फुल्लित अवस्था में मुख्य उत्पादन नियों के घन मीटरों में मापित आयतन (इस प्रयोजन के लिए तोरणों व्यवहार आड़े तल्लों यदि लगे हों तो उनका आयतन सम्मिलित नहीं किया जाएगा) को 0.096 से भाग देने पर प्राप्त अधिकतम पूर्ण संख्या, अथवा
- (ख) रक्षा बेड़े का वर्ग मीटरों में मापित आंतरिक क्षेत्रिज अनुप्रस्थ काट क्षेत्रफल, जो उत्पादक नियों के सबसे आंतरिक किनारे तक मापा गया है, को 0.372 से भाग देने पर प्राप्त अधिकतम पूर्ण संख्या (यदि एक या अधिक आड़े तल्ले लगे हों तो इस प्रयोजन के लिए उनका क्षेत्रफल भी सम्मिलित किया जाएगा), अथवा
- (ग) रक्षा जैकिट धारण किए और 75 किमी और सत भार के ऐसे व्यक्तियों की संख्या जो रक्षा बेड़े उपस्कर के प्रचालन में बाधा डाले बिना पर्याप्त शिर स्थान के साथ आराम से बैठ सकते हों,

4. फुल्लनीय रक्षा बेड़ों तक पहुंच :

(1) कम से कम एक प्रवेश द्वार में एक अद्यूदृ आरोहण रैम्प लगा होगा ताकि व्यक्ति समुद्र से रक्षा बेड़े पर चढ़ सके और यह इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि रैम्प के क्षतिग्रस्त हो जाने पर रक्षा बेड़े के अधिक अपफुल्लन को रोका जा सके। एक से अधिक प्रवेश द्वार बाले डेविट प्रमोवित रक्षा बेड़े में आरोहण रैम्प, वाउलिंग रेखा तथा पोतारोहण सुविधाओं के सम्मुख लगाया जाएगा।

(2) जिन प्रवेश द्वारों में आरोहण रैम्प नहीं है उनमें आरोहण नसेनी लगाई जाएगी जिसकी सबसे निम्नली मीड़ी, रक्षा बेड़ा हूल्की नलरेडा से 0.4 मीटर से अधिक नीचे रिक्त स्थित नहीं होगी।

(3) रक्षा बेड़े के अंदर ऐसे साधन उपलब्ध होंगे जो अवक्षियों को नसेनी से रक्षा बेड़े के अंदर छोंचने में सहायक हों।

5. फुल्लनीय रक्षा बेड़ों का स्थायित्व :

(1) प्रत्येक फुल्लनीय रक्षा बेड़ा इस प्रकार संनिर्भीत किया जाएगा कि जब वह पूर्णतः फूला हुआ हो और कनोपी के मध्यसे ऊर रहने हुए तैर रहा हो तो वह समुद्रीमार्ग में स्थायी हो।

(2) उत्कमित अवस्था में रक्षा बेड़े का स्थायित्व इस प्रकार को होगा कि केवल एक व्यक्ति, जांत समुद्री मार्ग में इसे सीधा कर सके।

(3) रक्षा बेड़े के उपस्कर तथा संपूर्ण पूरक व्यक्तियों द्वारा भारित होने पर उसका स्थायित्व इस प्रकार का होगा कि इसे जांत जल में 3 नाट की आम से अनुकरित किया जा सके।

6. फुल्लनीय रक्षा बेड़े की सज्जाएँ :

(1) रक्षा बेड़े के संलग्नक साधनों महित, पेंटर तंत्र की भंजन सामर्थ्य भाग 1 के पैरा 6 के द्वारा अपेक्षित दुर्बल बंधों को छोड़कर, 9 या अधिक अनुमत आवासित व्यक्तियों के लिए 10.0 किमी न्यूटन तथा अन्य रक्षा बेड़े के लिए यह भंजन सामर्थ्य 7.5 किमी न्यूटन से कम नहीं होगी। रक्षा बेड़े को केवल एक व्यक्ति द्वारा फुलाया जा सकेगा।

(2) एक हृस्त नियंत्रित दीप, रक्षा बेड़े की कनोपी के शीर्ष पर लगाया जाएगा जो स्वच्छ वायुमंडल में अंद्रेरी रात में कम से कम 2 मील की दूरी से और कम से कम 12 घंटे तक दिखाई देगा। यदि यह प्रकाश स्फुर प्रकार का है तो स्फुरण दर, 12 घंटे की प्रचालय अवधि के प्रथम दो घंटों में कम से कम 50 स्फुर प्रति मिनट होगी। यह दीप समुद्र अक्रियित सेल या शक्ति रासायनिक तेल द्वारा शक्ति चालित होगा और रक्षा बेड़े के फूल जाने पर स्वतः प्रकाशित हो जाएगा। यह सेल इस प्रकार का होगा जो भरित रक्षा बेड़े में नमी या श्रावैता के कारण बराबर नहीं होगा।

(4) रक्षा बेड़े के अंदर एक हृस्त नियंत्रित दीप लगाया जाएगा जो कम से कम 12 घंटे तक लगातार प्रचालन कर सकेगा। रक्षा बेड़े के फूल जाने पर यह दीप स्वतः प्रकाशित हो जाएगा और उपस्कर निर्वेशों को पढ़ा जा सके।

7. फुल्लनीय रक्षा बेड़ों के लिए पात्र :

(1) रक्षा बेड़ा इस प्रकार के पात्र में पैक किया जाएगा जो :

(क) इस प्रकार संतर्भित होगा जो समुद्री अवस्थाओं से उत्पन्न कठोर निर्वर्षणों को सह सके।

(ख) पर्याप्त नैंज उत्पादकता का होगा जो रक्षा बेड़े और उसके उपस्कर के साथ पैक किए जाने पर अंदर से ही पेंटर को खोंच सके और यदि पोत छूब जाए तो फुल्लनीय-यन्त्रावली प्रचालित हो जाए।

(ग) पात्र के पैदे में अपवाह छिप्पों को छोड़कर यह यथा संभव जनरल्ड हो,

(2) रक्षा बेड़े को पात्र में इस प्रकार पैक किया जाएगा कि पात्र से अलग होने के बाद, जलविहित रक्षा बेड़ा सीधी स्थिति में स्वतः फूल जाए,

- (3) पात्र में निम्नलिखित घंकन होंगे :—
 (क) निर्माता का नाम या व्यापार चिन्ह,
 (ख) क्रमांक
 (ग) अनुमोदित प्राविकरण का नाम और वहीय अनुमति व्यक्तियों की संख्या,
 (घ) सॉलस
 (ङ) परिवेश आपात टैक का प्रृष्ठ
 (च) अंतिम सेवा की तिथि
 (छ) पेंटर की लंबाई
 (ज) जल रेखा के ऊपर भरण की अधिकतम अनुमति कंचाई (पात्र परीक्षण लंबाई तथा पेंटर की लंबाई पर निर्भर)

8. फुल्लनीय रक्षा बेड़ों पर घंकन :

- रक्षा बेड़े पर निम्नलिखित घंकन होंगे :—
 (क) निर्माता का नाम या व्यापार चिन्ह
 (ख) क्रमांक
 (ग) विनिर्माण तिथि (मास तथा वर्ष)
 (घ) अनुमोदन प्राधिकरण का नाम
 (ङ) सेवा केन्द्र का नाम तथा स्थान जहाँ उसकी अंतिम सेवा हुई हो,
 (च) प्रत्येक प्रवेश द्वार पर अनुमति आवासित व्यक्तियों की संख्या, जो रक्षा बेड़े के विपर्यसि रेंग द्वारा कम से कम 100 मिमी ऊंचे अक्षरों में लिखी जाएंगी,

9. डेविट प्रमोचित फुल्लनीय रक्षा बेड़े.

(1) उपर्युक्त आपेक्षाओं के अनुपालन के साथ-साथ, अनुमोदित प्रमोचन साधिक के साथ प्रयोग के लिए रक्षा बेड़ा, निम्नलिखित का बहन करेगा, जब वह उत्थापन हुक या नियंत्रण के द्वारा नियंत्रित हो :—

क. अपने उपस्कर और संपूर्ण पूरक व्यक्तियों के ब्रह्म-मान का चार गुना प्रथमान, जबकि परिवेशताप तथा स्थायी-कृत रक्षा बेड़ा पात 20±30°C हो और सभी मोचन बाल्ब प्रचालन न कर रहे हों, तथा

ख. अपने उपस्कर द्वारा संपूर्ण पूरक व्यक्तियों के ब्रह्म-मान का 1.1 गुना द्वितीयमान जबकि परिवेश ताप और स्थायीकृत रक्षा बेड़ा ताप पर -30° हो और सभी मोचन बाल्ब प्रचालन कर रहे हों,

(2) प्रमोचन साधिक द्वारा प्रमोचित किए जाने वाले रक्षाबेड़ों के पात्र इस प्रकार रक्षित किए जाएंगे कि फुल्लन के दौरान या फुल्लन के बाव तथा निहित रक्षाबेड़े के प्रमोचन के बाव पात्र या उसके भागों को समुद्र में गिरने से रोका जा सके।

10. फुल्लनीय रक्षाबेड़ों के लिए अतिरिक्त उपस्कर

भाग 1 के पैरा 5 द्वारा अपेक्षित उपस्कर के अतिरिक्त प्रत्येक फुल्लनीय रक्षा बेड़े में निम्नलिखित प्रावधान होगा :

क. उत्पावक कम्बों के पंचरों की मरम्मत के लिए एक मरम्मत उपकरण

ख. एक पूर्ण भरण पम्प या धौकनी,

भाग III

दृढ़ रक्षा बेड़े

1. सामान्य :

दृढ़ रक्षा बेड़ा भाग 1 की आपेक्षाओं के साथ-साथ इस भाग की आपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगा।

2. दृढ़ रक्षा बेड़ों का संनिर्माण :

(1) रक्षा बेड़े की परिधि के यथासंभव समीप, अनुमोदित नैजतः उत्पावक सामग्री रखकर रक्षाबेड़े में उत्पावकता उपलब्ध कराई जाएगी। उत्पावकी सामग्री अग्नि अवमंदक होगी या वह अग्नि अवमंदक आवरण द्वारा रक्षित होगी।

(2) रक्षा बेड़े का फर्श जल के अंतः प्रवेश को रोकेगा और जल के बाहर आशासित व्यक्तियों के लिए सहायक होगा तथा उन्हें ठंड से उपारोधित करेगा।

3. दृढ़ रक्षाबेड़ों की बहन क्षमता :

रक्षा बेड़े में अनुमति आवासित व्यक्तियों की संख्या निम्नलिखित के बराबर या उससे कम होगी :

क. उत्पावक सामग्री के घनमीटरों में भापित आयतन को विप्रिष्ठि गुरुत्व व्यवकलित घटक द्वारा गुणाकर तथा 0.096 से भाग देने पर प्राप्त अधिकतम पूर्ण संख्या, अथवा

ख. वर्गमीटरों में भापित रक्षाबेड़े के फर्श के क्षेत्रफल को 0.372 से भाग देने पर प्राप्त अधिकतम पूर्ण संख्या, अथवा

ग. रक्षा जैकिट धरण किए और 75 किग्रा, औसत भार के ऐसे व्यक्तियों की संख्या, जो रक्षा बेड़े के प्रवासन में बाधा आने बिना पर्याप्त शिर-स्थान के साथ आराम से बैठ सकते हों,

4. दृढ़ रक्षा बेड़ों तक पहुंच :

(1) कम से कम एक प्रवेश द्वार में एक दृढ़ आरोहण रैम्प लगा होगा ताकि ध्यक्ति समुद्र से रक्षा बेड़े पर चढ़ सके। एक से अधिक प्रवेश द्वार वाले डेविट प्रमोचित रक्षा बेड़े में आरोहण रैम्प वातिंग तथा पोतारोहण सुविधाओं के सम्मुख लगाया जाएगा।

(2) जिन प्रवेश द्वारों में आरोहण रैम्प नहीं है उनमें आरोहणनसेनी लगाई जाएगी जिसकी सबसे निचली सीढ़ी, रक्षाबेड़ा हूल्की जलरेखा से 0.4 मीटर से अधिक नीचे स्थित नहीं होगी।

(3) रक्षाबेड़े के अंदर ऐसे साधन उपलब्ध होंगे जो व्यक्तियों को नसेनी से रक्षा बेड़े के अंदर छोंचने में सहायक हों।
5. दृढ़ रक्षा बेड़ों का स्थायित्व :

(1) बगते कि रक्षा बेड़ा सुरक्षित रूप से प्रचालन में समर्थ है, चाहे वह किसी भी प्रकार तैर रहा हो, उसका सामर्थ्य और स्थायित्व इस प्रकार का होगा कि यह या तो स्वतः सीधा हो जाए अथवा समुद्री मार्ग में और शांत जल में केवल एक व्यक्ति द्वारा सीधा किया जा सके।

(2) रक्षा बेड़े के उपस्कर तथा सम्पूर्ण पूरक व्यक्तियों द्वारा भारित होने पर उसका स्थायित्व इस प्रकार का होगा कि इसे शांत जल में 3 नाट की चाल से अनुरूपित किया जा सके।

6. दृढ़ रक्षा बेड़े की सज्जाएँ :

(1) रक्षा बेड़े में एक बड़ा पेंटर लगा होगा। रक्षा बेड़े के संलग्नकों सहित पेंटर तंक की भंजन सामर्थ्य, दुर्बल बन्धों को छोड़कर, 9 या अधिक अनुमत आवासित व्यक्तियों 10 किलो न्यूटन तथा अन्य रक्षा बेड़े के लिए यह भंजन सामर्थ्य 9.5 किलो न्यूटन से कम नहीं होगी।

(2) एक हस्त नियंत्रित बीप, रक्षा बेड़े की कैनोपी के शीर्ष पर लगाया जाएगा जो स्थिर बायूमेडल में अधंगी रात में कम से कम 2 मील की दूरी से और कम से कम 12 घंटे तक दिखाई देगा। यदि यह प्रकाश स्फुर प्रकार का है तो स्फुरण दर 12 घंटे की प्रचालन अवधि के प्रथम दो घंटे में कम से कम 50 स्फुर प्रति मिनट होगा। यह बीप समुद्र सक्रियता सेल या शुष्क रासायनिक सेल द्वारा शक्ति आतित होगा और रक्षा बेड़े की कैनोपी को अपने स्थान पर स्थित करने के बाद स्वतः प्रकाशित हो जाएगा। यह सेल इस प्रकार का होगा जो भरित रक्षा बेड़े में नहीं या प्रादृश्य के कारण खराब नहीं होगा।

(3) रक्षा बेड़े के अंदर एक हस्त नियंत्रित बीप लगाया जाएगा जो कम से कम 12 घंटे तक लगातार प्रचालन कर सकेगा। कैनोपी के अपने स्थान पर स्थित हो जाने पर यह बीप स्वतः प्रकाशित हो जाएगा और इसकी तीव्रता पर्याप्त होती ताकि उत्तरजीवी और उपस्कर निर्देशों का पड़ा जा सके।

7. दृढ़ रक्षा बेड़ों पर अंकन :

रक्षाबेड़े पर निम्नलिखित अंकन होंगे

- क. पोत के पंजीकरण पत्तन का नाम, जहां का वह है,
- ख. निर्माता का नाम या व्यापार चिह्न,
- ग. क्रमांक,
- घ. प्रत्येक प्रवेश द्वार पर अनुमत आवासित व्यक्तियों की संज्ञा जो रक्षा बेड़े के विपर्यसि रूप द्वारा कम से कम 100 मिली ऊंचे अक्षरों में लिखी जाएगी,
- इ. "सौलस"
- ज. परिवद्ध आपात पैक का प्रलेप,

छ. जलरेखा के ऊपर अधिकतम अनुमेय भरण ऊंचाई (पोत परीक्षण ऊंचाई)

ज. पेंटर की लम्बाई

झ. प्रमोचन निर्देश

8. डेविट-प्रमोचित दृढ़ रक्षा बेड़े :

अनुमोदित प्रमोचन साधित के साथ प्रयोग के लिए दृढ़ रक्षा बेड़ा उपर्युक्त अवैधार्यों के अतिरिक्त, अपने उपस्कर और सम्पूर्ण पूरक व्यक्तियों के द्रव्यमान के बारे गुने द्रव्यमान का बहन कर सकेगा जब इसे उत्थापन हुक या नियंत्रण द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

भाग IV

रक्षा बेड़ों, फुल्लनीय रक्षा जैकिटों तथा बचाव नौकाओं की सेवा

1. फुल्लनीय रक्षाबेड़ों, फुल्लनीय रक्षा जैकिटों तथा फुल्लित बचाव नौकाओं की सेवा निम्न प्रकार से की जाएगी :—

(क) अधिक से अधिक 12 महीनों की अवधि के अंदर हालांकि, जहां केन्द्रीय सरकार को उचित और तर्क संगत प्रतीत हो वहां यह अवधि 17 महीनों तक बढ़ाई जा सकती है,

(ख) अनुमोदित सेवा केन्द्र पर जो इनकी सेवा करने में सक्षम हो, उचित सेवा सुविधाएँ, अतिरिक्त पुरजे और केवल सुशिक्षित कार्मिक उपलब्ध हों,

(2) फुल्लनीय बचाव नौकाओं की सभी मरम्मत तथा रखारखाव, विनिमयात्मक निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। आपात मरम्मत, पोत के बोई पर की जा सकती है परन्तु स्थायी मरम्मत किसी अनुमोदित सेवा केन्द्र पर की जानी चाहिए।

पांचवीं अनुसूची

[देखिए नियम 2(प)]

बचाव नौकाएँ

1. सामान्य अपेक्षाएँ :

(1) जैसा इस अनुसूची में उपलब्धित है उसके सिवाय सभी रक्षा नौकाएँ पैरा 1 से पैरा 7(4) की अपेक्षाओं, घोनों सहित, और चौथी अनुसूची के भाग 1 के पैरा 7(6), 7(7), 7(9), 7(12) तथा पैरा 9 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी।

(2) बचाव नौकाएँ दृढ़ अथवा फुल्लित संसिर्माण अथवा संयुक्त प्रकार की हो सकती है और,

(क) इनकी लम्बाई कम से कम 3.8 मी. तथा अधिक से अधिक 8.5 मी. होगी,

(ख) इनमें पांच व्यक्तियों के बैठने और एक व्यक्ति के लेटने का स्थान होगा,

(3) दृढ़ तथा फुसिल संयुक्त संनिर्माण की बचाव नौकाएँ केन्द्रीय सरकार की संतुष्टि के प्रत्यासार इस अनुसूची की उपयुक्त अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी।

(4) जब तक कि बचाव नौका में पर्याप्त अंशुक नहीं है, इसमें एक धनु आवरण उपलब्ध होगा जो उसकी कम से कम 15 प्रतिशत संबाई तक विस्तृत रहेगा।

(5) बचाव नौकाएँ 6 घाट तक की चाल तक युक्ति चालन में समर्थ होंगी और इस चाल को कम से कम चार घंटे तक बनाए रख सकेगी।

(6) समुद्री मार्ग में बचाव नौकाओं की पर्याप्त भूति शीलता तथा युक्ति चालनीयता रहेंगी ताकि व्यक्तियों को जल से बचाया जा सके, रक्षाबंडों को सुधार्वस्थित प्रकार से ले जाया जा सके और पोत पर वहीनीय विशालतम रक्षा बेड़े को कम से कम 2 घाट की चाल से अनुर्ध्वित किया जा सके जब कि वह उपस्कर और सम्पूर्ण पूरक व्यक्तियों या उनके सुल्य के द्वारा पारित हो।

(7) बचाव नौका में एक भीतरी ईंजन या बाहरी मोटर लगा होगा। यदि इसमें बाहरी मोटर लगा हो तो रडर और टिलर, ईंजन के भाग होंगे। तीसरी अनुसूची के भाग 1 के पैरा 6 की अपेक्षाओं के होते हुए भी अनुमोदित ईंधन तंत्र के साथ पैट्रोल चालित बाहरी ईंजन रक्षा नौकाओं में लगाए जा सकते हैं। अपार्ट के ईंधन टेंक, अग्नि या विस्कोट से विशेष रूप से रक्षित हों।

(8) बचाव नौकाओं में अनुकरण व्यवस्था स्थायी रूप से लगाई जाएगी जो इस पैरा के उपचंड 6 द्वारा अपेक्षित रक्षा बेड़ों को व्यवस्थित रूप से अनुकरण के लिए पर्याप्त संग्रहत होगी।

(9) बचाव नौकाओं में उपस्कर के छोटे मदों के लिए मौसम रुद्ध भरण लगाए जायेंगे।

2. बचाव नौका उपस्कर :

(1) नौका हुकों को छोड़कर बचाव नौका उपस्कर के सभी मद बचाव कार्य के लिए मुक्त रखे जायेंगे और ये बचाव नौका में बंधनों, लाकरों या कक्षों में भरण, बैंकिटों या समान स्थापन व्यवस्थाओं में भरण या अन्य उपयुक्त साधनों द्वारा सुरक्षित रखे जायेंगे। उपस्कर इस प्रकार सुरक्षित रखा जाएगा कि वह किसी भी प्रमोजन या पुनः प्राप्ति प्रक्रिया में बाधा न डाले। बचाव नौका उपस्कर के सभी मद यथा संभव छोटे तथा कम ग्राह्यमान के होंगे और इन्हें उपयुक्त तथा सुरक्षित रूप से पैक किया जाएगा।

(2) प्रत्येक बचाव नौका के सामान्य उपस्कर में निम्नलिखित होगा:

(क) पर्याप्त उत्पालक चप्पू या पैडिल ताकि वह शोत समुद्र में गमन कर सके। प्रत्येक चप्पू के लिए चप्पू टेक पिन, कच्ची या तुल्य व्यवस्था की जाएगी। चप्पूटेक पिन या कच्ची नौका के साथ ढोरी या जंजीरों द्वारा बांधे जायेंगे,

(ख) एक उत्पाली प्लूटक

(ग) एक दक्ष दिससुचक युक्त एक बिनाकेल, जो दीप हो या उसमें प्रकाश की उपयुक्त व्यवस्था हो,

(घ) एक समुद्री लंगर तथा पर्याप्त सामर्थ्य वाली हाजर सहित विमोजन रेखा, जिसकी लंबाई कम से कम 10 मीटर हो,

(ङ) मोजन युक्ति के साथ संलग्न पर्याप्त लंबाई और सामर्थ्य का एक पेंटर, जो सीसरी अनुसूची के भाग 1 के पैरा 7 के उपपैरा (7) की अपेक्षाओं का अनुपालन करे और जो बचाव नौका के अग्रिम सिरे पर स्थित हो,

(च) इस अनुसूची के पैरा 1 के उपपैरा (6) द्वारा अपेक्षित पर्याप्त सामर्थ्य की ओर कम से कम 50 मीटर लम्बी एक उत्पाली रेखा जोंक्या बेहे का अनुकरण कर सके,

(छ) मोर्स सिगनल के लिए उपयुक्त जलसह पानी में एक जल सह विशृत टार्च तथा साथ में बैटरियों का एक अतिरिक्त सेट और एक अतिरिक्त बल्य,

(ज) एक सीटी या तुल्य ध्वनि सिगनल,

(झ) एक जल सह आवश्यक में एक अनुमोदित प्रथमो-पकार सज्जा जिसे उपयोग के बाद कस कर बंद किया जा सके,

(ञ) दो उत्पाली बचाव घकतियां जो कम से कम 30 मीटर उत्पाली रेखा से संलग्न हों,

(ट) एक ऐसा अन्वेषी दीप जो रात में 18 मीटर चौड़ाई की हड्डे रंग की बस्तु को 180 मीटर की दूरी से कुल 6 घंटे तक प्रभावी रूप से प्रकाशित कर सके तथा जो लगातार कम से कम 3 घंटे तक कार्य करने में समर्थ हो,

(ठ) एक दक्ष रेडार परावर्तक,

(ड) अनुमोदित ताप संरक्षी साधन जो बचाव नौका में अनुमत आवासित 10 प्रतिशत व्यक्तियों के लिए दूसरी सूची के भाग 5 की अपेक्षाओं का अनुपालन करें, इनकी संख्या कम से कम यो होनी चाहिए।

(3) इस भाग के पैरा 2 के खण्ड 2 द्वारा अपेक्षित उपस्कर के अतिरिक्त, प्रत्येक बुँद बचाव नौका में निम्नलिखित सामान्य उपस्कर सम्मिलित होगा,

(क) एक नौका हुक,

(ख) एक बाल्टी,

(ग) एक चाकू या कुलहड़ी,

(4) इस भाग के खण्ड 2 द्वारा अपेक्षित उपस्कर के अतिरिक्त, प्रत्येक फुलिलत बचाव नौका में निम्नलिखित वस्तुएं भी होगी:—

(क) एक उत्प्लावी सुरक्षा चाकू,

(ख) दो स्पंज

(ग) एक दक्ष हस्तचालित धौंकनी या पम्प,

(घ) पचरों की मरम्मत के लिए उपयुक्त पात्र में मरम्मत किट,

(ङ) एक सुरक्षा नौका हुक,

3. फुलिलत बचाव नौकाओं के लिए अतिरिक्त अपेक्षाएँ:—

(1) चौथी, अनुसूची के भाग 1 के पैरा 1.3 तथा 1.5 की अपेक्षाएं फुलिलत बचाव नौकाओं पर लागू नहीं होगी,

(2) फुलिलत बचाव नौका इस प्रकार संनिर्मित की जाएगी कि अपने नियन्त्रण या उत्थापन हुक द्वारा निलंबित किए जाने पर,

(क) उसमें पर्याप्त सामर्थ्य एवं दृढ़ता रहे ताकि उपस्कर तथा संपूर्ण पूरक व्यक्तियों के साथ उसे कुकाया और उसकी पुनः प्राप्ति की जा सके,

(ख) उसकी सामर्थ्य इतनी पर्याप्त हो कि वह परिवेश ताप $20^{\circ} + 3^{\circ}\text{C}$ पर अपने उपस्कर तथा संपूर्ण पूरक व्यक्तियों के द्रव्यमान के 4 गुने भार को सह सके जबकि सभी मोचन बाल्ब प्रचालन न कर रहे हों,

(ग) उसकी सामर्थ्य इतनी पर्याप्त हो कि वह परिवेश ताप -30°C पर अपने उपस्कर तथा संपूर्ण पूरक व्यक्तियों के द्रव्यमान का 1.1 गुने भार को सह सके जबकि सभी मोचन बाल्ब प्रचालन कर रहे हों,

(3) फुलिलत बचाव नौकाएं इस प्रकार संनिर्मित की जाएंगी जो आहुरी मौसम को सह सकने में समर्थ हों,

(क) जब उनका समुद्र में पोत के खुले ईंक पर भरण किया जा रहा हो,

(ख) सभी समुद्री परिस्थितियों में 30 दिन तक तैर सके,

(4) तीसरी अनुसूची के भाग 1 के पैरा 9 की अपेक्षाओं के अनुपालन के साथ-साथ, फुलिलत बचाव नौकाओं पर क्रमांक, निर्माता का नाम या

(5) फुलिलत बचाव नौका में उत्प्लावकता या तो एकल नली को लगाग़ या समान आधारन वे बाम से कम पांच अलग कक्षों में उपविभाजित कर गया ऐसी यो पुरुष व्यक्तियों द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी जिनमें से किसी का आयतन, कुल आयतन के 60 प्रतिशत से अधिक न हो।

उत्प्लावक-नलियाँ इस प्रकार व्यवस्थित की जाएगी कि किसी भी एक कक्ष के क्षतिग्रस्त होने पर, अक्षत कक्ष बचाव नौका में अनुमत आवासित व्यक्तियों का बहन कर सके जब कि प्रत्येक व्यक्ति का द्रव्यमान 75 किग्रा हो तथा बचाव नौका की सम्पूर्ण परिविधि के ऊपर घनात्मक शीर्षांतर के साथ वे अपनी सामान्य स्थिति में बैठे हों।

(6) वे उत्प्लावक नलियाँ जो फुलिलत बचाव नौका की परिसीमा का भाग हैं, फुलिलत पर बचाव नौका में अनुमत आवासित प्रत्येक व्यक्ति के लिए कम से कम 0.17 घनमीटर आयतन उपलब्ध करेंगी।

(7) प्रत्येक उत्प्लावक कक्ष में हस्तचालित फैलन और अवफुलिलन के साधन के रूप में एक अप्रत्यामासी बाल्ब लगा होगा। एक सुरक्षा मोचन बाल्ब भी लगाया जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट न हो कि इस प्रकार का साधित्र अनावश्यक है।

(8) तले के नीचे तथा फुलिलत बचाव नौका के बाह्य असुरक्षित स्थानों पर केन्द्रीय सरकार की संतुष्टि के अनुसार निर्णय पट्टियाँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

(9) जहाँ आठ शहतीर लगाया गया हो वहाँ वह बचाव नौका की सम्पूर्ण लम्बाई 20 प्रतिशत से अधिक अंतर्निर्विष्ट नहीं होगा।

(10) पेन्टरों को आगे तथा पीछे तथा नौका के अंदर तथा बाहर बंधी प्राणरक्षक रस्तियों के रक्षण के लिए उपयुक्त खण्ड उपलब्ध कराए जाएंगे।

(11) फुलिलत बचाव नौका हर समय पूर्णतः फुलिलत गवास्था में रखी जाएगी।

छठी अनुसूची

[देविए नियम 2 (फ)]

पञ्चपरावर्ती सामग्री

1. सामान्य

(1) पञ्चपरावर्ती सामग्री ऐसी सामग्री है जो उस पर दिष्ट प्रकाश-पूँज को विस्तृत विश्वा में परावर्तित करती है। इस प्रकार की सामग्री पर्याप्त नहीं होनी चाहिए ताकि इसे विभिन्न आकारों के साथ संलग्न किया जा सके और यह ऐसे परीक्षणों को भी सह सके जिनका इससे संलग्न उपस्कर पर सम्प्रक्ष किया जाना आवश्यक है। हालांकि सामग्री की परावर्तिता के लिए कोई विशिष्ट प्राचल विनिर्दिष्ट नहीं है, फिर भी यह सिफारिश दी जाती है कि प्रयुक्त प्रत्येक सामग्री पर्याप्त प्रकाश परावर्तित करे जब उस पर एक हजार मीटर की भूरी से अन्वेषी दीप की स्थिति से बृश्य होनी चाहिए जैसा कि तीसरी अनुसूची के भाग 1 के पैरा 8 के खण्ड (कग) में विनिर्दिष्ट है।

(2) सामान्यतः पञ्चपरावर्ती सामग्री, नियम 5 के उपनियम (2) की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी।

(3) पश्चपरावर्ती सामग्री प्राण रक्षा साधिकारों के साथ संलग्न की जाएगी जैसा कि इस अनुसूची के पैरा 2 में विविध किया गया है।

(4) प्रयोग किया जाने वाला पश्चपरावर्ती सामग्री का प्रस्तुप, यथासंभव इस प्रकार होगा जो एक परावर्ती रेडार परावर्तक का भी कार्य कर सके जैसे कि धातुपर्णी पृष्ठ युक्त प्रस्तुप।

2(1) रक्षा नौकाएँ

पश्चपरावर्ती टेप पेरेज के शीर्ष पर तथा नौका के बाहर पेरेज के यथासंभव समीप लगाए जाएंगे। ये टेप पर्याप्त चौड़े तथा लंबे होंगे और इनके मध्य उपयुक्त अंतराल होगा। यदि कैनोपी लगाई जाती है तो ऐसे नौका के बाहर लगे टैपों को छक्का नहीं आहिए तथा कैनोपी के शीर्ष पर पश्चपरावर्ती टेप लगाए जाएंगे जो ऊपर बताए गए टैपों के सवृश, परंतु इसका आकार तिर्यक के रूप का होगा और इनके मध्य उपयुक्त अंतराल होगा।

(2) रक्षा बेड़े

बेड़े की कैनोपी के चारों ओर पश्चपरावर्ती टेप उपयुक्त अंतरालों पर और जलंरेखा के ऊपर उपयुक्त ऊंचाई पर लगाए जाएंगे। फुल्लनीय रक्षाबेड़ों पर फर्श पर नीचे की ओर चार पश्चपरावर्ती टेप भी लगाए जाएंगे (रक्षाबेड़ों के तलों के बाहरी किनारों के चारों ओर समान अंतराल पर चार टेप लगाए जाएंगे)। ये टेप पर्याप्त चौड़े तथा लंबे होंगे। कैनोपी के शीर्ष पर ऐसे दो टैपों का तिर्यक आकार का उपयुक्त अंकन भी लगाया जाएगा।

(3) रक्षा बोया

बोया के दोनों ओर या उसके चारों ओर चार समान अंतराल बिन्दुओं पर पर्याप्त चौड़ाई के पश्चपरावर्ती टेप लगाए जाएंगे।

(4) रक्षा जैकिट

जब तक उसकी आवरण सामग्री पश्चपरावर्ती न हो, रक्षा जैकिट भें पर्याप्त चौड़े भी लम्बे पश्चपरावर्तीटेप लगाए जाएंगे। ये टेप जैकिट के बाहर कम से कम छः स्थानों पर तथा यथासंभव ऊंचाई पर लगाए जाएंगे और रक्षा जैकिट के अंदर भी कम से कम उतने ही स्थानों पर ये टेप लगाए जाएंगे।

सातवीं अनुसूची

[मिमम् 6 तथा 30 (2)(3) 36(9): 39(4) और (5) 42(1)(क) और (ख) 43(क) और (ख) तथा तीसरा अनुसूची के भाग 2 का पैरा 8 देखिए]

रेडियो टेलीग्राफ उपस्कर

भाग I

1 सामान्य

(1) रक्षानौकाओं में रेडियो टेलीग्राफ उपस्कर के अंतर्गत एक रेडियो टेलीग्राफ और एक रेडियो टेलीफोन प्रेषित तथा

अभिग्राही, एक ऐन्टेना तथा भूसंपर्क तंत्र ऊर्जा स्रोत तथा अधिष्ठापन के प्रचालन के लिए अन्य आवश्यक उपस्कर सम्मिलित है।

2. रेडियो टेलीग्राफ उपस्कर इस प्रकार संर्निमित किया जाएगा कि—

(1) कोई अकृशम व्यक्ति पैरा 5 में उल्लेखित सिगनलों को आसानी से प्रेषित कर सके।

(2) ऐसे सभी नियंत्रणों का प्रजोगन स्पष्टतः तथा स्थाई रूप से निर्दिष्ट किया जाएगा जो उपर्युक्त संकेतों के प्रेषण में प्रयुक्त नहीं होते।

(3) रेडियो टेलीग्राफ उपस्कर तथा विनिर्दिष्ट आवृत्तियों के प्रचालन संबंधी सरल निर्देश स्पष्ट तथा स्थाई रूप से उपस्कर पर या उसके समीप लगाए जाएंगे।

(4) सभी नियंत्रणों का आमाप इस प्रकार का होगा कि उनका सामान्य संदेशों मोटे बस्ताने पहने व्यक्ति द्वारा किया जा सके और विशेष रूप से सभी दूरनिया नौकों का अंतर 5 सेमी. से कम नहीं होगा।

(5) हस्तचालित रेडियो टेलीग्राफ प्रेषण के लिए अनुमोदित अभिकल्प की एक भीर्स कुंजी किसी अनुमोदित स्थिति में लगाई जाएगी।

(6) प्रेषण से अभिग्रहण में और अभिग्रहण से प्रेषण में परिवर्तन, जिसमें ऐन्टेना संबंधितों का स्वचालित परिवर्तन भी सम्मिलित है, केवल एक स्वच द्वारा संभव होगा।

(7) उपस्कर को रक्षानौका से आसानी से हटाया जा सकेगा।

(8) नियंत्रण पैनलों और प्रचालन निर्देशों को प्रकाशित करने के लिए जल सह आवरक के साथ 3 बाट से 15 बाट शक्ति के विशुद्ध लैम्प का प्रावधान किया जाएगा।

(9) पोत के मेन्स से संयोजि एक विशुद्ध तापत इस आवरक के आंतरिक भाग को परिवेश ताप से 10°C से अधिक ताप पर बनाए रखेगा जिसमें उपस्कर अधिष्ठापित है। तापक इस प्रकार आरोपित किया जाएगा कि नियंत्रणों या उपस्कर के आवरकों को अपनी स्थिति में रुद्ध होने की आशंका को कम किया जा सके परन्तु साथ ही अधिष्ठापन का कोई भी भाग अस्तित्व न होने पाए।

(10) ऐन्टेना और उसके टर्मिनल को छोड़कर सभी ऐसे भाग परिवर्त्त दिए जाएंगे जो भू-विभव पर नहीं हैं।

(11) ऐन्टेना टर्मिनल से आकस्मिक संस्पर्श होने के प्रति सावधानी रखी जाएगी।

(12) रक्षानौका के इंजन के घालू रहते और जाहे बैटरियों आवेदित हों थे। न हो, इस भाग में विनिर्दिष्ट निष्पादन अपेक्षाओं का अनुपालन किया जाएगा।

3. ऐन्टेना तथा भूसंपर्क तंत्र

(1) रेडियो टेलीग्राफ उपकरण में निम्नलिखित सम्मिलित होगा:—

(क) उच्च चालकता मानक का एक एकल तार ऐन्टेना या गुप्ति तार, जिसे जलरेखा से 6.7 मीटर अधिकतम ऊँचाई पर, शीर्ष प्रस्तुतों का प्रयोग किए बिना रक्षानीका मस्तूल द्वारा आलंबित किया जा सके। साथ ही काईट या बैलून द्वारा भी एक ऐन्टेना आलंबित किया जाना चाहिए, तथा

(ख) एक भूसंपर्क तंत्र जो सम्पूर्ण एक ही मामगी से निर्मित होना चाहिए जिसमें कम से कम नीन स्वतंत्र बोल्ट युक्त संपर्क हों—

(i) धातुरक्षा नीका में पोतखोल तक,

(ii) कम से कम 0.55 वर्ग मीटर धोकफल की एक अनावृत्त ताम्र प्लेट तक जो काष्ठ या फाईबर ग्लास की बनी हो तथा रक्षानीका की जलरेखा के नीचे पोततोल के साथ जड़ी हो।

(2) ऐन्टेना तंत्र मात्रिकतः सुदृढ़ होगा।

(3) ऐन्टेना - हास को न्यूनतम करने के लिए सभी व्यावहारिक उपाय किए जाएँ।

(4) ऐन्टेना के ऐसे सभी भाग जो रक्षानीका के आवासिक व्यक्तियों के समर्क में आ सकते हों, वियुतरोधित किए जाएँ।

4 ऊर्जा के स्रोत

(1) रेडियो टेलीग्राफ उपकरण में एक 24 बोल्ट की बैटरी होगी। जिसमें संचायक होंगे और जिसकी क्षमता अभिग्राही को दो धंटे तक तथा पूर्ण शक्ति अवस्थाओं में प्रेषित की जार धंटे तक चलाने के लिए पर्याप्त होगी?

(2) यदि अन्येषी दीप का प्रचालन भी इस बैटरी से श्रान्तित हो तो इसकी क्षमता उपर्या (1) में उल्लेखित क्षमता से कम से कम 30 ऐम्पियर धंटा अधिक होगी।

(3) इस बैटरी को निम्नप्रकार पूर्णतः पुनः आवेशित किया जा सकेगा:—

(क) रक्षानीका इंजन की सम्पूर्ण सामान्य चाल परासों के साथ कार्य करने वाले डायनेमो द्वारा अधिक से अधिक 20 धंटों में यदि बैटरी को उस समय प्रयोग में न लाया जा रहा हो, तथा

(ख) रक्षानीका से इसे अलग किए बिना पोत के मुख्य विद्युत ध्रोत द्वारा।

(4) अपनी सामान्य स्थिति से 60° के कोण पर किसी भी दिशा में नट होने पर बैटरी नहीं छलकेगी।

(5) जब प्रेषित और अभिग्राही बंद कर दिए जाएं तो बैटरी को शेष उपकरण से विद्युत विलीगत किया जा सकेगा।

(6) यदि कम्पिन-शक्ति-एकक का प्रयोग किया गया हो तो निचित कम्पिन उपलब्ध कराया जाएगा जो अतरण स्विच द्वारा इस प्रकार नियंत्रित किया जाएगा कि इसे तरकाल परिपथ में डाला जा सके।

5. प्रेषित

(1) रेडियो टेलीग्राफ उपकरण में एक प्रेषित होगा जो निम्नलिखित कार्य करने में समर्थ होगा:

(क) 500 के एच जैड तथा 8364 के एच जैड आवृत्तियों पर ए 2 तथा ए 2 एच वर्ग के उत्पर्जनों तथा 2182 के एच जैड आवृत्ति पर वर्ग ए 3 तथा ए 3 एच वर्ग के उत्पर्जनों का प्रेषण जो लगाता परन्तु एक साथ नहीं होगे।

(i) बिना कांतिक त्विसे समंजन के कम से कम 25 बोंड तक की सभी चालों पर रेडियो टेलीग्राफ प्रयोग करते हुए स्वतंत्रता द्वारा, तथा

(ii) स्वतंत्रता कुंजीयन युक्ति द्वारा जो पैरा 5 की अपेक्षाओं का अनुपालन करें, तथा

(iii) प्रत्येक निन्नलिति सम्पूर्ण प्रेषण में बिना किसी नियंत्रण सांमंजन के एक आवृत्ति सहायता बनाए रखता;

(i) 500 के एच जैड की आवृत्ति पर धन या ऋण 0.5 प्रतिशत तथा

(ii) 8364 के एच जैड की आवृत्ति पर धन या ऋण 0.02 प्रतिशत तथा

(iii) 2182 के एच जैड की आवृत्ति पर धन या ऋण 0.02 प्रतिशत

ऐन्टेना या किसी अन्य प्रकार के भार के प्रतिबाधा विवरण जिससे यह संयोजित है, या संभरण बोल्टन के प्रतिबाधा-विवरणों के होते हुए भी धन या ऋण 10 प्रतिशत तथा

(2) जब ए 2 तथा ए 2 एच वर्ग के उत्पर्जन प्रेषित किए जा रहे हों तो वाहक-तरंग, 450 प्रतिशत माझुलन घर के बीच आवृत्ति की सम्निकट अप्यताकार तरंग द्वारा 100 प्रतिशत गहराई तक माझुलित की जाएगी।

(3) जब ए-3 तथा ए 3 एच वर्ग के उत्पर्जन प्रेषित किए जा रहे हों तो वाहक को बाक द्वारा पूर्णतः माझुलित करना संभव होगा।

(4) 2182 के एच जैड की आवृत्ति पर प्रेषण की सुविधा के लिए रेडियो टेलीफोन ग्राम में भिगनल उपकरण

करने के लिए एक युक्ति सम्मिलित की जाएगी परंतु रेडियो टेलीफोन अलार्म सेकेट की प्रवधि मृत्युप्रयंत्रण द्वारा नियंत्रित की जाएगी।

(5) प्रेषित की शक्ति :

(क) किसी अनुमोदित विधि द्वारा निर्धारित 15 मीटर ऐस्पियर से कम नहीं होगी,

(ख) 500 के एच जैड आवृति पर 50 वाट से कम नहीं होगी जब इसे कृत्रिम ऐन्टेना में मापा जाता है जिसमें 200 से 300 पाइकोफैरड के मध्य, किसी मान के संधारित्र के साथ श्रेणी में 30 ओम का अप्रेरिक प्रतिरोधक लगा होता है,

(ग) 8364 के एच जैड की आवृति पर 15 वाट से कम नहीं होगी जब इसे कृत्रिम ऐन्टेना में मापा जाता है जो पैरा 2 में विनिर्दिष्ट ऐन्टेना प्रतिबाधा का अनुकरण कर रहा हो,

(घ) 2182 के एच जैड की आवृति पर,

(i) 5 वाट से कम नहीं होगी जब इसे कृत्रिम ऐन्टेना ऐस्पियल के साथ मापा जाता है जिसमें 125 से 200 पाइकोफैरड के मध्य किसी मान के संधारित्र के साथ, श्रेणी में 15 ओम का अप्रेरिक प्रतिरोधक लगा होता है, तथा

(ii) 10 वाट जब इसे कृत्रिम ऐन्टेना के साथ मापा जाता है जिसमें 300 से 400 पाइकोफैरड के मध्य किसी मान के संधारित्र के साथ श्रेणी में 30 ओम का अप्रेरिक प्रतिरोध लगा होता है,

(6) प्रवित इस प्रकार अभिकल्पित तथा संनिर्मित किया जाएगा कि जब इसे अधिकतम शक्ति के लिए समंजित किया जाए और प्रेषण-कुंजी दबी हुई हो तो अधिष्ठापन के किसी भाग क्षतिग्रस्त हुए बिना ऐन्टेना विसंयोजित हो जाए या निर्गम, लघु परिपथित हो जाए।

(7) निम्नलिखित का प्रावधान होगा:—

(क) पूर्ण शक्ति पर परीक्षण के लिए एक कृत्रिम ऐन्टेना जिसमें रेडियो आवृत्ति धाराओं को दर्शाने के लिए एक सूचक या लैम्प भी सम्मिलित है, तथा

(ख) एक ऐन्टेना ऐमीटर तथा एक दृश्य सूचक, जो रेडियो आवृत्ति धाराओं के गगन को दर्शाए, इनमें से किसी भी एक की विफलता से ऐन्टेना परिपथ विसंयोजित नहीं होगा।

6. स्वचालित प्रेषण :

(1) रेडियो टेलीफोन उपस्कर के एक भाग के रूप में स्वचालित कुंजीयन के लिए एक युक्ति का प्रावधान होगा जिसे प्रेषित के साथ परिपथ में चालू करने पर वह मूलालिन रूप से निम्नलिखित कार्य करेगी:—

(क) उपर्ये (2) में विनिर्दिष्ट अलार्म सिग्नल का प्रेषण और तत्पद्धतात तस्काल कुंजीयन-परिपथ को बंद करने और खोलने का कार्य जब तक कि इसे पुनः सेट या पुनः बेस्टित न किया जाए, तथा

(ख) उपर्ये (3) में विनिर्दिष्ट संकट आहवान का इस प्रकार प्रेषण कि यदि युक्ति को बिना ध्यान के प्रयोग किया जाए तो, प्रत्येक 12 मिनट के बाद प्रेषण की पुनरावृत्ति होगी तथा

(2) ऐसे प्रेषण के बीच शांत-अंतराल में प्रेषित को विद्युत ऊर्जा संभरण का बंद किया जाना, जहां तक प्रेषित का रक्षण आवश्यक है वहां युक्ति को चालू करने के बाद विद्युत ऊर्जा के संभरण में विस्तृत करना।

(2) अलार्म सिग्नल में बारह, चार सेकंड डैश होंगे जो एक सेकंड-अंतराल द्वारा पृथक्ति होंगे, डैश और अंतरालों की लंबाई धन या अण 0.2 सेकंड-सम्मता में बनाए रखी जाएगी।

(3) संकट हाइवान में निम्नलिखित सिग्नल होंगे:—

(क) रेडियो टेलीफोन संकट सिग्नल 303 (3 बार),
(ख) शब्द शी ई के मोर्स संप्रतीक

(ग) रक्षानीका आहवान चिन्ह के लिए मोर्स संप्रतीक (3 बार) तथा

(घ) 10 से 15 सेकंड की अवधि के दो लम्बे डैस जो 0.5 तथा 1.5 सेकंड के मध्य अंतराल द्वारा पृथक्ति हों। संकट-आहवान की कुल अवधि 90 सेकंड से अधिक नहीं होगी।

(4) यह सुनिश्चित करने के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे कि जब संकट-सिग्नल भेजा जाए तो प्रेषण, स्वचालित-कुंजीयन-युक्ति के परिपथ में प्रवर्तित करने के 40 सेकंड के अंदर संकेत-प्रारंभन पर होना चाहिए।

(5) अभिग्राही, उपर्योगों 6 से 9 सहित की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा जब उसका निम्नलिखित विधि द्वारा परीक्षण किया जाता है:—

(क) एक कृत्रिम ऐन्टेना का प्रयोग किया जाएगा जिसमें 2 माइक्रोहेनरी प्रेरकल और 100 माइक्रो फैरड संधारित्र के साथ श्रेणी में 40 ओम प्रतिरोध हो,

(ख) प्रलूप ए-2 संकेत 100 एच जैड पर 30 प्रतिशत की गहराई तक माइक्रोलिस किया जाएगा जब तक कि अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो,

(ग) मानक शब्द आवृत्ति निर्गम किसी प्रतिरोध में एक मिलीवाट होगा जो वस्तुतः 1000 एच जैड पर टेलीफोन अभिग्राहीयों की प्रतिबाधा के मापांक के बराबर होगा।

(6) अंतिम संसूचक से पहले अभिग्राही की वरणात्मकता निम्नलिखित श्रेक्षणों का अनुपालन करेगी, यथा:—

(क) 500 के एच जैड तथा 8364 के एच जैड की आवृत्ति पर समस्वरक किए जाने पर:—

(1) समस्वरण से 1 के एच जैड हटने पर आवृत्तियों पर अधिक से अधिक 6 डेसिबेल विभेदन प्राप्त होगा,

(2) समस्वरण से 4 के एच जैड हटने पर आवृत्तियों पर कम से कम 6 डेसिबेज विभेदन प्राप्त होगा,

(3) समस्वरण से 15 के एच जैड हटने पर आवृत्तियों पर कम से कम 30 डेसिबेज विभेदन प्राप्त होगा,

(4) समस्वरण से 40 के एच जैड हटने पर आवृत्तियों पर कम से कम 60 डेसिबेल विभेदन प्राप्त होगा,

(ख) 2182 के एच जैड आवृत्ति पर समस्वरित किए जाने पर, (i) समस्वरण से 3 के एच जैड हटने पर आवृत्तियों पर अधिक से अधिक 60 डेसिबेल प्राप्त होगा,

(ii) समस्वरण से 15 के एच जैड हटने पर आवृत्तियों पर कम से कम 30 डेसिबेल विभेदन प्राप्त होगा,

(iii) समस्वरण पर 40 के एच जैड हटने पर आवृत्तियों पर कम से कम 60 डेसिबेल विभेदन प्राप्त होगा।

(ग) सुपर हैटरोडाइन अभिग्राही में विस्थ अनुक्रिया अनुपात कम से कम 20 डेसिबेल होगा।

(7) अभिग्राही की सुग्राहिता इस प्रकार की होगी कि जब निवेश निम्नलिखित स्वर से अधिक न हो तो मानक श्रव्य आवृत्ति - निर्गम प्राप्त हो:—

आवृत्तिया	ए-1 उत्सर्जनों पर	ए-2 उत्सर्जनों पर
अधिकतम निवेश	अधिकतम निवेश	
488 से 513	1 माइक्रोबोल्ट से	1 माइक्रोबोल्ट से
के एच जैड	30 डेसिबेल अधिक	40 डेसिबेल अधिक
8320 से	1 माइक्रोबोल्ट से 30	1 माइक्रोबोल्ट से 40
8745	डेसिबेल	डेसिबेल अधिक
के एच जैड		
2182	—	1 माइक्रोबोल्ट से
		30 डेसिबेल अधिक

(8) (क) सिगनल शोर अनुपात निम्नलिखित से कम नहीं होगा जबकि निवेश और उत्सर्जन, फ्रेश: उपर्या (7) में विनिर्दिष्ट हों और धूर्णी परिवर्तक या कम्पिन व्रवर्तन कर रहा हो:—

(i) 500 के एच जैड आवृत्ति पर 15 डेसिबेल,

(ii) 8364 के एच जैड आवृत्ति पर 25 डेसिबेल,

(iii) 2182 के एच जैड आवृत्ति पर 20 डेसिबेल

(ख) अभिग्राही की तदर्शपता 8 डेसिबेल से कम नहीं होगी जैसे-जैसे निवेश सिगनल के मौड़ुलेशन में निम्नलिखित अनुसार लगातार विचरण हो रहा हो जब कि श्रव्य आवृत्ति-निर्गम के स्तर में परिवर्तन तथा निवेश सिगनल की मौड़ुलेशन गहराई स्थिर रखी गई हो:—

(i) ए-2 तथा ए 2 एच उत्सर्जनों के लिए 300 के एच जैड से 1500 के एच जैड तक, तथा

(ii) ए-3 से ए-3 एच उत्सर्जनों के लिए 250 एच जैड से 3000 एच जैड तक इस उद्देश्य के लिए निवेश सिगनल का स्तर तथा माइक्रोलेशन गहराई कुछ भी हो सकती है बशर्ते कि अभिग्राही का निर्गम, मानक श्रव्यआवृत्ति निर्गम से अधिक न हो।

8 पोत के मेन्स के साथ संयोजन:— पोत के मुख्य ऊर्जास्रोत के साथ उपस्कर के संयोजन इस प्रकार उपलब्ध कराए जाएंगे जो रक्षा नौका के प्रमोब्लन में बाधा न ढालें।

भाग II

वहनीय रेडियो उपस्कर

1 सामान्य

वहनीय रेडियो उपस्कर में निम्नलिखित सम्मिलित होगा:

(1) एक हस्त जनित्र, अभिग्राही तथा उपस्कर के प्रचालन के लिए आवश्यक अन्य उपकरण,

(2) पैरा 5 के उपर्या (i) में विनिर्दिष्ट आवृत्तियों पर उपस्कर के प्रचालन संबंधी सरल निवेश जो स्पष्ट तथा स्थायी रूप में उपस्कर पर चिपकाए जाएंगे,

(3) एक विलगनीय प्लेट जिस पर (स्वच्छ तथा स्थायी रूप से) अक्षरों तथा संख्याओं रक्षा नौका और मोर्स संप्रतीकों में रक्षा नौका के आह्वान चिह्न निर्दिष्ट किए जाएंगे।

2. अभिकल्प तथा सनिर्माण:— वहनीय रेडियो उपस्कर इस प्रकार अभिकल्पित तथा सनिर्मित किया जाएगा कि:—

(1) वहनीय रेडियो उपस्कर एक एकल यूनिट में निहित रहे बशर्ते कि एकल यूनिट के साथ पैरा 3 के उपर्या (2) में उल्लेखित मस्तूल उस एक यूनिट के साथ संलग्न हो।

(2) एक अकृशल व्यक्ति भी क्रमांक तंत्र को बिना किसी कठिनाई के स्थापित कर सके तथा सरल प्रचालन और स्वचालित साधनों के द्वारा पैरा 5 के उपर्या (4) (क) में विनिर्दिष्ट रेडियो टेलीग्राफ सिगनलों को प्रवितकर सके।

(3) उपस्कर में हथेली होंगे ताकि वह केवल एक व्यक्ति द्वारा आसानी से ले जाया जा सके।

(4) यह जलरुद्ध तथा ज में तैरने में समर्थ होगा।

(5) बिना क्षतिग्रस्त हुए इसे जल में 9.2 मीटर की ऊंचाई में पिराया जा सकेगा।

(6) इसे नौका डेक में समुद्र या रक्षानौका में छुकाया जा सकेगा।

(7) इसे रक्षानौका के माथ क्लैपिंग किया जा सकेगा।

(8) इस भाग की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए हस्तचालित नियंत्रणों की संख्या, न्यूनतम रखी जाएगी परन्तु इसमें निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:—

(क) प्रेषण अभिग्रहण स्वचन,

(ख) प्रेषण को 500 के एच जैड से 2182 के एच जैड तथा विपरीत कम में अंतरण के लिए स्वच,

(ग) एक स्वच विस्थित ताकि प्रेपिन्व बाल्व फिलामेंट लगातार अर्जित हो सके जब कि अभिग्रही अर्जित हो रहा हो,

(घ) अभिग्रही तंदिध का एकल नियंत्रण,

(ङ) उत्सर्वे किसी अनुमोदित स्थिति पर लगी अनुमोदित अभिकल्प की मोर्स कुंजी,

(9) सभी हस्तचालित नियंत्रणों का आमाप ऐसा होगा कि मोटे दस्ताने पहने कोई भी व्यक्ति सामान्य संमंजन कर सके, तथा

(10) विचुत ऊर्जा के हस्तजनन ने हस्तचालित नियंत्रणों का प्रचालन बाधाग्रस्त न हो और न ही उसमें कोई बाधा पड़े।

ऐन्टेना तथा मूसम्पर्क तंत्र

वह रेडियो उपस्कर में निम्नलिखित राम्पिंग होगा:—

(1) कम से कम 9.2 मीटर लम्बा उच्च चालकता का लड़ीदार या गुफित तार के रूप में एकल तार ऐन्टेना, जो इस प्रकार लगा हो जिसे प्रधिकतम व्यावहारिक ऊंचाई पर शीर्ष मस्तूल का प्रयोग किए बिना रक्षानौका मस्तूल द्वारा आलंबित किया जा सके,

(2) एक संकोच्य स्थिर मस्तूल जिसे रक्षानौका में आसानी से तथा शीघ्रता से लगाया जा सके जो समुद्र से कम से कम 4.9 मीटर की ऊंचाई पर ऐन्टेना को आलम्ब प्रदान कर सके जब कि मस्तूल का आधार किसी भी ऐसी रक्षानौका के तले पर टिका हो जिस पर इसका प्रयोग आशयित है, तथा

(3) उच्च चालकता का समर्पक तार जो उपस्कर के साथ मजबूती से जुड़ा हो और इस प्रकार भारित हो कि बाहर रख जाने पर तार ढूब जाए।

4 हस्तजनित :

(1) हस्तजनित का अभिकल्प और संनिर्माण इस प्रकार होगा कि जब जनित के हृत्ये को हत्थाचाल की सामान्य पराम

में फिरी भी चाल पर धूर्जित हिया जाता है तो पारीण निमूत ऊर्जा जनित हो—

(क) ताकि प्रेपिन्व, पैरा 5 के उपरैरा 4(क) की अपेक्षाओं का अनुपालन करे, तथा

(ख) प्रेपिन्व उपरैरा 4 (क) की अपेक्षाओं का अनुपालन करे जब कि हृत्ये पर अधिकतम वरामूर्ग तथा 550 है तो ग्रा/रोपी गुणित प्रतिशिंषण प्रिफिल डार्शन जनित की गई है, तथा

(ग) ताकि सूचक लैम्प प्रकाशित हो सके,

स्पष्टीकरण : इस भाग में जनित के ५१८ में “हत्ता चाल की सामान्य पराम” अभिव्यक्ति ने अभिव्येन, उसी उपस्कर के भाग के रूप में प्रेपिन्व के पैरा 5 के उपरैरा 4 (क) की अपेक्षाओं के अनुपालन के लिए प्रावश्यक न्यूनतम चाल तथा इस चाल से 40 प्रतिशत अधिक चाल के मध्य पराम है।

(2) हस्त जनित का अभिकल्प और संनिर्माण इस प्रकार होगा कि

(क) इसका प्रचालन :—

(i) केवल एक वर्किंग डारा हिया जा सके,

(ii) एक माथ दो वर्किंग डारा की जा सके,

(ख) हृत्यों को गवन दिशा में धूर्जित न किया जा सके।

5 प्रेपिन्व

(1) प्रेपिन्व निम्नलिखित कार्य में समर्थ होगा—

(क) 550 के एच जैड तथा 8364 के एच जैड आवृत्तियों पर वर्ग ए 2 तथा ए 2 एन उत्पर्जनों तथा 2182 के एच जैड पर वर्ग ए 3 तथा ए 3 एच प्रेषणों के लगातार प्रेषण में पर्यंत जो एक साथ न हो,

(1) 16 बौड नम्र की सभी वार्गों पर हस्त प्रचालन द्वारा,

(2) उपरैरा 4(क) में विनिर्दिष्ट वार्गों पर स्वत्तानित साधन द्वारा,

(ख) हत्थाचाल की सामान्य पराम पर समग्र प्रत्येक प्रेषण में निम्नलिखित आवृत्ति भक्षायना बनाय रखना—

(1) 500 के एच जैड आवृत्ति पर धर या उच्च 0.5 प्रतिशत.,

(2) 8364 के एच जैड आवृत्ति पर धर या उच्च 0.02 प्रतिशत,

जबकि ऐसा करने के लिए फिरी विसंत्रण के समंजन की आवश्यकता नहीं है और ऐसे ऐन्टेना पा तुव्रिप्र ऐन्टेना के प्रतिवाधा-विचरण कुछ भी हो जाते हैं, तिने पहुंच संगोक्ति है, तथा

(ग) ऐन्टेना तंत्र या कृत्रिम ऐन्टेना संयोजित कर तथा आवश्यक नियंत्रण समंजित करने के बाद विद्युत ऊर्जा जनन के प्रारम्भ होने के 30 सेकंड के अंदर पूर्ण गति पर प्रवालन।

(2) (क) जब ए. 2 तथा ए.2 एच उत्सर्जन प्रेषित किए जा रहे हों तो एक आयताकार संप्रतीक की तरंग द्वारा, वाहक तरंग 100 प्रतिशत गहराई तक मात्रित की जाएगी ताकि वाहक तरंग कम से कम 430 प्रतिशत तक और माइलन चक्र के अधिक से अधिक 50 प्रतिशत तक चालू रहे।

(ख) जब ए.3 ट्या ए 3 एच उत्सर्जन प्रपित किए जा रहे हों तो बिना अनिमाडुलित हुए वाक द्वारा वाहक-तरंग का पूर्णमांडुलन संभव हो सके।

(3) स्वर आवृत्ति कम से कम 450 एच जैड या अधिक से अधिक 1350 एच जैड होगी।

(4) (क) उपर्या (1) (क) (ii) में उल्लिखित साधनों द्वारा प्रेषित किया जाने वाला सिगनल निम्नलिखित प्रकार का होगा :—

(1) जब प्रेपण 500 के एन जैड आवृत्ति पर किया जा रहा हो तो इसमें ए.6 सैकंड अंतरालों द्वारा पृथक्ति, बारह चार सैकंड डैम्पिंगों का एक अन्तर्मिशनल होगा। नत्याचार् एक संकट मिशनल भेजा जाएगा, जिसकी तीन बार पुनरावृत्ति की जाएगी और इसके बाद 0.5 से 1.5 सैकंड के बीच प्रारंभानों द्वारा पृथक्ति, 10 से 15 सैकंड अवधि के बीच लम्ब डैम्पिंग होगे।

(ख) हृत्या चालों की सामान्य परास पर—

(i) संकट मिशनल के स्वचालित प्रेपण की वाली कम से कम 8 तथा अधिक 15 शब्द प्रति मिनट होगी,

(ii) संकट संकेत के डैम्पिंग को फार्म-प्रूफ्टना या तथा छह 0.2 सैकंड तेरे प्रत्यक्ष नहीं होगी,

(ग) स्वचालित प्रेपण, एक पूर्ण प्रेपण के बाद कंजीयन परिपथ को छोले या बदल करेगा जब तक कि यंत्रावली पुनः सेट या पुनः बैष्टित न की जाए।

(घ) ऐसे साधन उपलब्ध कराए जाएँ :—

(1) ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सिगनल प्रारम्भ होने ही प्रेपण चालू हो जाए,

(2) ताकि प्रचालक को यह जानकारी मिल जाए कि यंत्रावली को कब पुनः सेट या पुनः बैष्टित किया जाए।

(उ) अंकन श्रवण में भार (तांड) में प्रेषन द्वारा विकसित मध्य गति निम्नलिखित होगी :—

(i) 500 के एच जैड आवृत्ति पर (सी 3.81 लाग सो-5.5) वाट से कम नहीं होगी जब कि सी पाइकोफेरड में

कृत्रिम ऐन्टेना का धारिता है जो तब मापी गई है कि जब कृत्रिम ऐन्टेना ऐसे संधारित्र के साथ श्रेणी में 15 ओम का अप्रेरकी प्रतिरोध संयोजित है, जिसका मान पैरा 3 के उपर्या (1) में उल्लेखित ऐन्टेना-धारिता से 10 पाइकोफेरड कम तथा 150 पाइकोफेरड के मध्य कुछ भी हो सकता है। यह मान 3.5 वाट से से कम नहीं होगा जो तब मापा गया है कि जब कृत्रिम ऐन्टेना में ऐसे संधारित्र के साथ श्रेणी में 30 ओम का अप्रेरकी प्रतिरोध संयोजित है और इस संधारित्र की धारिता 200 से 300 पाइकोफेरड के बीच कुछ भी हो सकती है।

(ii) 8364 के एच जैड आवृत्ति पर 1.5 वाट से कम नहीं होगी जो तब मापी गई है कि जब कृत्रिम ऐन्टेना में ऐसे संधारित्र के साथ श्रेणी में 20 ओम का अप्रेरकी प्रतिरोधक संयोजित है और उस संधारित्र की धारिता 70 में 100 पाइकोफेरड के बीच कुछ भी हो सकती है।

(iii) 2182 के एच जैड की आवृत्ति पर 1.5 वाट से कम नहीं होगी जो तब मापी गई है कि जब कृत्रिम ऐन्टेना में ऐसे संधारित्र के साथ श्रेणी में 15 ओम अप्रेरकी प्रतिरोधक संयोजित है, जिसका मान पैरा 3 के उपर्या (1) में उल्लेखित ऐन्टेना-धारिता से 10 पाइकोफेरड से कम और अधिकतम 10 पाइकोफेरड के मध्य कुछ भी हो सकता है। यह मान 3.5 वाट से कम नहीं होगा जो तब मापा गया है कि जब कृत्रिम ऐन्टेना में ऐसे संधारित्र के साथ श्रेणी में 30 ओम का अप्रेरकी प्रतिरोधक संयोजित है और उस संधारित्र की धारिता 300 से 400 पाइकोफेरड के बीच कुछ भी हो सकती है।

(च) ऐन्टेना-परिषथ में निम्नलिखित सम्मिलित होगा :—

(i) पार समस्वरण नियंत्रण जो सभी प्रकार के उपनब्ध ऐन्टेनाओं के प्रयोग के लिए उपयुक्त होगा, तथा

(ii) एक ऐसा समस्वरण मूलक जिसके विकल हो जाने पर ऐन्टेना परिषथ विकल नहीं होगा।

(छ) निम्नलिखित का भी प्रावधान होगा :—

(i) उपस्कर के अंदर एक कृत्रिम ऐन्टेना, जो पूर्ण शक्ति पर प्रेपित के परीक्षण के लिए उपयुक्त होगा,

(ii) रेडियो आवृत्ति ऊर्जा जनित किए विना, स्वचालित प्रेपण की सुविधाओं के परीक्षण के साधन,

(5) 2182 के एच जैड आवृत्ति पर प्रेपण की सुविधा के अंतर्गत एक युक्ति सम्मिलित की जाएगी जो दूसरी अनुसूची के भाग II में विनिर्दिष्ट रेडियो टेलीफोन अनार्म सिगनल का जनन करेगी प्रत्यु रेडियो टेलिफोन अनार्म की अवधि, हस्तचलित नियंत्रण द्वारा निर्धारित सिगनल की जाएगी।

(6) प्रेपित्र इस प्रकार अभिकलित और संनिभित किया जाएगा कि जब यह प्रेपण कर रहा हो और अधिकतम

शक्ति के लिए समर्जित हो तो ऐन्टेना को वियोजित किया जा सके या उसका निर्गम लघु परिपथित किया जा सके। दोनों ही दशा में उपस्कर का कोई भी मान क्षतिग्रस्त नहीं होना चाहिए।

6 अभिग्राही

(1) अभिग्राही एक स्थिर समस्वर अभिग्राही होगा, जो हैडफोन के साथ प्रयोग किए जाने पर जो 490 से 510 के एच जैड आवृत्ति बैंड पर ए 2 उत्सर्जन प्राप्त कर सकेगा। यह अभिग्राही 2182 के एच जैड की रेडियो टेलीफोन-संकट-आवृत्ति पर भी ए 3 तथा ए 3 एच उत्सर्जन प्राप्त कर सकेगा।

(2) ऐसे हैडफोन भी उपलब्ध कराए जाएंगे जो बाल्य शोर को रोकने के लिए आवर्तित हो और ये अभिग्राही के साथ स्थायी रूप से संलग्न किए जाएंगे।

(3) निम्नलिखित विधि द्वारा परीक्षण किए जाने पर अभिग्राही उपर्या (4) के अपेक्षाओं के अनुपालन करेगा :—

(क) कृतिम एन्टेनाओं का प्रयोग किया जाएगा और इनमें निम्नलिखित में से कोई एक सम्मिलित होगा :—

- एक ऐसे संधारित्र के साथ श्रेणी में संयोजित एक 15 ओम का अप्रेरकी प्रतिरोधक, जिसका मान पैरा 3 के उपर्या (1) में उल्लेखित ऐन्टेना-धारित से 10 पाइकोफैरड से कम और अधिकतम 110 पाइकोफैरड के मध्य कुछ भी हो सकता है,
- एक ऐसे संधारित्र के साथ श्रेणी में संयोजित एक 30 ओम अप्रेरकी उत्प्रेरक जिसका मान 200 से 400 पाइकोफैरड में कुछ भी हो सकता है।

(ख) प्रयुक्त सिगनल ए-2 सिगनल प्रलूपी होंगे जो 1000 एच जैड पर 30 प्रतिशत गहराई तक माझुलित किए जाएंगे।

(4) हाथा चालों की सामान्य परास में :—

(क) किसी प्रतिरोध में अभिग्राही का मानक शब्द आवृत्ति निर्गम एक मिलीवाट होगा जो वस्तुतः 1000 एच जैड पर टेलीफोन अभिग्राहियों की प्रतिबाधा के मापांक के बराबर होगा।

(ख) अनिम संसूचक से पहले अभिग्राही की वरणात्मकता निम्नलिखित सारणी का अनुपालन करेगी :—

सारणी

प्रचालन की आवृत्ति	500 के एच जैड	2182 के एच जैड
6 डेसिबेलों की सीमा में अनु- क्रिया की एकरूपता की परास	490-510	2177-
सभी आवृत्तियों पर प्राप्त मध्य बैंड की अनुक्रिया के सापेक्ष कम से कम 40 डेसिबल विवर	2187	470 के एच जैड
		2147 के एच जैड से कम तथा कम तथा
		530 के एच जैड से अधिक से अधिक

(ग) 400 से 3000 एच जैड माझुलन-आवृत्तियों के परास में 8 डेसिबेलों की सीमा में, अभिग्राही की शब्द-आवृत्ति-प्रनुक्रिया एक समान होगी और इन परासों के बाहर आवृत्तियों के लिए यह पर्याप्त कम हो जाएगी,

(घ) उपर्या (क) में विनिर्दिष्ट मानक निर्गम, 500 के एच जैड आवृत्ति पर एक माइक्रो बोल्ट से अधिक से अधिक 50 डेसिबेल परीक्षण-सिगनल-निवेश तथा 2182 के एच जैड आवृत्ति पर एक माइक्रोबोल्ट से अधिक से अधिक 30 डेसिबेल परीक्षण-सिगनल-निवेश के साथ प्राप्त किया जाता है।

(ङ) उपर्या (घ) में विनिर्दिष्ट परीक्षण सिगनल के साथ, सिगनल/शोर अनुपात कम से कम 15 डेसिबेल होगा।

भाग-III

406 एम एच जैड पर रेडियो बेकन के प्रचालन के समय प्लबमुक्त आयात स्थिति सूचनाएं (ई पी आई आर बी)

1. प्रस्तावना

रेडियो बेकन दर्शने वाली प्लब मुक्त आपात स्थिति निम्नलिखित का अनुपालन करेगी :—

2. सामान्य

(1) ई पी आई आर बी संकट घेतावनी को ध्वनीय कक्षाएं उपग्रह को भेजने में समर्थ होगा।

(2) उपस्कर निर्बाध रूप से स्वतः प्लबन में समर्थ होगा। चरम परिस्थितियों में भी उपस्कर, आरोपण तथा विमोचन व्यवस्थाएं विश्वसनीय होगी।

3. ई पी आई आर बी की विशेषताएं इस प्रकार हैं :—

(1) इसे पर्याप्त उपाय के साथ लगाया जाएगा ताकि अनायास सक्रिय को रोका जा सके,

(2) यह इस प्रकार अभिकल्पित किया जाएगा कि 10 मीटर की गहराई पर कम से कम 5 मिनट तक विद्युतीय भाग जलरुद्ध रहे। आरोपित स्थिति से निमज्जन तक संक्रमण के दौरान 45° सी के ताप-विचरण का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। समुद्री पर्यावरण, संघनन तथा जल क्षरण के हानिकार प्रभावों का बैकन के निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

(3) यह निर्बाध रूप से तैरने के बाद स्वतः सक्रिय हो जाना चाहिए,

(4) यह हस्तसक्रियण तथा हस्त विसक्रियण में समर्थ होना चाहिए।

(5) इसमें ऐसे साधन उपलब्ध होने चाहिए जो यह बताएं कि सिगनलों का उत्सर्जन हो रहा है,

(6) यह शांत जल में सीधे तैरने में समर्थ होना चाहिए और सभी समुद्री परिस्थितियों में इसमें धनात्मक यीकरण तथा पर्याप्त उत्प्लावकता होनी चाहिए;

(7) इसे 20 मीटर की ऊँचाई से जल में बिना क्षतिप्रस्त हुए गिराया जा सकना चाहिए,

(8) उपग्रह तंत्र का प्रयोग किए बना इसका परीक्षण किया जा सकना चाहिए ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि ई पी आई आर बी समुचित ढंग से प्रचालन कर सकता है;

(9) इस रंग उच्च दृश्य पीला/नारंगी होगा और इसमें पश्चिपरावर्ती सामग्री लागी होगी,

(10) इसमें एक उत्प्लावी छोरी लगी होगी जो एक रस्सी के रूप में प्रयोग के लिए उपयुक्त है और यह इस प्रकार व्यवस्थित रहेगी कि निर्वाध रूप से तैरते समय इसे पोत की संरक्षना द्वारा विपाशित होने से बचाया जा सके;

(11) इसमें अन्य उपयोगिता अनुपात प्रकाश (0.75 कैडला) उपलब्ध रहेगा जो अंधेरे से सक्रियता हो जाएगा ताकि निकटवर्ती और ब्रह्माव एकत्रों में उत्तरजीवियों की स्थिति का ज्ञान हो सके;

(12) समुद्रीजल या तेल द्वारा अनावश्यक रूप से प्रभावित नहीं होगा, तथा

(13) सूर्य के प्रकाश के वीर्घकालीन प्रभाव से इसका हास नहीं होगा।

4. उपग्रह ई पी आई आर बी के कम से कम 24 घंटे तक प्रचालन के लिए बैटरी की क्षमता पर्याप्त होनी चाहिए।

5. ई पी आई आर बी इस प्रकार अभिकल्पित किया जाएगा कि यह निम्नलिखित पर्याप्त अवस्थाओं में प्रचालन कर सके:—

(1) -20° से $+55^{\circ}$ सी तक परिवेश ताप,

(2) जमी बर्फ पर;

(3) 100 नॉट तक की आपेक्षिक पदन चालों पर, तथा

(4) -30° सी तथा $+65^{\circ}$ सी के बीच के ताप पर भरण पर।

6. प्रचालन

अधिष्ठापित ई पी आई आर बी निम्नलिखित होगा:—

(1) इसमें स्थानीय हस्त सक्रिय होगा तथा सेतु से सुधूर सक्रियण भी उपलब्ध कराया जा सकता है जबकि युक्ति प्लबमूक्त आरोपण में अधिष्ठापित हो,

(2) बोर्ड पर आरोपण के समय, प्रधात तथा कम्पन और ऐसी पर्यावरणी परिस्थितियों के परासों में समुचित रूप से प्रचालन कर सकेगा, जिनका समुद्रगती जलयानों को सामान्यतः सामना करना पड़ता है, तथा

(3) यह इस प्रकार अभिकल्पित किया जाएगा कि 45° तक के "लिस्ट" और "ट्रिम" पर 4 मीटर तक की गहराई तक पहुँचने से पहले यह स्वतः विमोचित होकर निर्वाध रूप से तैरें।

7. लेवलन

उपस्कर के बाहर निम्नलिखित स्पष्ट रूप से लिखा होगा:—

(1) संक्षिप्त प्रचालन निर्देश, तथा

(2) प्रयुक्त प्राथमिक बैटरी की समाप्त तिथि।

8. सिगनलों का विवरण

(1) ई पी आई आर बी संकट चेतावनी सिगनल जी आई बी वर्ग के उत्सर्जन का प्रयोग कर 406.025 एम एच जैड पर प्रेवित किए जाएंगे।

(2) प्रेवित सिगनल का तकनीकी अभिलक्षण तथा संदेश संरूप सी सी आई आर सिफारिश 633 के अनुरूप होना चाहिए।

(3) अल्हासी स्मृति का प्रयोग करते हुए ई पी आई आर बी में संकट-संदेश के एक म्यायी भाग को भंगरित करने का प्रावधान होना चाहिए।

(4) एक अनन्य पोत केन्द्र अभिज्ञान, सभी संदेशों का एक भाग होगा।

9. सेवाई (सर्विसिंग)

ई पी आई आर बी तथा प्लबमूक्त व्यवस्थाओं की सेवा अधिक से अधिक 15 मासों के अंतराल पर की जाएगी।

भाग IV

रेडियो बेकल वर्णने वाली उत्तरजीवी यान आपात स्थिति

उत्तरजीवी यान इस अनुसूची के भाग III का अनुपालन करेगा, ब्रह्मतेर्विकि (1) प्लबमूक्त व्यवस्था उपलब्ध कराना आवश्यक न हो

(2) जल में तैरने के लिए ई पी आई आर बी में पर्याप्त उत्प्लावकता हो ताकि उसे पुनः प्राप्त करना सुगम हो सके।

गा. V

द्रव्य प्रबलिन अवस्थान निर्धारण युक्ति
(रेडार दृष्टिपोन्डर वेकन)

1. प्रस्तावना

द्रव्यप्रबलिन अवस्थान निर्धारण युक्ति एक रेडार दृष्टिपोन्डर वेकन होगी जो 9 जी एच जैड पर प्रधान करेगी। यह युक्ति सो सी आई आर मिलिश की ओरांश की पूर्ति के साथ-साथ, वार्गिक पांत परिवहन (रेडिया) नियम, 1981 को तोंभरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट पांत बोर्ड संचार उपस्कर को भासान्य अपेक्षाओं की पूर्ति भोकरेगी।

2. भासान्य अपेक्षाएँ

अवस्थान-निर्धारण-युक्ति सम्प्रतिरित विद्युतों की त्रेणी द्वारा सहायता युक्तिरेडारों पर संकटप्रस्त एक की अस्थिति दर्शने में समर्थ होगी।

3. यह अवस्थान निर्धारण युक्ति —

- (1) अकुशल कार्मिक द्वारा आमानो में मक्षियत को जा सकेगी।
- (2) इसमें अनायास मक्षियत का रोकने के जाग्रन उपलब्ध होगे।
- (3) इसमें ऐसे दृष्टि तथा/या अव्य साधन रो होंगे, जिनके हारा यथार्थ संकिया को दर्शने वा उत्तरजीवियों को यह चेतावनी दी जा सकेगा कि रेडार ने अवस्थान-निर्धारणयुक्ति को ट्रिगरित कर दिया है।
- (4) यह हस्त मक्षियत तथा विमक्षियत में गमर्ह होगी।
- (5) आपातोपयोगों अवस्था को संकेत भा उत्तर कराया जाएगा।
- (6) इसे जल में 20 मीटर की ऊंचाई से बिना क्षतिप्रस्त ५२ गिराया जा सकेगा।
- (7) यह कम से कम 5 गिराट तक जल में 10°०८' सी गहराई तक जलरुद्ध रहेगी।
- (8) यह निमज्जन के विनिर्दिष्ट प्रतिवर्धनों के अन्तर्गत, 45° सी पर तारीय प्रधात पड़न पर जलरुद्धता बनाए रखेगी।
- (9) यदि यह उत्तरजीवी यात्रा वा अभियान भाग नहीं है तो यह तैरने में समर्थ होगी।
- (10) इसमें एक प्लवनीय छोरी होगी जिसका रसी के लघु में प्रयोग किया जा सकेगा, यदि यह प्लवनीय है।
- (11) समझौते वा तेज द्वारा अनावश्यक स्थ पर प्रभावित नहीं होगी।

(12) दीर्घकाल तक यूर्ज के प्रकाश के प्रभाव में हासरोधी होगी।

(13) इसके सभी भागों पर उच्च दृश्य पात्रा/नारंगी रंग होगा जिससे इसे पहचानने में सहायता मिले, तथा

(14) इनकी ब्रह्मृथ ज्वला चिकनी होगी ताकि उत्तर-जीवी यात्रा को अभिप्रस्त लोने में रोका जा सके।

4. अवस्थान-निर्धारण-युक्ति की बैटरी-अमना इनी पर्याप्त होगी जो १३ घंटों तक आगतायोगी अवस्था में प्रबलिन करने के साथ-साथ मज्जोत्तर अवर्ति के बाद ४ घंटों तक दृष्टिपोन्डर उत्तरज्ज्वला उत्तरज्ज्वला करा लें जरूरि यह १ के एच जैड की दृष्टिपोन्डर आवृत्ति के साथ लगानार प्रश्न संचार किया जा रहा है। जब पीएचीडी ९ जी एच जैड रेडार का प्रयोग करते हुए बोर्ड परीक्षण किया जाता है तो अवस्थान-निर्धारण-युक्ति का सक्रियता, कुछ ही नीकड़ी तक सीमित रहेगा ताकि यन्ह पोतवाहिन वा वायु वाहिन रेगरों का हातिकारक वापिकरण द्वा बैटरी-इर्जी की अत्यधिक अवात का निगरान किय जा सके।

5. अवस्थान-निर्धारण-युक्ति इस प्रकार अभिकल्पन की जाएगी ताकि यह —२०° से +५५° सी के परिवर्तन तापों पर प्रबलिन कर सके। यह —३०° सी से +३५° सी के ताप पराम में भरण किए जाने पर अभिप्रस्त नहीं होगी चाहिए।

6. अधिकारित अवस्थान-निर्धारण-युक्ति ऐन्टेना को ऊंचाई, समुद्रन में कम से कम १ मीटर अधिक होगी।

7. ऊर्ध्वाधर ऐन्टेना ध्रुवी अरेख तथा युक्ति का जलगतिक अभिकल्पना, इस प्रकार का होगा कि महानग्न अवस्थाओं में अवस्थान निर्धारण युक्ति प्रवेषों रेडारों को उत्तर दें। ऐन्टेना ध्रुवी प्रारेत्र, ध्रैनिज तत में पर्याप्त होगा। प्रेयण तथा अभियूक्त के लिए अतिग्रुहा का प्रयोग किया जाना है।

8. जब अवस्थान-निर्धारण-युक्ति अभिकल्पन नोचानीय रेडारों द्वारा प्रश्न संचारित को जाती है तो १५ बीटर ऐन्टेना ऊंचाई के साथ यह कम से कम १० समुद्रों भील का दूरी तक वार्गिक रूपर्थ करती है। यह ११६ मोटर की ऊंचाई पर कम से कम १० लिंगोवान-शिपर-तिर्मा-म-गम्भि के साथ कम से कम ३० समुद्री भोव और दूरी तक जलगतित रेडारों द्वारा प्रश्न संचालित किए जाने पर भी धरार्थता कार्य करती है।

9. व्यवहार :

उपस्कर पर यात्रा की ओर विनियोगित स्थानों परिवार होगा :—

- (1) गंभीर प्रबलिन निर्देश,
- (2) प्रयुक्त प्राथमिक जैटरियों की समापन तिथि,

भाग VII

शिव पर्वती। हेंड्री संत जा. लग्न

(1) उपकरण बहनीय होगा और प्रतुश्ल व्यक्ति भी इसका प्रयोग कर सकेगा।

(2) उपकरण बहनीय होगा और इसका प्रयोग तोर्ड-संचार के लिए भी किया जा सकेगा।

(3) केन्द्रीय सरकार हारा प्रत्युमोर्दित चैनल पर भी उपकरण प्रचालन कर सकेगा। यदि आकरण अति उच्च आवृत्ति बैंड पर प्रचालन कर रहा है तो उपस्कर पर अति-उच्च आवृत्ति चैनल 16 को चयन न करने की सावधानी बरती जानी चाहिए जो उस प्रावृत्ति पर प्रचालन में समर्पण है।

(4) उपकरण का प्रचालन पर्याप्त अमना बानी बैटरी द्वारा किया जाना चाहिए नाकि उपयोगिता अनुपात 1:9 के साथ 4 घण्टे तक प्रचालन सुनिष्ठित हो सके।

(5) समूक में उपस्कर का सन्तोषजनक शब्दस्थायी में अनुवर्णन किया जाना चाहिए और जब भी शब्दस्थक हो वैटरी को पूर्ण आवेदित प्रवस्था में लाया जाता अथवा उस घटला जाना चाहिए।

भाग VII

ट्रि-पथ संचार तंत्र

(1) बोर्ड पर आपात संचार तंत्र इस प्रकार अवलम्बित किया जाना चाहिए कि भेत्रु तथा आपात नियंत्रण केन्द्र, मस्क्वर और पोतारोहण केन्द्रों तथा बोर्ड पर अन्य अनुकूल स्थितियों के रूप से द्विपथ संचार उपलब्ध हो सके। इस तत्र का प्रयोग, भेत्रु तथा अप्रिम तथा लंगर-जैन्डरों तथा ऐसी अन्य क्षत्रियों के मध्य संचार उपलब्ध कराने में किया जा सकता है।

(2) संचार तंत्र का प्रचालन, वेवन रेतु में ही किया जा सकेगा।

(3) संचार तंत्र का प्रचालन दोनों लेन्स तथा आपात शक्ति मंभरण पर किया जा सकेगा।

भाग VIII

सामान्य आपात अनार्म तंत्र

(1) आपात आपात अलायं तंत्र, आपात आपात अनार्म विगति की धरनि उत्पन्न करेगा जो मात्र या अविकल लघु विस्फोटों के नाद एक दीप्र विस्फोट के रूप में होती। ये विस्फोट पात्र सीटी या साइरन तथा इसके अतिरिक्त विद्युत प्रवर्तनित घंटी या कैम्पन या अन्य तुल्य बेतावनी-नांग पर होंगे जो पोत के समूक संभरण या विद्युत शक्ति के आपात के ज्ञान हारा वालिन होंगे। यह तंत्र पोत की गोटी को छाँड़कर नींवाने में भेत्रु तथा अन्य अनुकूल स्थितियों ने भी प्रचालित किया जा सकेगा। यह तंत्र साप्तर आवास तथा सामान्य कर्मीदल कार्यकारी स्थानों से युतार्द दे सकेगा।

(2) यह यह प्रतीय गालियों ने ग कर्मदिल का गाट्ट लेन्डों पर दुर्लभ के लिए लिया जाएगा। वंत्र की मंतुरी सार्वानन्दित चौपाला तंत्र या गंतारों पर अनुकूल याधनों हारा की जाएगी।

भाग IX

गैंकेट पैरागृष्ट पोयर (पोत)

1. गैंकेट पैरागृष्ट फ्लेन:

(1) जनरीवी आवरक में बंद रहेगा,

(2) इसमें पावरक पर पंक्षिल जिटेंग या गोरेख गुदिन होंगे जो गैंकेट पैरागृष्ट पोयर के प्रयोग को निर्देशित करेंगे,

(3) इसमें प्रज्ञान के पम्पूर्ण याधन होंगे।

(4) इस प्रकार अभिनिति लिया जाएगा कि आवरक को एकड़ने वाले व्यक्ति कोई कॉड गतुभव न हो जब कि इसका प्रयोग विनियोगी के प्रवालन-विशेषों के अनुसार किया जा रहा हो।

2. जब रॉकिट को ऊर्ध्वांतर दिशा में ज्वलित किया जाए तो इसे कम से कम 300 मीटर तक ऊर्ध्वांतर पहुंच जाना चाहिए। अपने प्रक्षेप-पथ के शीर्ष पर उसके समीप रॉकिट, एक पैरागृष्ट फ्लेनर उत्क्षेपित करेगा, जो

(1) बटक लाल रंग में जंतेगा,

(2) कम से कम 30,000 कैडेना हो औमन दीप गोत्रागा में एक समान रूप से जंतेगा,

(3) डालो ज्वलन प्राप्ति का से रुम 40 भेकड़नों,

(4) इसी पवरगृहण-दर प्रधिक से प्रधिक 5 मीटर प्रति बैक-अंड होगा,

(5) उन्नत पर इसी परागृष्ट या गंतारक द्विनियन रही होगा।

3. मंत्री नद, मंधटक तथा रचक इस प्रकार के अथा गोमी गुणना के हॉमि कि रॉकेट, कम भै करा दो वपौं नद ग्रन्डी औमन भंडारण अवस्थाओं में गेवा करता रहे।

4. (1) रॉकेट को दिलाक, नपीनद तथा ग्रामावी इसे गोल लिय गए पात्र में संसूचित किया जाएगा।

(2) यदि पात्र धानु का बना हो तो वह लेकर लेहि अन्यथा गंभारण के प्रति पर्याप्त रूप से रक्षित किया जाएगा।

5. रॉकेट के वरण की तिथि अभिट रूप से रॉकेट का गाव पर अंकित की जाएगी।

6. रॉकेट पर प्रयोग मंधटी अप्ट तथा अनित गिर्द, गंभेजी तथा हेन्डी आपात्रों में अभिट रूप से मुद्रित हिं जाएगे।

भाग X

रॉकेट पैराशूट फ्लेयर (उत्तरजीवी यान)

रॉकेट पैराशूट फ्लेयर (उत्तरजीवी यान) इस अनुसूची के भाग 9 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा और इसके अतिरिक्त जल में एक मिनट तक निम्नजित किए जाने तथा बाद में उसे हिनाकर संलग्न जल को हटाने के बाद उचित ढंग से कार्य करने में समर्थ होगा।

भाग XI

हस्तपकड़ संकट फ्लेयर

1. हस्तफ्लेयर को,

- (1) जलरोधी आवरक में रखा जाएगा।
- (2) इसके आवरक पर संक्षिप्त निर्देश या आरेख मुद्रित होंगे जो हस्त फ्लेयर के प्रयोग को निर्दिष्ट करेंगे।
- (3) इसमें प्रज्ञवलन का स्वतः पूर्ण साधन होगा।
- (4) यह इस प्रकार अभिकल्पित किया जाएगा कि आवरक को पकड़ने वाले व्यक्ति को कोई कष्ट अनुभव न हो तथा अवशिष्टों के ज्वलन या चमक से कोई जोखिम न पहुँचे जब कि इसका प्रयोग विनिर्माता के प्रचालन-निर्देशों के अनुसार किया जा सकता हो।

2. हस्त फ्लेयर :

- (1) चटक लाल रंग में जलेगा।
- (2) कम से कम 15,000 कैन्डेला की औसत दीप्ति तीव्रता से एक समान रूप से जलेगा।
- (3) इसकी ज्वलन अवधि कम से कम एक मिनट होगी।
- (4) यह 100 मिलीमीटर जल में डुबोये जाने पर 10 सेकंड तक जलता रहेगा।

3. फ्लेयर जलसह होने चाहिए और जल में एक मिनट तक डुबोये जाने के बाद सन्तोषजनक कार्य करने में सक्षम होने चाहिए।

4. फ्लेयर के भरे जाने की तिथि, अमिट रूप से अंकित होनी चाहिए।

5. फ्लेयर पर अंग्रेजी तथा हिन्दी में प्रयोग संबंधी स्पष्ट तथा संक्षिप्त निर्देश अमिट रूप से छपे होने चाहिए।

6. सभी घटक, संचाटक तथा रचक इस प्रकार के और ऐसी गुणता के होने चाहिए कि फ्लेयर, अच्छी औसत भंडारण अवस्थाओं में कम से कम तीन बर्षों तक सेवा योग्य बने रहें।

भाग XII

स्वसक्रियाक धूम सिगनल (रक्षा बोया)

स्वसक्रियक धूम सिगनल :

- (1) एक समान दर से उच्च दृश्य रंग का धूम कम से कम 15 मिनट तक उत्सर्जित करेंगे जब वे शांत जल में तैर रहे हों।

(2) सिगनल की सम्पूर्ण धूम उत्सर्जन अवधि में न तो विस्फोटक रूप से प्रज्ञवलित होंगे और न कोई उथाला निकालेंगे।

(3) समद्वी मार्ग में जलमग्न नहीं होंगे।

(4) जल में पूर्णतः निम्नजित होने पर कम से कम 10 सेकंड धूम निकालते रहेंगे।

(5) दूसरी अनुसूची के भाग 1 के पैरा 1(k) में विनिर्दिष्ट पात-परीक्षण सहने में समर्थ होंगे।

भाग XIII

स्वप्रज्ञवलित प्रकाश रक्षाबोता तथा रक्षाजैकिट

1. रक्षा बोया के स्वप्रज्ञवलिय प्रकार :

- (1) इस प्रकार के दोनों जल द्वारा न बुझें।

(2) स्फुरण के उच्च गोलार्ध। विसर्जन स्फुरण की सभी दिशाओं में कम से कम 2 कैन्डेला की दीप्ति तीव्रता के साथ जलन में समर्थ होंगे, स्फुरण-दर कम से कम संगत प्रभावी दीप्ति-तीव्रता के साथ 50 स्फुरण प्रति मिनट से कम नहीं होगी।

(3) इनमें एक ऊर्जा लोत उपलब्ध होगा जो उप पैरा 2 की अपेक्षाओं की कम से कम 2 घटे तक पूर्ति करेगा।

2. रक्षा जैकिट प्रकाश :

(1) प्रत्येक रक्षा जैकिट प्रकाश :

- (i) इसकी दीप्ति तीव्रता 0.75 कैन्डेला से कम नहीं होगी।

(ii) इसका ऊर्जा लोत 0.75 कैन्डल की दीप्ति तीव्रता 8 घंटे तक उपलब्ध करने में समर्थ होगा।

(iii) रक्षा जैकिट के साथ संलग्न करने के बाद, रक्षा जैकिट प्रकाश ऊर्जी गोलार्ध के अधिक से अधिक खंड से विद्वना चाहिए।

(2) यदि पैरा 3.1 में उल्लेखित प्रकाश, स्फुरण प्रकाश है तो इसमें विनियिका अतिरिक्त प्रावधान होना चाहिए :

- (i) हस्त चालित स्थित,

(ii) प्रकाश-पूँज को केन्द्रित करने के लिए कोई लैंस या वक्ति परावर्तक नहीं लगा होना चाहिए,

(iii) न्यूनतम 0.75 कैन्डेला की दीप्ति तीव्रता के साथ कम से कम 50 स्फुरण प्रति मिनट की दर से स्फुरित होना चाहिए।

भाग XIV

उत्प्लावी धूम सिगनल (रक्षा नौका/रक्षा बेड़ा)

(1) उत्प्लावी धूम सिगनल :

- (i) जलरोधी आवरक में बंद रहेंगे,

(ii) विनिर्माता के प्रचालन-निर्देशों के अनुसार प्रयोग किए जाने पर विस्फोटक रूप से प्रज्ञवलित नहीं होगा,

(iii) उत्पादी धूम सिगरेट के मावरक पर संकेतन निर्देश या प्रारेक्ष मुद्रित होंगे जो इसके प्रयोग करने को दण्डित होंगे,

(2) उत्पादी धूम सिगरेट :

(i) एक समान दर से उच्च वृक्ष रंग का धूम, कम से कम 3 मिनट तक उत्सर्जित करेंगे जब वे शांत जल में तैर रहे हों।

(ii) सम्पूर्ण धूम-उत्सर्जन अवधि में कोई फ्लेयर उत्सर्जित नहीं करेंगे।

(iii) समृद्धी मार्ग में जलमग्न नहीं होंगे,

(iv) 100 मिमी जल के नीचे 10 मैक्रो तक जल में निर्मित रहने पर धूम उत्सर्जित करने रहेंगे।

भाग XV

अन्तर्राष्ट्रीय प्राण रक्षक सिगरेट

प्राण रक्षक केन्द्रों तथा अनुसन्धानी बचाव एक निम्नलिखित सिगरेटों का प्रयोग करेंगे जब वे पोतों या संकटग्रस्त व्यक्तियों के साथ तथा जब पोत या संकटग्रस्त व्यक्ति प्राण रक्षक केन्द्रों तथा अनुसन्धानी बचाव एकों के साथ संचार स्थापित कर रहे हों। खोज तथा बचाव कार्यों में लोग वायुमन द्वारा प्रश्रृति सिगरेट, जो पोतों को दिष्ट करते हैं, नीचे पैरा (v) में विवरण दिया गया है। नीचे सूची बद्ध किए गए सिगरेटों का विवरण प्रस्तुत करने वाली मारणी, प्रत्येक ऐसे पोत के नियरती अधिकारी के पास सहज उपलब्ध होगी जिन पर वे नियम लागू होते हैं।

(क) पोत या व्यक्ति द्वारा भेजे गए संकट सिगरेटों का प्राण रक्षक केन्द्रों या अनुसन्धानी बचाव केन्द्रों द्वारा दिए गए उत्तर :-

सिगरेट	अर्थ
दिन में-नारंगी धूम संकेत या संयुक्त प्रकाश या ध्वनि सिगरेट (तड़ित प्रकाश) जिसमें तीन एकल सिगरेट होते हैं जो लगभग एक मिनट के अन्तर से उत्पादित किए जाते हैं।	"अप देख लिए गए हैं- महायना यथाशीघ्र न भेजी जाएंगी" (मिग-लॉनों की पुनरावृत्ति का वही अर्थ होगा।

गत में : एकल तारक राकेट जिस में तीन एकल सिगरेट होते हैं जो लगभग एक मिनट के अन्तर से उत्पादित किए जाते हैं।

यदि अवश्यक हो तो विन के सिगरेट रात में और गत के सिगरेट दिन में विषय जा सकते हैं।

(ख) छोटी नीकाओं के निर्देशन के लिए अवतरण-सिगरेट जबकि कर्मीदल या व्यक्ति संकटग्रस्त हों :

सिगरेट

अर्थ

दिन में :— श्वेत पताका या भुजाओं की ऊर्ध्वाधार गति अवधा हरे तारक सिगरेट का ज्वालन या कूट अक्षर "के" (-०-) से प्रकाश या ध्वनि-सिगरेट

रात में :— श्वेत प्रकाश या फ्लेयर की ऊर्ध्वाधार गति या हरे तारक-सिगरेट "यह अवतरण के लिए का ज्वालन या कूट अक्षर "के" (-०-) सर्वोत्तम स्थान है।" से प्रकाश या ध्वनि-सिगरेट उपकरण द्वारा दिया गया सिगरेट निश्चित स्तर पर प्रेक्षक की सीध में एक स्थिर श्वेत प्रकाश या फ्लेयर रखकर एक पराम (दिशा की सूचना) दी जा सकती है।

दिन में :— श्वेत पताका की क्षैतिज गति या भुजाओं को क्षैतिजतः फैलाना या लाल तारक सिगरेट का ज्वालन या कूट अक्षर "एस" (...) से प्रकाश या ध्वनि-सिगरेट-उपकरण द्वारा किया गया सिगरेट

"यहां अवतरण अवधार खतरनाक है।"

रात में : श्वेत प्रकाश या फ्लेयर की विस्तिज गति या लाल तारक सिगरेट का ज्वालन या कूट अक्षर "एस" (०००) से प्रकाश या ध्वनि-सिगरेट-उपकरण द्वारा दिया गया सिगरेट

दिन : श्वेत पताका की क्षैतिज गति-

तत्पश्चात श्वेत पताका को धूमि पर रखना और धूमरी श्वेत पताका को निर्दिष्ट दिशा में ले जाना या लाल तारक सिगरेट का ऊर्ध्वाधार दिशा में तथा श्वेत तारक सिगरेट का अच्छे अवतरण-स्थल की दिशा में ज्वालन या कूट अक्षर "एस" (...) तत्पश्चात कूट अक्षर "आर" (-.-.) के संकेत भेजना, यदि संकट-

"यहां अवतरण अवधार खतरनाक है। अवधार को अधिक अनुकूल अवस्थिति निर्दिष्ट दिशा में है।"

गत में : श्वेत प्रकाश या फ्लेयर की क्षैतिज गति तत्पश्चात श्वेत प्रकाश या फ्लेयर को धूमि पर रखना तथा धूमरे श्वेत प्रकाश या फ्लेयर को निर्दिष्ट दिशा में ले जाना या लाल तारक सिगरेट का ऊर्ध्वाधार दिशा में तथा श्वेत तारक सिगरेट का अच्छे अवतरण-स्थल की दिशा में ज्वालन या कूट अक्षर "एस" (-.-.) द्वारा संकेत भेजना।

गत में : श्वेत प्रकाश या फ्लेयर की क्षैतिज गति तत्पश्चात श्वेत प्रकाश या फ्लेयर को धूमि पर रखना तथा धूमरे श्वेत प्रकाश या फ्लेयर को निर्दिष्ट दिशा में ले जाना या लाल तारक सिगरेट का ऊर्ध्वाधार दिशा में तथा श्वेत तारक सिगरेट का अच्छे अवतरण-स्थल की दिशा में ज्वालन या कूट अक्षर "एस" (...) तत्पश्चात कूट अक्षर "आर" (-.-.) के संकेत भेजना, यदि संकट-

"यहां अवतरण अवधार खतरनाक है। अवधार की अधिक अनुकूल अवस्थिति निर्दिष्ट दिशा में है।"

भूतल यान के अवतरण के लिए अधिक अच्छा अवतरण स्थल अमिगम-दिशा के अधिक बायीं और स्थित हो। यदि संकटप्रस्त यान के लिए अच्छा अवतरण स्थल, अमिगम दिशा के अधिक बायीं और स्थित हो तो कूट प्रकार “एल” (—.) द्वारा सेकेट भेजना।

(ग) लट प्राण रक्षा उपकरण के प्रयोग से सबधित प्रयुक्ति सिगनल:—

सिगनल	प्रथा
दिन में:—श्वेत पताका या भुजाओं की ऊर्ध्वाधार गति या हरे तारक सिगनल का ज्वालन	सामान्यतः सकारात्मक विभिन्निष्ठतः “राकेट रेखा रुकी हुई है”
रात में:—श्वेत प्रकाश या फ्लेयर की ऊर्ध्वाधार गतिया हरे तारक सिगनल “पुच्छ खड़ को प्रुत किया गया है”	“पुच्छ खड़ खड़ को प्रुत किया गया है”
दिन में:—श्वेत पताका की क्षेत्रिज गति या भुजाओं को क्षेत्रिजतः फैलाना या लाल तारक सिगनल का ज्वालन।	सामान्यतः नकारात्मक विभिन्निष्ठतः “मंद गति से जाए”
रात में:—श्वेत प्रकाश या फ्लेयर की क्षेत्रिज गति या लाल तारक सिगनल का ज्वालन।	“हक कर जाए”

(घ) पोत या संकटप्रस्त व्यक्ति को पोत या बायूयान की ओर दिष्ट करने के लिये, खोज या अचाव कार्य करने वाले बायूयान द्वारा प्रयुक्त सिगनल:

(1) जब कोई बायूयान, किसी भूतल यान को किसी बायूयान या संकटप्रस्त भूतल यान की ओर दिष्ट करना चाहता है तो वह क्रमानुसार निम्नलिखित प्रक्रियाएं निष्पादित करेगा:—

- (1) भूतल यान का कम-से-कम एक चक्कर लगायेगा,
- (2) भूतल यान के प्रक्रियत पथ को कम ऊंचाई पर प्रागे आकर पार करेगा, थ्रोटल को खोलेगा और बंद करेगा या नोटक-अंतराल को परिवर्तित करेगा,
- (3) उसी दिशा में आगे बढ़ेगा, जिसमें भूतल यान दिष्ट किया जाना है।

इन प्रक्रियाओं की प्रमाणवृत्ति कावही प्रथा होगा।

(2) किसी बायूयान द्वारा निष्पादित निम्नलिखित प्रक्रिया का यह प्रथा होगा कि जिस भूतल यान की ओर सिगनल दिष्ट किया गया है उसकी सहायता की प्रब्रावश्यकता नहीं है—

—भूतल यान के पश्च भाग को निकट पीछे से कम ऊंचाई पर पार करना, थ्रोटल को खोलना और बंद करना या नोटक-अंतराल को परिवर्तित करना।

प्रातिवृत्ति अनुसूची

[विभिन्न नियम 8(2)]

मस्टर सूची तथा आपात निर्देश

1. सामान्य: प्रत्येक पोत का मस्टर, एक मस्टर-सूची तथा आपात-निर्देश तैयार करेगा जो निम्नलिखित का अनुपालन करेंगे:—

(क) मस्टर-सूची में सामान्य आपात अलार्म सिगनल संबंधी तथा जब इस प्रकार का सिगनल सुनाई दे तो कर्मीदल तथा यात्रियों द्वारा की गई कार्यवाही के विवरण विनिर्दिष्ट किये जायेंगे। मस्टर-सूची में यह भी विनिर्दिष्ट किया जायेगा कि पोत को परिस्थित करने का आवेदन किस प्रकार दिया जाता है तथा इसमें अग्नि-आपात को दर्शाने वाले सिगनल का विवरण भी होगा।

(ख) मस्टर-सूची में कर्मीदल के विभिन्न सदस्यों को नियंत्रण की गई डियूटी भी दर्शाई जायेगी जिसमें निम्नलिखित भी सम्मिलित है:—

(1) जलरुद्ध दरवाजों, अग्नि दरवाजों, वाल्वों स्कपरों, पार्श्व-भोरणों, रोशनदानों, द्वारालिंगों तथा पोत में इस प्रकार के द्वारों को बंद करना,

(2) उत्तरजीवी यान की निर्मित तथा उसका प्रभोचन,

(3) अन्य प्राण रक्षक साधिकारों की सामान्य निर्मित,

(4) यात्रियों की मस्टर,

(5) संचार उपस्कर का उपयोग,

(6) आग से निपटने के लिये प्रतिवेदनों का संचालन,

(7) अग्नि शमन उपस्कर तथा प्रधिष्ठापनों के प्रयोग हेतु नियंत्रण की गई विशेष डियूटी।

(ग) उपस्थिति सूची में वे अधिकारी भी विनिर्दिष्ट किये जायेंगे जो यह सुनिश्चित करने के लिये नियंत्रण किये गये हैं कि प्राण रक्षक तथा अग्नि साधिकारों को अच्छी अवस्था में बनाये रखा जाये और वे तत्काल प्रयोग के लिये तैयार रहें।

(घ) विभिन्न आपात स्थितियों के लिये विभिन्न कार्यवाही की प्रावश्यकता पड़ सकती है, यह बात ध्यान में रखते हुए मस्टर सूची में प्रमुख व्यक्तियों के प्रतिस्थापनी भी विनिर्दिष्ट किये जायेंगे क्योंकि वे अवश्यक हो सकते हैं।

(इ) आपात स्थिति उत्पन्न होने पर यात्रियों के प्रति कर्मीदल के सदस्यों के कर्तव्य भी मस्टर सूची में

दर्शाएं जायेंगे। इन कर्तव्यों में निम्नलिखित सम्मिलित हैं:—

- (1) यात्रियों को चेतावनी देना,
- (2) यह देखना कि वे समुचित रूप से आवरित हैं और उन्होंने रक्षा जैकिट ठीक से पहले रखी है,
- (3) मस्टर केन्ड्रों पर यात्रियों को एकत्र करना,
- (4) आवागमन के मार्गों तथा सोपान मार्गों पर व्यवस्था बनाये रखना और यात्रियों की गतिविधियों को सामान्यतः नियमित करना,
- (5) उत्तरजीवी यात्रा पर कम्बलों की आपूर्ति सुनिश्चित करना,
- (6) पोत के समूद्र में गमन करने से पहले मस्टर सूची तैयार की जानी चाहिये।

मास्टर सूची तैयार हो जाने के बाद यदि कर्मीदल में कोई ऐसा परिवर्तन होता है जिससे मस्टर सूची में भी संशोधन करना पड़े तो मास्टर इस सूची में संशोधन करेगा या नहीं सूची तैयार करेगा।

2. जब भी पोत के बोर्ड पर सुरक्षा-उपस्कर में आधा पड़े सब पोत पर प्रयुक्त मास्टर सूची के आरूप की, सर्वेक्षक द्वारा जांच भी जायेगी, ताकि इस अनुसूची का प्रनुपालन सुनिश्चित हो जाये।

नवी अनुसूची

[देखिए नियम 19(8) 27 तथा 36]

रक्षा बेड़ों के लिये प्लव मुक्त व्यवस्था

1. रक्षा बेड़ा-पेन्टर-तंत्र, पोत तथा रक्षा बेड़े के मध्य संबंध उपलब्ध करेगा और यह इस प्रकार व्यवस्थित रहेगा कि बेड़ा जब विमोचित किया जाये और यदि अफुलनीय रक्षा बेड़े का प्रयोग किया गया हो तो जब उसे फुलाया जाये तो वह झूटते पोत के नींथे कवित न हो।

2. यदि प्लव मुक्त व्यवस्था में बुरेल कड़ी का प्रयोग किया गया है तो इसे:

- (क) रक्षा बेड़ा-पान से पेन्टर को खींचने के लिये आवश्यक बल द्वारा टूटना नहीं चाहिये,
- (ख) यदि प्रयोग किया जाये तो इसकी पर्याप्त सामर्थ्य होनी चाहिये ताकि रक्षा बेड़े का फुलन हो सके,
- (ग) $2.2 + 0.4$ किलो म्यूटन विहित पर विवरित हो जाना चाहिये;

3. यदि प्लवमुक्त व्यवस्था में व्यवस्थैतिक विमोचन एकक का प्रयोग किया गया हो तो यह,

- (क) सुसंगत सामग्री से इस प्रकार संनिर्मित किया जाना चाहिये ताकि एकक के मुख्यार्थ को रोका

जा सके। व्यवस्थैतिक एकक के भागों पर यशोदलेपन या किसी अन्य धात्विक लेपन की स्वीकार नहीं किया जाना चाहिये,

- (ख) अधिक से अधिक 4 मीटर की गहराई पर रक्षा बेड़ा स्थान विमोचित हो जाना चाहिये।
- (ग) जब एकक अपनी सामान्य स्थिति में हो तो व्यवस्थैतिक कोष्ठ में जलसंग्रहण को रोकने के लिये इसमें अपवाह होना चाहिये,
- (घ) इस प्रकार संनिर्मित किया जाना चाहिये कि जब समुद्रधाव एकक के ऊपर आये तो इसका विमोचन न हो,
- (ङ) इसमें बाहर की ओर उसका प्ररूप तथा क्रमांक स्थायी रूप से अंकित होना चाहिये,
- (च) अभिज्ञान प्लेटों का प्रलेखा उपलब्ध होना चाहिये जिसमें विनिर्माण तिथि, प्ररूप तथा क्रमांक लिखा हो,
- (छ) इस प्रकार होना चाहिये कि पेन्टर-तंत्र से संयोजित प्रत्येक भाग की सामर्थ्य, पेन्टर के लिये अपेक्षित सामर्थ्य से कम नहीं होनी चाहिये।

4. व्यवस्थैतिक विमोचन एककों की सेवा नियन प्रकार की जानी चाहिये:—

- (क) अधिक से अधिक 12 महीनों के अंतराल पर हालांकि जहां उचित और युक्ति संगत प्रतीत होता हो वहां फ्रेंचीय सरकार यह अवधि 17 महीनों तक बढ़ा सकती है,
- (ख) सेवा ऐसे केन्ड्रों पर की जानी चाहिये जो इन की सेवा करने में सक्षम हों, उनके पास समुचित सेवा सुविधायें उपलब्ध हों और वहां केबल समुचित रूप से प्रशिक्षित कार्य करते हों,

दसवीं अनुसूची

[देखिए नियम 17]

1. प्रत्येक रेखाक्षेपण साधित :

1. प्रयाप्त यथार्थता के साथ रेखाक्षेपण में
2. इसमें कम से कम चार प्रेक्षण होंगे। शांत जल में कम से कम 230 मीटर तक ले जाने में समर्थ होंगे,
3. इसमें कम से कम चार रेखाएं होंगी जिनमें से प्रत्येक की भंजन सामर्थ्य कम से कम 2 किलो म्यूटन होगी,
4. इसमें संक्षिप्त निर्वेश या आरेख होंगे जो रेखाक्षेपण साधित के प्रयोग को स्पष्टतः निर्वाचित करेंगे।
2. राकेट, पिस्टल-ज्वलित रॉकेट या समुच्चय, समग्र राकेट तथा रेखा एक जलसंरोधी आवरक में बंद रहेंगे।

इसके अतिरिक्त पिस्टल ज्वालित राकेट में, रेखा तथा प्रज्ञवलन साधन सहित एक ऐसे पात्र में भरित किये जाएंगे जो मौसम से रक्षण प्रदान करे।

3. (1) राकेट के सभी घटक, संघटक तथा रखक और उनके प्रज्ञवलन के साधन इस प्रकार के और ऐसी गुणता के होंगे जो अच्छी औसत भंडारण अवस्थाओं में वे कम से कम दो वर्षों तक सेवा योग्य बने रहें।

(2) रॉकेट के भरण की तिथि, रॉकेट तथा उसके पात्र पर अग्रिम रूप से अंकित की जाएगी और उसी प्रकार कार्टिज-पात्रों पर अंकित की जाएगी।

बारहवीं अनुसूची

[दिविए नियम 18(1) तथा 6]

प्रशिक्षण नियमावली

1. प्रशिक्षण नियमावली में कई खंड हो सकते हैं। इसमें सुगम्य विधि तथा जहां संभव हो वहां विक्रीं द्वारा पोत पर उपलब्ध प्राण रक्षक साधिक्रों तथा उत्तरजीवन की सर्वोत्तम विधियों संबंधी निर्देश तथा जानकारी रहेगी। नियमावली के स्थान पर इस प्रकार की जानकारी का कोई भाग अध्ययन-दृष्ट्य साधनों के रूप में भी उपलब्ध कराया जा सकता है। निम्नलिखित विस्तार से समझाए जाएंगे:—

1. रक्षा जैकिटों तथा निमज्जन-वरिवासों को ऑफ प्रकार से पहनना,
2. नियत केन्द्रों पर मस्टर,
3. उत्तरजीवी यान तथा बचाव नौका पर आरोहण और उनका प्रमोचन तथा रिक्तन,
4. उत्तरजीवी यान के अंदर से प्रमोचन की विधि,
5. प्रमोचन साधिक्रों से विमोचन,
6. प्रमोचन-केन्द्रों में रक्षण की विधियों तथा युक्तियों के प्रयोग, जहां उपयुक्त हो,
7. प्रमोचन क्षेत्रों में प्रकाश,
8. सभी उत्तरजीवी उपस्कर का प्रयोग,
9. सभी संसूचन उपस्कर का प्रयोग,
10. विक्रीं के द्वारा रेडियो प्राण रक्षक साधिक्रों का उपयोग
11. ड्रोग का उपयोग,
12. इंजन तथा उपसाधनों का उपयोग,
13. भरण तथा रक्षण सहित उत्तरजीवी यान तथा बचाव मौकाओं की पूँः प्राप्ति,
14. उद्भासन के सेकट तथा गर्म कपड़ों की आवश्यकता,
15. उत्तरजीवन के लिए उत्तरजीवी यान सुविधाओं का सर्वोत्तम प्रयोग,
16. बचाव की विधियां जिनमें हेलीकॉप्टर, बचाव गिर (स्लिंग, बॉस्केट, स्ट्रेचर) प्रांग-गांग आ

तट प्राण रक्षक उपकरण तथा पोत रेखाक्षेपण उपकरण सम्मिलित हैं।

17. मस्टर सूची तथा आपात विक्रीं में निहित अध्य सभी कार्य, तथा

18. प्राण रक्षक साधिक्रों की आपात मरम्मत संबंधी निर्देश,

2. पोत के प्राण रक्षक साधिक्रों के उपयोग तथा समुद्र में उत्तरजीवन संबंधी निर्देश अध्यास (डिल) के रूप में उत्तरने ही अंतराल पर मास्टर या अन्य अधिकारियों द्वारा दिए जाएंगे। अलग-अलग निर्देश, पोत के प्राण रक्षक तंत्र के विविध भागों से संबंधित हो सकते हैं परन्तु पोत के सभी प्राण उपस्कर तथा साधिक्र से संबंधित निर्देश वो महीनों की अवधि के अंदर पूर्ण हो सकते हैं। कर्मदिल के प्रत्येक सदस्य को जो निर्देश दिए जाएंगे उनमें निम्नलिखित तो सम्मिलित होंगे परन्तु आवश्यक नहीं कि वे यहीं तक सीमित रहें,

(क) पोत के फूलस्नीय रक्षा बेड़ों का प्रचालन तथा उपयोग,

(ख) अल्पतप्तता की समस्याएं, अल्पतप्तता का प्रथोचार तथा अन्य उपयुक्त प्रथोचार प्रक्रियाएं तथा

(ग) उग्र मौसम तथा उग्र समुद्री परिस्थितियों में पोत के प्राण रक्षा साधिक्रों के प्रयोग संबंधी आवश्यक विशिष्ट निर्देश।

3. डेविट-प्रमोचित रक्षा बेड़ों के प्रयोग का बोर्ड पर प्रशिक्षण, ऐसे साधिक्रों से सम्बंधित प्रत्येक पोत पर अधिक 4 मास के अंतराल पर दिया जाएगा। जहां आवाहारिक हो इसमें रक्षा बेड़ों का फूलस्न या अबनमन भी सम्मिलित किया जाएगा। यह रक्षा बेड़ा एक विशेष रक्षा बेड़ा भी हो सकता है जो केवल प्रशिक्षण के उद्देश्य से ही बनाया गया हो और जो पोत के प्राण रक्षक उपस्कर का भाग न हो। इस प्रकार का रक्षा बेड़ा स्पष्टतः अंकित होगा।

बारहवीं अनुसूची

[दिविए नियम 18(2)]

परिस्थित पोत-अध्यास तथा अग्नि अध्यास

भाग—1

परिस्थित पोत-अध्यास

1. प्रत्येक परिस्थित पोत-अध्यास में निम्नलिखित सम्मिलित होगा:—

1. सातवीं अनुसूची के भाग 6 में विनिर्दिष्ट अलार्म सिग्नल बजाकर यात्रियों तथा कर्मदिल को बुलाना,
2. यात्रियों तथा कर्मदिल को प्रक्रम की जानकारी तथा पोत परिस्थित आदेश सुनिश्चित करना,
3. केन्द्रों पर रिपोर्ट करना तथा मस्टर सूची में उल्लेखित ड्यूटी के लिये तैयार रहना,

4. यह जाँच करना कि याकी तथा कर्मदिल भली प्रकार से कपड़े पहने हैं,
 5. यह जाँच करना कि रक्षा जैकिट ठंडे से पहनी गई है,
 6. प्रमोचन की आवश्यक तैयारी के बाद कम से कम एक रक्षा नौका को नीचे छुकाना,
 7. रक्षा नौका इंजन को प्रवर्तित तथा प्रचालित करना,
 8. रक्षाबेंडों के प्रमोचन में प्रयुक्त डेविटों को प्रचालित करना;
2. क्रमागत अभ्यासों में विभिन्न रक्षानीकाएं, उपर्युक्त पैसा 1(6) की अपेक्षाओं के अनुपालन स्वरूप यथा संभव छुकाई जायेगी।
3. अभ्यास यथा संभव इस प्रकार संचालित किये जायेंगे कि मानो वास्तव में आपात स्थिति हो।

4. परिस्थक्त पोत अभ्यास के दौरान प्रत्येक रक्षा नौका अपने बोर्ड पर नियत प्रचालन कर्मदिल के साथ, कम से कम 3 मास में एक बार जल में प्रमोचित तथा युक्ति चालित की जायेगी। लघु समृद्धि यात्रा पर जाने वाले पोतों से एक पार्श्व से रक्षानीकाओं का प्रमोचन अपेक्षित नहीं है। यदि पत्तन में उनकी वर्धी व्यवस्था तथा उनका अधिपारिक प्रतिरूप के अनुसार उस पार्श्व से रक्षानीकाओं का प्रमोचन संभव न हो। हालांकि ऐसी सभी रक्षानीकाएं कम से कम 3 मास में एक बार छुकाई तथा कम से कम वर्ष में एक बार प्रमोचित की जायेगी।

5. जहां तक युक्तिसंगत एवं व्यावहारिक हो, रक्षा नौकाओं के अल्टिकिट बचाव नौकाएं, जो बचाव नौकाएं भी हैं बोर्ड पर अपने नियत कर्मदिल के साथ प्रत्येक मास प्रमोचित की जायेगी तथा जल में उनका युक्ति चालन किया जायेगा। सभी अवस्थाओं में कम से कम 3 मास में एक बार इस अपेक्षा का अनुपालन किया जायेगा।

6. यदि रक्षानीका तथा बचाव नौका प्रमोचन अभ्यास तब किये जाते हैं जब पोत अग्रगमन कर रहा हो ऐसे अभ्यास, निहित जोखिमों को देखते हुए केवल आश्रित जल में और ऐसे अभ्यासों का अनुभव रखने वाली अधिकारी की देखरेख में ही किये जायेंगे।

7. प्रत्येक परिस्थक्तपोत अभ्यास में भर्टरण तथा परिस्थाग की आपात प्रकाश व्यवस्था का भी परीक्षण किया जायेगा।

भाग-II

अग्नि अभ्यास

1. प्रत्येक अग्नि अभ्यास यथा संभव वास्तविक छंग से संचालित किया जाना चाहिये। अग्नि अभ्यास आयोजित करने से पहले, वाणिज्य पोत परिवहन (अग्नि साधित) नियमों के अनुसार अपेक्षित व्यवहारीय उपस्कर की यह देखभाल के लिये जांच की जानी चाहिये कि वह सुचारू रूप से कार्य कर रहा है।

2. प्रत्येक अग्नि-अभ्यास में अलार्म सिगनल के द्वारा कर्मदिल को अग्नि केन्द्र पर बुलाना भी सम्मिलित है, जैसा कि मस्टर मूटी में विनिर्दिष्ट किया गया है।

3. जहां तक संभव ही संगठित अग्नि-दल एक अग्निएक के रूप में कार्य करें और अपने साथ संचार उपस्कर सहित आवश्यक उपस्कर का बहन करें।

4. प्रत्येक अग्निदल, अग्निशमन में प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्ति के अधीन होगा और समान प्रशिक्षण प्राप्त द्वितीय अधिकारी भी नामित किया जायेगा,

5. शेष कर्मदिल की निम्नलिखित विवरण युक्त कार्य नियंत्रित किया जायेगा,

(क) संवातन पर प्रतिबंध, सुदूर स्थिरों तथा नियंत्रणों तथा आपात अग्निपम्प का प्रचालन,

(ख) प्राथमिक चिकित्सा देना,

(ग) ऐसे क्षेत्रों से कर्मदिल सदस्यों या यात्रियों को बाहर निकालना जिनके अग्नि द्वारा प्रभावित होने की संभावना हो,

(घ) यदि आवश्यक हो तो "परिस्थक्त पोत" के लिये उत्तरजीवी यात्रों को संयार करना,

(इ) इंजन कक्ष, सेतु पर रेडियो कक्ष में तथा जहां आवश्यकता ही वहां अन्य नियंत्रण-केन्द्रों में कुशल निगरानी रखना,

6. प्रत्येक अग्नि-अभ्यास में, अग्नि दलों के एकत्र होने की तकाल अग्नि की अवस्थिति और उसकी प्रकृति के बारे में सूचित किया जायेगा।

7. अग्नि-दल का प्रभारी व्यक्ति दक्ष संचार व्यवस्था का प्रयोग कर, अग्निशमन संकायों की प्रगति प्रेवित करेगा। यदि कोई विशेष सिगनल हो तो उनकी भी सभी संबद्ध व्यक्तियों को जानकारी दी जायेगी। जब व्यक्ति रेडियो तंत्र पर संचार स्थापित हो जाते हैं तो प्रत्येक संचार यह व्यक्त करेगा कि यह अग्नि-अभ्यास है। यह सावधानी इसलिये आवश्यक है कि क्योंकि ये संचार पर्याप्त फूरी से सुने जा सकते हैं और इनसे अनावश्यक घबड़ाहट कैल सकती है।

8. वास्तविक अभ्यास संचालन के लिए, ऐकों पर उचित अवस्थाओं पर नकली अग्नि की व्यवस्था की जाती है। निर्देश के उद्देश्य से नकली अग्नि-शमन का संचालन कर्मदिल की उपस्थिति में किया जाता है ताकि वे उपस्कर की प्रभावित से अवगत हो जाए।

9. प्रत्येक पोत पर एक व्यक्ति अग्नि-प्रशिक्षण-अधिकारी नामित किया जाता है। यह प्रशिक्षण अधिकारी सप्ताह में एक बार, कर्मदिल सदस्य के एक वैच की अग्नि उपस्कर, ऐसे उपस्कर यी अवस्थिति, अलार्मों की अवस्थिति के प्रयोग के बारे में निवेश केता है।

10. प्रत्येक कर्मीवल सदस्य को पोत पर कार्यभार संभालने के 15 विम के प्रत्यन्दर इस प्रकार का प्रशिक्षण लेना पड़ता है तत्पश्चात् यह प्रशिक्षण कम से कम 2 मास में एक बार लेना पड़ता है।

11. प्रशिक्षण की दृष्टि से सभी डैक अधिकारी बारी-बारी से इंजन कक्ष अग्नि नियन्त्रण वल में और सभी इंजीनियर अधिकारी "परिस्थित पोत" तैयारी वल में रखे जाते हैं।

12. प्रत्येक अध्यास की समाप्ति पर मास्टर, मुख्य इंजीनियर तथा अग्नि नियन्त्रण अधिकारी निष्पादन का सूल्याकन करते हैं और जहां आवश्यक हो आगे भी बोर्ड-प्रशिक्षण निवेशित करते हैं।

तेरहवीं अनुसूची

[देखिए नियम 19(2) तथा 5]

बोर्ड पर अनुरक्षण के लिए निर्देश

1. प्राण रक्षक साधिकारों के बोर्ड पर अनुरक्षण संबंधी निर्देश सुगम्य तथा जहां संभव और उपयुक्त हो ये सचिव होने चाहिए। प्रत्येक साधिक के लिए इनमें निम्नलिखित सम्मिलित होना चाहिए:

1. निरीक्षण सम्पन्न करने के लिए प्रयोग हेतु एक जांच सूची,

2. अनुरक्षण तथा मरम्मत संबंधी निर्देश,

3. साधिक अनुरक्षण कार्यक्रम,

4. स्नेहम स्थलों का आरेख तथा सिफारिश किए गए स्नेहक,

5. बदले जाने वाले पुरजों की सूची,

6. अतिरिक्त पुरजों के लियों की सूची,

7. निरीक्षण तथा अनुरक्षण के अभिलेख के लिए लॉग बुक,

2. साप्ताहिक निरीक्षण :

निम्नलिखित परीक्षण तथा निरीक्षण प्रति सप्ताह किए जाएंगे,

1. सभी उत्तरजीवी यान, बचाव नौकाएं तथा प्रमोचन-साधिकारों का यह सुनिश्चित करने के लिए दृश्य परीक्षण किया जाएगा कि वे प्रयोग के लिए तैयार हैं,

2. रक्षानीकारों और बचाव नौकाओं के सभी हंजनों को कम से कम कुल 3 मिनट तक आगे लौटे जालाया जाएगा बशर्ते कि परिवेश-ताप, इंजन को प्रवर्तित करने के लिए अपेक्षित स्थूलतम ताप से अधिक है। 1 जूलाई, 1986 से पहले संनिभित पोत इन उपबंधों का, जहां तक व्यावहारिक हो, अनुपालन करेंगे।

3. सामान्य प्राप्त अलार्म तंत्र का परीक्षण किया जाएगा,

3. मासिक निरीक्षण

रक्षानीका उपस्थित सहित प्राण रक्षक साधिकारों का ऊपर वर्णित जांच सूची का प्रयोग करते हुए मासिक निरीक्षण

यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि वे पूर्ण और सुचारू अवस्था में हैं। निरीक्षण की रिपोर्ट लॉग बुक में बर्ज की जाएगी।

चौदहवीं अनुसूची

[देखिए नियम 42 (2), 43 (ग)]

"सी" वर्ग नौकाएं

(1) प्रत्येक "सी" वर्ग नौका:

(क) एक खुली नौका होगी जिसके पार्श्व दूर होंगे,

(ख) इसका रूप और अनुपात इस प्रकार का होगा कि समुद्री भार्ग में इसका स्थायित्व रहे और शीर्षान्तर पर्याप्त रहे जब इसमें अपने पूर्ण उपस्थित के साथ अधिकतम् अवस्था सवार हों जिनके बीचे के लिए इसमें स्थान उपलब्ध है,

(ग) इसकी लम्बाई कम से कम 4.3 मीटर तथा अधिक से अधिक 5.5 मीटर होगी,

(घ) नौका आड़े तख्ते तथा पार्श्व सीटें लगी होंगी जो यथा संभव नीची होगी, इसमें तली बोर्ड भी लगे होंगे,

(इ) इस में आंतरिक उत्पावक भी लगा होगा जो इस प्रकार स्थित होगा कि नौका के पूर्णतः भरे रहने पर तथा प्रतिकूलभासम अवस्थाओं में स्थायित्व प्राप्त हो जाए। आंतरिक उत्पावक, ताच या मुट्ठ धारु से या किसी अन्य समान उपयुक्त सामग्री से संनिभित वयु आवरक होंगे।

(च) इसमें पर्याप्त आंतरिक उत्पावकता उपलब्ध कराई जाएगी ताकि नौका बोर्ड पर अपने सम्पूर्ण उपस्थित के साथ तैर सके तब नौका आप्लावित हो जाए और खुले समुद्र में हो। इसके अतिरिक्त बोर्ड में अनुमत आवासित प्रति व्यक्ति 280 न्यूटन उत्पावन-बल के बराबर नैब उत्पावकता भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह उत्पावन-सामग्री नौका के पोत खोल में बाहर की ओर अधिष्ठापित नहीं की जाएगी।

(2) "सी" वर्ग की नौकाओं की वहन-क्रमांक प्रति व्यक्ति का औसत भार 75 किग्रा मानगर निर्धारित की जाएगी जो सभी रक्षा जैकिट पहने अपनी सामान्य स्थिति में बैठे हों और नौका उपस्थित के प्रचालन में किसी भी प्रकार की बाधा न डालें।

(3) "सी" वर्ग की प्रत्येक नौका निम्नलिखित का वहन करेगी

(क) पर्याप्त उत्पावक चप्पे जो शांत समुद्र में गतिशील हों। प्रत्येक उपलब्ध चप्पे के लिए चप्प-टेक, क्रच या तुल्य अवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। चप्प-टेक या क्रच, नौका से लौटी या जंजीरों द्वारा संलग्न रहेंगे;

(ख) भी नौका-टुक,

(ग) एक उत्पावक प्लूटक तथा एक बालटी,

(घ) एक दक्षप्रैल्टर जिसकी लम्बाई, रक्षा नौका की भरण स्थिति से सुगमतम् समुद्रगामी अवस्था में

- जल रेखा तक दूरी की तुम्हारी या 15 मीटर होगी, इन में जो भी अधिक हो,
- (अ) एक कुल्हारी,
 - (ब) जलरुद्ध पान जिनमें रक्षानीका में आवासित अनुमति प्रति व्यक्ति 3 लिटर की दर से कुल जल हो,
 - (च) डोरी सहित एक जंगरोधी हिपर,
 - (ज) एक जंगरोधी शंशाकित पेयपान,
 - (झ) सातवीं अनुसूची के भाग VIII की अपेक्षाओं का अनुपालन करने वाले दो राकेट पैराशूट फ्लेयर,
 - (अ) सातवीं अनुसूची के भाग IX की अपेक्षाओं का अनुपालन करने वाले भार हस्त फ्लेयर,
 - (ट) सातवीं अनुसूची के भाग XII की अपेक्षाओं का अनुपालन करने वाले थोउल्लावक धूम सिगनल,
 - (ठ) मोर्स सिगनल के लिए एक उपयुक्त जलसह विद्युत टार्च, साथ में बैटरियों का एक अतिरिक्त सेट तथा एक अतिरिक्त बल्ब जो सभी जलसह पान के होंगे,
 - (ड) दिन के प्रकाश का एक सिगनल थर्पेण तथा साथ में पोतों और बायुगान को सिगनल देने के लिए निर्देश,
 - (इ) एक सीटी या तुल्य ध्वनि सिगनल,
 - (ण) एक जैक चाकू जो छोरी ढारा नौका से संलग्न रखा जाता है,
 - (इ) तीन टिन ओपनर,
 - (इ) एक उत्प्लावक बचाव चक्रती, जो कम से कम 30 मीटर उत्प्लावक रेखा से संलग्न हो,
 - (ए) मन्त्यन-संभार का एक सेट,

[संख्या-एस आर/11013/3/86एस.ए.]
के. पदमानाभावार, अवर मन्त्रिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 7th June, 1991

(Merchant Shipping)

G.S.R. 387.—The following draft of certain rules, which the Central Government proposes to make in exercise of powers conferred by sub-section (1) read with clauses (a), (b), (c), (d), (f), (g), (h), (i), (j), (k) (m), and (n) of sub-section (2) of section 288 and sub-section (1) read with clause (k) of sub-section (2) of section 435 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) and in supersession of the Merchant Shipping (Muster) Rules, 1968 is hereby published for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of thirty days

from the date on which copies of this notification as published in the Gazette of India are made available to the public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

SECTION-I

PRELIMINARY

1. Short title, commencement and application.—(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) Subject to the provision of these rules.

- (a) they shall apply to every Indian ship going to sea and every sea-going sailing vessel, the keel of which was laid on or after 1st day of July 1986.
- (b) they shall not apply to any such ship or sailing vessel the keel of which was laid before the 1st day of July 1986 and the provisions of the Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1982 shall apply to such ships or sailing vessels :

Provided that the Director General of Shipping may, after the commencement of these rules, require by order in writing, the owner of every such ship or sailing vessel, having regard to any structural changes made in such ship or sailing vessel, to comply with any or all of the requirement specified in these rules.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Merchant Shipping Act 1958 (44 of 1958);
- (b) "approved" means approved by the Naval Adviser to the Government of India;
- (c) "certified person" means a person who holds a Certificate of Proficiency in a Survival Craft, issued under the authority of, or recognised as valid by, the Director General and includes a deck officer holding a certificate of competency and a person holding a certificate of efficiency as a life boatman issued under the Merchant Shipping (Life Boatmen's Qualifications and Certificates) Rules, 1963;
- (d) "embarkation ladder" means a ladder provided at a survival craft embarkation station which shall comply with the requirements specified in Part VI of the First Schedule;
- (e) "embarkation station" means the area designated as such on board a ship from where the crew and passengers can embark a survival craft directly from that station,

- (f) "emergency position indicating radio beacon" means a station in the mobile service the omissions of which are intended to facilitate search and rescue operations;
- (g) "fair weather season" means,—
- in the Arabian Sea, the season beginning on and from the 1st June and ending with the 31st May; and
 - in the Bay of Bengal, the season beginning on and from 1st December and ending with the 30th April;
- (h) "foul weather season" means,—
- in the Arabian Sea, the season beginning on and from the 1st June and ending with the 31st August; and
 - in the Bay of Bengal, the season beginning on and from the 1st May and ending with the 30th November;
- (i) "float free launching" means the method of launching a survival craft whereby the craft is automatically released from a sinking ship and is ready for use;
- (j) "free-fall launching" means the method of launching a survival craft whereby the craft with its complement of persons and equipment on board is released and allowed to fall into the sea without any restraining apparatus;
- (k) "immersion suit" means a protective suit which reduces body heat loss of a person wearing in cold water which shall comply with the requirements specified in Part IV of the Second Schedule;
- (l) "IMO Code" means the code of practice for evaluation, testing and acceptance of prototype life saving appliances and arrangements adopted by the Assembly of the International Maritime Organisation at its Thirteenth Session and as amended by the International Maritime Organisation;
- (m) "INO recommendation" means a recommendation on testing of life saving appliances adopted by the Assembly of the International Maritime Organisation at its Thirteenth Session and as amended by International Maritime Organisation from time to time;
- (n) "international voyage" means a voyage from or to a port or place in India to or from a port or place outside India;
- (o) "launching appliance and arrangements" means a method of transferring a survival craft or rescue boat from its stowed position safely to the water, which shall comply with the requirements specified in the First Schedule;
- (p) "length" means 96 per cent of the total length on a waterline at 85 per cent of the least moulded depth measured from the top of the keel, or the length from the fore-side of the stem to the axis of the rudder stock on that waterline, if that be greater. In ships designed with a rake of keel the waterline on which this is measured shall be parallel to the designed waterline;
- (q) "lifeboat" means a boat which complies with the requirements specified in the Third Schedule;
- (r) "liferaft" means a liferaft which complies with the requirements specified in the Fourth Schedule;
- (s) "moulded depth", means,—
- the vertical distance measured from the top of the keel of the top of the freeboard deck beam at side. In wood and composites ships the distance is measured from the lower edge of the keel rabbet. Where the form at the lower part of the midship section is of a hollow character, or where thick garboards are fitted, the distance is measured from the point where the line of the flat of the bottom continued inwards cuts the side of the keel;
 - in ship having rounded gunwale, the distance measured to the point of intersection of the moulded lines of the deck and side shell plating, the lines extending as though the gunwale were of angular design;
 - where the freeboard deck is stepped and the raised part of the deck extends over the point at which the moulded depth is to be determined the moulded depth shall be measured to a line of reference extending from the lower part of the deck along a line parallel with the raised part;
- (t) "muster list" means a list of the crew and passengers who are required to assemble at a given muster station;
- (u) "muster station" means the area designated as such on board a ship or assembly of crew and passengers;
- (v) "person" means a person above the age of one year and includes ship's crew and officers;
- (w) "rescue boat" means a boat designed to rescue persons in distress and to marshal survival craft and complies with the requirements specified in the Fifth Schedule;
- (x) "retro reflective material" means a material which reflects in the opposite direction a beam of light directed on it and complies with the requirements specified in the Sixth Schedule;
- (y) "schedule" means any of the Schedules annexed to these rules;
- (z) "short international voyage" means an international voyage in the course of which a

ship is at any time not more than 200 nautical miles away from a port or place in which the passengers and crew could be placed in safety. Neither the distance between the last port of call in the country in which the voyage begins and the final port of destination nor the return voyage shall exceed 600 nautical miles. The final port of destination is the last port of call in the scheduled voyage at which the ship commences its return voyage to the country in which the voyage began;

- (za) "survival craft" means a craft capable of sustaining the lives of persons in distress from the time of abandoning the ship and includes a lifeboat and a liferaft;
- (zb) "thermal protective aid" means a bag or suit made of water proof material with a low thermal conductivity and complies with the requirement specified in Part V of the Second Schedule.

3. Classification of ships.—For the purposes of these rules.— Indian ships going to sea and sea going sailing vessels, shall be arranged in the following classes, namely :—

A-Passenger Ships

Class I—Passenger ships engaged on international voyages other than ships of Class III.

Class II—Passenger ships engaged on short international voyages other than ships of Class IV.

Class III—Special Trade Passenger Ships engaged on international voyages.

Class IV—Special Trade Passenger ships engaged on short international voyages.

Class V—Special Trade Passenger ships (other than ships of Classes VI and VII) engaged on voyages other than international voyages.

Class VI—Special Trade Passenger ships engaged on voyages on the coasting trade of India during the course of which they do not go more than 20 nautical miles from the nearest land :

Provided that such ships shall not cease to be ships of Class VI merely by reason of the fact that they cross during their voyage the Gulf of Kutch, Cambay or Mannar.

Class VII—Special Trade Passenger ships engaged on voyages in fair weather season between ports in India during the course of which they do not go more than 5 nautical miles from the nearest land.

B-Ships other than Passenger ships

Class VIII—Cargo ships engaged on international voyages.

Class IX—Cargo ships (other than ships of Class X) engaged on voyages which are not international.

Class X—Cargo ships engaged on the coasting trade of India (other than ships of Class IX) during the course of which they do not go more than 20 nautical miles from the nearest land.

Provided that such ships shall not cease to be ships of Class X merely by reason of the fact that they cross during their voyage the Gulf of Kutch, Cambay or Mannar. |

Class XI—Cargo ships engaged on voyages in fair weather between ports in India during the course of which they do not go more than 5 nautical miles from the nearest land.

Class XII—Tugs, tenders, launches, lighters, dredgers, barges and hoppers which go to sea.

Class XIII—Fishing vessels other than those specified in Class XIV.

Class XIV—Sailing vessels including sailing boats or vessels solely engaged in fishing for profit.

Class XV—Pleasure Yachts.

SECTION II

SHIP REQUIREMENTS—PASSENGER AND CARGO SHIPS

4. Application.—The provisions of this Section shall, unless otherwise expressly provided, apply to ships of class I to XII (both inclusive).

5. Evaluation, testing and approval of life saving appliances and arrangements—(1) Unless otherwise expressly provided in these rules, life saving appliances and arrangements carried by a ship shall not be approved unless they comply with the requirements of these rules and are tested in accordance with the IMO recommendations.

(2) Without prejudice to the generality of the provisions of sub-rule (1), life saving appliances to be carried by every ship shall be of such quality and workmanship that they—

(a) are not likely to be damaged in storage throughout the air temperature range of -30°C to $+65^{\circ}\text{C}$;

(b) operate throughout the sea-water temperature range of -1°C to $+30^{\circ}\text{C}$, if they are to be immersed in sea-water during their use;

(c) are rot-proof, corrosion resistant and not be affected by sea-water, oil or fungal attack;

(d) are resistant to deterioration where exposed to sunlight;

(e) are of a highly visible colour on all parts to assist location of survivors or survival crafts;

(f) are fitted with retro-reflective material, and

(g) are capable of satisfactory operation in that

environment if they are to be used in a sea way.

(3) Approval granted to any life saving appliance or arrangements may be withdrawn by the Nautical Adviser to the Government of India if the performance of such appliances or arrangements is found not to comply with the conditions of such approval.

(4) In the case of ships built outside India or acquired by Indian owners as second-hand ships in which life saving appliances or arrangements provided have not been approved, the Surveyor shall certify, under intimation to the Nautical Adviser to the Government of India, that such life saving appliances and arrangements comply with the requirements specified in these rules.

6. Equipment for safety communications.—Every ship shall carry.—(a) a portable radio telegraph equipment complying with the requirements of Part II of the Seventh Schedule, which shall be stowed in a protected and easily accessible position, ready to be moved to any survival craft in an emergency and where lifeboats are stowed in widely separated positions fore and aft, such equipment shall be stowed in the vicinity of the lifeboats which are furthest away from the ship's main radio transmitter :

Provided that such equipment need not be carried if the radio Telegraph Equipment complying with the requirements specified in Part I of the Seventh Schedule is carried in atleast one lifeboat on each side of the ship or in the lifeboat capable of being free fall launched over the stern of if the ship is engaged on voyages of such duration that in the opinion of the Director General such portable radio equipment is not necessary.

(b) Such an emergency position indicating radio beacon, which shall be in accordance with the requirements specified in part III of the Seventh Schedule, so stowed with a float free arrangement that as far as practicable the radio beacon shall float free and actuate automatically the transmission of distress signals when the ship sinks:

(c) An emergency position indicating radio beacon for survival craft, which shall be in accordance with the requirement specified in Part IV of the Seventh Schedule stowed in a protected and easily accessible position in the ship ready to be moved to any survival craft in an emergency;

(d) On each side, one manually operated locating device which shall be in accordance with the requirements specified in Part V of the Seventh Schedule so stowed that it can be readily placed in any survival craft other than the liferaft or liferafts required by sub-rule (6) of rule 36;

(e) On board, at least three 2-way radio telephone equipments, which shall be in accordance with the requirements specified in Para VI of the Seventh Schedule so as to provide communication between survival craft, ship and rescue boat;

(f) An emergency 2-way communication equipment for communication between emergency control stations, muster and embarkation stations and other strategic positions on board which may be fixed or

portable or both and shall be in accordance with the requirements specified in Part VII of the Seventh Schedule;

(g) A general emergency alarm system in accordance with the requirement specified in Part VIII of the Seventh Schedule for summoning crew and passengers to muster list and shall be supplemented by either a public address system or other suitable means of communications;

(h) Not less than 12 rocket parachute flares in accordance with the requirements specified in Part IX of the Seventh Schedule, stowed on or near the navigation bridge.

7. Personal life saving appliances.—(1) Every ship shall carry lifebuoy which shall conform with the requirements specified in Part I of the Second Schedule and shall be :—

- (i) so distributed as to be readily available on both sides of the ship and as far as practicable on all open decks extending to the ship's side atleast one shall be placed in the vicinity of the stern;
- (ii) so stowed as to be capable of being rapidly cast loose and not permanently secured in any way;
- (iii) so stowed that atleast one lifebuoy on each side of the ship shall be fitted with a buoyant life line in accordance with the requirements specified in the said Part I and shall be equal in length to not less than twice the height at which such lifebuoy is stowed above the waterline in the lightest sea-going condition, or 30 meters whichever is greater;
- (iv) marked in block capitals of the Roman alphabet with the name and port of registry of the ship on which it is carried.

(2) Not less than one-half of the total number of the lifebuoys provided in every ship shall be fitted with self igniting lights in accordance with the requirements specified in Part XIII of the Seventh Schedule, out of which two shall also be provided with self-activating smoke signals in accordance with the requirements specified in Part XII of the said Schedule and be capable of quick release from the navigation bridge;

(3) Lifebuoys with lights and lifebuoys with light and smoke signals provided in every ship shall be equally distributed on both sides of the ship and shall not be one of the lifebuoys provided with life lines.

(4) Every ship shall carry :—

- (a) lifejackets for every person on board or as the case may be, for the number of persons the ship is certified to carry, in accordance with the requirements specified in Part II of the Second Schedule;
- (b) sufficient number of lifejackets for persons on watch and for use at remotely located stations in accordance with the requirements specified in Part II of the said schedule;

(c) life jackets suitable for children for every child on board, or as to the case may be, 10 per cent of the number of persons the ship is certified to carry confirming to the requirements specified in Part III of the said Schedule.

(5) All lifejackets shall be so placed as to be readily accessible and their positions shall be clearly indicated, and where due to particular arrangements of the ship, the lifejackets provided under Clause (a) of sub-rule (4) are likely to become inaccessible, alternative provisions shall be made, and where necessary, the number of lifejackets to be carried shall be increased.

(6) Every ship shall carry on board an immersion suit of appropriate size for every person assigned to crew the rescue boat.

8. Muster list and emergency instructions.—(1) The muster of every ship shall provide clear instructions to be followed in the event of an emergency to every person on board.

(2) The muster of every ship shall exhibit a muster list in accordance with the requirements specified in the Eighth Schedule in conspicuous places throughout the ship including the navigation bridge, engine room, crew accommodation and where applicable passenger accommodation.

9. Operating instructions.—One every ship poster or signs shall be provided on or in the vicinity of survival craft and their launching controls and shall—

- (a) illustrate the purpose of controls and the procedures for operating the appliances with relevant instructions and warning where necessary;
- (b) be easily seen under emergency lighting conditions; and
- (c) use approved symbols.

10. Manning of survival craft and supervisions.—

- (1) Every ship shall be managed by :—
 - (a) sufficient number of trained persons for managing and assisting untrained persons;
 - (b) sufficient number of certificated persons for operating the survival craft and launching arrangements required for abandonment by the total number of persons on board;
 - (c) a certificated person in charge of each survival craft and in case of the lifeboats a certificated person shall also be nominated as second in command

(2) number of the certificated persons referred to in sub-rule (1) shall in no case be less than that speci-

fied in the following table
TABLE

	Complement of survival craft	Minimum number of certificated persons
—less than 40 persons		2
— 40 persons or more but less than 60 persons		3
— 60 persons or more but less than 80 persons		4
— 80 persons or more		5

Provided that the Nautical Adviser to the Government of India may permit persons competent in the handling and operation of liferafts to be placed in charge of liferafts in lieu of persons specified in clause (b) of sub-rule 1.

- (3) On every ship:—(a) the person in charge of the survival craft shall be provided with a list of the survival craft crew and it shall be the duty of the person in charge of the survival craft to ensure that the crew under his command are acquainted with their duties;
- (b) where a lifeboat is required to carry radio telegraph installations, a person capable of operating such installation shall be assigned to such lifeboat.
- (c) a person who is capable of operating the lifeboat engine and capable of minor adjustments thereto shall be assigned to every lifeboat.

(4) The master shall ensure that persons referred to in sub-rule (1) are distributed equitably among the ship survival craft.

(5) Every person forming the crew of a ship shall be in possession of a certificate indicating that he has attended an approved course on 'Survival at Sea'.

11. Survival Craft muster and embarkation arrangements.—(1) On every ship muster stations shall be arranged close to the embarkation stations with sufficient space to accommodate all persons assigned to muster at that station.

- (2) Muster station and embarkation station shall in addition—
 - (a) be readily accessible from accommodation spaces and work areas;
 - (b) be illuminated in accordance with Part VII of the First Schedule; and
 - (c) where survival crafts are provided with launching davits be so arranged as to enable a person on a stretcher to be placed in survival crafts.

(3) On every ship embarkation ladder shall be provided at least at every two adjacent launching stations, so however that there shall be a least one embarkation ladder on each side on the ship.

(4) On every ship painters shall be provided for bringing the survival craft launched by a davit against ship's side and holding the same alongside so that persons can be safely embarked.

12. Launching stations.—One every ship launching stations for survival craft shall be arranged in such positions,—

- (a) that they can be launched safely with particular regard to clearance from the propeller and steeply overhanging portions of the hull; and
- (b) that, as far as possible survival crafts, except survival craft specially designed for free fall launching, can be launched down the straight side of the ship and if located forward they shall be abaft the collision bulkhead in a sheltered position.

13. Stowage of survival craft.—(1) Lifeboats and liferafts for which launching appliances are required to be provided under rule 15, shall be stowed as close to accommodation spaces and work areas as possible.

(2) Each survival craft shall be stowed,—

- (a) so that neither the survival craft nor its stowage arrangements interferes with the operation of any other survival craft or rescue boat at any other launching station;
- (b) as near the water surface as is safe and practicable and, in the case of survival craft, other than a liferaft intended for throw overboard launching, be in such a position that the survival craft in the embarkation position is not less than 2 meters above the water line with the ship in the fully loaded condition under unfavourable conditions of trim and listed upto 20 degree either way, to the angle at which the ship's weather deck edge becomes submerged, whichever is less;
- (c) in a state of continuous readiness so that two crew members can carry out preparation for embarkation and launching in less than 5 minutes;
- (d) fully equipped as specified in para 8 of part I of the Third Schedule in the case of lifeboats and para 5 of Part I of the Fourth Schedules in the case of liferafts
- (e) as far as practicable, in a secure and sheltered position and protected from damage by fire and explosion.

(3) Lifeboats for lowering down the ship's side shall be stowed as far forward of the propeller as practicable to that :—

- (a) on cargo ships o f80 meters length an above but less than 120 meters length, each lifeboat shall be so stowed that the after end of the lifeboat is not less than the

length of the lifeboat forward of the propeller;

- (b) on cargo ships of 120 meters length and above and passenger ships of above 80 meters length and above, each lifeboat shall be so stowed that the after end of the lifeboat is not less than 1.5 times the length of the lifeboat forward of the propeller.

(4) The ship shall be so arranged that lifeboats in their stowed position are protected from damage by heavy seas.

(5) All lifeboats shall be stowed attached to launching appliances.

(6) David-launched liferafts shall be stowed within reach of the lifting hooks, unless some means of transfer is provided which is not rendered inoperative, within the limits of trim and list specified in clause (b) of sub-rule (2) either by ship motion or by power failure.

(7) Every liferaft shall be stowed with its painter permanently attached to the ship and with a float free arrangement as specified in the Ninth Schedule so that, as far as practicable, the liferaft floats free and if inflatable, inflates automatically when the ship sinks. In addition every liferaft, shall be stowed as to permit release of the same manually from its securing arrangements;

Provided that the liferaft required to be provided on cargo ships under sub-rule (6) of rule 36 may be secured to permit release of the liferaft manually only.

(8) liferaft intended for throw overboard launching shall be stowed as to be readily transferable for launching on either side of the ship unless liferafts of the aggregated capacity required are carried on each side of the ship.

14. Stowage of rescue boats.—(1) Rescue boats required to be provided under rule 26 and sub-rule (3) of rule 36 shall be stowed :—

- (a) in a state of continuous readiness for launching in not more than 5 minutes;
- (b) in a position suitable for launching and recovery; and
- (c) so that neither the rescue boat nor its stowage arrangements will interfere with the operation of any survival craft.

(2) Where the rescue boat is also a lifeboat, then its stowage shall comply with the requirements specified in rule 13.

15. Survival Craft launching and recovery arrangements.—(1) Launching and embarkation appliances and arrangements shall be in accordance with the requirements specified in the First Schedule and shall be provided for all survival crafts, unless :—

(a) such survival crafts are boarded from a position on deck which is less than 4.5 metres above the waterline in the lightest sea going condition and the survival crafts:—

- (i) either have a mass of not more than 185 kilograms; or
- (ii) are stowed for launching directly from the stowed position under unfavourable conditions of trim of upto 10° and with the ship listed not less than 20° either way;
- (b) Such survival crafts, having a mass of not more than 185 kilograms, are carried in excess of the survival crafts for 200 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(2) The launching and embarkation appliances and arrangements shall be so designed that the operator on the ship is able to observe the survival craft at all times during launching and in the case of life-boats also during recovery.

(3) Only one type of release mechanism shall be used for similar survival crafts carried on board.

(4) Preparation and handling of survival raft on any launching station shall not interfere with the prompt preparation and handling of any other survival craft or rescue boat at any other station.

(5) Illumination shall be provided as specified in part VII of the First Schedule

(6) Means shall be available to prevent any discharge of water from overboard discharge pipes on to survival craft during abandonment.

(7) If there is a danger to the survival craft being damaged by the Ship's stabilizer wings, means shall be available, powered by an emergency source of energy to bring the stabilizer wing in board, indicators operated by an emergency source of energy shall show the position of stabilizer wings on the navigation bridge.

(8) If lifeboats complying with the requirements of Part II and Part III of the Third Schedule are carried, a davit span shall be provided, fitted with not less than two life lines of sufficient length to reach the water with the ship in its lightest seagoing condition under unfavourable conditions of trim and with the ship listed not less than 20° either way.

16. Rescue boat embarkation, launching and recovery arrangements.—(1) embarkation and launching arrangements for rescue boats shall be such that the rescue boats can be boarded and launched in the shortest possible time.

(2) Every rescue boat shall be provided with rapid recovery arrangements when such rescue boat is loaded with its full complement of persons and equipment.

(3) All rescue boats shall be capable of being launched with the ship making headway at speeds upto 5 knots in calm waters with or without the aid of painters.

(4) When the rescue boat is also a lifeboat :—

- (i) the embarkation station and launching stations shall comply with the requirements of rule 11 or, as the case may be rule 12 and launching arrangements shall comply with the requirements of rule 15;
- (ii) arrangements for rapid recovery shall be provided when the lifeboat is loaded with equipment and a crew complement of at least 6 persons.

17. Line throwing appliances—Every ship shall be provided with a line-throwing appliance in accordance with the requirements specified in the Tenth Schedule.

18. Abandon ship training and drills.—(1) Every ship shall be provided with a training manual complying with the requirements specified in the Eleventh Schedule, which shall be placed in each crew mess and recreation room. Sufficient copies of the manual shall be provided on the ship for the use of personnel in charge of survival crafts.

(2) On every ship of class I and III a muster of passengers shall be held within 24 hours of the embarkation and at every such muster every passenger shall be instructed in the use of life jackets and the action to be taken in an emergency:

Provided that if only a small number of passengers have embarked at a port after the muster has been held, attention of those passengers shall be drawn to emergency instructions specified in sub-rule (2) of rule 22.

(3) Every passenger ship shall conduct abandon ship drill and fire drill at least once in seven days and such drills shall comply with the requirements specified in the Twelfth Schedule.

(4) On passenger ships other than ships of Class I and III, a muster of the passenger shall be held on departure from port of embarkation and wherefor some unavoidable reason it is not possible to hold such muster, the attention of the passengers shall be drawn to the emergency instructions specified in sub-rule (2) of rule 22.

(5) Every ship shall hold for ships crew only, a practice muster, the abandon ship drill and the fire drill within 24 hours of the ship leaving a port if more than 25 per cent of crew have not participated in abandon ship and fire drills on board that particular ship in the previous month. Each member of the crew shall participate in at least one such drill every month. On ships which are engaged on voyages of less than 48 hours, such drills may be held in port.

(6) Every member of the crew, as soon as possible, but not later than 2 weeks after he joins the ship, shall be given on board training in the use of life saving appliances including survival craft equipment, the details of which shall be included in the training manual specified in sub-rule (1).

(7) The Master of every ship shall maintain record of :—

- (a) dates when musters were held ;
- (b) details of abandon ship drills and fire drills ;
- (c) drills in use of life saving appliances other than abandon ship drills ; and
- (d) details of on board training given to the crew members :

Provided that where it is not possible for a full muster drills or training session to be held at the appointed time, the records shall indicate the circumstances thereof and the extent of the muster drill or training session held subsequently. Every such entry shall be made in the official log book maintained under Section 212 of the Act.

19. Operational readiness, maintenance and inspections.—(1) All life saving appliances shall be in working order and ready for immediate use on every ship when it leaves port and at all times during the voyage.

(2) Every ship shall be provided with an instruction book for on board maintenance of life saving appliances containing the general pattern specified in the Thirteenth Schedule.

(3) Wire falls used in launching survival craft in every ship shall be turned end for end at intervals of not more than 30 months and shall be renewed at intervals of not more than 5 years or at any time when deterioration of the falls deems it necessary. Every such changing of falls end for end or renewal of falls shall be recorded in the on board maintenance log specified in sub-rule (10).

(4) Every ship shall be provided with spares and repair equipment for life saving appliances and their components as per recommendations of the manufacturer, or where no recommendations exist, to the satisfaction of the Central Government.

(5) On every ship weekly and monthly tests and inspections shall be carried out as detailed in the instructions for on board maintenance as specified in the Thirteenth Schedule.

(6) On every ship all inflatable life jackets shall be serviced as per requirements specified in Part IV of the Fourth Schedule.

(7) On every ship, the inflated rescue boats shall be repaired and maintained in accordance with the manufacturers instructions and permanent repairs where necessary shall be carried out at an approved service station ; Provided that —

- (a) Emergency repairs may be carried out on board the ship, and
- (b) every such emergency repair is recorded as specified in sub-rule (10).

(8) On every ship the hydrostatic release units shall be serviced in accordance with the requirements specified in para 4 of the Ninth Schedule.

(9) Periodical maintenance of any safety equipment may be carried out when a ship is at sea if the working order of the equipment is not affected for an appreciable period.

(10) An on board maintenance log shall be provided on every ship in which the muster shall record the periodical maintenance and emergency repairs carried out on life saving appliance and the result thereof. The date when subsequent permanent repairs were carried out shall also be recorded.

SECTION III—Passenger Ships

20. Application.—Every ship of Class I to VII shall comply with the requirements specified in rules 21 to 29, in addition to those specified in Section II.

21. Survival craft stowage and embarkation arrangements.—On every passenger ship, survival craft embarkation arrangements shall be provided for :

- (i) boarding and launching of the lifeboats either directly from the stowed position or from embarkation deck but not from both ; and
- (ii) boarding and launching of liferafts from a position immediately adjacent to the stowed position or from a position to which the liferaft is transferred prior to launching in accordance with sub-rule (6) of rule 13.

(2) On every passenger ship embarkation arrangements for rescue boats shall be such that the rescue boat can be boarded and launched directly from the stowed position with the number of persons assigned as crew of the rescue boat.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), if the rescue boat is also a liftboat and the other lifeboats are boarded and launched from an embarkation deck the arrangements shall be such that the rescue boat can also be boarded and launched from the embarkation deck.

(4) On every passenger ship all survival crafts, required to provide for abandonment by the total number of persons the ship is certified to carry, shall be capable of being launched with their complement of persons and equipment within a period of 30 minutes from the time the abandon ship signal is given.

22. Passenger Muster Stations.—(1) Every passenger ship shall provide passenger muster station for passengers,—

- (a) in the vicinity of the embarkation station and unless the embarkation and the muster stations are in the same location, with ready access for the passengers to such muster station, and
- (b) with ample room for marshalling and instructing the passengers.

(2) At every such muster station and other passenger spaces and cabin, illustrations and instruction, at least in Hindi and English and other appropriate

language, shall be conspicuously posted to inform the passengers of —

- (i) their muster stations,
- (ii) the essential action they must take in an emergency; and
- (iii) method of donning the lifejacket.

23. Lifebuoys.—Every passenger ship shall carry minimum number of lifebuoys in accordance with the following table :

The Table

Length of the passenger ship in meters	Minimum number of lifebuoys required to be fitted.
Less than 60 meters	8
60 meters and over but less than 120 meters	12
120 meters and over but less than 180 meters	18
180 meters and over but less than 240 meter,	24
240 meters and over	30

Provided that out of the minimum number of lifebuoys to be carried by a passenger ship of 60 meters in length or less, six shall be provided with self-igniting lights.

24. Lifejackets.—Every passenger ship shall carry, in addition to the requirements specified in sub-rule (4) of rule 7, lifejackets for not less than 5 per cent of the total number of persons on board, stowed in conspicuous places on deck or at muster stations.

25. Lifeboats.—Every passenger ship shall carry lifeboats complying with the requirements specified in Part I of the Third Schedule, and shall, in addition, comply with the following, namely :—

- (a) every lifeboat on ships of Class I and II shall comply with the requirements specified in Part II, Part III or Part IV of the Third Schedule; and
- (b) every lifeboat on ships of Class III to VII shall at least comply with the requirements specified in Part II of the Third Schedule.

26. Rescue boats.—Every passenger ship shall carry atleast one rescue boat or a lifeboat complying with the requirements of a rescue boat on each side of the ship;

Provided that ships of less than 500 tons gross tonnage when carrying less than 30 persons may carry one rescue boat so placed that it can be launched on either side.

27. Liferafts.—Every liferaft on passenger ship shall be stowed with its painter permanently attached to the ship and with a float free arrangement complying with the requirements of the Ninth Schedule. The arrangement shall be such that the liferaft shall

float free and, if inflatable inflate automatically if the ship sinks.

28. Special requirements as to lifeboats and liferafts.—When a passenger ship of Class III, IV, V, VI, does not comply with the special standards of sub-division specified in Part IV of the First Schedule of the Merchant Shipping (Construction and Survey of Passenger ships) Rules, 1981, she shall carry the lifeboats and liferafts complying with the requirements of sub-rules (2) and (3) of rule 30 in lieu of the requirements specified in rule 32, 34, 35 and 36 of these rules.

29. Immersion suits, etc.—Every passenger ship shall carry, for each lifeboat of least 3 immersion suits and in addition a thermal protective and for every person the lifeboat is certified to carry, who are not provided with an immersion suit :

Provided that such immersion suits or thermal protective aids need not be carried—

- (a) if the lifeboats comply with the requirements o Part II, Part III or Part IV of the Third Schedule or
- (b) where the Director General is satisfied that provision of immersion suits or thermal protective aids in lifeboat on any passenger ship is not necessary.

30. Ships of Class I.—(1) Every ship of Class I shall, in addition to the requirements specified in Section II, carry—

- (a) on each side of the ship such number of lifeboats of such aggregate capacity to accommodate one half of the total number of persons the ship is certified to carry, or
- (b) lifeboats and liferafts in such number as would be sufficient to provide together the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided that there shall be sufficient lifeboats on aach side of the ship to accommodate at least 37.5 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry. The liferafts shall be served by launching appliances equally distributed on each side of the ship.

- (c) carry liferafts of such aggregate capacity as to accommodate at least 25 per cent of the total number of persons on board, with at least one launching appliances on each side :

Provided that the stowage of liferafts provided under this clause need not comply with the provisions of sub-rule (6) of rule 13.

- (d) carry sufficient number of lifeboats and rescue boats, so that not more than 6 liferafts need be marshalled by eacr lifeboats or rescue boat in providing for abandonment of the ship by the number of persons the ship is certified to carry;

(6) carry a radio telegraph equipment complying with the requirements specified in Part I of the Seventh Schedule in a lifeboat on each side of the ship when the vessel is certified to carry 1500 persons or more, or, in at least one lifeboat when the ship is certified to carry 199 persons or more but less than 1500 persons.

(2) All lifejackets carried on every such ship shall be fitted with a light in accordance with the requirements specified in Part XIII of the Seventh Schedule.

(3) Every such ship of less than 500 tons gross tonnage, when certified to carry not more than 200 persons, may in lieu of the requirement specified in sub-rule (1) shall carry on each side of the ship liferafts to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided that—

- (i) where the liferafts cannot be readily transferred for launching on either side of the ship, additional liferafts shall be provided on each side to accommodate 150 per cent of the total number of persons, the ship is certified to carry;
- (ii) if the rescue boats provided in compliance with the requirements of rule 26 is also a lifeboat, it may be included in the aggregate capacity;
- (iii) sufficient number of survival crafts on each side of the ship so that in the event of any one survival craft being lost or rendered unserviceable, sufficient survival crafts shall be available on each side to accommodate total number of persons the ship is certified to carry.

31. Ships of Class II.—(1) Every ship of Class II, shall in addition to the requirements specified in Section II, shall carry —

- (a) lifeboats of such aggregate capacity as to accommodate at least 30 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry, distributed equally on each side of the ship;
- (b) liferafts of such aggregate capacity that together with the lifeboats provided in accordance to clause (a), shall accommodate the total number of persons the ship is certified to carry with launching appliances equally distributed on each side of the ship; and
- (c) liferafts of such aggregate capacity as shall accommodate at least 25 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry. Such liferafts shall be served by at least one launching appliance on each side which may be those provided in compliance with the requirements of clause (b). Other equivalent approved appliances capable of being used on both sides to facilitate rapid embarka-

tion into survival crafts in water may be provided in lieu of the launching appliance :

Provided that when a passenger ship of Class II engaged on short international voyages does not comply with the standards of sub-division specified in Part III of the First Schedule of Merchant Ship (Construction and Survey of Passenger Ships) Rules, 1981 such ships shall carry survival crafts complying with the requirements specified in sub-rule (1) of rule 30.

(2) Every such ship of less than 500 ton gross tonnage when certified to carry not more than 200 persons may in lieu of the requirement specified in a & b sub-rule (1) carry a liferaft and rescue boats as specified in sub-rule (3) of rule 30.

(3) Every such ship, which complies with the standards of sub-division specified in part III of the First Schedule to the Merchant Shipping (Construction and survey of Passenger Ships) Rules, 1981 shall carry sufficient number of lifeboats and rescue boats so that not more than 9 liferafts need be marshalled by each lifeboat or rescue boat in providing for abandonment of the ship by the total number of persons the ship is certified to carry.

(4) Every such ship shall carry a radio telegraph equipment complying with the requirements specified in Part II of the Seventh Schedule in a lifeboat on each side of the ship when the vessel is certified to carry 1500 persons or more or in at least one lifeboat when the ship is certified to carry 199 person or more but less than 1500 persons.

32. Ships of Class III.—(1) Every such ship of class III shall, in addition to the requirements specified in section II,—

(a). carry,—

- (i) on each side of the ship, such number of lifeboats of sufficient aggregate capacity as to accommodate one-half of the total number of persons the ship is certified to carry; or
- (ii) on each side of the ship, lifeboats of sufficient capacity to accommodate not less than 35 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry, and
- (iii) liferafts of sufficient capacity so that the lifeboats and liferafts together can accommodate all persons the ship is certified to carry with launching appliances equally distributed on each side of the ship; and
- (iv) liferafts of sufficient capacity to accommodate 25 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(2) All liferafts carried on every such ship shall be fitted with a light in accordance with the requirements specified in Part XIII of the Seventh Schedule.

33. Ships of class IV and V.—(1) Every ship of Class IV and V shall, in addition to the requirements specified in Section II, carry,—

- (i) lifeboats and liferafts as specified in clauses (a) and (b) of sub-rule (1) of rule 31 or where applicable as specified in sub-rule (3) of the said rule;
- (ii) liferafts of such aggregate capacity as shall accommodate at least 10 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry; and
- (iii) sufficient number of liferafts and rescue boats that not more than 9 liferafts need be marshalled by each lifeboat or rescue boat in providing or abandonment of the ship by the total number of persons the ship is certified to carry.

34. Ship of Class IV.—Every ships of Class VI shall, in addition to the requirements specified in Section II, carry liferafts on each side sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

35. Ship of Class VII.—Every ship of Class VII shall, in addition to the requirements specified in Section II carry liferafts on each side to accommodate fifty per cent of persons which the ship is certified to carry.

SECTION—IV

Cargo Ships

36. General requirements.—(1) Every ship of Class VIII to XII shall comply with the requirements specified in sub-rules (2) to (10) in addition to those specified in Section II.

(2) Lifeboats required to be carried on every such ship shall comply with the requirements specified in Part I of the Third Schedule and shall also comply with the following namely :—

- (a) lifeboats on ship other than oil tankers, chemical tankers and gas carriers shall comply with the requirements specified in Part IV of the Third Schedule.
- (b) Lifeboats on oil tankers, chemical tankers and gas carriers carrying cargoes having a flashpoint not exceeding 60° close cup test shall comply with the requirements specified in Part VI of the Third Schedule.
- (c) Lifeboats on chemical tankers and gas emitting toxic vapours or gases shall comply with the requirements specified in Part V of the Third Schedule.
- (d) Lifeboats on ships other than tankers, gas carriers and chemicals carriers shall com-

ply with the requirements specified in Part III of the Third Schedule. Provided that—

- (i) if such ship ply in favourable climatic conditions in waters of Red Sea, West Asia Gulf Arabian Sea, Bay of Bengal and any other areas specified in this behalf by the Director General; and
- (ii) the cargo ship safety equipment certificate issued to such ship indicate its aggregate area of plying.

(3) Every such ship shall carry at least one rescue boat. Where a rescue boat is also a lifeboat it may be included in the aggregate capacity of lifeboats required, if any.

(4) (a) On every such ship survival craft embarkation arrangement shall provide for—

- (i) boarding and launching of the lifeboats directly from the stowed position;
- (ii) boarding and launching of the davit launched liferaft from a position immediately adjacent to the stowed position to which the liferaft is transferred prior to launching in compliance with sub-rule (6) of rule 13.
- (b) On every such ship of 20,000 tons gross tonnage and above, launching arrangements, where necessary utilising painters, shall permit launching of lifeboats with the ship making headway at speed of upto 5 knots in, calm weather.

(5) On every such ship liferafts, other than those required under sub-rule (6) shall be stowed with its painters permanently attached to the ship and with a float free arrangement complying with the requirements specified in the Ninth Schedule. The arrangements shall be such that the liferaft shall float free and, if inflatable, inflate automatically if the ship sinks.

(6) Where the survival crafts are stowed in a position which is more than 100 metres from the stem or stern, every such ship shall carry, in addition to the liferafts specified as a requirements for each class of ship a liferaft stowed as far forward or after, or one as far forward and another as far aft as it practicable and may be securely fastened so as to permit only manual release. Approved means of embarkation for such liferafts shall be provided.

(7) Survival crafts required to provide for abandonment by the total number of persons the ship is certified to carry except the survival craft referred to in clause (a) of sub-rule (1) of rule 15, shall be capable of being launched with the full complement of persons and equipment within a period of 10 minutes from the time the abandon ship signal is given.

(8) (a) Every such ship shall carry a minimum

number of lifeboats in accordance with the following table :

TABLE

Length of ship in metres	Minimum No. of Lifebuoys
Less than 100	8
100 or more but less than 150	10
150 or more but less than 200	12
200 and more	14

(b) Self igniting lights for lifebuoys provided on tankers shall be of an intrinsically safe electric battery type.

(9) All life jackets carried on ships of Class VIII to XI (both inclusive) shall be fitted with a light in accordance with the requirements specified in Part XIII of the Seventh Schedule.

(10) Every such ship shall, in addition to the immersion suits specified as the equipment in lifeboats, liferafts and rescue boats, shall carry atleast 3 immersion suits in every lifeboat. Every ship playing continuously in regions north or south of 40° North or South latitude respectively shall carry a thermal protective aid for every person not provided with an immersion suit :

Provided that the immersion suits and thermal protective aids need not be carried if the ship :

- (i) has totally enclosed lifeboat on each side of the ship of such aggregate capacity as will accommodate the total number of persons on board ; or
- (ii) has totally enclosed lifeboats capable of being launched by free-fall over the stern of the ship of such aggregate capacity as will accommodate the total number of persons on board and which are boarded and launched directly from the stowed position, together with liferafts on each side of the ship of such aggregate capacity as will accommodate the total number of persons on board ; or
- (iii) if of class IX to XII (both inclusive) and is constantly engaged on voyages which are not international.

(11) Every such ship meeting the requirements of survival crafts by liferafts and rescue boats only shall carry immersion suits for every person on board in addition to the immersion suits specified as equipment for liferafts or rescue boats, unless the ship :

- (i) has davit launched liferafts ;
- (ii) has liferafts served by equivalent approved appliances capable of being used on both sides of the ship and which do not require entry into water to board the liferaft ; or
- (iii) is a ship of class IX to XII and is constantly engaged on voyages which are not international.

37. Ships of Class VIII and IX.—(1) Every ship of Class VIII and IX shall, in addition to the requirements specified in section II and rule 36, shall carry—

- (i) one or more lifeboats of such aggregate capacity on each side to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.
- (ii) liferaft or liferafts capable of being launched on either side of the ship and of such aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry. Where the liferaft or liferafts cannot be readily transferred for launching on either side of the ship, sufficient liferafts shall be provided on each side to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry ; or
- (iii) one or more lifeboats capable of being free-fall launched over the stern of the ship and of such aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.
- (iv) liferaft or liferafts on each side of such aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry. The liferaft on atleast one side of the ship shall be served by launching appliances.

(2) Every such ship, if it is less than 85 metres in length, other than tankers, chemicals carrier and gas carriers, may carry—

- (i) on each side of the ship one or more liferafts of such aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry. Such liferafts shall be so stowed that they can be readily transferred for launching on either side of the ship. Where the liferafts cannot be so transferred additional liferafts shall be provided so that capacity available on each side shall accommodate 150 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry ;
- (ii) sufficient survival crafts on each side so that in the event of any one survival craft being lost or rendered unserviceable, there shall be sufficient survival crafts available for use on each side to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

38. Ships of class X, XI and XII.—(1) Every ship of class X, XI and XII shall in addition to the requirements specified in Section II and rule 36, shall carry liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry and shall be so stowed that they may be readily transferred for launching on either side of the ship ;

(2) Where the liferafts cannot be so transferred, additional liferafts shall be provided so that capacity available on each side may accommodate 100 per

cent of the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided that ship of Class XII which proceed to sea on of occasional voyage only may carry life-rafts of sufficient aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

SECTION—V

Ships of class XIII, XIV and XV

39. General.—Every ship of class XIII, XIV and XV shall comply with the provisions of rule 5, sub-rules (1) and (2) of rule 8, rules 9, 14, 16 of section I and rules 40 and 41 of this section.

40. Personal life saving appliances.—(1) Every such ship shall carry lifebuoys complying with the requirements specified in Part I of the Second Schedule and marked in block capitals of the roman alphabet with the name, official number and the port of registry of the ship on which it is carried.

(2) The minimum number of lifebuoys for such ship shall be in accordance with the following table :

TABLE

Length of ship in metres	Minimum number of lifebuoys
Less than 24 metres	2
24 metres and above but less than 60 metres	4
60 metres and above	6

(3) The lifebuoys shall be—

- (a) so distributed that they are readily available on both sides of the ship and so stowed as to be capable of being readily cast loose ;
- (b) fitted with a buoyant life line complying with the requirements specified in Part I of the Second Schedule.

(4) At last half of the lifebuoys shall have self igniting lights complying with the requirements specified in Part XIII of the Seventh Schedule.

(5) Every such ship of 60 meters or above in length shall carry one lifebuoy on the navigation bridge capable of being released with a self activating smoke signal complying with the requirements specified in Part XII of the Seventh Schedule.

(6) Every such ship shall carry life jackets equal to the number of persons it is certified to carry complying with the requirements specified in Part II of the Second Schedule and shall be so placed as to be readily accessible and their position shall be clearly indicated.

41. Equipment and crew readiness.—In every such ship—

- (a) the Master shall provide to every person on board clear instructions to be followed in the event of an emergency ;
- (b) atleast two certificated persons shall be carried to take charge of survival crafts and to assist and train other untrained persons ;
- (c) each member of he crew shall possess a certificate indicating that he has attended an approved course on "survival at Sea" ;
- (d) the crew shall practice the process of abandoning the ship and the use of life saving appliances at least once every 15 days ;
- (e) the Master shall ensure that all life saving appliances are in working order and ready for immediate use when she leaves port and at all times during the voyage.

42. Ships of more than 60 metres in length.—(1) Every ship of class XIII, XIV and XV of more than 60 meters in length shall carry—

(a) Survival Craft Emergency Position indicating radio beacon complying with the requirements of Part IV of the Seventh Schedule which shall be stowed in a protected and easily accessible position ready to be moved to any survival craft in an emergency.

(b) one manually operated locating device complying with the requirements of Part V of the Seventh Schedule which shall be so stowed that it can be readily placed in any survival craft ;

(2) Every such ship shall carry—

- (a) either a rescue boat or a boat complying with the requirements specified in Fourteenth Schedule ;
- (b) liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons the vessel is certified to carry.

43. Ships of less than 60 metres in length.—Every ship of Class XIII, XIV and XV of less than 60 meters in length shall carry—

(a) Survival Craft Emergency Position indicating radio beacon complying with the requirements of Part IV of the Seventh Schedule which shall be stowed in a protected and easily accessible position ready to be moved to any survival craft in an emergency ;

(b) One manually operated locating device complying with the requirements of Part V of the Seventh Schedule which shall be so

- stowed that it can be readily placed in any survival craft;
- (c) liferafts of sufficient aggregate capacity to carry all persons the ship is certified to carry:

Provided that—

- (i) Every such ship of less than 24 meters in length engaged on the coasting trade of India may carry in lieu of liferafts a boat complying with the requirements specified in the fourteenth Schedule.
- (ii) Every such ships of less than 12 meters in length may not comply with the requirements of clauses (a) and (b), if they do not go beyond 12 miles from the coast.

SECTION V

44. Equivalent and Exemptions.—(1) Where these rules require that a particular fitting, material, appliance or apparatus or type thereof, shall be fitted or carried in a ship, or that any particular provisions shall be made, the Director General may permit any other fitting, material appliance or apparatus or type thereof to be fitted or carried or any other provisions to be made in a ship, if he is satisfied by trial thereof that such other fitting material, appliance or apparatus, or type thereof or provision is not less effective than that required by these rules.

(2) The Director General may exempt any ship not normally engaged on international voyage but which, in exceptional circumstances, is required to undertake a single international voyage, from any of the requirement of these rules.

THE FIRST SCHEDULE

(See Rules 2(d) and (0), 11(2)(b), 15(1) and (5))

Launching and Embarkation Appliance and Arrangements.—

PART I

General—(1) Working Load.—In this schedule the expression 'working load' means :—

- (a) In relation to launching appliance for lifeboats and liferafts, the sum of the weight of the lifeboat or liferafts, its full equipment, the blocks and falls and the maximum number of persons, which the lifeboat is deemed to carry, the weight of each person being taken as 75 kilogrammes.
- (b) In relation to launching appliances for rescueboat, the sum of the weight of the rescue boat, blocks and falls and the number of persons which the rescue boat is certified to carry, not being less than six, the weight of each person being taken as 75 kilogrammes.

- (c) Where a rescue boat is also a lifeboat, the sum of the weight of the lifeboat its full equipment, the blocks and falls and the maximum number the boat is certified to carry, the weight of each person being taken as 75 kilogrammes.

PART II

General requirements—(1) Each launching appliance together with its lowering and recovery gear shall be so arranged that the survival craft or rescue boat it serves can be safely lowered against a trim of upto 10 degree and a list of 20 degree either way when lifeboats, liferafts or rescue boats are fully equipped and boarded by the maximum number of persons that the survival craft or rescue boat is certified to carry, provided that when survival crafts or rescue boats are not required to be boarded directly at the stowed position or at the embarkation station such launching appliance may comply with the above requirements when survival craft or rescue boat are fully equipped and boarded by its launching crews only.

(2) Notwithstanding the requirements of para (1) of this part, lifeboat launching appliance for oil tankers, chemical tankers and gas carriers with a final angle of heel greater than 20° calculated in accordance with the International convention for the prevention of pollution from ships, 1973 as modified by the 1978 protocol related thereto and the damage stability requirements of the International code for the construction and equipment of ships carrying dangerous chemicals in bulk and the International code for the construction and equipment of ships carrying liquid gases in bulk as applicable, shall be capable of operating at that final angle of heel on the lower side of the ship.

(3) (a) A launching appliance shall not depend on any means other than gravity or stored mechanical power which is independent of the ship's supply to launch the survival craft or rescue boat it serves in the fully loaded and equipped condition and also in the light condition.

(b) All gravity davits shall be designed to provide a positive turning out moment during the whole of the davit travel from the inboard to the out board position when the vessel is upright and also when the vessel is listed at any angle upto and including 25 degrees either way from upright.

(c) In the case of gravity type davits comprising of arms mounted on trolley which engage with and travel down inclined trackways, such trackways shall be inclined at an angle of not less 30 degrees to the horizontal when the vessel is upright.

(4) A launching mechanism shall be so arranged that it may be actuated by one person from a position on the ship's deck, and from a position within the survival craft or rescue boat. The survival craft shall be visible to the person on deck operating the launching mechanism. On lifeboats intended for free fall launching the launching mechanism shall be actuated

by one person only from a position within such lifeboat.

(5) Every launching appliance shall be so constructed that a minimum amount of routine maintenance is necessary. All parts requiring regular maintenance by the ship's crew shall be readily accessible and easily maintained.

(6) The winch brakes of a launching appliance shall be of sufficient strength to withstand :

- (a) a static test with a proof load of not less than 1.5 times the working load; and
- (b) a dynamic test with a proof load of not less than 1.1 time the working load at maximum lowering speed.

(7) The launching appliance and its attachments other than winch brakes shall be of sufficient strength to withstand a static test with a proof load of not less than 2.2 times the working load.

(8) Structural members and all blocks falls pads links fastenings and all other fittings used in connection with launching equipment shall be designed with not less than a minimum factor of safety on the basis of the maximum working load assigned and the ultimate strength of the material used for construction. In any case a minimum factor of safety of 4.5 shall be applied to all davit and winch structural members and minimum factor of safety of 6 shall be applied to falls suspension chain, Links and blocks.

(9) Every launching appliance shall, as far as practicable remain effective under conditions of icing.

(10) A life boat launching appliance shall be capable of recovering the life boat with its crew.

(11) (a) Every launching appliance shall be so arranged to enable safe and rapid boarding of survival craft by the full complement of persons it is certified to carry. In case of lifeboats, rapid disembarkation shall also be possible.

(b) On cargo ships launching appliance shall be so arranged that full complement of persons, the survival craft is certified to carry, is able to board such survival craft in not more than 3 minutes.

PART III

Launching Appliances using falls and winches : (1) Falls where used shall be of rotation resistant and corrosion resistant steel wire ropes. Such falls shall be long enough to that the survival craft or rescue boat can be safely lowered to reach the water with the ship in its lightest seagoing condition against a trim of up to 10 degree and a list of up to 20 degree either way.

(2) In the case of a multiple drum winch, unless an efficient compensatory device is fitted, the falls shall be so arranged as to wind off the drums at the same rate when lowering, and to wind on to the drums evenly at the same rate when hoisting.

(3) Every rescue boat launching appliance shall be fitted with a powered which motor of such capacity that the rescue boat can be raised from the water with its full complement of persons and equipment. They shall be long enough for the rescue boat to reach the water with the ship in its lightest seagoing condition.

(4) An efficient hand gear shall be provided for recovery of each survival craft and rescue boat. Hand gear handles or wheels shall not be rotated by moving parts of the winch when the survival craft or rescue boat is being lowered or when it is being hoisted by power.

(5) Where davit arms are recovered by power, safety devices shall be fitted which will automatically cut off the power before the davit arms reach the stops in order to avoid overstressing the falls or davits, unless the motor is designed to prevent such overstressing.

(6) The speed at which the survival craft or rescue boat is lowered into the water in loaded condition shall be not less than that obtained from the formula :

$$S = 0.4 + (0.02 \times H)$$

Where S=Speed of lowering in metres per second and H=height in metres from davit head to the water-line at the lightest seagoing condition.

Provided that, in any case, arrangements shall be made so that the lowering speed in loaded condition does not exceed 1 metre per second. In the case of life-boats in light condition, with the boat fully equipped and manned by one person the speed shall not be less than 75 per cent of the speed in loaded condition. In the case of the liferafts, with the liferafts fully equipped and manned by one person the speed shall not be less than 50 per cent of the speed in loaded condition.

(7) Launching appliance shall be designed to withstand the inertia forces experienced during an emergency stop. For this purpose the launching appliance shall be constructed to be loaded with the working load as defined in Part I.

(8) Every winch attached to a launching appliance shall be capable of lowering and holding a test load of 1.5 times the working load. While lowering under this test load, application of emergency stop should be avoided Brake pads, shall, where necessary, be protected, from water and oil.

(9) The brake gear shall include means for automatically controlling the speed of lowering.

(10) Manual brakes shall be so arranged that the brake is always applied unless the operator or a mechanism activated by the operator, holds the brake control in the 'Off' position.

(11) Every rescue boat launching appliance shall be capable of hoisting the rescue boat when loaded with its full rescue boat complement of persons and equipment at a rate of not less than 0.3 metres per second.

(12) Release mechanism for lifeboats shall comply with the requirements of sub-para 6 of para 7 of Part I of the Third Schedule.

PART IV

Other launching appliances

(1) Float free launching—Where a survival craft requires a launching appliance and is also designed to float free, the float-free release of the survival craft from its stowed position shall be automatic.

(2) Free fall launching—Every free-fall launching appliance using an inclined plane shall, in addition to complying with the applicable requirements of Part II also comply with the following requirements :

- (a) The launching appliance shall be so arranged that excessive forces are not experienced by the occupants of the survival craft during launching.
- (b) The launching appliance shall be a rigid structure with a ramp angle and length sufficient to ensure that the survival craft effectively clears the ship.
- (c) The launching appliance shall be efficiently protected against corrosion and be so constructed as to prevent incentive friction or impact sparking during the launching of the survival craft.

(3) Evacuation slide launching and embarkation.—Every evacuation slide launching appliance shall, in addition to complying with the applicable requirements of Part II, also comply with the following requirements :

- (a) The evacuation slide shall be capable of being deployed by one person at the embarkation station.
- (b) The evacuation slide shall be capable of being used in high winds and in a seaway.
- (c) Every such appliance shall be serviced at intervals not more than 15 months.

(4) Liferaft launching appliances.—Every liferaft launching appliances shall comply with the requirements of Part II and III except with regard to use of gravity for turning out the appliance, embarkation in the stowed position and recovery of the loaded liferaft. The launching appliance shall be so arranged as to prevent premature release during lowering and shall release the liferaft only when water-borne.

PART V

TEST AFTER INSTALLATION ON BOARD

General

1. Tests shall be made to ensure that all survival crafts attached to launching appliances can be restowed from the embarkation position safely and when loaded only with the required equipment.

2. Lowering test.—Each launching appliance and any associated winches and their brakes shall withstand a dynamic test with a proof load of not less than 1.1 times working load at the maximum lowering speed. Winch brakes exposed to the weather shall withstand the foregoing test with the breaking surfaces wetted.

3. Hoisting test for rescue boats launching appliances.—Rescue boats launching appliances shall in addition to the lowering test be tested by hoisting the boats when loaded with its full rescue boat complement of persons and equipments from the water level to the embarkation position at the maximum hoisting speed.

4. Free fall launching appliance shall be tested to ensure that the survival craft can be launched under adverse condition of list and trim.

PART VI

Embarkation ladders

1. Embarkation ladders shall be provided in one length from the deck to the waterline in the lightest seagoing condition under unfavourable conditions of trim and with the ship listed not less than 20° either way.

2. Handholds shall be provided to ensure a safe passage from the deck to the head of the ladder and vice versa.

3. The steps of the ladder shall be

- (a) made of hardwood free from knots or other irregularities smoothly machined and free from sharp edges and splinters or of suitable material of equivalent properties
- (b) provided with an efficient non-slip surface either by longitudinal grooving or by the application of an approved non-slip coating;
- (c) not less than 480 millimetres long, 115 millimetres wide and 25 millimetres in depth, excluding any non-slip surface or coating;
- (d) equally spaced not less than 300 millimetres or more than 380 millimetres apart and secured in such a manner that they will remain horizontal.

4. The side ropes of the ladder shall consist of two uncoved manila ropes not less than 65 millimetres in circumference on each side. Each rope shall be continuous with no joints below the top step. Other materials may be used provided the dimensions breaking strain, weathering, stretching and gripping properties are at least equivalent to those of manila rope. All rope ends shall be secured to prevent unravelling.

PART VII

Illuminations : 1. Launching and embarkation appliances and arrangements shall be illuminated from the ship's main generating plant and in addition from approved emergency source of electrical supply.

2. The following areas shall be adequately illuminated :—

- (a) All ways stairway exists giving access to every muster station;
- (b) Muster and embarkation stations;
- (c) The survival craft and its launching appliance to facilitate preparation and launching of survivalcraft;
- (d) Area of the water into which the survival craft is to be launched.

THE SECOND SCHEDULE

(See rules 2(k) and (zb) 7, 40 (1), (3) and (6))

Personal life saving appliances.

PART I

Lifebuoys :

1. Every lifebuoy shall.—(a) be constructed of cork, evenly formed and securely plugged, or of other equally efficient buoyant material which shall not be adversely affected by oil or oil products ;

(b) if made of plastic or other synthetic compounds it shall be capable of retaining its buoyant properties and durability in contact with sea water or oil products are under variation of temperatures or climatic changes prevailing in open sea, voyages ;

(c) have an outer diameter of not more than 800 millimetres and inner diameter of not less than 400 millimetres. Major axis of the section shall be not less than 150 millimetres and minor axis shall be not less than 100 millimetres ;

(d) be constructed of inherently buoyant material, it shall not depend upon rushes, cork shavings or granulated cork any other loose granulated material or any air compartment which depends on inflation for buoyancy ;

(e) be of a highly visible colour ;

(f) be capable of supporting not less than 14.5 kilograms of iron in fresh water for a period of 24 hours ;

(g) have a mass of not less than 2.5 kilogrammes not more than 6 kilogrammes.

(h) not sustain burning or continue melting after being totally enveloped in a fire for a period of 2 seconds ;

(i) be constructed to withstand a drop into the water from the height at which it is stowed above the waterline in the lightest seagoing condition or 30 metres whichever is the greater, without impairing either its operating capability or that of its attached components ;

(j) if it is intended to operate the quick-release arrangement provided for the self-activated smoke signals and self-igniting lights, have a mass sufficient to operate the quick-release arrangement or 4 kilogrammes whichever is the greater ;

(k) be fitted with a grabline not less than 9.5 millimetres in diameter and not less than 4 times the outside diameter of the body of the buoy in length. The grabline shall be secured at four equidistant points around the circumference of the buoy to form four equal loops ; and

1. When constructed of materials other than cork, be permanently marked with the manufacturer's trade name for that product.

2. Buoyant lifeline shall,—

- (a) be buoyant even after being wet for 24 hours;
- (b) be non-sinking ;
- (c) have a diameter of not less than 8 millimetres;
- (d) have a breaking strength of not less than 5 kilo Newton.

PART II

Lifejackets.—(1) Lifejackets shall comply with the following general requirements and they shall be so constructed that :—

(a) it shall not sustain burning or continue melting after being totally enveloped in a fire for a period of 2 seconds.

(b) after demonstration, a person can correctly don it within a period of 1 minute without assistance ;

(c) it is capable of being worn inside-out or is clearly capable of being worn in only one way and, as far as possible cannot be done incorrectly ;

(d) it is comfortable to wear ;

(e) it shall not be adversely affected by oil or oil products;

(f) it shall be of a highly visible colour ;

(g) it shall be fitted with ring or loop or similar device of adequate strength to facilitate rescue ;

(h) the fabric with which it is covered and its tapes shall be rot proof ;

(i) it shall have fastening tapes, securely attached to the lifejacket cover and capable of withstanding a force of 882 Newtons ;

(j) The method of fastening the tapes shall be such as to be easily understood ;

(k) Metal fastening when used shall be of a size and strength consistent with the fastening tapes and of corrosion resistant materials ; and

- (1) it shall allow the carer to jump a vertical distance of 4.5 metres into the water without injury and without dislodging the lifejacket.
- (2) A lifejacket shall have sufficient buoyancy and stability in calm fresh water to,—
- Lift the mouth of an exhausted or unconscious person not less than 120 millimetres clear of the water with the body inclined backwards at an angle of not less than 20 degree and more than 50 degree from the vertical position ; and
 - turn the body of an unconscious person in the water from any position to one where the mouth is clear of the water in not more than 5 seconds.
- (3) A lifejacket shall have buoyancy which is not reduced by more than 5 per cent after 24 hours submersion in fresh water.
- (4) A lifejacket shall allow the person wearing it to swim a short distance and to board a survival craft.
- (5) Every lifejacket shall be fitted with a whistle firmly secured by a cord.
- (6) Every lifejacket shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 1.27 centimetres in size with the words "Adults" or with an appropriate symbol. Marker's name or other identification mark shall be marked on one side only.
- (7) (a) The buoyancy of lifejacket shall be provided by kapok or other equally effective buoyant material;
- (b) Every kapok lifejacket shall in addition to the requirements of paragraph 1 to 6 of this part comply with the following :—
- it shall contain not less than 1 kilogramme of kapok ;
 - the kapok shall be of good floatation quality well teased, evenly packed and free from seeds and other foreign matter ;
 - The kapok shall be protected from the effects of oil or oil products so that the loss of buoyancy in the lifejacket after floating in disturbed water containing a layer of not less than 3 millimetres in depth of a mixture of gas oil for a period of 48 hours, shall not exceed 2 per cent of the initial buoyancy and for the purpose of this test the lifejacket shall be loaded with weights equal to half its initial buoyancy ;
 - the covering shall be of pre-shrunk cotton material, the weight of which in loom state per metre shall be not less than 170 grammes for width of 0.68 metres and in proportion for other widths. The fabrics shall be free from admixture of sizing or other foreign matter. The threads per 25 millimetres in loom state shall be warp 44 two-fold threads and waft 34 two-fold threads. The sewing shall be carried out with linen thread of a quality of not less than 25 a fine white more cord.

(c) Every such lifejacket using a buoyant material other than kapok shall comply with the requirement of paragraph 1 to 6 of this part such buoyant material shall weigh not more than 192.5 kilograms per cubic metre and shall be of good quality and clean. If the material is in pieces, the size of each piece shall be not less than 164 cubic centimetres unless such pieces are in layer form and are fastened together with an approved adhesive and the material is chemically stable.

PART III

Childrens lifejackets: 1. Every lifejacket for use by a child shall provide adequate buoyancy so as to enable it to satisfy the requirements of paragraph 1, 2 and 3 with the exception of the provision of paragraph 1(b) of part II.

2. Every such lifejacket shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 13.0 millimetres in size with the words "CHILD" or with an appropriate symbol. Maker's name or other identification mark shall be marked on one side only.

3. Every such lifejacket shall comply with the requirement of paragraph 1 of part II.

4. Every kapok lifejacket shall contain not less than 425 grammes kapok and shall in addition to complying with the requirements of paragraph 1 of Part II comply with the requirement of clause ii, iii and iv of paragraph (7b) of Part II of this Schedule.

5. Every lifejackets using a buoyant material other than kapok shall in addition to complying with the requirement of paragraph 1 of Part II comply with clause C of paragraph 7 of Part II of this Schedule.

PART IV

Immersion Suits.—1. The immersion suit shall be constructed with waterproof materials such that :—

- it can be unpacked and donned without assistance within 2 minutes taking into account any associated clothing and a lifejacket if the immersion suit is to be worn in conjunction with a lifejacket
- it will not sustain burning or continue melting after being totally enveloped in a fire for a period of 2 seconds ;
- it will cover the whole body with the exception of the face. Hands shall also be covered unless permanently attached gloves are provided ;
- it is provided with arrangements to minimize or reduce free air in the legs of the suit and
- following a jump from a height of not less than 4.5 metres into the water there is no undue ingress of water into the suit

(2) An immersion suit, which also complies with the requirements of Part II of this schedule may be classified a lifejacket.

(3) An immersion suit shall permit the person wearing it and if the immersion suit is to be worn in conjunction with a lifejacket then when wearing a lifejacket to :—

- (a) climb up and down a vertical ladder atleast 5 metres in length ;
- (b) perform normal duties during abandonment.
- (c) jump from a height of not less than 4.5 metre into the water without damaging or dislodging the immersion suit, or being injured ; and
- (d) swim a short distance through the water and board a survival craft.

(4) An immersion suit which has buoyancy and is designed to be worn without a lifejacket shall be fitted with a light complying with the requirements of Para (8) or Para (9) of Part II of this schedule and the whistle prescribed by para (5) of Part II of this Schedule.

(5) If the immersion suit is to be worn in conjunction with a lifejacket, the lifejacket shall be worn over the immersion suit. A person wearing such an immersion suit shall be able to don a lifejacket without assistance.

(6) Thermal performance requirements for immersion suits:—

- (a) An immersion suit made of material which has no inherent insulation shall be :—
 - (i) marked with instructions that it must be worn in conjunction with warm clothing; and
 - (ii) so constructed that, when worn in conjunction with warm clothing, and with a lifejacket, if the immersion suit is to be worn with a lifejacket, the immersion suit continues to provide sufficient thermal protection, following one jump by the wearer into the water from a height of 4.5 metres to ensure that when it is worn for a period of 1 hour in calm circulating water at a temperature of 5 degree C, the wearer's body core temperature does not fall more than 2 degree C.

(7) An immersion suit made of material with inherent insulation, when worn either on its own or with a lifejacket, if the immersion suit is to be worn with a lifejacket, shall provide the wearer with sufficient thermal insulation following one jump into the water from a height of 4.5 metres to ensure that the wearer's body core temperature does not fall more than 2 degree C after a period of 6 hours immersion in calm circulating water at a temperature of between 0 degree C and 2 degree C.

(8) The immersion suit shall permit the person wearing it with hands covered to pick up a pencil and write after being immersed in water at 5°C for a period of 1 hour.

(9) Bouyancy requirements:—A person in fresh water wearing either an mmersion suit complying with

the requirements of para (2) of this part of an immersion suit with a lifejacket, shall be able to turn from a face-down to a face-up position in not more than 5 seconds.

PART V

Thermal protective aids :—(1) A thermal protective aid shall be made of waterproof material having a thermal conductivity of not more than 0.25 Weber Metre-Kelvin and shall be so constructed that when used to enclose a person, it shall reduce both the convective and evaporative heatloss from the wearer's body.

(2) The thermal protective aid shall :

- (a) cover the whole body of a person wearing a life jacket with the exception of the fact. Hands also be covered unless permanently attached gloves are provided;
- (b) be capable of being unpacked and easily donned without assistance in a survival craft or rescue boat;
- (c) Permit the wearer to remove it in the waterin not more than 2 minutes, if it impairs ability to swim.

(3) The thermal protective aid shall function properly throughout an air temperature range—30°C to +20°C.

THE THIRD SCHEDULE

(See rules 2(q), 13(2)d, 15,8, 25, 29 and 36, 2)

PART I

General requirements for lifeboats

1. Construction of lifeboats.—(1) All lifeboats shall be properly constructed and shall be such form and proportion that they have ample stability in a seaway and sufficient free-board when loaded with their full complement of persons and equipment. All lifeboats shall have rigid hulls and shall be capable of maintaining positive stability when in an upright position in calm water and loaded with their full complement of persons and equipment and hold in any one location below the waterline, assuming no loss of buoyancy material and no other damage and allowing for the buoyancy of the full complement of persons.

(2) All lifeboats shall be of sufficient strength to :

- (a) enable them to be safely lowered into the water when loaded with their full complement of persons and equipment and
- (b) be capable of being launched and towed when the ship is making headway at a speed of 5 knots in calm water.

(3) Hulls and rigid covers shall be fire-retardant or non-combustible

(4) Seating shall be provided on thwarts, benched or fixed chairs fitted as low as practicable in the lifeboat and constructed so as to be capable of support-

ing the number of persons, each weighing 100 Kilograms, for which spaces are provided in compliance with the requirements of clause (2) of Para (2) of this Part.

(5) Each lifeboat, shall be of sufficient strength to withstand load, without residual deflection on removal of that load and such load shall ;

(a) in the case of boats with metal hulls be 1.25 times the total mass of the lifeboat when loaded with its full complement of persons and equipment ; or

(b) in the case of other boats be twice the total mass of the lifeboat when loaded with its full complement of persons and equipment.

(6) Each lifeboat shall be of sufficient strength

to withstand when loaded with its full complement of persons and equipment and with, where applicable, skates or fenders in position, a lateral impact against the ship's side at an impact velocity of at least 3.5 metre per second and also a drop into the water from a height of at least 3 metres.

(7) The vertical distance between the floor surface and the interior of the enclosure or canopy 50 per cent of the floor area shall be :

(a) not less than 1.3 metres or a lifeboat permitted to accommodate nine persons or less;

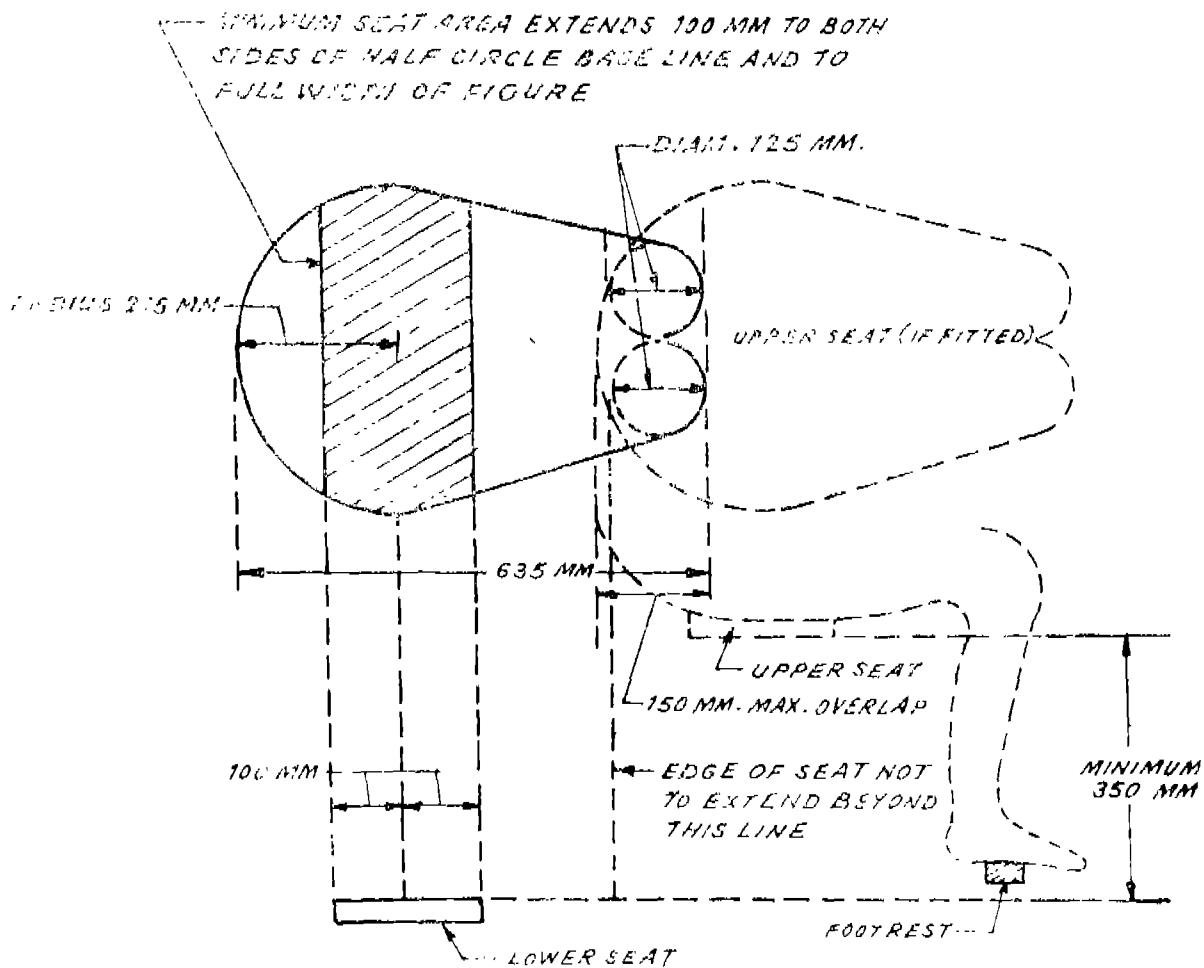
(b) not less than 1.7 metres or a lifeboat permitted to accommodate 24 persons or more, and

(c) not less than the distance as determined by linear interpolation between 1.3 metres and 1.7 metres for a lifeboat permitted to accommodate between 9 and 24 persons.

2. Carrying capacity of lifeboats.—(1) No lifeboat shall accommodate more than 150 persons.

(2) The number of persons which a lifeboat shall be permitted to accommodate shall be equal to the lesser of ;

(a) the number of persons having an average mass of 75 kilograms all wearing life-jackets, that can be seated in a normal position without interfering with the means of propulsion or the operation of any of the lifeboats equipments; or



(b) the number of spaces that can be provided on the seating arrangements in accordance with Figure 1. The shapes may be overlapped as shown, provided footrests are fitted and there is sufficient room for legs and the vertical separation between the upper lower seat is not less than 350 mm.

(c) Each seating position shall be clearly indicated in the lifeboat.

3. Access into lifeboats.—(1) Every passenger ship lifeboat shall be so arranged that it can be rapidly boarded by its full complement of persons. Rapid disembarkation shall also be possible.

(2) Every cargo ship lifeboat shall be so arranged that it can be boarded by its full complement of persons in not more than 3 minutes from the time the instruction to board is given. Rapid disembarkation shall also be possible.

(3) Lifeboats shall have a boarding ladder that can be used on either side of the lifeboat to enable persons in the water to board the lifeboat. The lowest step of the ladder shall be not less than 0.4 metre below the life boat's light waterline.

(4) The lifeboat shall be so arranged that helpless people can be embarked on the lifeboat on stretchers at the embarkation station.

(5) All surfaces on which persons might walk shall have a non-skid finish.

4. Lifeboat buoyancy.—All lifeboats shall have inherent buoyancy or shall be fitted with inherently buoyant material, which shall not be adversely affected by seawater and oil or oil products, sufficient to float the lifeboat with all its equipment on board when flooded and open to the sea. Additional inherently buoyant material equal to 280 newtons of buoyant force per person shall be provided for the number of persons the lifeboat is permitted to accommodate. Buoyant material, unless in addition to that required above, shall not be installed external to the hull of the lifeboat.

5. Lifeboat free board and stability.—All lifeboats, when loaded with 50 per cent of the number of persons the lifeboat is permitted to accommodate seated in their normal position to one side of the centreline, shall have a freeboard measured from the waterline to the lowest opening through which the lifeboat may become flooded, of at least 1.5 per cent of the lifeboat's length or 100 millimetres whichever is the greater.

6. Lifeboat propulsion.—(1) Every lifeboat shall be powered by a compression ignition engine. No engine shall be used for any lifeboat if its fuel has a flashpoint of 43°C or less (closed cup test).

(2) The engine shall be provided with either a manual starting system, or a power starting system with two independent rechargeable energy sources. Any necessary starting aids shall also be provided. The engine starting systems and starting aids shall start the engine at an ambient temperature of -15°C within 2 minutes of commencing the start procedure unless, in the opinion of the Central Government

having regard to the particular voyages in which the ship carrying the lifeboat is constantly engaged, a different temperature is appropriate. The starting systems shall not be impeded by the engine casing, thwarts or other obstructions.

(3) The engine shall be capable of operating for not less than 5 minutes after starting from cold with the lifeboat out of the water.

(4) The engine shall be capable of operating when the lifeboat is flooded upto the centreline of the crank shaft.

(5) The propeller shafting shall be so arranged that the propeller can be disengaged from the engine. Provision shall be made for ahead and astern propulsion of the lifeboat.

(6) The exhaust pipe shall be so arranged as to prevent water from entering the engine in normal operation.

(7) All lifeboats shall be designed with due regard to the safety of persons in the water and to the possibility of damage to the propulsion systems by floating debris.

(8) The speed of a lifeboat when proceeding ahead in calm water, when loaded with its full complement of persons and equipment and with all engine-powered auxiliary equipment in operation, shall be at least 6 knots and at least 2 knots when towing a 25 persons liferaft loaded with its full complement of persons and equipment or its equivalent. Sufficient fuel, suitable for use throughout the temperature range expected in the area in which the ship operates, shall be provided to run the fully loaded lifeboat at 6 knots for a period of not less than 25 hours.

(9) The lifeboat engine, transmission and engine accessories shall be enclosed in a fire-retardant casing or other suitable arrangements providing similar protection. Such arrangements shall also protect persons from coming into accidental contact with hot or moving parts and protect the engine from exposure to weather and sea. Adequate means shall be provided to reduce the engine noise. Starter batteries shall be provided with casings which form a watertight enclosure around the bottom and sides of the batteries. The battery casings shall have a tight fitting top which provides for necessary gas venting.

(10) The lifeboat engine and accessories shall be designed to limit electromagnetic emissions so that engine operation does not interfere with the operation of radio life-saving appliances used in the lifeboat.

(11) Means shall be provided for recharging all engine starting, radio and search-light batteries. Radio batteries shall not be used to provide power for engine starting. Means shall be provided for recharging lifeboat batteries from the ship's power supply at a supply voltage not exceeding 55 volts which can be disconnected at the lifeboat embarkation station.

controls.

(12) Water-resistant instructions for starting and operating the engine shall be provided and mounted in a conspicuous place near the engine starting

7. Lifeboat fittings.—(1) All lifeboats shall be provided with atleast one drain valve fitted near the lowest point in the hull, which shall automatically open to drain water from the hull when the lifeboat is not waterborne and shall automatically close to prevent entry of water when the lifeboat is waterborne. Each drain valve shall be provided with a cap or plug to close the valve which shall be attached to the lifeboat by a lanyard, a chain, or other suitable means. Drain valves shall be readily accessible from inside the lifeboat and their position shall be clearly indicated.

(2) All lifeboats shall be provided with a rudder and tiller. When a wheel or other remote steering mechanism is also provided the tiller shall be capable of controlling the rudder in case of a failure of the steering mechanism. The rudder shall be permanently attached to the lifeboat. The tiller shall be permanently installed on, or linked to, the rudder stock however, if the lifeboat has a remote steering mechanism, the tiller may be removable and securely stowed near the rudder stock. The rudder and tiller shall be so arranged as not to be damaged by operation of the release mechanism or the propeller.

(3) Except in the vicinity of the rudder and propeller a buoyant lifeline shall be becketed around the outside of the lifeboat.

(4) Lifeboats which are not self-righting when capsized shall have suitable hand-holds on the underside of the hull to enable persons to cling to the lifeboat. The handholds shall be fastened to the lifeboat in such a way that, when subjected to an impact sufficient to cause them to break away from the lifeboat, they break away without damaging the lifeboat.

(5) All lifeboats shall be fitted with sufficient watertight lockers or compartments to provide for the storage of the small items of equipment, water and provisions required by paragraph 8. Means shall be provided for the storage of collected rainwater.

(6) Every lifeboat to be launched by a fall or falls, shall be fitted with a release mechanism complying with the following requirements :

- (a) The mechanism shall be so arranged that all hooks are released simultaneously;
- (b) The mechanism shall have two release capabilities as follows :
 - (i) a normal release capability which will release the lifeboat when it is waterborne or when there is no load on the hooks;
 - (ii) an on-load release capability which will release the lifeboat with a load on the hooks. This release shall be so arranged as to release the lifeboat under any conditions of loading from no-load with the lifeboat waterbourne to a load of 1.1 times the total mass of the fully equipped lifeboat loaded with its full complement of persons and equipment. This release capacity shall be adequately protected against accidental or premature use.

(iii) The release control shall be clearly marked in a colour that contrasts with its surroundings.

(iv) The mechanism shall be designed with a factor of safety of 6 based on the ultimate strength of the materials used, assuming the mass of the lifeboat is equally distributed between the falls.

(7) Every lifeboat except free fall launching lifeboats shall be fitted with a release device to enable the forward painter to be released when under tension

(8) Every lifeboat shall be provided with permanent arrangement for adequately siting and securing in the operating position with antennas and earth connection, if any;

- (a) the portable radio apparatus required by clause (a) of rule 6.
- (b) the emergency position indicating radio beacon required by clause (c) of rule 6, and
- (c) the manually operated locating device required under clause (d) of rule 6.

(9) Lifeboats intended for launching down the side of a ship shall have skates and senders as necessary to facilitate launching and prevent damage to the lifeboat.

(10) A manually controlled lamp visible on a dark night with a clear atmosphere at a distance of atleast 2 miles for a period of not less than 12 hours shall be fitted to the top of the cover or enclosure. If the light is a flashing light, it shall initially flash at a rate of not less than 50 flashes per minute over the first 2 hours of operation of the 12 hours operating period.

(11) A lamp or source of light shall be fitted inside the lifeboat to provide illumination for not less than 12 hours to enable reading of survival equipment instructions. However, oil lamps shall not be permitted for this purpose.

(12) Unless expressly provided otherwise, every lifeboat shall be provided with effective means of bailing or be automatically self-bailing.

(13) Every lifeboat shall be so arranged that an adequate view forward, aft and to both sides is provided from the control and steering position for safe launching and manoeuvring.

8. Lifeboat equipment.—All items of lifeboat equipment, whether required by these rules with the exception of boathooks which shall be kept free for fending off purposes, shall be secured within the lifeboat by lashings, storage in brackets or similar mounting arrangements or other suitable means. The equipment shall be secured in such a manner as not to interfere with any abandonment procedures. All items of lifeboat equipment shall be as small and of as little mass as possible and shall be packed in a suitable and compact form. Except where otherwise stated, the normal equipment of every lifeboat shall consist of :

- (a) approved buoyant oars with sufficient buoyancy. Thole pin, crutches or equivalent arrangements shall be provided for each oars provided. Thole pins or crutches shall be attached to the boat by lanyards or chains.

- provided that free fall launching lifeboats need not comply with this requirement.
- (b) two boat-hooks.
- (c) a buoyant bailer and two cuckets.
- (d) an approved survival manual.
- (e) a binnacle containing an approved compass which is luminous or provided with suitable means of illumination in a totally enclosed lifeboat the compass shall be a permanently fitted at the steering position and need not be fitted with a binnacle. In any other lifeboat, a binnacle shall be provided with suitable mounting arrangements.
- (f) a sea-anchor of adequate size fitted with a shock-resistant hawser and a tripping line which provides a firm hand grip when wet. The strength of the sea-anchor, hawser and tripping line shall be adequate for all sea conditions.
- (g) two efficient painters of a length equal to not less than twice the distance from the stowage position of the lifeboat to the water-line in the lightest sea-going condition or 15 metres whichever is the greater. One painter attached to the release device required by Part I sub-para (7) of para 1 above shall be placed at the forward end of the lifeboat. The other painter shall be firmly secured at or near the bow of the lifeboat ready for use.
- (h) two hatchets, one at each end of the lifeboat.
- (i) an approved watertight receptacles containing a total of 3 litres of fresh water for each person the lifeboat is permitted to accommodate, of which a litre per person may be replaced by an approved desalting apparatus capable of production an equal amount of fresh water in 2 days.
- (j) a rust proof dipper with lanyard.
- (k) a rust proof graduated drinking vessel.
- (l) approved food rations totalling not less than 10,000 kilojoules for each person the lifeboat is permitted to accommodate. These rations shall be kept in airtight packaging and be stowed in a water tight container.
- (m) four rocket parachute flares complying with the requirements of part X of the Seventh Schedule.
- (n) six hand flares complying with the requirements of Part XI of the Seventh Schedule.
- (o) two buoyant smoke signals complying with the requirements of Part XII of the Seventh Schedule.
- (p) One waterproof electric torch suitable for Morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a waterproof container.
- (q) One approved daylight signalling mirror with instructions for its signalling to ships and aircraft.
- (r) One copy of the life-saving signals as specified in part XVI of the Seventh Schedule on a waterproof card or in a waterproof container.
- (s) One whistle or equivalent sound signal.
- (t) an approved first-aid outfit in a waterproof case capable of being closed tightly after use containing the equipment as specified in Part VII of the schedule for every 30 persons or part thereof the lifeboat is certified to carry.
- (u) six doses of anti-seasickness medicine and one sea-sickness bag for each person.
- (v) a Jack-knife to be kept attached to the boat by a lanyard.
- (w) three tin openers .
- (x) two buoyant rescue quoits, attached to not less than 30 metres of buoyant line.
- (y) a manual pump.
- (z) one set of approved fishing tackle.
- (aa) sufficient tools for minor adjustments to the engine and its accessories.
- (ab) approved portable fire-extinguishing equipment suitable for extinguishing oil fires.
- (ac) approved searchlight capable of effectively illuminating a light-coloured object at night having a width of 18 metres at a distance of 180 ms. for a total period of 6 hours and of working for not less 3 hours continuously.
- (ad) an efficient radar reflector.
- (ae) approved thermal protective aids complying with the requirements of Part V of the second Schedule sufficient for 10 per cent of the number of persons the lifeboat is permitted to accommodate or two persons, whichever is the greater.
- (af) In the case of ships engaged on voyages of such a nature and duration that, in the opinion of the Central Government the items specified in clause (1) and (z) of the paragraph are unnecessary, the Central Government may allow these items to be dispensed with.
9. Lifeboat marking.—(1) The dimensions of the lifeboat and the number of persons which it is permitted to accommodate shall be marked on it in clear permanent characters.
- (2) The name and port of registry of the ship to which the lifeboat belongs shall be marked on each side of the lifeboat's bow in block capitals of the roman alphabet.
- (3) Means of identifying the ship to which the lifeboat belongs and the number of the lifeboat shall

be marked on the canopy in such a way that they are visible from above.

PART II

Partially enclosed lifeboats

1. General partially enclosed lifeboats shall comply with the requirements of Part I and in addition shall comply with the requirements of this Part.

2. Every partially enclosed lifeboat shall be provided with effective means of bailing or be automatically self-bailing.

3. Partially enclosed lifeboats shall be provided with permanently attached rigid covers extending over not less than 20 per cent of the length of the lifeboat from the stem and not less than 20 per cent of the length of the lifeboat from the aftermost part of the lifeboat. The lifeboat shall be fitted with a permanently attached foldable canopy which together with the rigid covers completely encloses the occupants of the lifeboat in weatherproof shelter and protects them from exposure. The canopy shall be so arranged that :

- (a) it is provided with adequate rigid sections or battens to permit erection of the canopy.
- (b) it can be easily erected by not more than two persons.
- (c) it is insulated to protect the occupants against heat and cold by means of not less than two layers of material separated by an air gap or other equally efficient means. Means shall be provided to prevent accumulation of water in the air gap.
- (d) its exterior is of a highly visible colour and its interior is of a colour which does not cause discomfort to the occupants.
- (e) it has entrances at both ends and one on each side, provided with efficient adjustable closing arrangements which can be easily and quickly opened and closed from inside or outside so as to permit ventilation but exclude seawater, wind and cold. Means shall be provided for holding the entrances securely in the open and closed position.
- (f) with the entrances closed, it admits sufficient air for the occupants at all times.
- (g) it has means for collecting rainwater, and
- (h) the occupants can escape in the event of the lifeboat capsizing.

4. The exterior of the lifeboat shall be of a highly visible colour.

5. The radio telegraph installation required to be provided by sub-rule (7) of rule 30 or sub-rule (5) of rule 31 shall be installed in an approved sheltered space or cabin large enough to accommodate both equipment and the person using it.

PART III

Self-righting partially enclosed lifeboats

1. General.—Self-righting partially enclosed lifeboats shall comply with the requirements of Part I and in addition shall comply with the requirements of this Part.

2. Enclosure.—(1) Permanently attached rigid covers shall be provided extending over not less than 20 per cent of the length of the lifeboat from the stem and not less than 20 per cent of the length of the lifeboat from the aftermost part of the lifeboat.

(2) The rigid covers shall form two shelters. If the shelters have bulkheads they shall have openings of sufficient size to permit easy access by persons each wearing an immersion suit or warm clothes and life-jacket. The interior height of the shelters shall be sufficient to permit easy access to persons to their seats in the bow and stern of the lifeboat.

(3) The rigid covers shall be so arranged that they include windows or translucent panels to admit sufficient day light to the inside of the lifeboat with the openings or canopies closed so as to make artificial light unnecessary. Such windows or panels may be sited on the upper side of the rigid enclosures.

(4) The rigid covers shall have railings to provide a secure handhold for persons moving about the exterior of the lifeboat.

(5) Open parts of the lifeboat shall be fitted with a permanently attached foldable canopy so arranged that :

(a) it can be easily erected by not more than two persons in not more than 2 minutes.

(b) it is insulated to protect the occupants against cold by means of not less than two layers of material separated by an air gap or other equally efficient means.

(6) The enclosure formed by the rigid covers and canopy shall be so arranged :

(a) as to allow launching and recovery operations to be performed without any occupant having to leave the enclosure.

(b) that it has entrances at both ends and on each side, provided with efficient adjustable closing arrangements which can be easily and quickly opened and closed from inside or outside so as to permit ventilation but exclude seawater, wind and cold. Means shall be provided for holding the entrances securely in the open and in close position.

(c) that with the canopy erected and all entrances closed, sufficient air is admitted for the occupants at all times.

(d) that it has means for collecting rainwater.

(e) that the exterior of the rigid covers and canopy and the interior of that part of the lifeboat covered by the canopy is of a highly visible colour. The interior of the shelters shall be of a colour which does not cause discomfort to the occupants.

(f) that it is possible to row the lifeboat.

3. Capsizing and re-righting.—(1) A safety belt shall be fitted at each indicated seating position. The safety belt shall be so designed as to hold a person of a mass of 100 Kg. securely in place when the lifeboat is in a capsized position.

(2) The stability of the lifeboat shall be such that it is inherently or automatically self-righting when loaded with its full or a partial complement of persons and the persons are secured with safety belts.

4. Propulsion.—(1) The engine and transmission shall be controlled from the helmsmen's position.

(2) The engine and engine installation shall be capable of running in any position during capsize and continue to run after the lifeboat returns to the upright or shall automatically stop on capsizing and be easily restarted after the lifeboat returns to the upright and the water has been drained from the lifeboat. The design of the fuel and lubricating systems shall prevent the loss of fuel and the loss of more than 250 millilitres of lubricating oil from the engine during capsize.

(3) Air-cooled engines shall have a dual system to take in cooling air from, and exhaust it to, the outside of the lifeboat. Manually operated dampers shall be provided to enable cooling air to be taken in from, and exhausted to, the interior of the lifeboat.

5. Construction and fendering.—(1) Notwithstanding the provision of para 16 of Part I, a self-righting partially enclosed lifeboat shall be so constructed and fendered as to ensure that the lifeboat renders protection against harmful accelerations resulting from an impact of the lifeboat, when loaded with its full complement of persons and equipment, against the chin's side at an impact velocity of not less than 3.5 metres per second.

(2) The lifeboat shall be automatically self-hauling.

PART IV

Totally enclosed lifeboats

1. Totally enclosed lifeboats shall comply with the requirements of Part I and in addition shall comply with the requirements of the Part.

2. Enclosure.—Every totally enclosed lifeboat shall be provided with a rigid watertight enclosure which completely encloses the lifeboat. The enclosure shall be so arranged that :

- (a) it protects the occupants against heat and cold.
- (b) access to the lifeboat is provided by hatches which can be closed to make the lifeboat watertight.
- (c) hatches are positioned so as to allow launching and recovery operations to be performed without any occupant having to leave the enclosures.
- (d) access hatches are capable of being opened and closed from both inside and outside and are equipped with means to hold them securely in open position.

(e) with the exception of the free launched lifeboat it is possible to row the lifeboat.

(f) when the lifeboat is in the capsized position with the hatches closed and without significant leakage, it is capable of supporting the entire mass of the lifeboat, including all equipment, machinery and its full complement of persons.

(g) it includes windows or translucent panels on both sides or on the upper sides of rigid enclosure which admit sufficient daylight to the inside of the lifeboat with the hatches closed to make artificial light unnecessary. Such windows or panels may be sited on the upper side of the rigid enclosure.

(h) its exterior is of a highly visible colour and its interior of a colour which does not cause discomfort to the occupants.

(i) hand rails provide a secure handhold for persons moving about the exterior of the lifeboat, and aid embarkation and disembarkation.

(j) persons having access to their seats from an entrance without having to climb over thwarts or other obstructions, and

(k) the occupants are protected from the effects of dangerous sub-atmospheric pressures which might be created by the lifeboat's engine.

3. Capsizing and re-righting.—(1) A safety belt shall be fitted at each indicated seating position. The safety belt shall be designed to hold a person of a mass of 100 kilo grams securely in place when the lifeboat is in a capsized position.

(2) The stability of the lifeboat shall be such that it is inherently or automatically self-righting when loaded with its full or a partial complement of persons and equipment and all entrances and openings are closed watertight and the persons are secured with safety belts.

(3) The lifeboat shall be capable of supporting its full complement of persons and equipment when the lifeboat is in the damaged condition prescribed in para 4 of Part I and its stability shall be such that in the event of capsizing it will automatically attain a position that will provide an above water escape for its occupants.

(4) The design of all engine exhaust pipes, air ducts and other openings shall be such that water is excluded from the engine when the lifeboat capsizes and re-rights.

4. Propulsion.—(1) The engine and transmission shall be controlled from helmsman's position.

(2) The engine and engine installation shall be capable of running in any position during capsize and continue to run after the lifeboat returns to the upright or shall automatically stop on capsizing and be easily restarted after the lifeboat returns to the upright. The design of the fuel and lubricating systems shall prevent the loss of fuel and the loss of more than 250 millilitres of lubricating oil from the engine during capsize.

(3) Air cooled engines shall have dual system to take in cooling air from, and exhaust it to, the outside of the lifeboat. Manually operated dampers shall be provided to enable cooling air to be taken in from, and exhausted to, the interior of the lifeboat.

5. Construction and fendering.—Notwithstanding the provision of clause (6) of para 1 of Part I, a totally enclosed lifeboat shall be so constructed and rendered as to ensure that the lifeboat renders protection against harmful accelerations resulting from an impact of the lifeboat, when loaded with its full complement of persons and equipment against the ship's side at an impact velocity of not less than 3.5 metres per second.

6. Free-fall lifeboats.—A lifeboat arranged for free-fall launching shall be so constructed that it is capable of rendering protection against harmful accelerations resulting from being launched, when loaded with its full complement of persons and equipment, from at least the maximum height at which it is designed to be stowed above the waterline with the ship in its lightest seagoing condition, under unfavourable conditions of trim of upto 10° and with the ship listed not less than 20° either way.

PART V

Lifeboat with a self-contained air support system. In addition to complying with the requirements of Part I and Part IV, a lifeboat with a self-contained air support system shall be so arranged that, when proceeding with all entrances and openings closed, the air in the lifeboat remains safe and breathable and the engine runs normally for a period of not less than 10 minute. During this period the atmospheric pressure inside the lifeboat shall never fall below the outside atmospheric pressure or shall it exceed it by more than 20m bar. The system shall have visual indicators to indicate the pressure of the air supply at all times.

PART VI

Fire-protected life-boats

1. General.—In addition to complying with the requirements of Part I, Part IV and Part V, a fire-protected lifeboat when waterborne shall be capable of protecting the number of persons it is permitted to accommodate when subjected to a continuous oil fire that envelopes the lifeboat for a period of not less than 8 minutes.

2. Water spray system.—A lifeboat which has a water spray fire-protection system shall comply with the following :

- Water for the system shall be drawn from the sea by a self-priming motor pump. It shall be possible to turn "on" and turn "off" the flow of water over the exterior of the lifeboat.
- the sea water intake shall be so arranged as to prevent the intake of flammable liquids from the sea surface;
- the system shall be arranged for flushing with fresh water and allowing complete drainage.

PART VII First Aid Kit

1. The content of every first aid kit provided in a lifeboat or a liferaft shall include the following—

ARTICLE	QUANTITY
(a) Collapse revivers	6 capsules
(b) Pain relievers	25 tablets
(c) Morphine syringes containing a solution of either morphine salt equivalent to Anhydrous Morphine 0.25 gm. in c.c or Papaveretum B.P.C. 0.5 gms. in 1 c.c	6 ampoules
(d) Antiseptic burn or wound cream, Centrimide BPC 0.5 per cent W/W	100 gms.
(e) Energy tablets 10 mg	60 tablets
(f) Standard dressings No. 15, large BPC 20×15 cms.	4 Nos
(g) Standard dressing No. 14, large BPC 15×10 cms	4 Nos
(h) Plastic adhesive dressings 8×5 cm	6 Nos
(i) Bandages, triangular illustrated 125×95.95 cms.	4 Nos
(j) Roller wove Bandages, compressed 5.6 cms. X 3.5 metres	10 Nos.
(k) Cotton wool compressed	125 gms.
(l) Safety pins, brass plated 5 cms.	6 Nos.
(m) Scissors, 10 cms. one sharp and one blunt point, made of rustless and stainless steel	1 No
(n) Silica Gel	1 capsule
(o) Instructions in English and Hindi languages printed on linen or waterproof paper stating how and when to use the different items.	

2. The first aid kit shall be packed in a container which shall comply with the following requirements :—

- It shall be durable, damp-proof, water proof and effectively sealed.
- It shall not be effected by extreme temperature.
- Every items in the container shall be properly packed moisture has been removed as far as possible of the item.
- It shall be packed in a room from which an atmospheric moisture has been removed as far as possible.
- It shall not be made of metal.
- An itemized list of contents shall be given on the outside of the container.

THE FOURTH SCHEDULE

[See rule 2(r), 13(2)(d), 19(6)]

Inflatable liferafts

PART I

General requirements for liferafts

1. Construction of liferafts.—(1) Every liferaft shall be so constructed as to be capable of withstanding exposure for 30 days in all sea conditions.

(2) The liferaft shall be so constructed that when it is dropped into the water from a height of 18 metres, the liferaft and its equipment will operate satisfactorily. If the liferaft is to be stowed at a height of more than 18 metres above the waterline in the lightest seagoing condition, it shall be of a type which has been satisfactorily drop-tested from at least that height.

(3) The boating liferaft shall be capable of withstanding repeated jumps on to it from a height of at least 4.5 metres above its floor both with and without the canopy erected.

(4) The liferaft and its fittings shall be so constructed as to enable it to be towed at a speed of 3 knots in calm water when loaded with its full complement of persons and equipment and with one of its sea-anchors stowed.

(5) The liferaft shall have a canopy to protect the occupants from exposure which is automatically set in place when the liferaft is launched and waterborne. The canopy shall comply with the following :

- (a) it shall provide insulation against heat and cold by means of either two layers of material separated by an air gap or other equally efficient means. Means shall be provided to prevent accumulation of water in the air gap ;
- (b) its interior shall be of a colour that does not cause discomfort to the occupants ;
- (c) each entrance shall be clearly indicated and be provided with efficient adjustable closing arrangements which can be easily and quickly opened from inside and outside the liferaft so as to permit ventilation but exclude seawater, wind and cold. Liferafts accommodating more than eight persons shall have at least two diametrically opposite entrances ;
- (d) it shall admit sufficient air for the occupants at all times even with the entrances closed ;
- (e) it shall be provided with at least one viewing port ;
- (f) it shall be provided with means for collecting rain water ;
- (g) it shall have sufficient headroom for sitting occupants under all parts of the canopy.

2. Minimum carrying capacity and mass of Liferafts.—

(1) No liferaft shall be approved which has a carrying capacity of less than six persons calculated in accordance with the requirements of para 3 of Part II or para 3 of Part III of this Schedule, as appropriate.

(2) Unless the liferaft is to be launched by an approved launching appliance and is not required to be portable, the total mass of the liferaft, its container and its equipment shall not be more than 185 kilogrammes.

3. Liferaft fittings.—(1) Lifelines shall be securely becketted around the inside and outside of the liferaft.

(2) The liferaft shall be provided with arrangements for adequately sitting and securing in the operating position the antennae and earth connections if any ;

- (a) the portable radio apparatus required by clause (a) of rule 6 ;
- (b) the emergency position indicating radio beacon required by clause (c) of rule 6 ; and
- (c) the manually operated locating device required under clause (d) of rule 6.

(3) The liferaft shall be fitted with an efficient painter of length equal to not less than twice the distance from the stowed position to the waterline in the lightest seagoing condition or 15 metres, whichever is the greater.

4. Davit-launched liferaft.—(1) In addition to the above requirements, a liferaft for use with an approved launching appliance shall :

- (a) when the liferaft is loaded with its full complement of persons and equipment, be capable of withstanding a lateral impact against the ship's side at an impact velocity of not less than 3.5 metres per second and also a drop into the water from a height of not less than 3 metres without damage that will affect its functions ;
- (b) be provided with means for bringing the liferaft alongside the embarkation deck and holding it securely during embarkation.

(2) Every davit-launched liferaft shall be so arranged that it can be rapidly boarded by its full complement of persons. In case of cargo ships it shall be possible to board the liferaft by its full complement of persons in not more than 3 minutes from the time the instruction to board is given.

5. Equipment.—(1) The normal equipment of every liferaft shall consist of :

- (a) One buoyant rescue quoit, attached to not less than 30 metres buoyant line ;
- (b) one safety knife of the non folding type having a buoyant handle and lanyard attached and stowed in a pocket on the exterior of the canopy near the point at which the pointer is attached to the liferaft. In addition, a liferaft which is permitted to accommodate 13 persons or more shall be provided with a second safety knife which need not be of the non-folding type ;
- (c) for a liferaft which is permitted to accommodate not more than 12 persons, one buoyant bailer. For a liferaft which is permitted to accommodate 13 person or more, two buoyant bailers ;
- (d) two sponges ;
- (e) two approved sea-anchors each with shock-resistant hawser and tripping line, one being spare and the other permanently attached to the liferaft in such a way that when the liferaft inflates so is waterborne it will cause the liferaft to lie oriented to the wind in the most stable manner. The strength of each sea-anchor and its hawser and tripping line shall be adequate for all sea conditions. The sea-anchors shall be fitted with a swivel at each end of the line and shall be of a type which is unlikely to turn inside-out between its shrow lines ;
- (f) two buoyant paddles ;
- (g) three tin openers. Safety knives containing special tin-operator blades are satisfactory for this requirement ;
- (h) one approved first-aid outfit in a waterproof case capable of being closed tightly after use containing the equipment as specified in Part VII of the Third Schedule ;
- (i) one whistle or equivalent sound signal ;
- (j) four rocket parachute flares complying with the requirements of Part X of the Seventh Schedule ;
- (k) six hand flares complying with the requirements of part XI of the Seventh Schedule ;
- (l) Two buoyant smoke signals complying with the requirements of Part XIV of the Seventh Schedule ;
- (m) one approved waterproof electric torch suitable for Morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a waterproof container ;
- (n) an efficient radar reflector ;
- (o) one approved daylight signalling mirror with instructions on its use for signalling to ships and aircraft ;
- (p) one copy of the life-saving signals specified in part XVI of the Seventh Schedule on a waterproof card or in a waterproof container ;
- (q) one set of approved fishing tackle ;
- (r) approved food rations totalling not less than 10,000 Kilocalories for each person the liferaft is permitted to accommodate; these rations shall be kept in airtight packaging and be stowed in a watertight container ;
- (s) watertight receptacles containing a total of 1.5 litres of fresh water for each person the liferaft is permitted to accommodate, of which 0.5 litres per person may be replaced by approved de-salting apparatus capable of producing an equal amount of fresh water in 2 days ;

- (t) one rustproof graduated drinking vessel;
- (u) six doses of anti-seasickness medicine and one sea-sickness bag for each person the liferaft is permitted to accommodate;
- (v) approved instructions on how to survive;
- (w) approved instructions for immediate action;
- (x) thermal protective aids complying with the requirements of Part IV of the Second Schedule sufficient for 10 per cent of the number of persons the liferaft is permitted to accommodate or two, whichever is the greater.

(2) Liferafts equipped in accordance with para 5 of this Part shall be marked as "SOLAS 'A' PACK" in block capitals of the roman alphabet.

(3) In the case of passenger ships engaged on short international voyages of such a nature and duration that, in the opinion of the Central Government, not all the items specified in sub-paragraph (1) of paragraph 5 are necessary, the Central Government may allow the liferafts carried on any such ships to be provided with the equipment specified in clause (a) to (f) both inclusive, clause (h), (i) clause (m) to (n) both inclusive, and clause (u) to (x) both inclusive and one half of the equipment specified in clause (f) to (l) both inclusive. Such liferafts shall be marked "SOLAS B PACK" in block capitals of the roman alphabet.

(4) Where appropriate the equipment shall be stowed in a container which, if it is not an integral part of, or permanently attached to, the liferaft, shall be stowed and secured inside the liferaft and be capable of floating in water for at least 30 minutes without damage to its contents.

PART II

1. General Inflatable liferafts shall comply with the requirements of part I and, in addition, shall comply with the requirements of this part.

2. Construction of inflatable liferafts.—(1) The main buoyance chamber shall be divided into not less than two separate compartments, each inflated through a non-return inflation valve on each compartment. The buoyance chambers shall be so arranged that, in the event of any one of the compartments being damaged or failing to inflate, the intact compartments shall be able to support, with positive freeboard over the liferaft's entire periphery, the number of persons which the liferaft is permitted to accommodate, each having a mass of 75 Kilogrammes and seated in their normal positions.

(2) The floor of the liferaft shall be waterproof and shall be capable of being sufficiently insulated against cold either;

(a) by means of one or more compartments that occupants can inflate, or which inflate automatically and be deflated and reinflated by the occupants; or

(b) by other equally efficient means not dependent on inflation.

(3) The liferaft shall be inflated with non-toxic gas. Inflation shall be completed within a period of 1 minute at an ambient temperature of between 18 degree C and 20 degree C and within period of 3 minutes at an ambient temperature of 30 degree C. After inflation the liferaft shall maintain its form when loaded with its full complement of persons and equipment.

(4) Each inflatable compartment shall be capable of withstanding a pressure equal to at least 3 times the working pressure and shall be prevented from reaching a pressure exceeding twice the working pressure either by means of relief valves or by a limited gas supply. Means shall be provided for connecting the topping-up pump or bellows required by para 10 so that the working pressure can be maintained.

3. Carrying capacity of inflatable liferaft.—The number of persons which a liferaft shall be permitted to accommodate shall be equal to the lesser of :—

- (a) the greatest whole number obtained by dividing by 0.096 the volume, measured in cubic metres of the main buoyance tubes (which for this purpose shall include neither the arches nor the thwarts if fitted) when inflated ; or
- (b) the greatest whole number obtained by dividing by 0.372 the inner horizontal cross-sectional area of the liferaft measured in square metres (which for this purpose may include the thwart or thwarts, if fitted) measured to the innermost edge of the buoyancy tubes; or
- (c) the number of persons having an average mass of 75 kilogrammes all wearing lifejackets, that can be seated with efficient comfort and headroom without interfering with the operation of any of the liferaft's equipment.

4. Access into inflatable liferafts.—(1) At least one entrance shall be fitted with a semi-rigid boarding ramp to enable persons to board the liferaft from the sea so arranged as to prevent significant deflation of the liferaft if the ramp is damaged. In the case of a davit-launched liferaft having more than one entrance, the boarding ramp shall be fitted at the entrance opposite the bowsing lines and embarkation facilities.

(2) Entrances not provided with a boarding ramp shall have a boarding ladder, the lowest step of which shall be situated not less than 0.4 metres below the liferaft's light waterline.

(3) There shall be means inside the liferaft to assist persons to pull themselves into the liferaft from the ladder.

5. Stability of inflatable-liferafts.—(1) Every lifetable liferaft shall be so constructed that when fully inflated and floating with the canopy uppermost it is stable in a seaway.

(2) The stability of the liferaft when in the inverted position shall be such that it can be righted in a seaway and in calm water by one person.

(3) The stability of the liferaft when loaded with its full complement of persons and equipment shall be such that it can be towed at speed of upto 3 knots in calm water.

6. Inflatable liferaft fittings.—(1) The breaking strength of the painter system including its means of attachment to the liferaft, except the weak link required by paragraph 6 of Part I shall be not less than 10.0 Kilo newtons for a liferaft permitted to accommodate nine persons or more, and not less than 7.5 Kilo newtons for any other liferaft. The liferaft shall be capable of being inflated by one person.

(2) A manually controlled lamp visible on a dark night with a clear atmosphere at a distance of at least 2 miles for a period of not less than 12 hours shall be fitted to the top of the liferaft canopy. If the light is a flashing light it shall flash at a rate of not less than 50 flashes per minutes for the first 2 hours of operation of the 12 hours operation period. The lamp shall be powered by a sea-activated cell or a dry chemical cell and shall light automatically when liferaft inflates. The cell shall be of a type that does not deteriorate due to damp or humidity in the stowed liferaft.

(3) A manually controlled lamp shall be fitted inside the liferaft capable of continuous operation for a period of at least 12 hours. It shall light automatically when the liferaft inflates and be of sufficient intensity to enable reading of survival equipment instructions.

1. Containers for inflatable liferafts.—(1) The liferaft shall be packed in a container that is :

- (a) so constructed as to withstand hard wear under conditions encountered at sea;

- (b) of sufficient inherent buoyancy, when packed with the liferaft and its equipment, to pull the painter from within and to operate the inflatable mechanism should the ship sink;
- (c) as far as practicable watertight, except for drain holes in the container bottom.

(2) The liferaft shall be packed in its container in such a way as to ensure, as far as possible, that the waterborne liferaft inflates in an upright position on breaking free its container.

(3) The container shall be marked with :

- (a) maker's name or trade mark;
- (b) serial number;
- (c) name of approved authority and the number of persons it is permitted to carry;
- (d) "SOLAS"
- (e) type of emergency pack enclosed ;
- (f) date when last serviced;
- (g) length of painter;
- (h) maximum permitted height of stowage above water line (depending on drop-test height and length of painter);
- (i) launching instructions;

8. Markings on inflatable liferafts.—The liferaft shall be marked with :

- (a) maker's name or trade mark;
- (b) serial number;
- (c) date of manufacture (month and years);
- (d) name of approving authority;
- (e) name and places of servicing station where it was last serviced;
- (f) number of persons it is permitted to accommodate over each entrance in characters not less than 100 milimetres in height of a colour contrasting with that of the liferaft ;

9. Davit-launched inflatable liferafts.—(1) In addition to complying with the above requirements, a liferaft for use with an approved launching appliance shall when suspended from its lifting hook or bridle, withstand :

- (a) 4 times the mass of its full complement of persons and equipment, at an ambient temperature and a stabilized liferaft temperature of 20 ± 3 degree C with all relief valves inoperative, and
- (b) 1.1 times the mass of its full complement of persons and equipment at an ambient temperature and a stabilized liferaft temperature of -30 degree C with all relief valves operative.

(2) Rigid containers for liferafts to be launched by a launching appliance shall be so secured that the container or parts of its are prevented from falling into the sea during and after inflation and launching of the contained liferaft.

10. Additional equipment for inflatable liferafts : In addition to the equipment required by paragraph 5 of Part I, every inflatable liferaft shall be provided with :

- (a) one repair outfit for repairing punctures in buoyancy compartments ;
- (b) one topping-up pump or bellows.

PART III

1. General.—Rigid liferaft shall comply with the requirement of Part I and in addition shall comply with the requirements of this Part.

2. Construction of rigid liferafts.—(1) The buoyancy of the liferaft shall be provided by approved inherently buoyant material placed as near as possible to the periphery of the liferaft. The buoyant material shall be fire-retardant or the protected by a fire-retardant covering.

(2) The floor of the liferaft shall prevent the ingress of water and shall effectively support the occupants out of the water and insulate them from cold.

3. Carrying capacity of rigid liferafts.—The number of persons which a liferaft shall be permitted to accommodate shall be equal to the lesser of :

- (a) the greatest whole number obtained by dividing by 0.096 the volume, measured in cubic metres of the buoyancy material multiplied by a factor of 1 minus the specific gravity of that materials; or
- (b) the greatest whole number obtained by dividing by 0.372 the horizontal cross-sectional area of the floor of the liferaft measured in square metres; or
- (c) the number of persons having an average mass of 75 Kilogrammes all wearing lifejackets, that can be seated with sufficient comfort and headroom without interfering with the operation of any of the liferaft's equipment.

4. Access into rigid liferafts.—(1) Atleast one entrance shall be fitted with a rigid boarding ramp to enable persons to board the liferaft from the sea. In the case of a davit launched liferaft having more than one entrance, the boarding ramp shall be fitted at the entrance opposite to the bowing and embarkation facilities.

(2) Entrances not provided with a boarding ramp shall have a boarding ladder the lowest step of which shall be situated not less than 0.4 metres below the liferaft's light waterline.

(3) There shall be means inside the liferaft to assist persons to pull themselves into the liferaft from the ladder.

5. Stability of rigid liferafts.—(1) Unless the liferaft is capable of operating safely whichever way up it is floating, its strength and stability shall be such that it is either self-righting or can be readily righted in a seaway and in a calm water by one person.

(2) The stability of a liferaft when loaded with its full complement of persons and equipment shall be such that it can be towed at speeds of upto 3 knots in calm water.

6. Rigid liferaft fittings.—(1) The liferaft shall be fitted with an efficient painter. The breaking strength of the painter system including its means of attachment to the liferaft, except the weak link shall be not less than 10.0 Kilo Newtons for liferafts permitted to accommodate nine persons or more, and not less than 7.5 Kilo newtons for any other liferaft.

(2) A manually controlled lamp visible on a dark night with a clear atmosphere at distance of at least 2 miles for a period of not less than 12 hours shall be fitted to the top of the liferaft canopy. If the light is a flashing light it shall flash at a rate of not less than 50 flashes per minute for the first 2 hours of operations of the 12 hours operating period. The lamp shall be powered by a sea-activated cell or a dry chemical cell and shall light automatically when the liferaft canopy is set in place. The cell shall be of a type that does not deteriorate due to damp or humidity in the stowed liferaft.

(3) A manually controlled lamp shall be fitted inside the liferaft, capable of continuous operation for a period of at least 12 hours. It shall light automatically when the

canopy is set in place and be of sufficient intensity to enable reading of survival and equipment instructions.

7. **Markings on rigid liferafts.**—The liferaft shall be marked with :

- (a) name and port of registry of the ship to which it belongs;
- (b) maker's name or trade mark;
- (c) serial number;
- (d) name of approving authority;
- (e) number of persons it is permitted to accommodate over each entrance in characters not less than 100 millimetres in height or a colour contrasting with that of the liferaft ;
- (f) "SOLAS";
- (g) type of emergency pack enclosed;
- (h) maximum permitted height of stowage above water-line (drop-test height);
- (i) length of painter;
- (j) launching instructions;

8. **Davi launched rigid liferafts.**—In addition to the above requirements, a rigid liferaft for use with an approved launching appliance shall, when suspended from its lifting hook or bridle, withstand a load of 4 times the mass of its full complement of persons and equipment.

PART IV

SERVICING OF LIFERAFTS, INFLATABLE LIFEJACKETS AND RESCUE BOATS

1. **Servicing of inflatable liferafts, inflatable lifejackets and inflated rescue boats.**

2. Every inflatable liferaft and inflatable life-jackets and inflatable rescue boat shall be serviced :

- (a) at intervals not exceeding 12 months. However, in case where it appears proper and reasonable the Central Government may extend this period to 17 months;
- (b) at an approved servicing station which is competent to service them maintains proper servicing facilities, spare parts and uses only properly trained personnel.

(2) All repairs and maintenance of inflated rescue boats shall be carried out in accordance with the manufacturers instructions. Emergency repairs may be carried out on board the ship; however, permanent repairs shall be effected at an approved servicing station.

FIFTH SCHEDULE

[See rule 2(w)]

RESCUE BOATS

1. **General requirements.**—(1) Except as provided in this Schedule all rescue boats shall comply with the requirements of para 1 to para 7(4), both inclusive, and paras 7(6), 7(7), 7(9), & 7(12) and para 9 of the Part I of the Fourth Schedule.

(2) Rescue boats may be either of rigid or inflated construction or a combination of both and shall—

- (a) be not less than 3.8 metres and not more than 8.5 metres in length;

(b) be capable of carrying at least five seated persons and a person lying down.

(3) Rescue boats which are a combination of rigid and inflated construction shall comply with the appropriate requirements of this schedule to the satisfaction of the Central Government.

(4) Unless the rescue boat has adequate sheer, it shall be provided with a bow cover extending for not less than 15 per cent of its length.

(5) Rescue boats shall be capable of manoeuvring at speed upto 6 knots and maintaining that speed for a period of at least 4 hours.

(6) Rescue boats shall have sufficient mobility and manœuvrability in a seaway to enable persons to be retrieved from the water, marshal liferafts and tow the largest liferaft carried on the ship when loaded with its full complement of persons and equipment or its equipment or its equivalent at a speed of at least 2 knots.

(7) A rescue boat shall be fitted with an inboard engine or outboard motor. If it is fitted with an outboard motor, the rudder and tiller may form part of the engine. Notwithstanding the requirements of para 6 of Part I of the Third Schedule, petrol driven outboard engines with an approved fuel system may be fitted in rescue boats provided the fuel tanks are specially protected against fire and explosion.

(8) Arrangements for towing shall be permanently fitted in rescue boats and shall be sufficiently strong to marshal or tow liferafts as required by sub-clause 6 of this paragraph.

(9) Rescue boats shall be fitted with weathertight stowage for small items of equipment.

2. **Rescue boat equipment.**—(1) All items of rescue boat equipment, with the exception of boat-hooks which shall be kept free for tending off purposes, shall be secured within the rescue boat by lashings, storage in lockers or compartments, storage in brackets or similar mounting arrangements, or other suitable means. The equipment shall be secured in such a manner as not to interfere with any launching/recovery procedures. All items of rescue boat equipment shall be as small and of a little mass as possible and shall be packed in suitable and compact form.

(2) The normal equipment of every rescue boat shall consist of :

- (a) sufficient buoyant oars or paddles to make headway in calm seas. Thole pins, crutches or equipment arrangements shall be provided for each oar. Thole pins or crutches shall be attached to the boat by lanyards or chains.
- (b) a buoyant bailer;
- (c) a binnacle containing an efficient compass which is luminous or provided with suitable means of illumination.
- (d) a sea-anchor and tripping line with a hawser of adequate strength not less than 10 metres in length;
- (e) a painter of sufficient length and strength, attached to the release device complying with the requirements of sub-para (7) of para 7 of Part I of the Third Schedule and placed at the forward end of the rescue boat;
- (f) one buoyant line, not less than 50 metres in length of sufficient strength to tow a liferaft as required by sub-para (6) of para 1 of this Schedule;
- (g) one waterproof of electric torch suitable for Morse signalling, together with one spare set of batteries and one spare bulb in a waterproof container;

- (h) one whistle or equivalent sound signal;
- (i) an approved first-aid outfit in a waterproof case capable of being closed tightly after use;
- (j) two buoyant rescue quoits, attached to not less than 30 metres of buoyant line;
- (k) a searchlight capable of effectively illuminating a light-coloured object at night having width of 18 m, at a distance of 180 metres for a total period of 6 hours, and of working for at least 3 hours continuously;
- (l) an efficient radar reflector;
- (m) approved thermal protective aids complying with the requirements of Part V of the Second Schedule sufficient for 10 per cent of the number of persons the rescue boat is permitted to accommodate or two, whichever is the greater.

3. In addition to the equipment required by clause 2 of paragraph 2 of this part, the normal equipment of every rigid rescue boat shall include :

- (a) a boat-hook;
- (b) a bucket;
- (c) a knife or hatchet.

4. In addition to the equipment required by clause 2 of this part, the normal equipment of every inflated rescue boat shall be consist of :

- (a) a buoyant safety knife;
- (b) two sponges;
- (c) an efficient manually operated bellows or pump;
- (d) a repair kit in a suitable container for repairing punctures;
- (e) a safety boat-hook.

5. Additional requirements for inflated rescue boats.—(1) The requirements of paragraph 1.3 and 1.5 of Part I of the Fourth Schedule shall not apply to inflated rescue boats.

(2) An inflated rescue boat shall be constructed in such a way that, when suspended by its bridle or lifting hook;

- (a) it is of sufficient strength and rigidity to enable it to be lowered and recovered with its full complement of persons and equipment;
- (b) it is of sufficient strength to withstand a load of 4 times the mass of its full complement of persons and equipment at an ambient temperature of 20 degree \pm 3 degree C with all relief valves inoperative;
- (c) It is of sufficient strength to withstand a load of 1.1 times the mass of its full complement of persons and equipment at an ambient temperature of -30°C, with all relief valves operative.

(3) Inflated rescue boats shall be so constructed as to be capable of withstanding exposure :

- (a) when stowed on an open deck on a ship at sea;
- (b) for 30 days afloat in all sea conditions.

(4) In addition to complying with the requirements of Para 9 of Part I of Third Schedule, inflated rescue boats shall be marked with a serial number, the maker's name or trade mark and the date of manufacture.

(5) The buoyancy of an inflated rescue boat shall be provided by either a single tube sub-divided into atleast five separate compartments of approximately equal volume or two separate tubes neither exceeding 60 per cent of the total volume. The buoyance tubes shall be so arrang-

ed that, in the event of any one of the compartments being damaged, the intact compartments shall be able to support the number of persons whom the rescue boat is permitted to accommodate, each having a mass of 75 Kilogrammes when seated in their normal positions with positive freeboard over the rescue boat's entire periphery.

(6) The buoyancy tubes forming the boundary of the inflated rescue boat shall on inflation provide a volume of not less than 0.17 cubic metres for each person the rescue boat is permitted to accommodate.

(7) Each buoyance compartment shall be fitted with a non-return valve for manual inflation and means for deflation. A safety relief valve shall also be fitted unless the Central Government is satisfied that such an appliance is unnecessary.

(8) Underneath the bottom and on vulnerable places on the outside of the inflated rescue boat, rubbing strips shall be provided to the satisfaction of the Central Government.

(9) Where a transom is fitted it shall not be set by more than 20 per cent of the overall length of the rescue boat.

(10) Suitable patches shall be provided for securing the painters fore and aft and the becketted lifelines inside and outside the boat.

(11) The inflated rescue boat shall be maintained at all times in a fully inflated condition.

SIXTH SCHEDULE

[See rule 2(x)]

Retro reflective material

1. General.—(1) Retro-reflective material is a material which reflects in the opposite direction a beam of light directed on it. Such materials shall be sufficiently flexible so that it can be attached to various shapes and can withstand the tests that need to be carried out for the equipment to which they are attached. Though no specific parametres for the reflectivity of the material are specified, it is recommended that every material used shall reflect sufficient light when a searchlight is directed on to such material at a distance of thousand metres, the material should be visible from the position of the searchlight as prescribed in clause (ac) of para 8 of Part I of the Third Schedule.

2. The Retro-reflective material in general shall comply with the requirements of sub rule (2) of rule 5.

(3) Retro-reflective material shall be attached to the Life Saving Appliances as specified in Para 2 of this Schedule.

(4) The Retro-reflective material to be used shall, as far as possible, be of a type which can also function as an effective radar reflector, such as a type with a metal foil backing.

2. (1) Life-boats—Retro-reflective tapes shall be fitted on top of the gunwale as well as on the outside of the boat as near the gunwale as possible. The tapes shall be sufficiently wide and long and shall be spaced at suitable intervals. If a canopy is fitted it shall not be allowed to obscure the tapes fitted on the outside of the boat and the top of the canopy shall be fitted with retro-reflective tapes similar to those mentioned above but shaped in the form of a cross and spaced at suitable intervals.

(2) Liferafts—Retro-reflective tapes shall be fitted around the canopy of the raft at suitable intervals and a suitable height above the waterline. On inflatable life-rafts four retro-reflective tapes shall also be fitted on the underside of the floor (four tapes fitted at equal intervals around the outer edges on the bottom of the life rafts). The tapes shall be sufficiently wide and long. A suitable cross bar marking of two such tapes should also be applied to the top of the canopy.

(3) Lifebuoys.—Retro-reflective tape of a sufficient width should be applied around or on both sides of the body of the buoy at four evenly-spaced points.

(4) Lifejackets.—Unless its cover material is retro-reflective, a life jacket should be fitted with retro-reflective tapes sufficiently wide and long. These tapes should be placed as high up on the jacket as possible in at least six places on the outside of the jacket and in at least as many places on the inside of the same.

SEVENTH SCHEDULE

RADIO TELEGRAPH EQUIPMENT PART I

(See rule 6 and 30(2)(3), 36(9), 39(4) and (5), 32(1.(a) and (b) and para 8 of Part I of Third Schedule

1. General.—(1) The radio telegraph equipment for lifeboats include a radio telegraph and a radio telephone transmitter and receiver, an aerial and earth system, a source of energy and all other equipment necessary for the operation of the installation.

(2) The radio telegraph equipment shall be so designed that—

- (1) An unskilled person can readily cause it to transmit the signals referred to in paragraph 5.
- (2) The purpose of all controls not required for transmitting the said signals shall be clearly and permanently indicated.
- (3) Simple instructions for the operation of the radio telegraph equipment and the frequencies specified shall be affixed in clear and permanent form to or near the equipment.
- (4) All controls shall be of such size as will permit normal adjustments to be made by a person wearing thick gloves, and in particular all turning knobs shall not be less than 5 centimetres in diameter.
- (5) For manual radio telegraph transmission a morse key of approved design shall be fitted in an approved position.
- (6) The change over from transmitting to receiving and vice-versa, including automatic change of aerial connections shall be possible by means of one switch.
- (7) The equipment shall be readily removable from the life boat.
- (8) An electric lamp of power between 3 watts and 15 watts with a water-proof casing, shall be provided to illuminate the control panels and the operating instructions.
- (9) An electrical heater, connected to the Ship's mains shall be capable of maintaining the interior of the case in which the equipment is installed at a temperature at least 10°C above the ambient temperature. The heater shall be so mounted that it will reduce the risk of the controls or cover of the equipment becoming frozen into position but will not cause any part of the installation to become overheated.
- (10) All parts other than the aerial its terminal which are not at earth potential shall be enclosed.
- (11) The serial terminal shall be guard against accidental contact.
- (12) The performance requirements specified in this part, shall be complied with while the life-boat engine is running and whether or not the battery is being charged.

3. Aerial and earth system.—(1) The Radio telegraph equipment shall include :

- (a) a single wire aerial of high conductivity standard or braided wire capable of being supported by the lifeboat mast without the use of top masts at a maximum height of not less than 6.7 metres above the

water-line, in addition an aerial supported by a kite or a balloon may be provided, and

(b) an earth system which shall be of the same material throughout and shall consist of at least three independent bolted connections.

(i) to the hull in the case of metal lifeboat or

(ii) to a bare copper plate of area at least 0.55 square metres fixed to the hull below the water-line in the case of a wooden or a fibreglass lifeboat.

(2) The aerial system shall be mechanically robust.

(3) All practicable steps shall be taken to reduce aerial losses to a minimum.

(4) All parts of the aerial which may come in contact with the occupants of the lifeboat when the equipment is in use shall be insulated.

4. Source of Energy.—(1) The radio telegraph equipment shall include one 24-volt battery composed of accumulators and of a capacity sufficient to operate the receiver for two hours and the transmitter under full power conditions for four hours.

(2) If it is intended to operate a searchlight from the battery, the capacity thereof shall be at least 30 ampere hours, in excess of that referred to in sub-paragraph (1).

(3) The battery shall be capable of being completely recharged—

(a) in not more than 20 hours from a dynamo working in conjunction with and throughout the normal range of speeds of the lifeboat engine if the battery is not in use at the same time and;

(b) from the ship's main source of electrical energy without its being removed from the lifeboat.

(4) The battery shall not spill when tilted to an angle of 60° C from its normal position in any direction.

(5) The battery shall be electrically isolated from the rest of the equipment when the transmitter and receiver are switched off.

(6) If a vibrator power unit is employed, a reserve vibrator shall be provided and so controlled by a changeover switch that can be put into circuit immediately.

5. Transmitter.—(1) The radio telegraph equipment shall include a transmitter capable of—

(a) sending continuously but not simultaneously Class A2 and A2H emissions on the frequencies of 500 KHz and 8.36 KHz and Class A3 and A3H emissions on the frequency of 2182 KHz.

(i) by manual operation when using radiotelegraph at all speeds upto at least 25 bands without critical relay adjustment and;

(ii) by means of an automatic keying device complying with the requirements of paragraph 6, and

(b) maintaining without adjustment of any control, a frequency tolerance throughout every transmission of—

(i) plus or minus 0.5 per cent on a frequency of 500 KHz and

(ii) plus or minus 0.002 per cent on a frequency of 8.364 KHz and

(iii) plus or minus 0.02 per cent on a frequency of 2182 KHz.

Notwithstanding variations of the impedance of the aerial or of any other load to which it is connected or of supply voltage within plus or minus 10 per cent and

(2) When class A2 and A2H emissions are being transmitted the carrier wave shall be modulated to a depth of 100 per cent by an approximately rectangular wave of frequency between 450 per cent of modulation cycle.

(3) When Class A3 A3H emissions are being transmitted, it shall be possible to fully modulate the carrier by speech.

(4) The facility for transmission on the frequency of 2182 KHz shall include a device for the generation of radio telephone alarm signal except that the duration of the radio telephone alarm signal may be determined by manual control.

(5) The power of the transmitter—

- (a) shall not be less than 15 metre-amperes as determined by an approved method,
- (b) shall not be less than 50 watts on a frequency of 500 KHz when measured into an artificial aerial consisting of a 30 ohm non-inductive resistor in series with a capacitor of every value between 200 and 300 picofarads.
- (c) shall not be less than 15 watts on a frequency of 8,364 KHz when measured into an artificial aerial simulating the impedance of the aerial specified in paragraph 2.
- (d) on a frequency of 2182 KHz—

- (i) shall not be less than 5 watt when measured with an artificial aerial consisting of 15 ohm non-inductive resistor in series with a capacitor having every value from 125 to 200 picofarad, and
- (ii) ten watts when measured with an artificial aerial consisting of 30 ohm non-inductive resistor in series with a capacitor having every value from 300 to 400 picofarads.

(6) The transmitter shall be so designed and constructed that when it is adjusted for maximum power and the transmitting key is depressed the aerial may be disconnected or the output short circuited without damage being caused to any part of the installation.

(7) There shall be provided—

- (a) an artificial aerial for testing the transmitter on full power, which shall include an indicator or lamp to indicate the passage of radio frequency currents and
- (b) an aerial ammeter, and a visual indicator to indicate the passage of radio frequency current, the failure of either of which shall not disconnect the aerial circuit.

6. Automatic Transmission.—(1) A device for automatic keying shall be provided as part of the radio telegraph equipment which when switched into circuit with the transmitter, shall be capable of automatically—

- (a) sending the alarm signal specified in sub-paragraph (2) and immediately thereafter stopping and opening the keying circuit unless rest or rewound and
- (b) (i) sending the distress call specified in sub-paragraph (3) in such manner that if the device is used without attention the transmission will be repeated once every twelve minutes and (ii) switch off the electrical energy to the transmitter in the silent interval between such transmission and, so far as is necessary for the protection of the transmitter automatically delaying the application of electrical energy after the device has been switched on.

(2) The alarm signal shall consist of twelve four second dashes separated by one second spaces, the length of the dashes and spaces being maintained within a tolerance of plus or minus 0.2 second.

(3) The distress call shall consist of the following signals in the following order namely:—

- (a) the radio telegram distress signal SOS (3 times),

(b) the morse characters for the word DE,

(c) the morse characters for the lifeboat's call sign (3 times) and

(d) two long dashes each of 10 to 15 seconds duration separated by a space of between 0.5 and 1.5 seconds. The total duration of the distress call shall not be more than 90 seconds.

(4) Means shall be provided to ensure that, when the distress signal is sent, the transmission being at the commencement of the signal within 40 second after the device for automatic keying has been switched into circuit.

(5) The characters of the distress call specified in subparagraph (3) shall be keyed at 10 to 16 words per minute.

7. Receivers.—(1) The equipment shall include a receiver capable of receiving A1, A2 and A2H emissions. The receiver shall be capable of receiving on a spot frequency of 2182 KHz for reception of A3, and A3H emissions.

(2) The receiver shall be tunable over the frequency ranges 488 to 513 and 8320 to 8745 KHz.

(3) The receiver shall be fitted with a manual gain control.

(4) Headphones which are weather tight shall be provided and shall be shrouded to exclude noise.

(5) The receiver shall comply with the requirements of sub-paragraphs (6) to (9) inclusive when tested in the following manner:—

- (a) An artificial aerial shall be used and shall consist of 40 ohm resistance in series with a 2 microhenry inductance and 100 picofarad capacitance;
- (b) A type A2 signal shall, unless otherwise specified be modulated, to a depth of 30 per cent at 100 Hz.
- (c) The standard audio-frequency output shall be one milli-watt into a resistance substantially equal to the modulus of the impedance of the telephone receivers at 1000 Hz.

(6) The selectivity preceding the final detector of the receiver shall comply with the following requirements, namely:—

- (a) when tuned to a frequency of 500 KHz and 8364 KHz,
 - (i) not more than 6 decibels discrimination shall be obtained at frequencies removed from tune by 1 KHz;
 - (ii) at least 6 decibels discrimination shall be obtained at frequencies removed from tune by 4 KHz;
 - (iii) at least 30 decibels discrimination shall be obtained at frequencies removed from tune by 15 KHz;
 - (iv) at least 60 decibels discrimination shall be obtained at frequencies removed from tune by 40 KHz;
- (b) when tuned to a frequency of 2182 KHz,—
 - (i) not more than 60 decibels discrimination shall be obtained at frequencies removed from tune by 3 KHz;
 - (ii) at least 30 decibels discrimination shall be obtained at frequencies removed from tune by 15 KHz;
 - (iii) at least 60 decibels discrimination shall be obtained at frequencies removed from tune by 40 KHz;

- (c) in the case of superheterodyne receiver the image response ratio shall be at least 20 decibels.

(7) The sensitivity of the receiver shall be such that the standard audio-frequency output is obtained with an input not exceeding the following level:—

Frequencies A1	Minimum input for emissions	Maximum input for A2 emissions
488 to 513 KHz	30 decibels above 1 microvolt	40 decibels above 1 microvolt
8320 to 8745 KHz	30 decibels above 1 microvolt	40 decibels above 1 microvolt
2182 KHz		30 decibels above 1 microvolt

(8) (a) The signal noise ratio shall, with the inputs and emissions respectively specified in sub-paragraph (7) and with the rotary converter or vibrator running, be not less than—

- (i) 15 decibels on a frequency of 500 KHz.
 - (ii) 25 decibels on a frequency of 8,364 KHz ; or
 - (iii) 20 decibels on a frequency of 2182 KHz.
- (b) The fidelity of the receiver shall when the change in level of the audio-frequency output shall when the level and modulation depth in the input signal is kept constant, be less than 8 decibels as the modulation of input signal is varied continuously—
- (i) from 300 KHz to 1500 KHz for A2 and A2H emissions ; and
 - (ii) from 250 Hz to 3000 Hz for A3 and A3H emissions.

For this purpose, the input signal may have any level and depth of modulation provided that the output of the receiver does not exceed the standard audio-frequency output.

8. Connection with the ship's Mains.—Any connections of the equipment with ship's main source of energy shall be so provided as not to interfere with the launching of the life-boat.

PART II

Portable radio equipment

1. General.—The portable radio equipment shall—

- (1) include a hand generator, a transmitter, a receiver and all other apparatus necessary for the operation of the equipment.
- (2) carry simple instructions for the operation of equipment on the frequencies specified in and permanent form, affixed to this equipment.
- (3) shall bear a removable plate or which (clear and permanent form) the call sign of the life-boats in letters and numbers and in more characters shall be indicated in.

2. Design and Construction.—The Portable radio equipment shall be so designed and constructed that—(1) the entire equipment is contained in single unit provided that the meet referred to in sub-paragraph (2) of paragraph 3 may be attached to the single unit.

(2) an unskilled person can erect the serial system without difficulty and by simple operation and automatic means, transmit the radiotelegraph signals specified in sub-paragraph (4) (a) of paragraph 5.

(3) The equipment is provided with handles and is readily carried by one person.

(4) it is watertight and capable of floating in water.

(5) it can be dropped from a height of 9.2 metres into water without damage.

(6) It can be lowered into the sea or lifeboat from the boat deck.

(7) it can be clamped to a lifeboat.

(8) the number of manual controls are kept to the minimum required to meet the requirements of this Part but include—

(a) send-receive switching.

(b) a switch for changing transmission from 500 KHz to 2182 KHz and from 2182 KHz to 8,264 KHz and vice versa.

(c) a switch position so that the transmitter valve filaments can be energised continuously whilst the receiver is energised.

(d) a single control of receiver gain.

(e) a morse key of approved design fitted to the equipment in an approved position.

(9) all manual controls are of such size as to permit normal adjustments to be made by a person wearing thick gloves ; and

(10) the operation of manual controls is not impeded by, and does not impede, the hand generation of electrical energy.

3. Aerial and Earth System.—The portable radio equipment shall include—(1) a single-wire aerial consisting of not less than 9.2 metres of high conductivity stranded or braided wire so fitted as to capable of being supported from the lifeboat mast without the use of top-mast at the maximum practicable height ;

(2) a collapsible stayed mast capable of being easily and quickly installed in a lifeboat and of supporting the aerial at a height of at least 4.9 metres above the sea when the base of the mast is resting on the bottom of any lifeboat in which it is intended to be used ; and

(3) an earth wire of high conductivity firmly connected to the equipment and loaded in such manner that the wire will sink when placed overboard.

4. Hand Generator.—(1) The hand generator shall be of such design and construction that when the handle of the generator is rotated at any speed within the normal range of handle speeds sufficient electrical energy shall be generated—

(a) to enable the transmitter to comply with the requirements of sub-paragraph (4) (a) of paragraph 5

(b) the transmitter shall comply with the requirements of sub-paragraph (4) (a) of paragraph 5 with a torque-speed at the handle of not more than 550 expressed in grammes/centimetres multiplied by revolutions per minute and

(c) an indicator lamp will be lit.

Explanation.—In this part the expression 'normal range of handle speeds' in relation to a generator means the range of speeds extending from the minimum speed at which the generator enables the transmitter forming part of the same equipment to comply with the requirements of sub-paragraph (4) (a) of paragraph 5 to a speed at least 40 per cent greater than that speed.

(2) The hand generator shall be of such design and construction that—

(a) it can be operated by—

(i) one person or

(ii) two persons simultaneously,

(b) the handles cannot be rotated in the wrong direction.

5. Transmitter.—(1) The transmitter shall be capable of

(a) sending continuously, but not simultaneously, class A2 and A2H emissions on the frequencies of 500 KHz and 8364 KHz and class A3 and A3H emissions on 2182 KHz.

(i) by manual operation at all speeds upto 26 bauds and

(ii) by manual operation at the speeds upto specified in sub-paragraph (4) (a).

(b) maintaining over the normal range of handle speeds throughout every transmission at frequency tolerance—

(i) of plus minus 0.5 per cent on a frequency of 500 KHz.

(ii) of plus or minus 0.02 per cent on a frequency of 8364 KHz.

without adjustment of any control, and notwithstanding any variations of the impedance of the aerial or artificial aerial to which it is connected and

(c) operating on full power, when the aerial system or artificial aerial has been connected and the necessary controls have been adjusted, within 30 seconds after the generation of electrical energy has commenced.

(2) (a) when A2 and A2H emissions are being transmitted, the carrier wave shall be modulated to a depth of 100 per cent by a wave of rectangular character so that the carrier wave is switched on for not less than 430 per cent, and not more than 50 per cent of a modulation cycle.

(b) when A3 and A3H emissions are being transmitted with full modulation of the carrier wave by speech shall be possible without being over modulated.

(3) The note frequency shall not be less than 450 Hz or more than 1,350 Hz.

(4) (a) the signal to be sent by the automatic means referred to in sub-paragraph (1)(a)(ii)—

(i) when the transmission is on a frequency of 500 KHz shall consist of the alarm signal of twelve four second dashes separated by one-second spaces followed by the distress signal ooo...ooo repeated three times, and two long dashes each of 10 to 15 seconds duration separated by a space of between 0.5 and 1.5 seconds, and

(ii) when the transmission is on a frequency of 8,364 KHz shall include the distress signal ooo...ooo repeated three times, and two long dashes each of 10 to 15 seconds duration separated by a space between 0.5 and 1.5 seconds.

(b) Over the normal range of handle speeds.—

(i) the speed of the automatic transmission of the distress signal shall not be less than 8 and not more than 15 word, a minute;

(ii) the tolerance in the timing of the dashes of the alarm signal shall not be more than plus or minus 0.2 seconds.

(c) The automatic transmission shall cease and open the keying circuit after one complete transmission unless the mechanism is re-set or re-wound.

(d) Means shall be provided—

(i) to ensure that the transmission begins at the commencement of the signal;

(ii) to indicate to the operator that the mechanism should be re-set or re-wound.

(c) The mean power developed by the transmitter in the load during a marking period, shall—

(i) on frequency of 500 KHz be not less than $(3.81 \log 10C - 5.51)$ watts, C being the capacitance of the artificial serial in picofarads when measured, with an artificial aerial consisting of a 15 ohm non-inductive resistor in series with a capacitor having any value between a minimum of 10 picofarads less than that of the aerial referred to in sub-paragraph (1) of paragraph 3 and 150 picofarads and not less than 3.5 watts when measured with an artificial aerial consisting of 30 ohm non-inductive resistor in series with a capacitor having any value between 200 and 300 picofarads.

(ii) on a frequency of 8364 KHz be not less than 1.5 watts when measured with an artificial aerial consisting of 20 ohm non-inductive resistor in series with a capacitor having any value between 70 and 100 picofarads.

(iii) On a frequency of 2182 KHz be not less than 1.5 watts when measured with an artificial aerial consisting of a 15 ohm non-inductive resistor in series with a capacitor having any value between a minimum of 10 picofarads less than that of the aerial referred to in sub-paragraph (i) of paragraph 3 and a maximum of 110 picofarads and not less than 3.5 watts when measured with an artificial aerial consisting of 30 ohm non-inductive resistor in series with a capacitor having any value between 300 and 400 picofarads.

(f) The aerial circuit shall include—

(i) a tuning control suitable for use with all types of aerial provided; and

(ii) a tuning indicator, the failure of which shall not disconnect the aerial circuit.

(g) There shall be provided—

(i) an artificial aerial within the equipment suitable for testing the transmitter on full power;

(ii) means for testing the facilities for automatic transmission without the generation of radio-frequency energy.

(5) The facility or transmission on the frequency of 2182 KHz shall include a device for the generation of radio telephone alarm signal specified in Part II of the Second Schedule except that the duration of the radio-telephone alarm signal may be determined by manual control.

(6) The transmitter shall be so designed and constructed that when it is transmitting and adjusted for maximum power the aerial may be disconnected for the output short-circuited in either case without damage being caused to any part of the equipment.

6. Receiver.—(1) The receiver shall be a fixed tune receiver which shall be capable of receiving A2 emissions over the frequency band 490 to 510 KHz when used with headphones. The receiver shall also be capable of receiving A3 and A3H emission on the radio-telephone distress frequency of 2182 KHz

(2) Headphones which are shrouded to exclude external noise shall be provided and shall be permanently attached to the receiver.

(3) The receiver shall comply with the requirements of sub-paragraph (4) when tested in the following manner:—

(a) artificial aerials shall be used and shall consist of either—

(i) a 15 ohm non-conductive resistor in series with a capacitor having any value between a minimum of 10 picofarads less than that of the aerial referred to in sub-paragraph (1) of paragraph 3 and a maximum of 110 picofarads; or

- (ii) a 30 ohm-conductive resistor in series with a capacitor of any value within the range 200 to 400 picofarads ;
- (b) the signals used shall be type A2 signals modulated to a depth of 30 per cent at 1000 Hz.

(4) Over the normal range of handle speeds—

- (a) the standard audio-frequency output of the receiver into a resistance substantially equal to the modulus of the impedance of the telephone receivers at 1,000 Hz shall be one milliwatt ;
- (b) the selectivity preceding the final detector of the receiver shall comply with the following Table :—

TABLE

When operating on a frequency	500 KHz	2182 KHz
response to be uniform within 6 decibels over the range of	490-510 KHz	2177-2187 KHz
at least 40 decibels is discrimination relative to the response of mid band to be obtained at all frequencies.	below 470 KHz and above 530 KHz	below 2147 KHz and above 2217 KHz

- (c) the audio-frequency response of the receiver shall be uniform to within 8 decibels over the range of modulation frequencies 400 to 3000 Hz and shall substantially fall for frequencies outside the ranges ;
- (d) the standard output specified in sub-paragraph (a) shall be obtained with a test signal input not exceeding 40 decibels above one microvolt on a frequency of 500 KHz and not exceeding 30 decibels above one microvolt on a frequency of 2182 KHz.
- (e) with the test signal specified in sub-paragraph (d) the signal noise ratio shall be at least 15 decibels.

PART III

Float-free emergency position indications radio beacon (EPIRE) operating on 406 MHz.

1. Introduction.—The float-free emergency position indicating radio beacon (EPIRB) shall comply with the following :

2. General.—(1) The EPIRB shall be capable of transmitting a distress alert to a polar orbiting satellite.

(2) The equipment shall be capable of floating free automatically. The equipment, mounting and releasing arrangements shall be reliable even under extreme conditions.

3. The EPIRB shall—(1) be fitted with adequate means to prevent inadvertent activation ;

(2) be so designed that the electrical portions are watertight at a depth of 10 metres for at least 5 minutes. Consideration should be given to a temperature variation of 45°C during transitions from the mounted position to immersion. The harmful effects of a marine environment, condensation and water leakage shall not affect the performance of the beacon ;

(3) be automatically activated after floating free;

(4) be capable of manual activation and manual deactivation ;

(5) be provided with means to indicate that signals are being omitted ;

(6) be capable of floating upright in calm water and have positive stability and sufficient buoyancy in all sea conditions ;

(7) be capable of being dropped into the water without damage from a height of 20 metres ;

(8) be capable of being tested without using the satellite system to determine that the EPIRB is capable of operating properly ;

(9) be of highly visible yellow orange colour and be fitted with retro reflecting material ;

(10) be equipped with a buoyant lanyard suitable for use as a tether, which shall be arranged so as to prevent its being trapped in the ship's structure when floating free ;

(11) be provided with a low duty cycle light (0.75 candlea) activated by darkness to indicate its position for the survivors nearly and rescue units ;

(12) not be unduly affected by seawater or oil, and

(13) be resistant to deterioration in prolonged exposure to sunlight.

4. The battery should have sufficient capacity to operate the satellite EPIRB for period of atleast 48 hours.

5. The EPIRB shall be so designed as to operate under the following environmental conditions.—(1) ambient temperature of —20°C to + 55°C;

(2) icing;

(3) relative wind speeds up to 100 knots; and

(4) after stowage at temperatures between —30°C and + 65°C.

6. Operation.—The installed EPIRB shall—(1) have local manual activation, remote activation may also be provided from the bridge, while the device is installed in the float-free mounting;

(2) be capable, while mounted on board, of operating properly over the ranges of shock and vibration and other environmental conditions normally encountered above-deck on seagoing vessels, and

(3) be designed to release itself and float free before reaching a depth of 4 metres at a list or trim of up to 45°C.

7. Labelling.—The following shall be clearly indicated on the exterior of the equipment.—(1) brief operating instructions; and

(2) expiry date for the primary battery used.

8. Details of signals.—(1) The EPIRB distress alerting signal shall be transmitted at 406.025 MHz using G1B class of emission.

(2) The technical characteristics of the transmitted signals and message format should be in accordance with CCIR Recommendation 633.

(3) Provisions should be included for storing the fixed portion of the distress message in the EPIRB using non-volatile memory.

(4) A unique ship station identity shall be part of all messages.

9. Servicing.—The EPIRB and the float free arrangements shall be serviced at an interval not exceeding 15 months.

PART IV

Survival craft emergency position indicating radio beacon. Survival Craft EPIRB shall comply with Part III of this Schedule : Provided that—

(1) Float free arrangements need not be provided ;

(2) The EPIRB have sufficient buoyancy to float in the water to facilitate its recovery.

PART V

Manually operated locating device

(Radar transponder beacon)

1. Introduction.—The manually operated locating device shall be a radar transponder beacon operating on a frequency of 9 GHz. The device shall, in addition to meeting the re-

uirements of CCIR Recommendation (AE 81), meet the General Requirements for ship board communication equipment specified in the Third Schedule of Merchant Shipping (Radio) Rules, 1981.

2. General requirements.—The locating device shall be capable of indicating the location of a unit in distress on the assisting units' radars by means of a series of equally spaced dots.

3. The locating device shall.—(1) be capable of being easily activated by unskilled personnel.

(2) be fitted with means to prevent inadvertent activation.

(3) be equipped with a visual and/or audible means to indicate correct operation and to alert survivors that a radar has triggered the locating device.

(4) be capable of manual activation and deactivation provision for automatic activation may be included.

(5) be provided with an indication of the stand by condition.

(6) be capable of withstanding without damage drops from a height of 20 metres into water.

(7) be watertight to a depth of 10 m for at least 5 minutes.

(8) maintain watertightness when subjected to a thermal shock of 45°C under specified conditions of immersion.

(9) be capable of floating if it is not an integral part of the survival craft.

(10) be equipped with a floatable lanyard, suitable for use as a tether, if it is floatable.

(11) not be unduly affected by seawater or oil.

(12) be resistant to deterioration by prolonged exposure to sunlight.

(13) be of highly visible yellow/orange colour on all parts where this will assist detection, and

(14) have smooth external construction to prevent the damage of the survival craft.

4. The Locating device shall have sufficient battery capacity to operate in the standby condition for 96 hours and in addition following the standby period to provide transponder transmissions for 8 hours when being continuously interrogated with a pulse repetition frequency of 1 KHz. When an on-board test is performed using a shipboard 9 GHz radar, an activation of the Locating device shall be limited to a few seconds to avoid harmful interference to other shipborn or airborne radars and excessive consumption of batteries energy.

5. The Locating device shall be design so as to be able to operate under ambient temperatures of -20°C to 55°C. It should not be damaged in stowage through the temperature range of -30°C to 65°C.

6. The height of the installed Locating device antenna shall be at least 1 metre above sea level.

7. The vertical antenna polar diagram and hydrodynamic characteristics of the device shall permit the Locating device to respond to search radars under heavy swell conditions. The antenna polar diagram shall be substantially omnirectional in the horizontal plane. Horizontal polarization is used for transmission and reception.

8. The Locating device shall operate correctly when interrogated by an approved navigational radars, with an antenna height of 15 metres and at a distance of upto at least 10 nautical miles. It shall also operate correctly when interrogated by air-borne radars with at least 10 kilowatt peak output power at a height of 916 metres and at a distance of at least 30 nautical miles.

9. Labelling.—The following shall be clearly indicated on the exterior of the equipment.—(1) brief operating instructions, and

(2) expiry date for the primary batteries used.

PART VI

Two-way radio telephone apparatus

(1) The apparatus shall be portable and capable of being used by an unskilled person.

(2) The apparatus shall be portable and capable of also being used for on board communication.

(3) The apparatus shall be capable of operation on a channel approved by the Central Government. If the apparatus is operating in the VHF band, precautions shall be taken to prevent selection of VHF channel 16 on equipment capable of being operated on that frequency.

(4) The apparatus shall be operated from a battery of adequate capacity to ensure 4 hour operation with a duty cycle of 1 : 9.

(5) While at sea, the equipment shall be maintained in satisfactory condition whenever necessary, the battery shall be brought to the fully charged condition or replaced.

PART VII

Two-way communication system

(1) The emergency communication system on board shall be so arranged that it shall be possible to provide two-way communication between the bridge and emergency control stations, muster and embarkation stations and other strategic positions on board. The system may be used to provide communication between bridge and forward and aft mooring stations and other such areas.

(2) The communication system shall be brought into operation from the bridge only.

(3) The communication system shall be capable of operation on both the mains and the emergency power supply.

PART VIII

General emergency alarm system

(1) The general emergency alarm system shall be capable of sounding the general emergency alarm signal consisting of seven or more short blasts followed by one long blast on the ship's whistle or siren and additionally on an electrically operated bell or klaxon or other equivalent warning system, which shall be powered from the ship's main supply and the emergency source of electrical power. The system shall be capable of operation from the navigating bridge and, except for the ship's whistle also from other strategic points. The system shall be audible throughout all the accommodation and normal crew working spaces.

(2) The system shall be used for summoning passengers and crew to muster stations. The system shall be supplemented by either a public address system or other suitable means of communications.

PART IX

Rocket parachute flares (ships)

1. The rocket parachute flare shall.—(1) be contained in a water-resistant casing;

(2) have brief instructions or diagrams clearly illustrating the use of the rocket parachute flare printed on its casing;

(3) have integral means of ignition;

(4) be so designed as not to cause discomfort to the person holding the casing when used in accordance with the manufacturer's operating instructions.

2. The rocket shall, when fired vertically, reach an altitude of not less than 300 metre. At or near the top of its trajectory the rocket shall eject a parachute flare, which shall—

(1) burn with a bright red colour;

(2) burn uniformly with an average luminous intensity of not less than 30,000 candellas;

(3) have a burning period of not less than 40 Seconds;

(4) have a rate of descent of not more than 5 metres per second;

(5) not damage its parachute or attachment while burning;

3. All components, compositions and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to enable the rocket to maintain its serviceability under good average storage condition for a period of at least two years.

4. (1) The rocket shall be packed in a container which shall be durable, damp proof and effectively sealed.

(2) If made of metal the container shall be lacquered, or otherwise adequately protected against corrosion.

5. The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket and on the container.

6. Clear and concise directions for use in the English and Hindi language shall be printed indelibly on the rocket.

PART X

Rocket parachute flare (Survival Craft). Rocket parachute flares (Survival Craft) shall comply with the requirement of Part IX of this Schedule and shall in addition also be capable of functioning properly after immersing in water for one minute and after removing of adhering water by shaking.

PART XI

Hand held distress flares

1. The hand flare shall.—(1) Be contain in a water-resistant casing.

(2) Have brief instructions or diagrams clearly illustrating the use of the hand flare printed on its casing.

(3) Have a self-contained means of ignition.

(4) Be so designed as not to cause discomfort to the person holding the casing and not endanger the survival craft by burning or glowing residues when used in accordance with the manufacturer's operating instructions.

2. The hand flare shall.—(1) Burn with a bright red colour.

(2) Burn uniformly with an average luminous intensity of not less than 15,000 Candellas.

(3) Have burning period of not less than 1 minute.

(4) Continue to burn after having been immersed for a period of 10 seconds under 100 millimetres of water.

3. The flare shall be water-proofed and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

4. The flare shall be stamped indelibly with the date on which it is filled.

5. Clear and concise direction for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the flare.

6. All components, compositions and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to enable the flares to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least three years.

PART XII

Self activating smoke signals (Lifebuoy) Self-activating smoke signals shall :

(1) emit smoke of a highly visible colour at a uniform rate for a period of at least 15 minutes when floating in calm water.

(2) not ignite explosively or emit any flame during the entire smoke emission time of the signal.

(3) not be swamped in a seaway.

(4) continue to emit smoke when fully submerged in water for a period of at least 10 seconds.

(5) be capable of withstanding the drop test specified in paragraph 1(i) of Part I of the Second Schedule.

PART XIII

Self igniting lights Lifebuoys and life jackets.

1. Lifebuoy self igniting lights shall :

(1) be such that they cannot be extinguished by water.

(2) be capable of either burning continuously with a luminous intensity of not less than 2 candellas in all directions of the upper hemisphere or flashing (discharge flashing) at a rate of not less than 50 flashes per minute with at least the corresponding effective luminous intensity.

(3) be provided with a source of energy capable of meeting the requirement of sub-paragraph 1 for a period of at least 2 hours.

(4) be capable of withstanding the drop test specified in paragraph 1(i) of part I of the Second Schedule.

2. Litejacket lights.—(1) Each litejacket light shall :

(1) have a luminous intensity of not less than 0.75 candellas.

(2) have a source of energy capable of providing a luminous intensity of 0.75 candellas for a period of 8 hrs.

(3) be visible over as great a segment of the upper hemisphere as is practicable when attached to a litejacket.

(2) If the referred to in paragraph 3.1 is a flashing light it shall, in addition :

(i) be provided with a manually operated switch.

(ii) not be fitted with a lens or curved reflector to concentrate the beam.

(iii) flash at a rate of not less than 50 flashes per minute with an effective luminous intensity of at least 0.75 candellas.

PART XIV

Buoyant smoke signals (Lifeboat/Lifecraft)

1. The buoyant smoke signal shall :

(1) be contained in a water resistant casing.

(2) not ignite explosively when used in accordance with the manufacturer's operating instructions.

(3) have brief instructions or diagrams clearly illustrating the use of the buoyant smoke signal printed on its casing.

2. The buoyant smoke signal shall.—(1) emit smoke of a highly visible colour at uniform rate for a period of not less than 3 minutes when floating in calm water.

(2) not emit any flare during the entire smoke emission time.

(3) not be swamped in a seaway.

(4) continue to emit smoke when submerged in water for a period of 10 seconds under 100 millimetres of water.

PART XV

Search light (life boat and rescue boat)

A Searchlight shall be capable of effectively illuminating a light-coloured object at night having a width of 18 metres at a distance of 180 metres for a total period of 6 hours and working for at least 3 hours continuously.

PART XVI

International Life Saving Signals

The following signals shall be used by life-saving stations and maritime rescue units when communicating with ships or persons in distress and by ship or persons in distress when communicating with life-saving stations and maritime rescue units. The signals used by aircraft engaged in

search and rescue operations to direct ships are indicated in paragraph (d) below. An illustrated table describing the signals listed below shall be readily available to the officer of the watch of every ship to which this rule apply.

SIGNAL

By day-Orange smoke signal or combined light and sound signal (thunderlight) consisting of three single signals which are fired at intervals of approximately one minute. By night-White star rocket consisting of three single signals which are fired at intervals of approximately one minute.

If necessary the day signals may be given at night or the night signals by day.

(b) Landing signals for the guidance of small boats with crews or persons in distress :

SIGNAL

By day-Vertical motion of a white flag or the arms or firing of a green star-signal or signalling the code letter 'K' (-o-) given by light or sound-sign all apparatus. By night-Vertical motion of a white light or flare, or firing of a green star-signal or signalling the code letter 'K' (-o-) given by light or sound-signal apparatus. A range (indication for direction) may be given by placing a steady white light or flare at a lower level and in line with the observer.

By day-Horizontal motion of a white flag or arms extended horizontally or firing of a red star-signal or signalling the code letter 'S' (oo) given by light or sound-signal apparatus. By night-Horizontal motion of a white light or flare or firing of a red star-signal or signalling the code letter 'S' (oo) given by light or sound-signal apparatus.

By day-Horizontal motion of a white flag, followed by the placing of the white flag in the ground and the carrying of another white flag in the direction to be indicated or firing of a red star-signal vertically and a white star-signal in the direction towards to the better landing place or signalling the code letter 'S' (oo) followed by the letter code 'R' (oo).

if a better landing place for the craft in distress is located more to the right in the direction of approach for the code letter 'L' (o-oo) if a better landing place for the craft in distress is located more to the left in the direction of approach.

By night-Horizontal motion of a white light or flare, followed by the placing of the white light or flare on the ground and the carrying of another white light or flare in the direction to be indicated or firing of a red star-signal vertically and a white star-signal in the direction towards the better landing place or signalling the code letter 'S' (ooo) followed by code letter 'R' (ooo) if a better landing place for the craft in distress is located more to the right in the direction of approach or the code letter 'L' (...) if a better landing place for the craft in distress is located more to the left in the direction of approach.

(c) Signals to be employed in connection with the use of shore life-saving apparatus :

SIGNAL

By day-Vertical motion of a white flag or the arms of firing of a green star-signal.

By night-Vertical motion of a white light or flare or firing of a green star-signal.

By day-Horizontal motion of a white flag or arms extended horizontally or firing of a red star-signal.

By night-Horizontal motion of a white light or flare or firing of a red star-signal.

(d) Signals used by aircraft engaged on search and rescue operation to direct ships towards an aircraft, ship or person in distress :

(i) When an aircraft desires to direct a surface craft towards an aircraft or a surface craft in distress it shall perform the following procedures in sequence.

(a) Replies from life-saving stations or maritime rescue units to distress signals made by a ship or person :

SIGNIFICATION

'Your are seen-assistance will be given as soon as possible'.
(Repetition of signals shall have the same meaning).

SIGNIFICATION

'This is the best place to land'.

'Landing here highly dangerous'.

'Landing here highly dangerous. A more favourable location for landing is in the direction indicated.'

'Landing here highly dangerous. A more favourable location for a landing is in the direction indicated'

SIGNIFICATION

In general-'Affirmative'.
Specifically ;

'Rocket line is held'

'Tail block is made fast'

'Hawser is made fast'

'Man is in the breeches buoy'

'Haul away.'

In general-'Negative'.

Specifically :

'Slack away'

'Avast hauling'.

- (1) circling the surface craft at least once ;
- (2) crossing the projected course of the surface craft ahead at a low altitude opening and closing the throttle or changing the propeller pitch ;
- (3) heading in the direction in which the surface craft is to be directed.

Repetition of such procedures has the same meaning.

- (ii) The following procedure performed by an aircraft means that the assistance of the surface craft to which the signal is directed is no longer required : crossing the wake of the surface craft close astern at a low altitude, opening and closing the throttle or changing the propeller pitch.

EIGHTH SCHEDULE

[See rule 8(2)]

MUSTER LIST AND EMERGENCY INSTRUCTIONS

1. General.—The master of every ship shall prepare a Muster list and emergency instructions which shall comply with the following :—

- (a) The muster list shall specify details of the General emergency alarm signal and the action to be taken by crew and passengers when this alarm is sounded. The Muster list shall also specify how the order to abandon ship will be given and the details of the signal to indicate fire emergency.
 - (b) The Muster list shall show the duties assigned to the different members of the crew including :
 - (i) closing the watertight doors, fire doors, valves, scuppers, sidescuttles, swylights, potholes and other similar openings in the ship ;
 - (ii) equipping of the survival craft and other life saving appliances ;
 - (iii) preparation and launching of survival craft ;
 - (iv) general preparations of other life savings appliances ;
 - (v) Muster of passengers ;
 - (vi) use of communication equipment ;
 - (vii) manning of fire parties assigned to deal with fires ;
 - (viii) special duties assigned in respect of the use of fire-fighting equipment and installations.
 - (c) The muster list shall specify the officers who are assigned to ensure that life saving and fire appliances are maintained in good condition and are ready for immediate use.
 - (d) The muster list shall specify substitutes for key persons who may become disabled, taking into account that different emergencies may call for different actions.
 - (e) The muster list shall show the duties assigned to members of the crew in relation to passengers in case of emergency.
- The duties shall includes :
- (i) warning the passengers ;
 - (ii) seeing that they are suitably clad and have donned their lifejackets correctly ;
 - (iii) assembling passengers at muster stations ;
 - (iv) keeping order in the passageways and on the stairways and generally controlling the movements of the passengers ;
 - (v) ensuring that a supply of blankets is taken to the survival craft.
- (f) The muster list shall be prepared before the ship proceeds to sea. After the muster list has been prepared, if any change takes place in the crew which necessitates an alteration in the muster list, the master shall either revise the list or prepare a new list.

2. The format of the muster list used on every ship shall be scrutinized by the surveyor every time the safety equipment on board a ship is impeded to ensure compliance with this schedule.

NINTH SCHEDULE

[See rule 13(7)27 19(8) 27 and 36]

Float free arrangements for liferafts

1. The liferaft painter system shall provide a connection between the ship and the liferaft and shall be so arranged as to ensure that the liferaft when released and, in the

case of an inflatable liferaft when inflated, is not dragged under by the sinking ship.

2. If a weak line is used in the float free arrangement, it shall :

- (a) not be broken by the force required to pull the painter from the liferaft container ;
- (b) if applicable, be of sufficient strength to permit the inflation of the liferaft ;
- (c) break under a strain of 2.2 + 0.4 Kilo Newtons.

3. If a hydrostatic release unit is used in the floatfree arrangements it shall .

- (a) be constructed of compatible materials so as to prevent malfunction of the unit. Galvanizing or other forms of metallic coating on parts of the hydrostatic release unit shall not be accepted ;
- (b) automatically release the liferaft at a depth of not more than 4 minutes ;
- (c) have drains to prevent the accumulation of water in the hydrostatic chamber when the unit is in its normal position ;
- (d) be so constructed as to prevent release when seas wash over the unit ;
- (e) be permanently marked on its exterior with its type and serial number ;
- (f) be provided with a document of identification places stating the date of manufacture, type and serial number ;
- (g) be such that each part connected to the painter system has strength of not less than required for their painter.

4. Hydrostatic release units shall be serviced :

- (a) at intervals not exceeding 12 months. However, in cases where it appears proper and reasonable, the Central Government may extend this period to 17 months ;
- (b) at a servicing station which is competent to service them, maintains proper servicing facilities and uses only properly trained personnel.

TENTH SCHEDULE

(See rule 17)

Every line throwing appliance shall :

- 1. be capable of throwing a line with reasonable accuracy,
- 2. include not less than four projectiles each capable of carrying the line at least 230 m in calm weather;
- 3. include not less than four lines each having breaking strength of not less than 2 Kilo Newton ;
- 4. have brief instructions or diagrams clearly illustrating the use of the line-throwing appliance.

2. The rocket, in the case of a pistol fired rocket, or the assembly, in the case of an integral rocket and line, shall be contained in a water resistant casing. In addition, in the case of a pistol-fired rocket, the line and rockets together with the means of ignition shall be stowed in a container which provides protection from the weather.

- 3. (i) All components, composition and ingredients of the rockets and the means of igniting them shall be of such a character and of such quality as to enable them to maintain their service ability under good average storage conditions for a period of at least two years.
- (ii) The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket and its container and the date of packing shall be similarly marked on the cartridge containers.

ELEVENTH SCHEDULE

[See rule 18(1) and (6)]

Training Manual

1. The training manual, which may comprise of several volumes, shall contain instructions and information, in easily understood terms illustrated wherever possible, on

the life-saving appliances provided in the ship and on the best methods of survival. Any part of such information may be provided in the form of audio-visual aids in lieu of the manual. The following shall be explained in detail :

1. donning of lifejackets and immersion suits, as appropriate ;
2. muster at the assigned stations,
3. boarding, launching, and clearing the survival craft and rescue boats,
4. method of launching from within the survival craft ;
5. release from launching appliances ;
6. methods and use of devices for protection in launching areas, where appropriate ;
7. illumination in launching areas ;
8. use of all survival equipment ;
9. use of all detection equipment ;
10. with the assistance of illustrations, the use of radio life-saving appliances ;
11. use of drogues ;
12. use of engine and accessories ;
13. recovery of survival craft and rescue boats including stowage and securing ;
14. hazards of exposure and the need for warm clothing ;
15. best use of the survival craft facilities in order to survive ;
16. methods of retrieval, including the use of helicopter, rescue gear (slings, baskets, stretchers), breeches, buoy and shore life-saving apparatus and ship's line-throwing apparatus ;
17. all other functions contained in the muster list and emergency instructions ; and
18. instructions for emergency repair of the life-saving appliances.

2. Instructions in the use of the ship's life-saving appliances and in survival at sea shall be given by the Master or other officers at the same interval as the drills. Individual instructions may cover different parts of the ship's life-saving system, but all the ship's life saving equipment and appliances shall be covered within any period of 2 months. Each member of the crew shall be given instructions which shall include but not necessarily be limited to :

- (a) operation and use of the ship's inflatable liferafts ;
- (b) problems of hypothermia, first-aid treatment for hypothermia and other appropriate first-aid procedures ; and
- (c) special instructions necessary for use of the ship's life-saving appliances in severe weather and severe sea conditions.

3. On-board training in the use of davit-launched liferafts, shall take place at intervals of not more than 4 months on every ship fitted with such appliances. Whenever practicable this shall include the inflation and lowering of a liferaft. This liferaft may be a special liferaft intended for training purposes only, which is not part of the ship's life-saving equipment. Such a special liferaft shall be conspicuously marked.

TWELFTH SCHEDULE

[See rule 18(3)]

Abandon ship drills and fire drills

PART I

Abandon ship drill

1. Each abandon ship drill shall include—(1) summoning of passengers and crew to muster stations by sounding the alarm of signals specified in Part VI of the Seventh Schedule.
- (2) ensuring that the passengers and crew are informed of the process the abandon ship order is given ;
- (3) reporting to stations and preparing for the duties described in the muster list ;
- (4) checking that passengers and crew are suitably dressed ;

- (5) checking that lifejackets are correctly donned ;
- (6) lowering of at least one lifeboat after any necessary preparation for launching ;
- (7) starting and operating the lifeboat engine ;
- (8) operation of davits used for launching liferafts.

2. Different lifeboats shall, as far as practicable, be lowered in compliance with the requirements of paragraph 1(6) above at successive drills.

3. Drills shall, as far as practicable, be conducted as if there were an actual emergency.

4. Each lifeboat shall be launched with its assigned operating crew abroad and manoeuvred in the water at least once every 3 months during an abandon ship drill. Ships operating on short voyages may not be expected to launch the lifeboats on one side if their berthing arrangements in port and their trading patterns do not permit launching of lifeboats on that side. However, all such lifeboats shall be lowered at least once every 3 months and launched at least annually.

5. As far as is reasonable and practicable, rescue boats other than lifeboats which are also rescue boats, shall be launched each month with their assigned crew abroad and manoeuvred in the water. In all cases this requirement shall be complied with at least once every 3 months.

6. If lifeboat and rescue boat launching drills are carried out with the ship making headway, such drills shall, because of the dangers involved be practised in sheltered waters only and under the supervision of an officer experienced in such drills.

7. Emergency lighting for mustering and abandonment shall be tested at each abandon ship drill.

PART II

Fire Drill

1. Each fire drill shall be conducted in as realistic manner as possible. Before organising the fire drill, the equipment required to be carried on board vide Merchant Shipping (fire appliances) rules, shall be checked to ensure that it is in working order.

2. Each fire drill shall include summoning of crew to fire station with an alarm signal as specified in the muster list.

3. As far as possible, fire parties shall be organised to act as an integrated unit and should carry with it the equipment that is necessary including communication equipment.

4. Each fire party shall be under the charge of a person who has been trained in fire fighting and a second in command with similar training shall be nominated.

5. The remaining crew shall be assigned task to attend to following details :

- (a) restriction of ventilation operation of remote switches and controls and emergency life pump.
- (b) administration of first aid.
- (c) evacuation of crew members and/or passengers from any areas likely to be affected by fire.
- (d) preparation of survival crafts for "abandon ship" if necessary.
- (e) maintenance of efficient watch in the Engine room, on the bridge, in the radio room and at other control stations where necessary.

6. At each of the fire drills, fire parties shall be informed of the location of the fire and its nature immediately after they are assembled.

7. The persons in charge of the fire party shall communicate the progress of fire fighting operations by using efficient communication system. Special signals, if any, should be intimated to all concerned. When communications are established on a portable two way radio system, each communication should indicate that the exercise is a fire drill. The precaution is necessary as this communication can be heard for a considerable distance and may raise unnecessary alarms.

8. In order to conduct realistic drills, dummy fires may be arranged in suitable locations on decks. For instruction purposes, the lighting of dummy fire should be carried out in the presence of the crew to familiarize them with the effectiveness of the equipment.

9. On every ship a person should be designated as a fire training officer. The training officer shall instruct a batch of crew members once every week in the use of fire equipment, location of such equipment and the location of alarms.

10. Every crew member should undergo such training within 15 days of joining a ship and thereafter atleast once every 2 months.

11. As matter of training all deck officers be placed in the Engine Room fire control party in turn and all engineer officers be placed in 'abandon ship' preparation parties.

12. At the conclusion of each drill, Master, Chief Engineer and the Fire Control Officer shall assess the performance and direct further on board training where necessary.

THIRTEENTH SCHEDULE

(See rule 19(2) and (5))

Instructions for onboard maintenance

1. Instructions for onboard maintenance of life-saving appliance shall be easily understood, illustrated wherever possible and, as appropriate, shall include the following for each appliance :

- (1) a checklist for use when carrying out the inspections ;
- (2) maintenance and repair instructions ;
- (3) schedule of periodic maintenance ;
- (4) diagram of lubrication points with the recommended lubricants ;
- (5) list of replaceable parts ;
- (6) list of sources of spare parts ;
- (7) log for record of inspections and maintenance.

2. Weekly inspection.—(1) The following tests and inspection shall be carried out weekly all survival craft, rescue boats and launching appliances shall be visually inspected to ensure that they are ready for use ;

(2) all engines in lifeboats and rescue boats shall be run ahead and astern for a total period of not less than 3 minutes provided the ambient temperature is above the minimum temperature required for starting the engine. Ships constructed before 1st July 1986 shall comply with the provisions as far as it is practicable.

(3) the general emergency alarm system shall be tested.

3. Monthly inspection :

Inspection of the life-saving appliances, including life-boat equipment, shall be carried out monthly using the checklist mentioned above to ensure that they are complete and in good order. A report of the inspection shall be entered in the log-book.

FOURTEENTH SCHEDULE

(See rule 42(2), 43(c))

Class 'C' Boat

(1) Every Class 'C' boat shall be—

- (a) a open boat constructed with rigid sides.
- (b) of such form and proportions that it shall have ample stability in seaway and sufficient free board when loaded with greatest number of persons for whom seating is provided and its full equipment.

(c) not less than 4.3 metres and not more than 5.5 metres in length.

(d) fitted with thwart and side seats as low in the boat as practicable and bottom boards.

(e) fitted with internal buoyancy so placed as to secure stability when the boat is fully loaded under adverse weather condition. The internal buoyancy shall consist of either of air cases constructed of copper or muntz metal or of other equally suitable material.

(f) shall be provided with sufficient internal buoyancy of float the boat with air its equipments on board when the boat is flooded and open to the sea. In addition inherent buoyancy be provided equal to 280 newton of buoyant force per person the boat is permitted to accommodate. The buoyant material shall not be installed external to the hull of the boat.

(2) The carrying capacity of the Class 'C' boat shall be determined by the number of persons having an average mass of 75 Kilograms, all wearing life-jackets that can be seated in a normal position without interfering the operation of any of the boats equipment.

(3) Every Class 'C' boat shall carry :

- (a) sufficient buoyant oars to make headway in calm seas. Thole pins, crutches or equivalent arrangements shall be provided for each oar provided. Thole pins or crutches shall be attached to the boat by lanyards or chains ;
- (b) two boat-hooks ;
- (c) a buoyant bailer and a bucket ;
- (d) an efficient painter of a length equal to not less than twice the distance from the stowage position of the lifeboat to the waterline in the lightest seagoing condition or 15 metres, whichever is the greater ;
- (e) an hatchet ;
- (f) watertight receptacles containing a total of 3 litres of fresh water for each person the lifeboat is permitted to accommodate ;
- (g) a rustproof dipper with lanyard ;
- (h) a rustproof graduated drinking vessel ;
- (i) two rockets parachute flares complying with the requirements of Part X of Seventh Schedule ;
- (j) four hand flares complying with the requirements of Part XI of Seventh Schedule ;
- (k) two buoyant smoke signals complying with the requirements of Part XIV of the Seventh Schedule ;
- (l) one waterproof electric torch suitable for Morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a waterproof container.
- (m) one daylight signalling mirror with instructions for its use for signalling to ships and aircraft ;
- (n) one whistle or equivalent sound signal ;
- (o) a jack-knife to be kept attached to the boat by a lanyard ;
- (p) three tin openers ;
- (q) one buoyant rescue quoit, attached to not less than 30 metres of buoyant line ;
- (r) one set of fishing tackle.

[F. No. SR/11013/3/86-MAJ]

K. PADMANABHACHAR Under Secy.